राष्ट्रीय संस्करण

CopyRight - Jagran.com

वर्ष 3 अंक 114

दैनिक जागरण

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, बुधवार, 2 अक्टूबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

सरोकार

गांधी की खादी को दे दिए 'उमंग' भरे नए रंग

इंदौर : 27 साल की उमंग श्रीधर ने नई पीढ़ी के बीच गांधी को लौटा लाने की सच्ची कोशिश की है। फोर्ब्स 30 अंडर-30 में जगह बना चुकी उमंग और उनके स्टार्टअप खाडिजी ने खादी को बड़ी चतुराई से वैश्विक बाजार मुहैया कराया है। (पेज-11)

जागरण विशेष

यहां मां के जयकारों के साथ गूंजते हैं शहीदों के तराने

जम्मू : ऊधमपुर स्थित पिंगला माता मंदिर में हर शारदीय नवरात्र पर शहीद जवानों के नाम से अखंड ज्योति प्रज्वलित की जाती है। पिंगला माता यात्रा में शहीदों के परिजन भी पहुंचते हैं। जिनका सम्मान किया जाता है। (पेज-10)

एससी-एसटी एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने पलटा अपना ही फैसला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) एक्ट मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से सरकार को कानूनी तौर पर बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने केंद्र सरकार की पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि पहले दिया गया फैसला संविधान की भावना के सम्मत नहीं था। जिसमें इस कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए तत्काल व गैरजमानती गिरफ्तारी पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने संसद से विधेयक पारित कराकर इस फैसले को निरस्त करते हुए पुराना विधेयक लागू कर दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर मुहर लगा दी है।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस आदर्श कुमार गोयल और यूयू ललित की पीठ ने 20 मार्च, 2018 को गिरफ्तारी की प्रक्रिया को शिथिल करते हुए अग्रिम जमानत का प्रावधान कर दिया था। साथ ही ऐसे मामलों को भी जांच के बाद दर्ज करने के निर्देश दिए थे। कोर्ट के इस फैसले के बाद उस समय देशभर में दलित संगठनों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया था। जिसके बाद सरकार ने कोर्ट के फैसले पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी। हालांकि फैसला आने में देरी होते देख सरकार ने पहले अध्यादेश और बाद में संसद से बिल पारित कराकर एससी-एसटी एक्ट को लेकर पुरानी व्यवस्था को बहाल किया था। साथ ही सुप्रीम कोर्ट से फैसले पर पुनर्विचार की अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अरुण मिश्रा, जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने मंगलवार को पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई करते हुए निचली कोर्ट के फैसले को संविधान की भावना के विपरीत बताया और कहा, 'एससी-एसटी का संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्हें अभी भी छूआछूत, दुर्व्यवहार और सामाजिक बहिष्कार जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उनके संरक्षण से जुड़े कानून में बदलाव ठीक नहीं है।'

आज भी नियति से साक्षात्कार का प्रयोग कर रहा समाज : पीठ ने कहा कि भारतीय समाज आज भी नियति से साक्षात्कार का प्रयोग कर रहा है। आजादी के 70 साल बाद भी समाज में जारी छुआछूत और भेदभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए पीठ ने कहा कि दिल टटोलकर देखने की जरूरत है कि क्या 'हरिजन' ऊंची जाति के लोगों के साथ बराबरी के आधार पर उनसे हाथ मिला सकता है। क्या समाज मानसिकता और मानवीय गरिमा के उस स्तर पर पहुंचने में सक्षम हो गया है जहां जाति आधारित भेदभाव को खत्म किया जा सके।

पहली नजर में मामला नहीं तो जमानत का अधिकारी होगा आरोपित : शीर्ष कोर्ट ने गिरफ्तारी पर अग्रिम जमानत पर रोक जरूर लगाई है, लेकिन अगर कोई प्रथमदृष्टया मामला नहीं बनता है तो आरोपित नियमों के तहत जमानत का हकदार होगा।

दुरुपयोग को शीर्ष कोर्ट ने बताया मानवीय गलती पेज>>3

अग्रिम जमानत नहीं देने के पुराने एक्ट को ठहराया सही, लेकिन पूर्ण प्रतिबंध से इन्कार

हम इस पवित्र उम्मीद के साथ अपनी बात खत्म करते हैं कि एक दिन ऐसा आएगा जैसा संविधान निर्माताओं ने उम्मीद की थी, जब ऐसे कानून की जरूरत नहीं होगी, एससी-एसटी-ओबीसी को कोई आरक्षण उपलब्ध कराने की जरूरत नहीं होगी, सभी मायनों में सिर्फ एक ही वर्ग के मनुष्य होंगे और कोई जाति व्यवस्था या एससी-एसटी-ओबीसी वर्ग नहीं होगा, सभी नागरिक बंधनमुक्त होंगे और संविधान के लक्ष्य के मुताबिक समान होंगे। **– सुप्रीम कोर्ट पीठ की टिप्पणी**

न्यूज गैलरी

सिटी न्यूज पृष्ठ 2

रामलीला-दुर्गा पूजा में ज्यादा देर तक बजा सकेंगे लाउडस्पीकर

नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने राजधानी में रामलीला और दुर्गा पूजा के दौरान लाउडस्पीकर के प्रयोग का समय रात 10 बजे से बढ़ाकर रात 12 बजे तक कर दिया है। मुख्यमंत्री के आदेश पर पर्यावरण सचिव ने इस संबंध में सर्कुलर जारी किया है।

राज-नीति पृष्ठ 3

एएसआइ को बदनाम करना दुर्भाग्यपूर्ण : हिंदू पक्ष

नई दिल्ली : अयोध्या राम जन्मभूमि पर मालिकाना हक का दावा कर रहे भगवान रामलला के वकील सीएस वैद्यनाथन ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि मुस्लिम पक्ष का विश्व विख्यात संस्था एएसआइ (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) को बदनाम करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

नेशनल न्यूज पृष्ठ 5

खनन घोटाले में दो आइएएस अफसरों के ठिकानों पर छापे

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में सपा सरकार में हुए करोड़ों के खनन घोटाले के मामले में सीबीआइ दिल्ली की टीम ने मंगलवार को लखनऊ में दो आइएएस अफसरों व सहारनपुर में पूर्व एमएलसी हाजी मुहम्मद इकबाल के घर समेत 11 स्थानों पर छापे मारे। देहरादून में भी कुछ ठिकानों पर छापेमारी की गई है।

कारोबार पृष्ठ 12

सितंबर में 91916 करोड़ रुपये रहा जीएसटी संग्रह

नई दिल्ली : सरकार को वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) से मिलने वाले राजस्व में कमी का सिलसिला बना हुआ है। सितंबर, 2019 में जीएसटी से सरकार को 91,916 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

नई चुनौती

टेस्ट सीरीज
भारत vs द. अफ्रीका
सुबह 9:00 बजे से
स्थान : विशाखापत्तनम
प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

व्यक्तिगत स्वतंत्रता व राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन जरूरी

बड़ा मुद्दा ▸ कश्मीर में संचार सेवाओं की बहाली वाली अर्जियों पर कोर्ट की टिप्पणी

जम्मू-कश्मीर के बंटवारे पर रोक लगाने से भी सुप्रीम कोर्ट ने किया इन्कार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

अनुच्छेद 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में लगे प्रतिबंधों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन होना चाहिए। शीर्ष अदालत ने राज्य के बंटवारे के फैसले पर भी फिलहाल रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। साथ ही अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र और जम्मू-कश्मीर प्रशासन से चार हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा है। अब इस मामले पर 14 नवंबर से सुनवाई होगी।

जम्मू-कश्मीर से संबंधित ये दोनों मामले सोमवार को अलग अलग पीठों के समक्ष सुनवाई के लिए लगे थे। प्रतिबंध के मामलों पर तीन न्यायाधीशों की पीठ ने सुनवाई की जबकि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सुनवाई की। प्रतिबंधों के मामलों में याचिकाकर्ताओं का कहना था कि राज्य में अभी भी प्रतिबंध जारी हैं। इस पर जम्मू-कश्मीर प्रशासन की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने हलफनामा दाखिल कर बताया है कि राज्य में सौ फीसद लैंड लाइन फोन काम कर रहे हैं। इंटरनेट सेवा नहीं बहाल की गई है, क्योंकि इंटरनेट मोबाइल शुरू होने से वाट्सएप पर फर्जी मैसेज चलने लगते हैं।

राज्य में इंटरनेट के लिए इंटरनेट सेंटर बने हैं। जब याचिकाकर्ता की ओर से उनके वकील ने कहा कि पिछले आदेश में कोर्ट ने हर तरह की संचार सेवा बहाल करने का आदेश दिया था, लेकिन उसके आदेश का पालन नहीं हुआ है। इस पर जस्टिस गवई ने कहा कि उस आदेश में कोर्ट ने यह भी कहा था कि सभी संचार बहाल करो लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए। जस्टिस गवई ने कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन होना चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और याचिकाकर्ता गुलाम नबी आजाद के वकील हुजेफा अहमदी ने शीर्ष अदालत में कहा कि सरकार को जवाब देना चाहिए कि किस कानून के तहत कश्मीर में प्रतिबंध लगाए गए हैं। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि दिन में कोई प्रतिबंध नहीं है रात में जरूरत के हिसाब से प्रतिबंध लगाए जाते हैं। कोर्ट ने सरकार से इस बारे में दो सप्ताह में जवाब देने को कहा है। मामले में बहुत सी हस्तक्षेप अर्जियां दाखिल होने पर भी कोर्ट ने सवाल उठाए।

अनुच्छेद 370 को हटाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए संविधान पीठ ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन कानून लागू कर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को बांट कर दो अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। कानून के मुताबिक दोनों को बांटने के कानून पर 31 अक्टूबर से अमल शुरू हो जाएगा और परिसीमन प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी।

अब और नई याचिकाएं नहीं

31 अक्टूबर के बाद याचिकाएं महत्वहीन हो जाने की याचिकाकर्ताओं की आशंका पर पीठ ने कहा कि अगर फैसला उनके हक में आया तो कोर्ट घड़ी का कांटा वापस भी घुमा सकता है। यानी पुरानी स्थिति बहाल की जा सकती है। इसके अलावा कोर्ट ने अनुच्छेद 370 और पुनर्गठन कानून के मामले में दाखिल याचिकाओं का जवाब देने के लिए केंद्र सरकार को चार सप्ताह का समय देते हुए मामले की सुनवाई 14 नवंबर तक स्थगित कर दी। कोर्ट ने यह भी कहा कि अब इस मामले मे कोई नई याचिका नहीं दाखिल की जाएगी।

फड़नवीस पर चलेगा आपराधिक मामलों की सूचना न देने का केस

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, चुनावी हलफनामे में नहीं दी थी जानकारी

नई दिल्ली, प्रेट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के खिलाफ चुनावी हलफनामे में आपराधिक मामलों की जानकारी नहीं देने का मुकदमा चलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अपने फैसले में कहा कि चुनाव के दौरान दाखिल हलफनामे में आपराधिक मामलों की जानकारी नहीं देने के कारण मुख्यमंत्री को मुकदमे का सामना करना होगा। फैसले के बाद मुख्यमंत्री फड़नवीस के कार्यालय ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि यह कहना गलत और अपमानजनक है कि शीर्ष कोर्ट ने मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है। शीर्ष कोर्ट का फैसला फड़नवीस के जनप्रतिनिधि बने रहने या अगला चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध नहीं लगाता है।

मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई, जस्टिस दीपक गुप्ता और अनिरुद्ध बोस की पीठ ने अपने फैसले में देवेंद्र फड़नवीस द्वारा दो लंबित आपराधिक मामलों की जानकारी उपलब्ध नहीं कराने के मामले में बांबे हाई कोर्ट का आदेश निरस्त कर दिया। पीठ ने कहा, 'प्रतिवादी (फड़नवीस) को दो लंबित मामलों की जानकारी थी।' शीर्ष अदालत ने सतीश उकी की चुनौती याचिका पर यह फैसला दिया है। हाई कोर्ट ने कहा था कि फड़नवीस को इस कथित अपराध के लिए जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत मुकदमे का सामना करने की जरूरत नहीं है।

हमारा सरोकार सीमित मुद्दे पर है : कोर्ट पेज>>3

बंगाल में एनआरसी लागू होकर रहेगा : अमित शाह

जागरण संवाददाता, कोलकाता

- गृह मंत्री बोले – हिंदू, बौद्ध, सिख व जैन शरणार्थियों को देश नहीं छोड़ना पड़ेगा
- शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए एनआरसी लागू करने से पहले संशोधन बिल होगा पारित

'बंगाल सहित देश में एनआरसी लागू होकर रहेगा। ममता बनर्जी जब विपक्ष में थीं तो बंगाल से घुसपैठियों को निकालने की बात करती थीं। इस मसले पर एक बार उन्होंने अपनी शाल स्पीकर के मुंह पर फेंक दी थी। अब जब ये घुसपैठिये उनके वोट बैंक बन गए हैं तो वह उन्हें हटाना नहीं चाहतीं।' यह बातें मंगलवार को कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में एनआरसी पर आयोजित संगोष्ठी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहीं। इस दौरान वह काफी आक्रामक नजर आए। उन्होंने कहा- 'देश से घुसपैठियों को खदेड़कर रहेंगे। इस पर केंद्र सरकार एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) विधेयक लाएगी। शरणार्थियों को नागरिकता देने को एनआरसी लागू करने से पहले नागरिकता संशोधन बिल पारित कराएगा जाएगा और बंगाल में भी एनआरसी को लागू किया जाएगा।' कहा, बंगाल में एनआरसी के नाम पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। ममता का यह कहना कि एनआरसी लागू होने पर लाखों हिंदुओं को बंगाल छोड़ना होगा, सबसे बड़ा झूठ है। भरोसा दिलाया कि सिर्फ घुसपैठियों को बाहर किया जाएगा। बता दें ममता बनर्जी सार्वजनिक मंचों पर कई बार कह चुकी हैं कि उनके रहते बंगाल में एनआरसी लागू नहीं होगा।

शाह ने आगे कहा- 'बंगाल और अनुच्छेद 370 में स्पेशल कनेक्शन है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने ही नारा दिया था-एक निशान, एक विधान और एक प्रधान। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने को लेकर हर जगह लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कर रहे हैं।

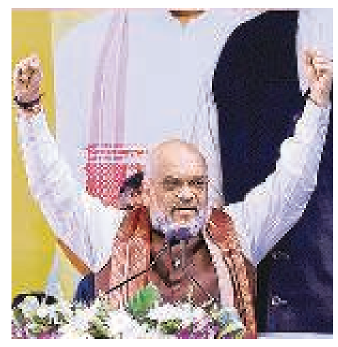

कोलकाता में मंगलवार को एनआरसी पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह। जागरण

देश से किसी शरणार्थी को जाने नहीं देंगे और किसी घुसपैठिए को रहने नहीं देंगे। मैं हिंदू, बौद्ध, सिख व जैन शरणार्थियों को इस बात का भरोसा दिलाता हूं। एनआरसी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। कोई भी देश इतने सारे घुसपैठियों के बोझ के साथ सही तरीके से चल नहीं सकता। इसे रोकना जरूरी है। **–अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री**

ममता का शाह पर पलटवार पेज>>3

दो साल संघ में बिताएं, दूर होंगी गलतफहमियां

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : पाकिस्तान व कुछ राजनीतिक दलों द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को एक विचारधारा में बांधने की कोशिशों के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने स्पष्ट किया है कि संघ को एक खास विचारधारा और किताब की सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता है। उन्होंने एक बार फिर लोगों से आरएसएस को लेकर कोई धारणा बनाने के पहले संघ में आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, कम से कम दो साल संघ में बिताएं, सभी गलतफहमियां दूर हो जाएंगी।

दिल्ली में अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुनील आंबेकर की पुस्तक 'द आरएसएस रोडमैप्स फॉर द ट्वेंटीफर्स्ट सेंचुरी' के विमोचन के अवसर पर भागवत ने कहा कि संघ का दृष्टिकोण व्यावहारिक है। इसमें सतत विचार मंथन चलता रहता है। यहां देशकाल, समय और परिस्थिति की कसौटी पर सामूहिक सहमति से फैसले लिए जाते हैं। विचारों में मतभेद हो सकता है, मनभेद नहीं होता। लोग अपने विचार रखने व लिखने को स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा, संघ की विचारधारा या संघ परिवार जैसी बातें कहना सही नहीं है। संघ को प्रगतिशील और व्यावहारिक बताते हुए उन्होंने कहा कि विचार स्थायी नहीं हैं। यह देशकाल, समय व परिस्थितियों की मर्यादा के संदर्भ में बदलते रहते हैं। पर मूल में दो बातें स्थायी हैं-हिंदू और हिंदुस्तान। जब तक भारत को मातृभूमि मानने वाला और अपने आपको हिंदू कहने वाला इस भूमि पर एक भी व्यक्ति जीवित है, तब तक यह हिंदू राष्ट्र है। हमारे राष्ट्र में भाषा, पंथ, राज्य के आधार पर विविधता में एकता है।

संघ को विचारों की परिधि से व्यापक बताते हुए भागवत ने कहा, उनके पास भी संघ की व्याख्या के लिए शब्द नहीं है। वह भी यह दावा नहीं कर सकते कि संघ को समझ पाए हैं। संघ को यदि समझा जा सकता है तो इसके संस्थापक डॉ. हेडगेवार के जीवन से। हमारे लिए झंडा अहम है। हनुमान और छत्रपति शिवाजी आदर्श हैं। इस मौके पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश केजी बालाकृष्णन ने कहा, संघ ने अस्पृश्यता व जातिवाद मिटाने में अच्छा काम किया है।

अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में पुस्तक के लोकार्पण के मौके पर बोलते सरसंघचालक मोहन भागवत। जागरण

किस देश से क्या खरीदना है, ये हम तय करेंगे

वाशिंगटन, एएफपी : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने साफ कहा है कि भारत को किस देश से क्या खरीदना है ये उसे ही तय करना है। कोई देश भारत को यह नहीं बता सकता है कि वह किस देश से कौन सा हथियार खरीदे और कौन सा नहीं। जयशंकर रूस से मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने के भारत के फैसले पर अमेरिका की आपत्ति के सवाल का जवाब दे रहे थे। इस सौदे से नाराज अमेरिका ने भारत पर प्रतिबंध लगाने की धमकी तक दी है।

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो के साथ बैठक से पहले संवाददाताओं से बातचीत में जयशंकर ने कहा, भारत ने यह हमेशा से कहा है कि उसे किस देश से सैन्य उपकरण खरीदने हैं यह तय करना उसका संप्रभु अधिकार है। उन्होंने कहा, 'हम यह नहीं चाहेंगे कि कोई देश हमसे यह कहे कि रूस से हमें क्या खरीदना है और क्या नहीं, इसी तरह हम यह भी नहीं पसंद करेंगे कि कोई देश हमसे यह कहे कि अमेरिका से हमें क्या खरीदना है और क्या नहीं।'

उल्लेखनीय है कि भारत ने पिछले साल रूस से 5.2 अरब डॉलर (35 हजार करोड़ रुपये) में पांच एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने का सौदा किया है। अमेरिका ने रूस से हथियार के बड़े सौदे करने वाले देशों पर प्रतिबंध लगा रखे हैं।

जयशंकर ने ईरान के मसले पर अमेरिका के साथ भारत के मतभेदों का भी उल्लेख किया। ट्रंप प्रशासन ने ईरान से तेल खरीदने पर प्रतिबंध लगा रखा है। भारत समेत कुछ देशों को छह महीने की छूट दी थी, जिसे अब खत्म कर दिया है। जयशंकर ने कहा कि हम अपनी नजर से ईरान को देखते हैं तो वह एक स्थिर और संतुलित शक्ति के रूप में नजर आता है।

कश्मीर पर भारत का रुख स्पष्ट, किसी की मध्यस्थता स्वीकार नहीं : विदेश मंत्री जयशंकर ने कश्मीर में मध्यस्थता के संबंध में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर कहा, 'भारत का रुख करीब 40 साल से इस बात को लेकर स्पष्ट है कि हम मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेंगे... और जो कुछ भी बातचीत होनी है, वह द्विपक्षीय होगी।'

भारत से पाक की तुलना पर उठाए सवाल पेज>>3

- भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूस से मिसाइल रक्षा प्रणाली सौदे को सही ठहराया
- कहा, रक्षा खरीद पर अमेरिका की चिंताओं को दूर करने की कोशिश जारी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वाशिंगटन में अपने अमेरिकी समकक्ष माइक पोंपियो से मुलाकात की। एएनआइ

यादों का झरोखा

महात्मा गांधी ने पहली अगस्त 1947 को कश्मीर में महाराजा हरि सिंह और उनकी पत्नी से की थी मुलाकात, महात्मा गांधी एक ही बार जम्मू कश्मीर आए और 10 दिन रुके

जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय को यकीनी बनाने आए थे बापू

नवीन नवाज, श्रीनगर

150 डेढ़ सौ साल के बापू

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने को लेकर आज देश में जहां बहुत कुछ कहा सुना जा रहा है, वहीं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी आजादी से कुछ दिन पूर्व पहली अगस्त 1947 को कश्मीर के अंतिम डोगरा शासक महाराजा हरि सिंह से भेंट करने जम्मू कश्मीर आए थे। महाराजा और महात्मा गांधी के बीच वार्ता का ब्योरा तो मौजूद नहीं है, लेकिन तत्कालीन राजनीतिक हालात और उसके बाद कश्मीर के घटनाक्रम में आए बदलाव के मद्देनजर माना जाता है कि बापू जम्मू कश्मीर के भारत में विलय को यकीनी बनाने आए थे।

महात्मा गांधी अपने पूरे जीवनकाल में एक ही बार जम्मू कश्मीर आए। उनका यह दौरा करीब 10 दिन चला था। उनके इस दौरे को लेकर बहुत कुछ कहा-सुना और लिखा गया। अलबत्ता, 1947 के तत्कालीन हालात, जम्मू कश्मीर में महाराजा के खिलाफ जारी आंदोलन और विलय पर संशय के बीच यह दौरा अत्यंत अहम था।

चिनार के पेड़ के नीचे महाराजा से मिले थे बापू

महाराजा हरि सिंह और महात्मा गांधी की मुलाकात के गवाह हैं पूर्व सदर-ए- रियासत डा. कर्ण सिंह। उनके मुताबिक महाराजा हरि सिंह और रानी तारा देवी के साथ महात्मा गांधी की मुलाकात एक अगस्त 1947 को गुलाब भवन (अब यह हेरीटेज होटल में बदल चुका है) के प्रांगण में चिनार के एक पेड़ के नीचे हुई थी, यह चिनार आज भी है। डॉ. कर्ण सिंह ने अपनी किताब में लिखा है, महात्मा गांधी के आगमन पर पूरे महल को बड़ी सादगी और करीने से सजाया गया था। गुलाब महल के सामने चिनार के नीचे ही उनके बैठने की व्यवस्था की गई थी। महात्मा गांधी को लेने के लिए महाराज हरि सिंह खुद पोर्च तक गए। मां महारानी तारा देवी ने उनके लिए विशेष तौर पर बकरी का दूध और फल मंगवाए थे। उनकी महाराजा हरि सिंह के साथ करीब डेढ़ घंटे बैठक चली। अलबत्ता, दोनों के बीच बातचीत का ब्योरा डॉ. कर्ण सिंह ने नहीं दिया है।

शेख अब्दुल्ला के परिवार से भी की थी मुलाकात : महात्मा गांधी श्रीनगर में ठेकेदार सेठ किशोरी लाल के मकान में रुके थे। वहां आयोजित प्रार्थना सभा में नेशनल कांफ्रेंस के संस्थापक शेख अब्दुल्ला (जो उस समय जेल में थे) की पत्नी बेगम अकबर जहां और बेटी खालिदा शाह भी शामिल हुईं थीं। इसके बाद महात्मा गांधी उनसे मिलने सौरा स्थित उनके पैतृक निवास भी गए, जहां उन्होंने बेगम अकबर जहां से कुरान की कुछ आयतों को दोहराने को कहा था। उन्होंने बाद में महाराजा हरि सिंह से चर्चा कर जेल में बंद नेताओं को रिहा करने का आग्रह किया था।

बापू ने भारत में शामिल होने की दी थी सलाह : जम्मू कश्मीर के वरिष्ठ पत्रकार स्व. वेद भसीन ने जम्मू विश्वविद्यालय में वर्ष 2003 में आयोजित सेमिनार एक्सपीरियंस ऑफ पार्टिएशन : जम्मू 1947, में कहा था कि जिन हालात में गांधी जी श्रीनगर पहुंचे और महाराजा से मिले, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि महात्मा गांधी ने उन्हें भारत में शामिल होने की सलाह दी। यह बात अलग है कि महात्मा गांधी ने अपने दौरे को गैर राजनीतिक करार देते हुए कहा था कि वह महाराजा के साथ कश्मीर यात्रा के पुराने वादे को निभाने गए थे। हालांकि कई ऐतिहासिक तथ्य पुष्ट करते हैं कि गांधी जी कश्मीर के विलय को यकीनी बनाए आए थे।

निराधार नहीं भसीन का दावा

1. दिवंगत वेद भसीन का यह दावा निराधार नहीं कहा जा सकता। सरदार पटेल के पत्रों पर आधारित किताब सरदार पटेल कारसपोंडेंस (पेज 36) में उल्लेख है कि ऑल इंडिया स्पिनर्स एसोसिएशन के सचिव रामधर ने 14 जुलाई 1947 को पत्र लिखा था कि महाराजा भारत में शामिल होने को तैयार हैं और प्रधानमंत्री रामचंद काक का विकल्प तलाश रहे हैं। स्पिनर्स एसोसिएशन का गठन महात्मा गांधी ने ही किया था।

2 : जोसेफ कोरबेल ने अपनी किताब कश्मीर इन डैंजर में लिखा है कि भारत लगातार कश्मीर में इंटरेस्ट ले रहा था और गांधी जी के प्रस्ताव से महाराजा काफी हद तक प्रभावित थे। तथ्य भी इसकी पुष्टि करते हैं, क्योंकि महात्मा गांधी के दौरे के अगले ही दिन काक को प्रधानमंत्री पद से हटा दिया गया और उसके बाद शेख अब्दुल्ला ने भारत के साथ जाने का एलान कर दिया।

भगवान, जाति, धर्म को नहीं मानते तो सरकार से प्रमाण पत्र की क्या जरूरत

दयानंद शर्मा, चंडीगढ़

- नो कास्ट, नो रिलीजन, नो गॉड सर्टिफिकेट देने की मांग को हाई कोर्ट ने किया खारिज
- टोहाना के एक युवक को सरकार ने पहले दिया था प्रमाण पत्र, बाद में कर दिया रद

नो कास्ट, नो रिलीजन, नो गॉड सर्टिफिकेट दिए जाने की मांग संबंधी एक याचिका को हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है। हाई कोर्ट ने याची से सवाल किया कि अगर वह नास्तिक हैं तो सरकार से प्रमाण पत्र लेने की क्या जरूरत है? भगवान, जाति और धर्म को मानना या न मानना किसी भी व्यक्ति का निजी मामला है।

टोहाना निवासी रवि कुमार नास्तिक ने हरियाणा सरकार के उस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें तहसीलदार द्वारा जारी नो कास्ट, नो रिलीजन, नो गॉड सर्टिफिकेट को रद करने का आदेश दिया गया था।

याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में कहा कि वह जातिहीन समाज में विश्वास रखता है। वह जाति, धर्म और किसी भी भगवान में विश्वास नहीं रखता। वह अनुसूचित जाति से है लेकिन सरकार द्वारा अनुसूचित जाति को मिलने वाले लाभ और आरक्षण का लाभ नहीं लेना चाहता।

रवि कुमार के अनुसार सभी लोग एक समान हैं तो जाति विशेष को लाभ क्यों दिया जा रहा है। मैं जाति व धर्म मुक्त समाज का पक्षधर हूं। इसके लिए मैंने लंबी लड़ाई के बाद तहसीलदार से नो कास्ट, नो रिलीजन, नो गॉड सर्टिफिकेट जारी करवाया था।

तहसीलदार टोहाना ने 24 अप्रैल 2019 को रवि कुमार को यह प्रमाण पत्र जारी किया था, लेकिन चार मई 2019 को सरकार ने यह प्रमाण पत्र रद कर दिया। याची ने हाई कोर्ट से आग्रह किया कि वह सरकार को आदेश दे कि उसे नो कास्ट, नो रिलीजन, नो गॉड सर्टिफिकेट जारी करे। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा, जब याची धर्म व जाति को नहीं मानता और खुद को नास्तिक मान रहा है। ऐसे में उसे कोई समस्या भी नहीं हो रही होगी तो उसे सर्टिफिकेट की जरूरत ही क्यों है।

400 छात्रों ने दिया है प्लेसमेंट के लिए साक्षात्कार हंसराज कॉलेज के। स्टॉक मार्केट, टेक्नोलॉजी, आइटी, एनालिसिस व निवेश प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर रहीं कई कंपनियां छात्रों को प्लेसमेंट दे रही हैं।

चतुर्थ

कृष्माण्डा

नवरात्र के चौथे दिन मां के चौथे स्वरूप कृष्माण्डा की उपासना का विधान है। मान्यता है कि त्रिविध तापों से युक्त संसार उनके उदर में स्थित है, ऐसी देवी की उपासना सृष्टि की जननी के रूप में की जाती है। मां को कूष्मांड (कुम्हड़े) की बलि प्रिय है। आठ भुजाएं होने के कारण देवी अष्टभुजा नाम से विख्यात हैं। सात हाथों में क्रमश: कमंडल, धनुष, बाण, कमल पुष्प, अमृत से परिपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा विभूषित है। उनके आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जप माला है। इनकी उपासना से रोग-शोक नष्ट होते हैं और आयु, यश व बल की वृद्धि होती है।

आज का विचार
सृजनात्मक कार्यों से न सिर्फ दूसरों पर प्रभाव पड़ता है, बल्कि अपने जीवन में भी प्रसन्नता आती है।

ध्यान मंत्र
सुरासंपूर्णकलशं रुधिराप्लुतमेव च।
दधाना हस्तपद्माभ्यां कूष्मांडा
शुभदास्तु मे।।

पद्मश्री डॉ. हरिहर कृपालु त्रिपाठी

...शांति के साथ हम दुश्मन का मुकाबला कर सकते हैं तो बिल्कुल करेंगे पर हमारे यहां कायरता और बुजदिली के लिए जगह नहीं है।

समाज में जब तक विषमता रहेगी, हिंसा भी रहेगी। हिंसा को खत्म करने के लिए पहले विषमता को समाप्त करना होगा।

न्यूज गैलरी

ग्रेनो में रागिनी गायिका की गोली मारकर हत्या

ग्रेटर नोएडा : बीटा दो कोतवाली क्षेत्र स्थित मित्रा सोसाइटी के सामने बाइक सवार दो बदमाशों ने रागनी गायिका सुषमा की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सुषमा का चार साल पहले पति से तलाक हो गया था। इसके बाद वह ग्रेटर नोएडा में लिव इन रिलेशन में रह रही थीं। मूलरूप से बुलंदशहर के जहांगीरपुर कस्बे की रहने वाली रागिनी गायिका सुषमा मित्रा सोसाइटी में रहती थीं। मंगलवार को वह मुकदमे की पैरवी के लिए बुलंदशहर गई थी। रात साढ़े आठ बजे के करीब जब मित्रा सोसाइटी पहुंचकर कार से उतर रही थीं तभी हेलमेट लगाए बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी। उन्हें कैलाश अस्पताल में ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एसएसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच के दौरान यह बात प्रकाश में आई है कि 19 अगस्त को भी उन पर बुलंदशहर में हमला किया गया था। (जासं)

होमवर्क नहीं करने पर पांचवीं के छात्र को पीटा

ग्रेटर नोएडा : होमवर्क नहीं करने पर प्रधानाचार्य ने कक्षा पांच के छात्र को 12 थप्पड़ मारे। छात्र का गाल लाल होकर सूज गया और अंगुली के निशान छप गए। पुलिस ने बच्चों की देखभाल और संरक्षण अधिनियम 2015 व मारपीट की धाराओं में प्रधानाचार्य प्रमोद शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से बुलंदशहर के रहने वाले यूसुफ परिवार के साथ मारकपुर गांव में रहते हैं। यूसुफ ने बताया कि उनका 13 वर्षीय पुत्र समीर लखनावली गांव स्थित आरसीएल विद्यालय में कक्षा पांच में पढ़ता है। सोमवार को गणित का होमवर्क नहीं किया था। इससे नाराज प्रधानाचार्य प्रमोद शर्मा ने 12 थप्पड़ जड़ दिए। (जासं)

योजना ▸ मुख्यमंत्री ने युद्धस्तर पर काम करने तैयार किया प्लान, प्रेसवार्ता में की घोषणा

1,260 किमी सड़कें होंगी चकाचक

सरकार की टीम शनिवार को सड़कों का करेगी मुआयना

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के अधिकार क्षेत्र में आने वाली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की 1,260 किलोमीटर सड़कों को अगले कुछ दिनों में गड्ढा मुक्त किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने युद्ध स्तर पर काम करने का प्लान तैयार किया है। इसके तहत शनिवार को सरकार के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सड़कों का सरकार की टीम मुआयना करेगी। इस टीम में एक विधायक के साथ पीडब्ल्यूडी के दो इंजीनियर होंगे। एक टीम के पास 25 किलोमीटर का दायरा होगा। इस दायरे में टीम सड़क के आने-जाने वाली दोनों लेन यानी 50 किलोमीटर का मुआयना करेगी। इसके बाद वह खराब सड़कों या गड्ढे के बारे में रिपोर्ट देगी। इसके तत्काल बाद सड़क को ठीक करने का काम शुरू हो जाएगा।

मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में दुनियाभर से लोग आते हैं।

अरविंद केजरीवाल। (फाइल)

यहां की सड़कें खराब होने से देश की बदनामी होती है। साथ ही छवि भी खराब होती है।

एप पर डालनी होगी तस्वीर : केजरीवाल ने बताया कि सर्वे के दौरान गड्ढे या खराब सड़क की फोटो लेकर एप पर डालनी होगी। एप इस प्रकार बनाया गया है कि जहां विधायक द्वारा गड्ढे की फोटो ली जाएगी, वहां की लोकेशन भी एप रजिस्टर करेगा। शनिवार की शाम तक यह डाटा तैयार हो जाएगा कि कितने गड्ढों और सड़कों को ठीक करना है। यह रिकॉर्ड तैयार होते ही सड़कों को ठीक करने का काम प्रारंभ हो जाएगा।

तीन प्रकार की कमियां निकालेंगे विधायक : मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन स्थिति में सड़कें हो सकती हैं। उनमें गड्ढा हो सकता है, वह खराब हो सकती है या वहां कोई काम चल रहा हो। अगर किसी विभाग का काम चल रहा है तो काम पूरा होने तक का इंतजार किया जाएगा। अन्य सड़कों को तुरंत ठीक करा दिया जाएगा।

बरसात में हुए गड्ढे भी होंगे ठीक : केजरीवाल ने कहा कि राजधानी दिल्ली में तमाम जगहों पर बरसात के कारण गड्ढे बन गए हैं। इस कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे गड्ढों को भी इस योजना के तहत ठीक किया जाएगा।

प्लास्टिक कचरे से सड़कें बनेंगी मजबूत और टिकाऊ

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : बुधवार को गांधी जयंती पर शुरू हो रहे सिंगल यूज प्लास्टिक बंद करने के अभियान पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अधिकारियों से इस पर बातचीत हुई है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारी प्लास्टिक से सड़क निर्माण करने की संभावना पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए संयंत्र न होने की बात बताई है। जल्द ही इसके विकल्प तलाश लिए जाएंगे। विभाग जल्द ही प्लास्टिक कचरे से सड़क निर्माण करने के कार्य को शुरू करेगा। प्लास्टिक कचरे के उपयोग से जहां सड़कें मजबूत और टिकाऊ होंगी, वहीं दिल्ली भी साफ-सुथरी बनेगी।

दिल्ली में इलाज और शिक्षा के लिए नहीं किया इन्कार : केजरीवाल

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम राजनीति में समाज सेवा की भावना से आए हैं। हमारी इच्छा है कि जिस प्रकार से दिल्ली में स्वास्थ्य और शिक्षा में परिवर्तन हुआ है, उसी तरह पूरे देश में सुधार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली में इलाज कराने या शिक्षा के लिए आने पर किसी को मना नहीं किया। दिल्ली में दूर-दूर से लोग इलाज कराने आते हैं। अगर हम सेवा कर पाएं तो खुशी होती है। हमारी इच्छा है कि देश भर में दिल्ली की तरह शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदलाव हो।

अकेले ही जीवन गुजार गई एशिया की सबसे उम्रदराज चिंपैंजी रीटा

▸ 59 वर्षीय रीटा ने मंगलवार को ली चिड़ियाघर में अंतिम सांस

किशन कुमार, नई दिल्ली

चिड़ियाघर की शान व एशिया की सबसे उम्रदराज चिंपैंजी रीटा की मौत हो गई। लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करवाने वाली 59 वर्षीय रीटा ने मंगलवार को चिड़ियाघर में अंतिम सांस ली। वह काफी समय से बीमार चल रही थी। गत 27 जुलाई से रीटा ने खाना-पीना छोड़ रखा था। वह सिर्फ तरल पदार्थों पर जीवन जी रही थी। प्रशासन की ओर से मौत का कारण कई अंगों का फेल होना बताया जा रहा है, हालांकि स्पष्ट कारण बरेली के आवीआरआइ अस्पताल से पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा।

रीटा का जन्म 16 दिसंबर 1960 को एम्स्टर्डम के चिड़ियाघर में हुआ। फरवरी 1964 में उसे दिल्ली के चिड़ियाघर में लाया गया। इसके बाद रीटा को एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत जनवरी 1990 में पंजाब के छत्तबीर चिड़ियाघर भेजा गया था। बाद में सात नवंबर 2006 रीटा को दोबारा दिल्ली लाया गया था। रीटा ने शुरू से अपना जीवन अकेले ही बिताया। पहले रीटा को साथी के रूप में मैक्स चिंपैंजी मिला। उससे इसे तीन बच्चे हुए, लेकिन दुर्भाग्यवश तीनों बच्चे कुछ दिनों के अंतराल में मर गए। मैक्स भी हमेशा के लिए अलविदा कह गया। इसके बाद इस चिंपैंजी के बाड़े में मनी चिंपैंजी पहुंचा। बताया जाता है कि रीटा मनी चिंपैंजी को अपना बच्चा मानती थी, लेकिन एक समय बाद उसकी भी मौत हो गई। इसके बाद से रीटा मायूस रहने लगी थी। धीरे-धीरे बुढ़ापे के साथ बीमारियों ने रीटा को घेर लिया था। हालांकि, उसकी देखभाल लिए विशेष डॉक्टरों की टीम लगी हुई थी।

16 दिसंबर को मनाती अपना 60वां जन्मदिवस : चिड़ियाघर की इस वन्यजीव का आगामी 16 दिसंबर को 60वां जन्मदिवस था। इसको लेकर चिड़ियाघर प्रशासन ने तैयारी कर रखी थी। यदि रीटा 60 वर्ष की हो जाती तो चिड़ियाघर के इतिहास में इतना लंबा जीवन बिताने का एक नया अध्याय जुड़ जाता। रीटा को आम का जूस व अमरूद सबसे अधिक पसंद था। यही कारण था कि अपने आखिरी दिनों में भी उसने आम जूस का सेवन किया था।

बच्चों की पसंदीदा थी रीटा : रीटा बच्चों की सबसे लोकप्रिय वन्यजीव थी। यही कारण था कि जब भी चिड़ियाघर में स्कूली बच्चे आते थे तो इस उम्रदराज वन्यजीव को देखने के लिए इसके बाड़े की ओर रूख जरूर करते थे।

अब खादी स्टोर पर मिलेंगी बांस से बनीं पानी की बोतलें

▸ नितिन गडकरी ने खादी इंडिया के स्टोर पर उत्पादों को किया लांच

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंगल यूज (एकल उपयोग) प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का आह्वान किया था। इसके बाद से सभी विभाग और मंत्रालय सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्पों की तलाश में जुटे हैं। इसी बीच खादी ग्रामोद्योग ने बांस से बनी पानी की बोतल और गाय के मूत्र व गोबर से बना साबुन व सोलर वस्त्र, कच्ची घनी और सेनेटरी पैड लांच किया है। यह उत्पाद देशभर के खादी स्टोर पर मिलेंगे। गांधी जयंती पर खादी स्टोर पर गांधी धोती और टोपी पर 40 फीसद की छूट मिलेगी। ग्रामीण इकाइयों द्वारा निर्माण की वस्तुओं पर 20 फीसद की छूट 40 दिनों तक दी जाएगी। गांधी जयंती से एक दिन पूर्व मंगलवार को केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली में कनॉट प्लेस स्थित खादी इंडिया के स्टोर पर इन उत्पादों को लांच किया।

इस मौके पर गडकरी ने कहा कि महात्मा गांधी का आर्थिक चिंतन यह कहता है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों की सहभागिता से ज्यादा उत्पादन हो। गांव, गरीब और किसानों को मजबूत करना हमारी सरकार के एजेंडे में है। खादी ने 3200 करोड़ रुपये के टर्नओवर का लक्ष्य हासिल किया है। अगले दो वर्ष में पांच हजार करोड़ का लक्ष्य है। मैं इतना कहना चाहूंगा कि वह 10 हजार करोड़ के टर्नओवर के लिए हिम्मत से कार्य करे। उन्होंने कहा कि हमने चीन से आने वाली अगरबत्ती की लकड़ी में 30 फीसद आयात ड्यूटी लगाई, जिससे भारत में बांस से निकलने वाली इस लकड़ी का उत्पादन और बिक्री बढ़ेगी। हमने देश के 400 रेलवे स्टेशनों पर मिट्टी के कुल्हड़ उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाली निर्यात इकाइयों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होना चाहिए। इसके लिए हमने एक योजना तैयार की है, जिसे वित्त मंत्रालय के पास भेज दिया गया है। इसमें 10 फीसद शेयर का योगदान सरकार की तरफ से होगा। खादी ग्रामोद्योग आयोग के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ चल रहे अभियान में खादी की त्रिपुरा इकाई ने बांस से पानी की बोतलें बनाई हैं। इसमें 700 से 900 मिलीलीटर पानी आ सकता है।

ट्रक चालक ने भरा 2.40 लाख का चालान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : संशोधित यातायात अधिनियम लागू होने के बाद राजधानी में चालान भरे जाने का मंगलवार का नया रिकार्ड बन गया है। इसमें राजस्थान के एक ट्रक चालक को नियमों का उल्लंघन करने के मामले में रोहिणी कोर्ट में दो लाख 40 हजार रुपये का चालान भरना पड़ा।

यातायात के नए नियम लागू होने के बाद दिल्ली ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (एसटीए) लगातार वाहनों की जांच कर रही है। इसी क्रम में एसटीए ने बाहरी रिंग रोड के निकट मुकरबा चौक इलाके में राजस्थान के मार्बल से लदे ट्रक को रोका था। जांच के दौरान ट्रक में निर्धारित क्षमता से कई गुना अधिक मार्बल पाया गया। जांच के दौरान कागजात से संबंधित अन्य कई कमियां भी पाई गईं। ऐसे में एसटीए ने ट्रक चालक का दो लाख 40 हजार का चालान काटा और ट्रक को जब्त कर लिया। इसके बाद मंगलवार को ट्रक चालक राजू ने उक्त रकम रोहिणी कोर्ट के महानगर दंडाधिकारी की कोर्ट में जमा करा दी है। इसके पूर्व हरियाणा के ट्रक चालक को दो लाख पांच सौ रुपये का जुर्माना भरना पड़ा था। इससे पूर्व राजस्थान के एक ट्रक चालक ने भी रोहिणी कोर्ट में एक लाख 47 हजार सात सौ रुपये का चालान भरा था।

'हर नागरिक का संकल्प है प्लास्टिक बंद करना'

▸ स्मृति ईरानी ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्लास्टिक वेस्ट से निर्मित चरखे का किया अनावरण

▸ इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज हुआ चरखा, जल्द गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में होगा दर्ज

जागरण संवाददाता, नोएडा

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास एवं कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को सेक्टर-94 महामाया फ्लाई ओवर के पास प्लास्टिक वेस्ट से निर्मित चरखे व सेक्टर-39 में पिंक टॉयलेट का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर के बाद हम सभी सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करेंगे। प्लास्टिक बंद करने का संकल्प प्रत्येक देशवासी का है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पीढ़ियां यह जरूर पूछेंगी कि आजादी के 70 साल के बाद तक देश उस समय का इंतजार क्यों करता रहा कि प्रधानमंत्री को लाल किले की प्राचीर से कहना पड़ा कि यदि महिला का सम्मान करना है तो उसकी शान में कम से कम अपने घर में एक शौचालय का निर्माण करवाओ। अब प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को पूरी तरह बंद करने का आह्वान किया है। यह संकल्प केवल प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक का है। कहा कि वैसे नोएडा उत्तर प्रदेश का गेट-वे कहा जाता है। उप्र में यदि किसी भी प्रकार से बदलाव होता है तो वह देश में बदलाव की बयार बन जाता है। ऐसे में नोएडा प्राधिकरण ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के मौके पर 1250 किलोग्राम प्लास्टिक वेस्ट से 1650 किलोग्राम का चरखा और पिंक टॉयलेट बनाकर जो क्रांति की है इससे उन्नति, पर्यावरण संरक्षण, महिला सम्मान संरक्षण का गेट-वे उप्र बन गया है। इसके बाद उन्होंने इंदिरा गांधी कला केंद्र सभागार में 25 हजार कपड़े के थैले की पहली खेप में से कुछ थैले का वितरण किए। बता दें कि प्लास्टिक वेस्ट से बनाया गया चरखा इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज कर लिया गया। जल्द ही इसे गिनीज बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज कर लिया जाएगा। चरखा 14 फुट ऊंचा 20 फुट लंबा व आठ फुट चौड़ा है।

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती की पूर्व संध्या पर नोएडा में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने प्लास्टिक कचरे से बने चरखे का अनावरण किया। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री महेश शर्मा भी मौजूद रहे। यह चरखा 1250 किलोग्राम प्लास्टिक कचरे और 400 किलोग्राम अन्य सामग्री के इस्तेमाल से बना है। सौरभ राय

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में मांगी मॉनिटरिंग कमेटी से मुक्ति

निहाल सिंह, नई दिल्ली

राजधानी में मॉनिटरिंग कमेटी द्वारा संपत्ति सील करने से मचे हड़कंप के बीच केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दायर की है। इसमें शीर्ष अदालत से मॉनीटरिंग कमेटी से मुक्ति दिलाने व स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को संपत्ति सील और डी-सील करने का अधिकार दिए जाने की मांग की गई है। अर्जी में यह भी कहा गया है कि जब तक सुप्रीम कोर्ट चाहेगा, तब तक एसटीएफ उसकी निगरानी में काम करेगी। केंद्र सरकार ने यह अर्जी सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व में दिए गए आदेशों में बदलाव करने की मांग को लेकर दायर की है। हालांकि इस अर्जी पर अभी सुनवाई नहीं हुई है।

दिल्ली में मास्टर प्लान 2021 को लागू करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने मॉनीटरिंग कमेटी का गठन किया था। कमेटी का मुख्य कार्य ऐसी संपत्ति को सील करना है, जो रिहायशी होने के बावजूद व्यवसाय के लिए इस्तेमाल की जा रही है। 12 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से इस बारे में अपना पक्ष रखने के लिए कहा था। अब केंद्र की तरफ से दायर किए गए पक्ष में कहा गया है कि अवैध निर्माण पर कार्रवाई के लिए एसटीएफ को ही रखा जाए।

सुप्रीम कोर्ट को जनता के पक्ष में सोचते हुए मॉनिटरिंग कमेटी को उसके कार्यों से मुक्त कर देना चाहिए, क्योंकि अभी मॉनिटरिंग कमेटी और एसटीएफ एक ही कार्य मे लगे हैं। अर्जी में कहा गया है कि मॉनिटरिंग कमेटी के सदस्य अच्छा कार्य करते हुए उम्र के ऐसे पड़ाव पर आ गए हैं, जहां उन पर और ज्यादा बोझ डालना उचित नहीं है। शहर का नियोजन एक ऐसा कार्य है, जो सरकार और इसके नुमाइंदों द्वारा किया जाना ठीक रहेगा। इसमें कुछ निजी विचारों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट से अपील की गई है कि अपने पूर्व में दिए गए आदेशों में बदलाव करते हुए अब दिल्ली विकास अधिनियम के तहत बनी एसटीएफ को पूरी जिम्मेदारी दी जाए।

सुप्रीम कोर्ट में दायर अर्जी के साथ एक रिपोर्ट भी दायर की गई है। इसमें कहा गया है कि एसटीएफ ने कई जगह से अवैध निर्माण हटाया है। कई सड़कों को अतिक्रमण मुक्त किया है। चूंकि एसटीएफ में सभी निगमों, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अधिकारी हैं, जो लोगों का पक्ष सुनते हैं, जबकि मॉनिटरिंग कमेटी के साथ ऐसा नहीं है। मॉनिटरिंग कमेटी अगर किसी संपत्ति को सील कर देती है, तो संपत्ति के मालिक को अपने पक्ष में अपील करने के लिए एक लाख रुपये जमा कराने पड़ते हैं। कई ऐसे मसले विचाराधीन पड़े हैं, जिनमें पैसा नहीं होने की वजह से अपील नहीं की जा सकी है।

मॉनिटरिंग कमेटी ने हाल ही में दिल्ली विकास प्राधिकरण और दिल्ली के तीनों नगर निगमों को पत्र लिखकर जिम व योग सेंटर को सील करने का आदेश दिया है। पिछले माह दिए गए आदेश के तहत मास्टर प्लान 2021 के अनुसार अगस्त 2008 के बाद बने जिम व योग सेंटर को नहीं चलाया जा सकता। इससे निगम के नेताओं की परेशानी बढ़ी है।

निर्माण भवन में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी से मुलाकात करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी, नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता व अन्य। उन्होंने रिहाइशी और व्यावसायिक क्षेत्र में चलने वाले जिम पर सीलिंग के खतरे की जानकारी देकर समस्या हल करने की मांग की। जागरण

रामलीला और दुर्गा पूजा में लाउडस्पीकर के प्रयोग का समय बढ़ा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने राजधानी में रामलीला और दुर्गा पूजा के दौरान लाउडस्पीकर के प्रयोग का समय रात 10 बजे से बढ़ाकर रात 12 बजे तक कर दिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आदेश पर पर्यावरण सचिव ने इस संबंध में सर्कुलर जारी किया है। दिल्ली पुलिस की लाइसेंसिंग यूनिट के संयुक्त आयुक्त ने दो सितंबर को सरकार को एक पत्र लिखा था। उन्होंने 28 सितंबर से नौ अक्टूबर के बीच लाउडस्पीकर के प्रयोग की समयसीमा 12 बजे तक करने का अनुरोध किया था।

मंगलवार को दिल्ली सरकार ने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया। इस संबंध में पर्यावरण विभाग के विशेष सचिव अरुण मिश्रा ने लाइसेंसिंग यूनिट के संयुक्त आयुक्त को एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने कहा कि दिल्ली में रामलीला, दुर्गापूजा, दशहरा और अन्य धार्मिक आयोजनों को देखते हुए पर्यावरण मंत्री ने लाउडस्पीकर के प्रयोग की समय-सीमा रात दस बजे से बढ़ाकर 12 बजे तक कर दी है, लेकिन इसके लिए आयोजकों को पुलिस से स्वीकृति लेनी होगी। इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि आवासीय इलाकों के मद्देनजर शोर की तय सीमा न टूटे। किसी को कोई आपत्ति न हो। सारी स्थिति पर पुलिस को नजर रखनी होगी। इस पर ध्यान रखा जाए कि किसी को परेशानी का सामना न करना पड़े।

शाहबेरी कांड में फंसे चार अधिकारी

▸ 2008 से 2018 तक शाहबेरी सर्किल में रही तैनाती, सीएम ने दिए कार्रवाई के निर्देश

▸ पिछले साल दो अवैध इमारतें ढहने से गई थी नौ की जान, तभी से चल रही थी जांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

ग्रेटर नोएडा के शाहबेरी में आंखें मूंदकर अवैध इमारतें बनवाते रहे चार अधिकारी आखिरकार जांच में फंस गए। पिछले साल दो अवैध इमारतें ढहने से हुई नौ लोगों की मौत के बाद से जांच चल रही थी। 2008 से 2018 तक शाहबेरी सर्किल में तैनात रहे चारों अधिकारियों को दोषी माना गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन ने इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के क्षेत्र में आने वाले शाहबेरी सर्किल में बिल्डरों ने अवैध इमारतों का जंगल खड़ा कर दिया। प्राधिकरण के अधिकारी तब आंखें मूंदे रहे और अवैध निर्माण होता गया। 17 जुलाई 2018 को छह-छह मंजिल की दो इमारतें धराशायी हो गईं और उनमें रहने वाले नौ लोगों की मौत हो गई। उसके बाद खलबली मची। तब मामला खुला कि इस क्षेत्र में 243 इमारतें प्राधिकरण से नक्शा पास कराए ही बना दी गईं। इनकी गुणवत्ता भी बेहद घटिया है। बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई तो तुरंत शुरू कर दी गई, लेकिन अभी तक विभाग के जिम्मेदार अधिकारी बचे हुए थे। हादसे के बाद शासन ने जांच कर दोषी अधिकारियों के नाम मांगे थे।

औद्योगिक विकास विभाग के विशेष सचिव कैप्टन प्रभांशु श्रीवास्तव ने बताया कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के दो परियोजना प्रबंधक, एक वरिष्ठ प्रबंधक और एक प्रबंधक 2008 से 2018 के बीच शाहबेरी सर्किल में तैनात रहे। उन्हें लापरवाही और अपने काम के प्रति उदासीनता का दोषी पाया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह ने चारों अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश जारी कर दिए हैं।

दोषी अधिकारी

- ब्रह्म सिंह, परियोजना प्रबंधक सिविल (28 सितंबर 2017 से 17 जुलाई 2018 तक)
- अजय कुमार राय, परियोजना प्रबंधक सिविल (13 जून 2012 से 10 जुलाई 2012 तक)
- एनके जैन, वरिष्ठ प्रबंधक (2008 से 13 अक्टूबर 2009 तक)
- मनोज कुमार धारीवाल, प्रबंधक (2008 से 13 अक्टूबर 2009 तक)

यादें

समय-समय पर लोगों को जागरूक करने के साथ दिल्ली के प्रशासन को भी दिखाते थे आईना, मलिन बस्ती में रहते हुए मैला ढोने की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए सुझाए थे तीन प्रस्ताव

महात्मा गांधी ने दिल्ली को पढ़ाया था स्वच्छता का पाठ

संजीव कुमार मिश्र, नई दिल्ली

महात्मा गांधी ने दिल्ली को स्वच्छता का पाठ पढ़ाया था। मलिन बस्तियों में उन्होंने न सिर्फ सफाई का बीड़ा उठाया था, बल्कि कई मौकों पर प्रशासन की आंखें भी खोली थीं। मैला ढोने की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए उन्होंने प्रशासन को तीन प्रस्ताव भी दिए थे। गांधी, दिल्ली के गांवों में सफाई को लेकर किस कदर फिक्रमंद थे, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वह वजीराबाद गांव को स्वच्छता के मामले में एक आदर्श गांव के रूप में देखना चाहते थे। टाउन हॉल के सामने एक सम्मान समारोह में भी सफाई व्यवस्था को लेकर उन्होंने अपनी चिंता से लोगों को रूबरू कराया था।

खुद को कहा मैला ढोने वाला : महात्मा गांधी जीवन के अंतिम दिनों में पहले मलिन बस्ती फिर बिड़ला हाउस में रहे। मंदिर मार्ग स्थित वाल्मीकि मंदिर में वह एक अप्रैल 1946 से एक जून 1947 तक रहे। वह आखिरी बार सितंबर 1947 में दिल्ली आए। मलिन बस्ती में रहने के दौरान उन्होंने कहा था, 'मैं आला दर्जे का मैला ढोने वाला हूं। मैं बाहर की सफाई करता हूं, पाखाने उठाता हूं, लेकिन हमारे सबके दिल में भी मैला भरा हुआ है। असली मैला ढोने वाले को भीतर की सफाई करनी होती है, जो मैं कर रहा हूं।'

रसोई घर की तरह साफ हो शौचालय : एक बार गांधी वायसराय हाउस गए। वहां कर्मचारियों की स्थिति देखकर बहुत द्रवित हुए। दरअसल, वायसराय हाउस तो साफ सुथरा था, लेकिन कर्मियों के रहने के स्थान पर गंदगी पसरी थी। उन्होंने मंत्रियों से भी गुजारिश की कि अपने नौकरों को भी उसी तरह साफ सुथरी जगह पर रखें, जैसी जगह पर वे खुद रहते हैं। उन्होंने मैला ढोने की कार्यप्रणाली में तीन सुधारों का प्रस्ताव भी रखा। पहला, मैला ढोने वालों के लिए विशेष पोशाक, दूसरा काम के बाद स्नान, तीसरा बेहतर शौचालय। उन्होंने सिर पर गंदगी ढोने पर भी रोक लगाने की बात कही थी। वह चाहते थे कि दिल्ली नगरपालिका एक सभ्य क्षेत्र में मैला ढोने वालों को आवास मुहैया कराए। उन्होंने नई दिल्ली के महलों व हरिजन बस्तियों के बीच के अंतर का भी उल्लेख किया। उनका कहना था कि शौचालय को लाइब्रेरी या रसोई घर की तरह साफ होना चाहिए।

वजीराबाद बने आदर्श गांव : गांधी दिल्ली के गांवों में मलेरिया फैलने से दुखी थे। वह इस बीमारी पर अंकुश लगाना चाहते थे। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि स्थिर पानी के कुंडों, कुओं, टैंकों और गलियों से गंदगी दूर करें। गांधी वजीराबाद गांव को आदर्श गांव के रूप में देखना चाहते थे। सफाई संबंधी अपनी चिंताओं से तिबिया कॉलेज के उद्घाटन समारोह के दौरान भी दिल्ली के लोगों को अवगत कराया था। उन्होंने कहा था कि स्वच्छता का विज्ञान असीम ज्ञान वाला है। हालांकि इसका क्रियान्वयन कठिन है। 1929 में टाउन हॉल में आयोजित सम्मान समारोह में गांधी ने अफसरों से मलिन बस्तियों समेत अन्य इलाकों में सफाई पर और ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया था।

बृजकृष्ण चांदीवाला ने अपनी पुस्तक गांधी जी की दिल्ली डायरी में लिखा है कि एक बार गांधी जी ने अजमेरी गेट के पास स्थित मलिन बस्ती देखी तो उन्हें लगा कि पांडवों और मुगलों का यह शानदार शहर आज हिंदुस्तान का सबसे गंदा शहर है। दिल्ली के म्यूनिसिपल काउंसलर और हेल्थ आफिसर क्या करते रहते हैं, भगवान ही जाने।

दिल्ली की वाल्मीकि बस्ती में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ महात्मा गांधी की तस्वीर। फाइल फोटो

42 बिल्डरों पर गैंगस्टर की कार्रवाई

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

बिसरख कोतवाली क्षेत्र स्थित शाहबेरी में कोर्ट से जमीन अधिग्रहण रद होने के बाद किए गए अवैध निर्माण के मामले में आरोपित बिल्डरों पर कानून का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। शाहबेरी में अवैध निर्माण करने वाले 42 बिल्डरों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। वहीं एक पर रासुका लगाया जा चुका है। शाहबेरी में अवैध निर्माण के मामले में कुल 86 एफआइआर दर्ज हो चुकी हैं। वहीं 32 ऐसे आरोपित बिल्डरों की तलाश पुलिस सरगर्मी से कर रही है जो कि शाहबेरी में अवैध निर्माण के गुनहगार है।

राजेश बिल्डर के खिलाफ एनसीएलटी में वाद दायर : ग्रेटर नोएडा स्थित राजेश बिल्डर का मामला भी एनसीएलटी चला गया है। एनसीएलटी में मामला चले जाने के बाद यूपी रेरा ने परियोजना से जुड़े खरीदारों के मामलों पर सुनवाई करने से इंकार कर दिया है। बता दें कि परियोजना से जुड़े खरीदारों ने यूपी रेरा में याचिका दायर की थी। इसके बाद पीठ एक में मामले की सुनवाई चल रही थी। इस दौरान पता चला कि बिल्डर के खिलाफ एनसीएलटी में वाद दायर हो गया है। इसके बाद यूपी रेरा सुनवाई से इंकार कर देता है। दरअसल, यूपी रेरा की कार्रवाई से बचने के लिए बिल्डर एनसीएलटी (नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल) को अपना हथियार बना रहे है। यूपी रेरा की कार्रवाई से बचने के लिए 175 से अधिक बिल्डरों के खिलाफ एनसीएलटी में वाद दायर हो चुके है। खरीदारों का आरोप है यूपी रेरा की कार्रवाई से बचने के लिए बिल्डर के इशारे पर एनसीएलटी में मामलों को फंसाया जा रहा है।

शाहबेरी में अवैध निर्माण मामले में जिनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उनमें से कई को गिरफ्तार कर लिया गया है। फरार बिल्डरों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। शाहबेरी के 42 बिल्डरों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।
–वैभव कृष्ण, एसएसपी, गौतमबुद्धनगर

23.6 फीसद बच्चे झारखंड में प्राथमिक शिक्षा पूरी नहीं कर पाते, बिहार में यह आंकड़ा 24 फीसद है। नीति आयोग की ओर से जारी रिपोर्ट में यह बात सामने आई है।

हम चाहे रहें या न रहें, हमारा देश और तिरंगा झंडा रहना चाहिए। और मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा तिरंगा रहेगा।

मेरी अहिंसा प्रियजनों को असुरक्षित छोड़कर खतरों से दूर भागने की बात नहीं करती। हिंसा और कायरतापूर्ण लड़ाई में मैं कायरता की बजाय हिंसा को पसंद करूंगा।

विश्व विख्यात एएसआइ को बदनाम करना दुर्भाग्यपूर्ण : हिंदू पक्ष

अयोध्या की पुकार
सुनवाई का 35वां दिन

▸ मुस्लिम पक्ष की आपत्तियों का रामलला के वकील ने दिया जवाब

माला दीक्षित, नई दिल्ली

अयोध्या राम जन्मभूमि पर मालिकाना हक का दावा कर रहे भगवान रामलला के वकील सीएस वैद्यनाथन ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा, मुस्लिम पक्ष का एएसआइ (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) को बदनाम करना दुर्भाग्यपूर्ण है। मुस्लिम पक्ष ने एएसआइ और उसकी रिपोर्ट पर सवाल उठाए हैं जबकि एएसआइ ने हाई कोर्ट के आदेश पर कोर्ट निरीक्षक की निगरानी में विवादित स्थल की खोदाई कर रिपोर्ट दी है। एएसआइ की रिपोर्ट वैज्ञानिक साक्ष्य है।

वैद्यनाथन ने कहा, एएसआइ रिपोर्ट में कहा गया है कि विवादित स्थल के नीचे विशाल संरचना थी जो कि उत्तर भारत के मंदिर से मेल खाती है। एएसआइ रिपोर्ट रामलला के दावे का समर्थन करती है जिनकी अपील में कहा गया है कि बाबर ने जन्मस्थान पर मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई थी। उन्होंने कहा, एएसआइ दुनिया में जानी-मानी संस्था है। वह कंबोडिया आदि देशों में अपनी विशेषज्ञता के लिए जानी जाती है। एएसआइ ने कोर्ट की निगरानी में और दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी मे खोदाई की। ऐसे में वह किसी भी तरह का पक्षपात और गलती नहीं कर सकती। एएसआइ ने रिपोर्ट के साथ सारे रजिस्टर और 25 वीडियो कैसेट कोर्ट में जमा किए थे जिसमें खोदाई का पूरा ब्योरा था। हाई कोर्ट ने बारीकी से उसे देखा है। एएसआइ की बुराई करने से सभ्यता के इतिहास पर संदेह पैदा होगा। मुस्लिम पक्ष एएसआइ की तुलना हस्तलेख विशेषज्ञ से करके उसके साक्ष्य पर संदेह उठा रहा है जो ठीक नहीं है।

तो क्या बाबर ने ईदगाह तोड़कर मस्जिद बनाई थी : वैद्यनाथन ने कहा कि मुस्लिम पक्ष ने पहले कभी नहीं कहा कि विवादित स्थल के नीचे ईदगाह थी। मुस्लिम पक्ष शुरू से कहता आया है कि बाबर ने खाली जमीन पर मस्जिद बनाई थी। जब एएसआइ ने खोदाई की और वहां नीचे विशाल संरचना, दीवारें और खंबों के आधार पाए जाने की रिपोर्ट दी उसके बाद मुस्लिम पक्ष ने कहा कि वहां पाई गई दीवार ईदगाह की थी और विवादित ढांचे के नीचे ईदगाह थी। जो 11वीं या 12वीं शताब्दी में सुल्तान काल में बनाई गई थी। इस बारे में न तो इनके मुकदमे में जिक्र था और न इनके किसी गवाह ने कुछ कहा। मुस्लिमों ने कभी भी 1528 से पहले जमीन पर दावा नहीं किया। 1528 में बाबर ने वहां मस्जिद बनवाई थी। वैद्यनाथन ने कहा कि तो क्या बाबर ने ईदगाह तोड़कर मस्जिद बनवाई थी। विदेशी यात्रियों का वर्णन देखा जाए तो अयोध्या में रामकोट के इस क्षेत्र में बहुत बसावट थी जबकि ईदगाह बस्ती से दूर बनती है। वैद्यनाथन ने कहा, मुस्लिम पक्ष ने बार बार कोर्ट में 1934, 1949 और 1992 की घटनाओं का जिक्र किया है। बहस के दौरान ऐसी बातें कीं जिससे सौहार्द बिगड़ सकता है जबकि हिंदू पक्ष की ओर से कभी ऐसी बातें नहीं हुईं। इस पर राजीव धवन ने विरोध करते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी सौहार्द बिगाड़ने वाली दलील नहीं दी, उन्होंने इन घटनाओं का जिक्र इन्हें गैरकानूनी बताते हुए दिया था।

दोनों पक्षों के बीच हुई गर्मागर्मी, कोर्ट हुआ नाराज : एएसआइ रिपोर्ट पर बहस के दौरान दोनों पक्षों के बीच कई बार गर्मागर्मी हुई। जब वैद्यनाथन ने कोर्ट को बताया कि एएसआइ रिपोर्ट में सिर्फ एक दीवार मिलने की बात नहीं है जिसे मुस्लिम पक्ष ईदगाह बता रहा है बल्कि चारों ओर दीवार होने की बात कही गई है जो वहां हॉल या बड़ा कमरा होने की बात साबित करती है। तभी राजीव धवन और मीनाक्षी अरोड़ा ने वैद्यनाथन की दलील का विरोध करते हुए कहा, खोदाई में चारों ओर दीवारें नहीं मिली हैं जैसा कि वैद्यनाथन बता रहे हैं। दोनों पक्षों ने कोर्ट को एएसआइ नक्शे को समझाने की कोशिश की, इस बीच दोनों के वकील तेज आवाज में एक दूसरे के दावे का विरोध करने लगे। अंत में प्रधान न्यायाधीश ने नाराजगी जताते हुए कहा, वह शुरू से एक पक्ष की बहस के दौरान दूसरे पक्ष के दखल देने से मना कर रहे हैं, लेकिन किसी को यह बात समझ क्यों नहीं आती। इस तरह सुनवाई नहीं चल सकती। इसके बाद दोनों पक्षों के वकील चुप हो गए और राजीव धवन ने कोर्ट से माफी मांगी। इसके बाद वैद्यनाथन ने फिर बहस शुरू की और बताया कि वह जिन दीवारों की बात कर रहे हैं वे एएसआइ की रिपोर्ट में कही गई हैं, वह अपनी ओर से कोई अनुमान नहीं लगा रहे। धवन इससे पहले भी कई बार हिंदू पक्ष की दलीलों पर आपत्ति जता चुके थे। परासरन ने तो उनके रवैये पर एतराज जताते हुए कहा था कि यह ठीक नहीं है कि वह हर बात पर उन्हें टोक रहे हैं।

क्या जन्मस्थान का ज्योतिष से कोई संबंध है : सुनवाई के दौरान जस्टिस बोबडे ने रामलला के वकील के. परासरन से कहा, वैसे उन्हें नहीं मालूम, लेकिन ऐसे ही जानना चाहते हैं कि क्या जन्मस्थान का ज्योतिष से कोई संबंध है। परासरन इस बारे में कोई जवाब देते उससे पहले धवन खड़े हो गए और उन्होंने कोर्ट से कहा कि कैसी ज्योतिष। एक ज्योतिष सूर्य आधारित होती है और एक चंद्रमा आधारित। यहां हम ज्योतिष पर बात नहीं कर रहे। अगर ज्योतिष पर बात होगी तो उसके मुताबिक तो राम जन्मस्थान और समय बताया गया होता जो कि नहीं है। धवन ने अपने संबंध में कुछ हल्की फुल्की टिप्पणियां भी कीं। बाद में परासरन ने कहा कि वाल्मीकि रामायण में राम की जन्म कुंडली दी गई है। जिसमें जन्म के अलावा उनका विवाह आदि भी बताया गया है। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष की ओर से जिरह में राम जन्म के संबंध में लेबर रूम तक की चर्चा किए जाने को भी हिंदू पक्ष ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

जन्मस्थान न्यायिक व्यक्ति माना जाएगा : परासरन ने कहा कि जन्मस्थान न्यायिक व्यक्ति माना जाएगा। वहां लोगों की आस्था है। लोग मानते हैं कि भगवान राम वहां प्रकट हुए थे इसलिए स्थान पवित्र है। स्थान स्वयं में देवता हो सकता है उसके लिए किसी आकार, प्रकार या मूर्ति होना जरूरी नहीं।

न्यूज गैलरी

मनी लांड्रिंग केस में शिवकुमार की हिरासत 15 तक बढ़ी

नई दिल्ली : मनी लांड्रिंग के मामले में आरोपित कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डीके शिवकुमार को न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद मंगलवार को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने शिवकुमार की हिरासत 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। साथ ही राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को शिवकुमार से तिहाड़ जेल में चार और पांच अक्टूबर को पूछताछ करने की मंजूरी दी है। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत में अर्जी देकर कहा कि जब शिवकुमार रिमांड पर थे, तो ज्यादा समय अस्पताल में ही भर्ती रहे। ऐसे में उनसे मनी लांड्रिंग मामले में पूछताछ पूरी नहीं हो सकी थी। इस पर अदालत ने ईडी को जेल में दो दिन पूछताछ करने की मंजूरी दे दी। उल्लेखनीय है कि शिवकुमार के खिलाफ आयकर विभाग के आरोपपत्र के बाद मनी लांड्रिंग का केस दर्ज किया गया था। जांच एजेंसी का दावा है कि शिवकुमार की करीब 800 करोड़ रुपये की संपत्ति का कोई हिसाब नहीं है। (जासं)

सेंट पीटर्सबर्ग के लिए भारतीयों को ई–वीजा देगा रूस

नई दिल्ली : रूस अपनी सांस्कृतिक राजधानी सेंट पीटर्सबर्ग और लेनिनग्राद क्षेत्र की यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों को ई–वीजा देगा और 2021 तक यह सुविधा देश के बाकी हिस्सों के लिए भी शुरू हो जाएगी। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह सुविधा एक अक्टूबर से शुरू हो रही है। रूस पहुंचने की तिथि से कम से कम चार दिन पहले इलेक्ट्रॉनिक आवेदन फार्म फॉर्म के साथ डिजिटल फोटो अपलोड कर इस सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है। भारतीय नागरिकों को व्यवसाय, मानवीय और पर्यटक एकल वीजा इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज के रूप में मिलेंगे जो जारी होने की तारीख से 30 दिनों के लिए वैध होगा। भारत में रूस के एक वरिष्ठ अधिकारी आंद्रे वी फेदोरोव ने कहा, 'हम रूस को खोलना चाहते हैं, प्रावधानों को उदार बनाना चाहते हैं ताकि अधिक संख्या में लोग जा सकें और हम अपने इतिहास तथा संस्कृति को दुनिया के सामने प्रदर्शित करना चाहते हैं। हम 2021 तक रूस के बाकी हिस्सों के लिए भी इस ई–वीजा सुविधा का विस्तार करने के बारे में सोच रहे हैं।' (प्रेट्र)

जेल में घर के खाने के लिए चिदंबरम ने दायर की अर्जी

नई दिल्ली : पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री और वरिष्ट कांग्रेसी नेता पी. चिदंबरम ने राउज एवेन्यू की विशेष अदालत में अर्जी दायर कर घर के खाने की मांग की है। अदालत ने चिदंबरम की इस अर्जी पर सुनवाई के लिए तीन अक्टूबर की तिथि मुकर्रर की है। चिदंबरम आइएनएक्स मीडिया घोटाले के आरोप में तीन अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में हैं। चिदंबरम ने अर्जी में खराब सेहत का हवाला दिया है। इससे पहले भी चिदंबरम अदालत में कह चुके हैं कि जेल में उन्हें अच्छा खाना नहीं दिया जा रहा है। इसकी वजह से उनका वजन भी कम हो रहा है। आइएनएक्स मीडिया घोटाले के आरोप में चिदंबरम को गत 21 अगस्त को सीबीआइ ने गिरफ्तार किया था। कई दिन रिमांड पर रखने के बावजूद उन्हें तिहाड़ जेल न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। चिदंबरम की नियमित जमानत याचिका भी सोमवार को हाई कोर्ट से खारिज हो चुकी है। अब तीन अक्टूबर को ही उनकी न्यायिक हिरासत खत्म हो रही है और उसी दिन घर के खाने के लिए दायर की गई अर्जी पर भी सुनवाई होगी। (जासं)

स्वास्थ्य ही नहीं, रोजगार का भी बड़ा माध्यम बनेगा आयुष्मान

दावा ▸ अगले पांच–सात साल में 11 लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार

केंद्रीय योजना का एक वर्ष पूरा होने पर दो दिन के आरोग्य मंथन को किया संबोधित

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

नई दिल्ली में मंगलवार को आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की पहली वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम 'आरोग्य मंथन' को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। प्रेट्र

गरीबों के लिए मुफ्त पांच लाख रुपये तक के इलाज में आयुष्मान भारत की भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इससे न सिर्फ मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध हो रही है, बल्कि छोटे-छोटे शहरों में बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा भी तैयार हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले कुछ साल में आयुष्मान भारत रेलवे के बाद सबसे अधिक रोजगार मुहैया कराने वाला क्षेत्र बन जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरी योजना में गड़बड़ी के लिए कोई गुंजाइश नहीं रहने दी जाएगी।

योजना का एक साल पूरा होने पर दो दिन के मंथन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आयुष्मान भारत को 'न्यू इंडिया के क्रांतिकारी कदमों में से एक' बताया। उन्होंने कहा कि गरीबों को बेहतर और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं के प्रयास पहले भी होते रहे हैं, लेकिन उनसे न तो गरीबों को कोई लाभ मिल सका और न ही स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में कोई सहायता मिली। वहीं, आयुष्मान भारत इन दोनों उद्देश्यों में सफल रहा है। आयुष्मान भारत के बन रहे हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर शुरू में ही रोगों को पहचान कर उन्हें रोकने में मदद कर रहे हैं, तो प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना गरीबों को गंभीर बीमारियों के मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध करा रही है। गरीबों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलने से इसकी मांग तेजी से बढ़ी है और उसकी पूर्ति के लिए छोटे-छोटे शहरों में बेहतरीन अस्पताल खुलने लगे हैं। आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य सेवाओं की मांग को देखते हुए अगले पांच-सात साल में इसमें 11 लाख युवाओं को रोजगार मिलने की उम्मीद है, जो देश में रेलवे के बाद सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक साल में आयुष्मान भारत में हमने बहुत कुछ सीखा है और इसका उपयोग आगे उस योजना को ज्यादा कारगर बनाने में होगा। जन आरोग्य योजना के लिए नए परिष्कृत आइटी प्लेटफार्म की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके तहत हर व्यक्ति के स्वास्थ्य का डाटा जुटाने और उसे स्वास्थ्य के दूसरे प्लेटफार्म से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि छोटे से वेलनेस सेंटर में मरीज की जांच का डाटा भी आइटी प्लेटफार्म पर सुरक्षित रहना चाहिए, ताकि बड़े से बड़े अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टर उस मरीज के पुराने डाटा को आसानी से देख सकें। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की कमी को दूर करने के लिए सरकार ने अहम कदम उठाए हैं। 75 नए मेडिकल कॉलेज खोलने और राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग का गठन का फैसला इसीलिए किया गया है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर पीएमजेएवाई एप और साल एक, आयुष्मान अनेक शीर्षक से डाक टिकट भी जारी किया।

ममता का शाह पर पलटवार

प्रथम पृष्ठ से आगे

ममता बनर्जी ने शाह के बयान पर कहा कि 'बंगाल आतिथ्य–सत्कार के लिए जाना जाता है। सूबे में लोग अपने–अपने धर्म के अनुसार रहते हैं, इसके बावजूद वे दुर्गापूजा जैसा त्योहार मनाने के लिए एकत्र होते हैं, जो विभिन्न धर्मों के लोगों को एकजुट करता है। हमारे राज्य में हर किसी का स्वागत है। यहां आतिथ्य–सत्कार का आनंद लीजिए, लेकिन कृपया बांटने की राजनीति नहीं कीजिए क्योंकि यह बंगाल में काम नहीं करेगा। तृणमूल नेता व बंगाल के वित्त मंत्री अमित मित्रा ने कहा, शाह का बयान दुर्गापूजा के उत्सवी माहौल में आतंक फैलाने वाला है। शाह कह रहे हैं कि हिंदू, सिख, बौद्ध व जैन शरणार्थियों को देश की नागरिकता दी जाएगी, लेकिन भारत के संविधान के तहत धर्म के आधार पर विभाजन कैसे किया जा सकता है?।

तृणमूल छोड़ भाजपा में शामिल हुए सव्यसाची : तृणमूल कांग्रेस के कद्दावर नेता सव्यसाची दत्ता शाह की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गए। दत्ता ने कहा–'मेरे लिए देश और उसका हित व्यक्तिगत व किसी पार्टी के हित से बड़ा है। मोदी के नेतृत्व में भारत ने नई ऊंचाइयां हासिल की हैं।

बंगाल को पाक बनाने का रचा जा रहा षड्यंत्र : सव्यसाची ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम न लेते हुए उन पर बंगाल को पाकिस्तान बनाने का षड्यंत्र रचने का गंभीर आरोप लगाया। कहा, राज्य में किसी भी घुसपैठिये के लिए कोई स्थान नहीं है। दत्ता ने अमित शाह से अविलंब बंगाल में एनआरसी लागू करने की अपील की।

पाक को कभी भी काली सूची में डाल सकता है एफएटीएफ

▸ राजनाथ ने इमरान पर किया तंज, कहा– अपने लिए विमान का प्रबंध भी नहीं कर पाए पाकिस्तानी पीएम

▸ एफएटीएफ की अगली बैठक पेरिस में 13 से 18 अक्टूबर तक होनी है

नई दिल्ली में मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा लेखा विभाग के वार्षिक दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रेट्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने के बाद से पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की ओर से मिल रही परमाणु हमले की धमकियों के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर तीखा हमला किया है। राजनाथ ने पाकिस्तान को आड़े हाथ लेते हुए उसे वित्तीय कुप्रबंधन का जीवंत उदाहरण करार दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि मनी लांड्रिंग और आतंकी फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) कभी भी पाकिस्तान को काली सूची में डाल सकती है।

अगस्त में एफएटीएफ के एशिया प्रशांत समूह ने पाकिस्तान को आतंक की काली सूची में डालने योग्य माना था क्योंकि वह भारत में हुए कई हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकी समूहों तक धन पहुंचने से रोकने में विफल रहा था। एफएटीएफ की अगली बैठक 13 से 18 अक्टूबर के बीच पेरिस में होने जा रही है। वैश्विक संस्था की इस बैठक में तय होगा कि पाकिस्तान इसकी ग्रे सूची में बना रहेगा या फिर और नीचे गिरकर काली सूची में शामिल हो जाएगा जिसकी संभावना ज्यादा है।

राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर तंज कसते हुए आगे कहा कि पाकिस्तान में वित्तीय प्रगति के बिना अत्यधिक सैन्यीकरण और गलत नीतियों के चलते ऐसे हालात बन गए हैं कि वहां के प्रधानमंत्री इमरान खान वैश्विक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए एक विमान का बंदोबस्त तक नहीं कर पाए।

रक्षा मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह का यह बयान उस पृष्ठभूमि में आया है जब संयुक्त राष्ट्र महासभा के 74वें सत्र में हिस्सा लेकर इस्लामाबाद के लिए निकले इमरान खान और उनके प्रतिनिधिमंडल को मजबूरी में न्यूयॉर्क लौटना पड़ा था क्योंकि सऊदी सरकार की ओर से उन्हें दिए गए विशेष जेट विमान में तकनीकी खामी आ गई थी।

सड़क परिवहन मंत्रालय को एनजीटी ने फटकार लगाई

▸ राष्ट्रीय राजधानी में सड़क की क्षमता के अनुपात में वाहनों की संख्या पर रिपोर्ट सौंपने में विफल रहा मंत्रालय

नई दिल्ली, प्रेट्र : नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को फटकार लगाई है। मंत्रालय राष्ट्रीय राजधानी में सड़क की क्षमता के अनुपात में कितने वाहनों को अनुमति दी जा सकती है इसकी रिपोर्ट सौंपने में विफल रहा। एनजीटी के अध्यक्ष आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह आपराधिक है। पीठ ने सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव को रिपोर्ट दाखिल करने का अंतिम मौका दिया है।

हाल के आदेश में पीठ ने कहा है, 'यह साफ नहीं है कि परिवहन मंत्रालय इस ट्रिब्यूनल के आदेश के बावजूद रिपोर्ट दाखिल करने में क्यों विफल रहा। यह उल्लंघन आपराधिक है। इसलिए ऐसे उल्लंघन पर दंडात्मक कदम उठाने की जरूरत हो सकती है लेकिन ऐसा करने से पहले पहले हम परिवहन मंत्रालय के सचिव को आदेश का पालन करने और एक महीने के भीतर ई-मेल से रिपोर्ट सौंपने का अंतिम मौका दे रहे हैं। इसमें विफल रहने पर कानून का शासन लागू करने के लिए मंत्रालय के सचिव के खिलाफ निजी तौर पर दंडात्मक कदम उठाया जाएगा।'

ट्रिब्यूनल ने उल्लेख किया कि पिछले वर्ष अक्टूबर में उसने मंत्रालय को अध्ययन करने का आदेश दिया था। इस मामले पर 29 अप्रैल 2019 को विचार किया जाना था। लेकिन कोई रिपोर्ट नहीं सौंपी गई और सुनवाई तीन बार स्थगित की गई। याचिका दायर करने वाले परिवहन मंत्रालय के सचिव को कागजात का पूरा सेट सौंप सकते हैं और सेवा का शपथपत्र एक सप्ताह के भीतर दाखिल करा सकते हैं। इसके बाद एनजीटी ने मामले की सुनवाई नौ दिसंबर तय कर दी।

वाहनों के उत्सर्जन से हवा की गुणवत्ता पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को देखते हुए एनजीटी ने परिवहन मंत्रालय को अध्ययन कराने का निर्देश दिया था। मंत्रालय को राष्ट्रीय राजधानी में सड़क की क्षमता के अनुपात में कितनी संख्या में वाहनों को अनुमति दी जा सकती है इसका अध्ययन कराना था। एनजीटी ने कहा था कि गैरकानूनी पार्किंग और अतिक्रमण सिर्फ दिल्ली में गंभीर समस्या नहीं है, बल्कि सभी बड़े शहरों की समस्या है।

पीठ ने कहा था, 'एक शहर में सड़क की क्षमता के अनुपात में कितनी संख्या में वाहनों को अनुमति दी जा सकती है, यह योजना का महत्वपूर्ण मुद्दा है। पर्यावरण के वृहत्तर हित में इसपर एक नीति की जरूरत है। खास तौर से ऐसे शहरों या क्षेत्रों के लिए जहां हवा की गुणवत्ता नियमों के अनुसार स्थिर नहीं रहती।'

दुरुपयोग को शीर्ष कोर्ट ने बताया मानवीय गलती

प्रथम पृष्ठ से आगे

शीर्ष कोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट के दुरुपयोग को मानवीय गलती बताया और कहा कि इसे किसी जाति से जोड़ना ठीक नहीं है। क्या सामान्य वर्ग से जुड़ा व्यक्ति झूठी रिपोर्ट नहीं दर्ज कराता? इस आधार पर किसी को संवैधानिक अधिकारों से वंचित करना संविधान की मूल भावना के खिलाफ है।

सीवर चैंबर्स में यूं मरने के लिए नहीं छोड़ सकते : इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सीवर की सफाई के दौरान होने वाली एससी-एसटी वर्ग के लोगों की मौत पर भी चिंता जताई। पीठ ने कहा, 'वे खेतों में बंधुआ या जबरन मजदूरी करते हैं और कोशिशों के बाद भी उसे खत्म नहीं किया जा सका है। कुछ क्षेत्रों में महिलाओं के साथ गरिमापूर्ण और सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जाता और उनका कई तरह से यौन शोषण किया जाता है। चैंबर्स में हम सीवर वर्कर्स को जहरीली गैसों से मरते हुए देखते हैं। वे मौत के फंदे जैसे हैं। सीवर चैंबर्स में घुसने के लिए हम मास्क और ऑक्सीजन सिलेंडर्स भी उपलब्ध नहीं करा पाए हैं। हम उन्हें यूं मरने के लिए नहीं छोड़ सकते और संबंधित अधिकारी या मशीनरी अपनी आपराधिक जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। उनके नागरिक अधिकारों के मामले में अभी भी उनके साथ समाज में भेदभाव किया जा रहा है और वे मानवीय गरिमा के साथ जीवन नहीं जी सकते।'

संपर्क और संवाद अब भी भाजपा का प्रमुख हथियार

▸ जनजागरण व जनसंपर्क अभियान में बड़ी उपलब्धि का दावा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

धर्मेंद्र प्रधान फाइल फोटो

मामला सदस्यों का हो या फिर विचारधारा के विस्तार का, अगर भाजपा दूसरे दलों से आगे है तो इसका उदाहरण इसमें देखा जा सकता है कि महज एक महीने में पार्टी ने पांच लाख नामचीन लोगों से संपर्क कर उन्हें अपनी विचारधारा समझाने की कोशिश की है। इनमें पूर्व गवर्नर जगमोहन से लेकर मिल्खा सिंह जैसे कई ऐसे लोग शामिल हैं जिनके बड़े फालोअर्स हैं।

कुछ दिनों पहले ही भाजपा का सदस्यता अभियान खत्म हुआ था। लगभग 18 करोड़ सदस्यों के साथ भाजपा सदस्यों संख्या अधिकतर देशों से भी अधिक हो गई थी। भाजपा का दावा है कि अब केवल आठ देशों में ही भाजपा की सदस्य संख्या से अधिक जनसंख्या है। वहीं यह कोशिश जारी है कि भाजपा की विचारधारा से नामचीन जुड़ें। दो सितंबर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जगमोहन के साथ संपर्क अभियान की शुरुआत की थी और 30 सितंबर तक भाजपा नेताओं ने ऐसे पांच लाख लोगों से संपर्क किया और भाजपा के कामकाज के बारे में बताया।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसी बीच अनुच्छेद 370 और 35 ए को हटाए जाने के बारे में भी भाजपा ने 34 बड़े शहरों और लगभग 500 अन्य स्थानों पर जनजागरण कार्यक्रम किया और पाया कि पूरा देश सरकार के इस कदम से सहमत ही नहीं बल्कि खुश है। इस जनजागरण कार्यक्रम में भी शाह व कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत भाजपा के कई मंत्रियों, सांसदों, विधायकों ने हिस्सा लिया था। ध्यान रहे कि इस विस्तार के बावजूद भाजपा अध्यक्ष शाह लगातार कहते रहे हैं कि अभी भाजपा का स्वर्णिम कार्यकाल नहीं आया है। वह प्रेरित करते रहे हैं कि हर राज्य में भाजपा को सत्ता में पहुंचना है तो संवाद और संपर्क ही माध्यम बनेगा।

भारत से पाकिस्तान की तुलना पर उठाए सवाल

प्रथम पृष्ठ से आगे

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद भारत और पाकिस्तान को 'साथ जोड़ने' की कोशिशों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ऐसा वे लोग कर रहे हैं जिनका मानना है कि हमें अनुच्छेद 370 को हटाने के बारे में कुछ नहीं करना चाहिए था। जयशंकर ने कहा, 'आप एक ऐसे देश को कैसे साथ जोड़कर देख सकते हो, जो आपकी अर्थव्यवस्था का आठवां हिस्सा है... जो 'छवि के हिसाब से' आपसे एकदम विपरीत है?'

अमेरिका की घरेलू राजनीति के मामले में भारत का रुख तटस्थ : जयशंकर

वाशिंगटन, प्रेट्र : विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि अमेरिका की घरेलू राजनीति के मामले में भारत का रुख तटस्थ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ह्यूस्टन में आयोजित 'हाउडी मोदी' रैली के दौरान सिर्फ अमेरिकी राष्ट्रपति के समर्थकों द्वारा 2016 में उनके पक्ष में चुनाव प्रचार के दौरान इस्तेमाल किए गए नारे 'अबकी बार ट्रंप सरकार' का उल्लेख कर रहे थे। जयशंकर ने इस बात को सिरे से नकार दिया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका में 2020 में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव अभियान के लिए डोनाल्ड ट्रंप की उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिए ऐसा कहा था। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री ने जो कहा, उस पर कृपया सावधानीपूर्वक ध्यान दें। मेरी याददाश्त के मुताबिक प्रधानमंत्री ने जो कहा वह ट्रंप ने (अबकी बार ट्रंप सरकार) इस्तेमाल किया था। इसलिए प्रधानमंत्री अतीत की बात कर रहे थे।'

कह के रहेंगे

माधव जोशी

उत्तर प्रदेश –बिहार के 20 फीसद से ज्यादा बच्चे छठी तक छोड़ देते हैं पढ़ाई

▸ नीति आयोग की स्कूल एजुकेशन क्वालिटी इंडेक्स रिपोर्ट से सामने आई जानकारी

▸ देश के पूर्वी राज्य बिहार और झारखंड में आगे की कक्षाओं में भी यह रफ्तार कायम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रतीकात्मक

स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से सुधार लाने वाले राज्यों में भले ही बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश शुमार है, बावजूद इसके इन सभी राज्यों में बच्चों के बीच में स्कूल छोड़ने की रफ्तार काफी तेज है। स्थिति यह है कि इन सभी राज्यों में प्राइमरी (पांचवीं) से अपर-प्राइमरी (छठी में) तक आते-आते 20 फीसद से ज्यादा बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं। इनमें बिहार सबसे आगे है, जहां छठी में आने तक 24 फीसद से ज्यादा बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं। झारखंड में ऐसे बच्चों की संख्या 23.6 है, जबकि उत्तर प्रदेश में 22 फीसद है।

स्कूली बच्चों के बीच में पढ़ाई छोड़ने की यह जानकारी नीति आयोग की ओर से जारी किए गए स्कूल एजुकेशन क्वालिटी इंडेक्स रिपोर्ट में सामने आई है। खास बात यह है कि बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और मध्य प्रदेश को छोड़ दें, तो देश के बाकी सभी बड़े राज्यों में यह रफ्तार दस फीसद या उससे कम है। दक्षिण भारतीय राज्य केरल की स्थिति इस मामले में सबसे अच्छी है, जहां शत-प्रतिशत बच्चे प्राइमरी से अपर-प्राइमरी में पहुंचे। यानि एक भी बच्चे ने स्कूल नहीं छोड़ा।

नीति आयोग की ओर से जारी किए गए स्कूल एजुकेशन क्वालिटी इंडेक्स रिपोर्ट के मुताबिक, स्कूलों में छठी से आठवीं तक पहुंचने के बीच भी बच्चों के स्कूल छोड़ने की रफ्तार काफी है। झारखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात, जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ़ जैसे छह ऐसे राज्य हैं, जहां दस फीसद से ज्यादा बच्चे छठी से आठवीं तक आते-आते स्कूल छोड़ देते हैं। इनमें सबसे खराब स्थिति झारखंड की है, जहां ऐसे बच्चों की संख्या 30 फीसद से अधिक है, जबकि बिहार में यह संख्या 26 फीसद से अधिक है।

हालांकि इनमें उत्तर प्रदेश ने अपनी स्थिति बेहतर की है। उसके यहां सिर्फ पांच फीसद ही ऐसे बच्चे मिले हैं, जो छठी से आठवीं तक स्कूल छोड़ दिया। खास बात यह है कि आयोग ने यह रिपोर्ट वर्ष 2016-17 के आंकड़ों को आधार बनाकर तैयार की है। हालांकि इस रिपोर्ट के संपूर्ण प्रदर्शन में उत्तर प्रदेश सबसे फिसड्डी है।

जस्टिस गवई ने नवलखा की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग किया

नई दिल्ली, प्रेट्र : सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बीआर गवई ने मंगलवार को नक्सल समर्थक गौतम नवलखा की अपील पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। नवलखा ने महाराष्ट्र के पुणे जिले के भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में दर्ज रिपोर्ट रद करने से इन्कार करने संबंधी बांबे हाई कोर्ट के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है। उल्लेखीय है कि सोमवार को देश के मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने भी मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था।

जस्टिस एनवी रमना, जस्टिस आरएस रेड्डी व जस्टिस बीआर गवई की पीठ के समक्ष नक्सल समर्थक गौतम नवलखा की अपील सुनवाई के लिए आई। इस दौरान जस्टिस गवई ने मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। अब यह तीन अक्टूबर को किसी अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध होगा। 13 सितंबर को हाई कोर्ट ने एफआइआर रद करने से इन्कार करते हुए कहा था कि इस मामले में पहली नजर में ठोस सामग्री है।

THE STUDY
HISTORY
(Optional)
प्रश्न–पत्र विश्लेषण
(सिविल सेवा परीक्षा–2019)
– मणिकांत सिंह
OPEN LECTURE
कल 12:10 PM
9999516388, 9999278966, 9899169799

आप मेहरबानी करके यह याद रखें कि अंग्रेजी कभी हमारी राष्ट्रभाषा नहीं हो सकती।

स्वतंत्रता एक जन्म की भांति है। जब तक हम पूर्णत: स्वतंत्र नहीं हो जाते तब तक हम परतंत्र ही रहेंगे।

महाराष्ट्र चुनाव में मुंबई से अब तक जब्त किए गए चार करोड़ रुपये

मुंबई, प्रेट्र: महाराष्ट्र विस चुनाव की घोषणा के बाद से पिछले 15 दिनों में आयकर विभाग ने अकेले मुंबई से चार करोड़ रुपये की नकदी जब्त की है। विभाग की जांच इकाई के महानिदेशक नितिन गुप्ता ने बताया कि निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। इसी तरह का अभियान मई में लोकसभा चुनावों के दौरान चलाया गया था। उस समय वित्तीय राजधानी मुंबई से 17 करोड़ रुपये और पूरे महाराष्ट्र से 28 करोड़ रुपये जब्त किए गए थे। उन्होंने बताया कि मुंबई के लिए छह त्वरित प्रतिक्रिया दल बनाए गए हैं।

मनोहर ने पूरे देश को कराया हरियाणा की भक्ति व शक्ति का परिचय : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की मौजूदगी में हरियाणा के सीएम ने भरा नामांकन पत्र

जागरण संवाददाता, करनाल

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के बाद हरियाणा अपनी पहचान को तरस गया था। उस पहचान को पूरे देश और विश्व में कायम करने का काम सीएम मनोहर लाल ने किया। उन्होंने हरियाणा की शक्ति और भक्ति का परिचय देश व दुनिया को करवाया।

सहजता-सरलता और कर्मठता के साथ हरियाणा को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। योगी आदित्यनाथ मंगलवार को सेक्टर 12 में सीएम मनोहर लाल के करनाल विधानसभा से नामांकन से पहले जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसके बाद सीएम ने योगी की मौजूदगी में ही नामांकन किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पारदर्शिता और योग्यता के आधार पर नौकरी देने के मामले में हरियाणा पूरे देश में उदाहरण बना। इसे देखने के लिए उन्होंने उत्तर प्रदेश से अधिकारियों की टीम यहां भेजी थी। पहले हरियाणा में योग्य युवाओं का हक मारा जाता था। किसान परेशान थे और उद्योगपति निराश थे। यहां निवेश करने से बड़े उद्योगपति कतराते थे, लेकिन मनोहर लाल ने हरियाणा में राजनीति की कुसंस्कृति को बदलकर यह साबित कर दिया कि मुख्यमंत्री कैसा होना चाहिए।

हरियाणा की करनाल विधानसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले एक रैली के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ सीएम मनोहर लाल। प्रेट्र

मोदी के नेतृत्व में अमेरिका ने किया भारत की शक्ति का अहसास : योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अमेरिका ने भारत की शक्ति का अहसास किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह ने अनुच्छेद 370 समाप्त करके फिर साबित किया कि जो कहते हैं, वह करके दिखाते हैं।

कांग्रेस के मंच से नहीं लगते भारत मां के जयकारे : योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस के मंच से भारत मां की जय के नारे नहीं लगते। उन्होंने महर्षि अरविंद का जिक्र करते हुए कहा कि उनसे किसी ने पूछा था कि सबसे बड़ा पुण्य क्या है और सबसे बड़ा पाप क्या है। इसके जवाब में उन्होंने कहा था कि देश के प्रति समर्पण सबसे बड़ा पुण्य है और देश से गद्दारी सबसे बड़ा पाप है।

कुछ काम रह गए थे, अब करेंगे पूरा : सीएम मनोहर लाल ने कहा कि 2014 में भाजपा की सरकार बनने के बाद सही मायने में काम करने के लिए तीन साल मिले। इस दौरान भी बहुत तेजी से काम किया गया। उपलब्धियों की फेहरिस्त खासी लंबी है। बहुत से काम करने के बाद भी कुछ रह गए। अगली बार काम के लिए पूरे पांच मिलेंगे तो डबल स्पीड से काम किया जाएगा।

सवा करोड़ की संपत्ति है मुख्यमंत्री मनोहर लाल की

जासं, करनाल : हरियाणा के सीएम मनोहर लाल ने मंगलवार को करनाल विधानसभा से नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के दौरान दिए गए शपथपत्र में मुख्यमंत्री ने अपनी चल संपत्ति में 94 लाख 985 रुपये और अचल संपत्ति में 12 कनाल की जमीन दर्शायी है। इस जमीन की कीमत 30 लाख रुपये है। रोहतक के बनियानी गांव में एक मकान है। इसकी कीमत तीन लाख रुपये दर्शाई गई है। मुख्यमंत्री के कवरिंग प्रत्याशी के तौर पर भाजपा नेता बृज भूषण ने अपना नामांकन दाखिल किया है। उन्होंने अपनी चल संपत्ति तीन करोड़ 22 लाख 60 हजार 120 रुपये की दर्शाई है। इसमें एक फॉर्च्यूनर कार भी दर्शाई गई है। उन्होंने अचल संपत्ति के रूप में करनाल जिले के गांव सांभली में 3 करोड़ 20 लाख रुपये कीमत की आठ एकड़ जमीन दर्शायी है। उन्होंने दो करोड़ रुपये का रिहायशी मकान, 46 लाख रुपये का एक प्लॉट और करीब 1 करोड़ 78 लाख रुपये के ऋण दर्शाए हैं।

भाजपा में नाराजगी नहीं, रूठों को जल्द मना लेंगे : मनोहर

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- टिकट वितरण के बाद की स्थिति से निपटने को पार्टी तैयार
- मुख्यमंत्री ने काम के आधार पर वोट मांगे, 75 पार जाने का किया दावा

हरियाणा में टिकट वितरण के बाद बने माहौल से निपटने को भाजपा पूरी तरह तैयार है। जिन दावेदारों के टिकट पार्टी ने काटे हैं, उनके समर्थक अलग-अलग बैठकें कर पार्टी पर अपने नेता को टिकट देने का दबाव बना रहे हैं। पूरे दिन इन नेताओं की जोड़तोड़ के बीच मंगलवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि पार्टी में किसी तरह के विपरीत हालात नहीं हैं और जल्द ही रूठों को मना लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने करनाल से नामांकन पत्र भरने के बाद कहा कि भाजपा राज्य में दोबारा सरकार बनाने जा रही है। हम कार्यकर्ताओं के दम पर 75 से अधिक विधानसभा सीटें जीतेंगे। हमने 75 पार का लक्ष्य निर्धारित किया है। अब यह फैसला जनता को लेना है कि वह हमारी सरकार के काम को देखते हुए हमें 75 पर रोकती है या फिर इससे अधिक सीटें दिलाती है।

बता दें कि भाजपा अभी तक 78 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है और बाकी बचे 12 उम्मीदवारों की लिस्ट तीन अक्टूबर को आने की संभावना है। भाजपा ने फरीदाबाद से उद्योग मंत्री विपुल गोयल का टिकट काटकर पार्टी के कोषाध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता को दिया है। विपुल गोयल के समर्थकों ने मंगलवार को फरीदाबाद में अपनी नाराजगी जाहिर की।

किसी ने छोड़ी पार्टी, किसी ने निर्दलीय लड़ने का फैसला किया

सफीदों से टिकट मांग कर रहे आजाद विधायक जसबीर देसवाल ने भाजपा को अलविदा कह दिया, जबकि पृथला से टिकट नहीं मिलने पर पुराने भाजपाई नयनपाल रावत के समर्थकों ने बैठक कर अपने नेता को टिकट देने की मांग की। गुहला से भाजपा के देवेंद्र हंस ने निर्दलीय लड़ने का फैसला लिया है। रादौर में टिकट कटने से पूर्व सीपीएस एवं विधायक श्याम सिंह राणा के समर्थकों ने नाराजगी जताई।

महाराष्ट्र में भाजपा की पहली सूची से कई दिग्गजों के नाम गायब

एलान ▶ मंत्रिमंडल का हिस्सा रहे एकनाथ खडसे, विनोद तावड़े, प्रकाश मेहता व राजपुरोहित का नाम नहीं

शिवसेना ने दो दिन पहले से नामांकन के लिए जरूरी एबी फॉर्म देने कर दिए थे शुरू

राज्य ब्यूरो, मुंबई

भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा के लिए मंगलवार को अपने 125 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। इसमें एकनाथ खडसे, प्रकाश मेहता और विनोद तावड़े जैसे दिग्गजों के नाम गायब हैं। बता दें कि भाजपा ने काफी प्रतीक्षा के बाद सोमवार को शिवसेना एवं चार अन्य साथी दलों के साथ अपने गठबंधन की घोषणा की थी, लेकिन सीटों के औपचारिक बंटवारे का कोई बयान अभी तक किसी साथी दल या गठबंधन की तरफ से सामने नहीं आया है। इसके बावजूद शिवसेना ने दो दिन पहले से नामांकन के लिए जरूरी एबी फॉर्म देने शुरू कर दिए थे।

भाजपा ने मंगलवार को प्रत्याशियों की जो पहली सूची जारी की है, उसमें आश्चर्यजनक रूप से देवेंद्र फड़नवीस के मंत्रिमंडल में शामिल रह चुके प्रकाश मेहता, विनोद तावड़े, राजपुरोहित और एकनाथ खडसे जैसे दिग्गजों का नाम नहीं है। इनमें तावड़े और खडसे तो पांच साल पहले फड़नवीस के साथ मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार भी माने जा रहे थे। खडसे गोपीनाथ मुंडे के करीबी और पिछड़े वर्ग के नेता हैं। उनके बंगले पर दाऊद के कराची स्थित घर से फोन आने के आरोपों के बाद उन्हें मंत्रिमंडल से त्यागपत्र देना पड़ा था। ये आरोप उन पर आम आदमी पार्टी ने लगाए थे। बाद में इन आरोपों से क्लीनचिट मिलने के बावजूद उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया। आज उन्होंने अपना पर्चा भर दिया है, लेकिन उनका नाम पार्टी के प्रत्याशियों की पहली सूची से गायब है। पार्टी उन्हें एबी फॉर्म देगी या नहीं, इस पर अभी भ्रम बना हुआ है। हालांकि उनकी पुत्रवधू रक्षा खडसे फिलहाल जलगांव से भाजपा की सांसद हैं।

नहीं हुई है अब तक सीट बंटवारे की औपचारिक घोषणा : अब तक भाजपा और साथी दलों में सीट बंटवारे की औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन माना जा रहा है कि शिवसेना 124 और भाजपा अन्य साथी दलों के साथ 164 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शिवसेना की ओर से लड़ी जाने वाली 124 सीटों की घोषणा कर दी गई है। इससे माना जा रहा है कि शिवसेना 124 सीटों पर लड़ने के लिए सहमत हो गई है।

साथी दलों को कमल के निशान पर लड़ाना चाहती है भाजपा : अब वह अपने चार साथी दलों को अपने चुनाव चिह्न कमल पर लड़ने के लिए सहमत करना चाहती है। माना जा रहा है कि वह इन दलों के लिए 16 सीटें छोड़ेगी। भाजपा का मानना है कि यदि उसके साथी दल भी कमल निशान पर लड़ने को राजी हो जाएं, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि का लाभ पाते हुए साथी दलों के प्रत्याशियों की जीत की संभावना भी बढ़ जाएगी। हालांकि साथी दलों को सहमत करना भाजपा के लिए आसान नहीं होगा।

नागपुर दक्षिण-पश्चिम से लड़ेंगे देवेंद्र फड़नवीस : आज घोषित सूची में भाजपा ने 52 वर्तमान विधायकों को पुनः मौका दिया है। इनमें 12 महिला विधायक शामिल हैं। पुणे की सभी आठ सीटें भाजपा के हिस्से में आई हैं जबकि मुंबई की 36 सीटों पर बंटवारे की स्थिति अभी साफ नहीं है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस को नागपुर दक्षिण-पश्चिम, पंकजा मुंडे को परली, राधाकृष्ण विखे पाटिल को शिरडी, गिरीश महाजन को जामनेर, हाल ही में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए संदीप नाईक को ऐरोली व कांग्रेस से भाजपा में शामिल हर्षवर्धन पाटिल को इंदापुर से टिकट दिया गया है।

मुंबई में मंगलवार को बेटे आदित्य ठाकरे को एबी फॉर्म देते शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे। सोमवार को आदित्य ने एक रैली में वरली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का एलान किया था। एएनआइ

महाराष्ट्र में 10 रैलियां करेंगे मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान विभिन्न जिलों में 10 रैलियों को संबोधित करेंगे। पार्टी से जुड़े एक नेता ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा कि पार्टी अध्यक्ष और गृह मंत्री अमित शाह 20 रैली करके राज्य में पार्टी के पक्ष में माहौल बनाएंगे।

एमएनएस ने 27 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी

राज ठाकरे के नेतृत्व वाली नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने मंगलवार को 27 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। फिलहाल वरली से किसी को टिकट नहीं दिया गया है। इस सीट से शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य चुनाव मैदान में हैं। पार्टी ने पिछले साल राज्य सचिवालय के सामने जहर पीकर आत्महत्या करने वाले धर्म पाटिल के बेटे नरेंद्र धर्म पाटिल को बुलढाणा जिले के सिंधखेड़जा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है।

फड़नवीस को इस्तीफा देकर राजनीति छोड़नी चाहिए : राकांपा

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के बारे में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद राकांपा ने कहा कि उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और राजनीति छोड़ देनी चाहिए। राकांपा के मुख्य प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा कि फड़नवीस को चुनाव लड़ने का कोई अधिकार नहीं है।

मलिक ने कहा, 'हम इस निर्णय का स्वागत करते है। इससे साबित होता है कि मुख्यमंत्री नियमों का पालन नहीं करते हैं। अब, उनके पास राजनीति में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं बचा है। उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए और राजनीति छोड़ देनी चाहिए। उन्हें चुनाव लड़ने का कोई अधिकार नहीं है।' राकांपा के एक अन्य प्रवक्ता महेश तापसे ने आरोप लगाया कि वह अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों के बारे में तथ्यों को छुपाकर मतदाताओं से झूठ बोल रहे हैं। उच्च नैतिक मानकों को अपनाने का दावा करने वाली भाजपा को उनकी उम्मीदवारी को खारिज कर देना चाहिए।

नैतिक आधार पर मुख्यमंत्री बने रहने का अधिकार नहीं : कांग्रेस

कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री को नैतिक आधार पर पद पर नहीं बने रहना चाहिए। पार्टी प्रवक्ता शक्ति सिंह गोहिल ने संवाददाताओं से कहा, 'महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने हलफनामे में दो आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाई। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हलफनामा मामले में सुनवाई आगे चलेगी।'

बेदाग है फड़नवीस का ट्रैक रिकार्ड : आठवले

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने फड़नवीस का पक्ष लेते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि वह बेदाग होकर निकलेंगे। कई बार राजनीति प्रेरित आरोप लगते रहे हैं। यदि अदालत ने कुछ पाया है तो उसमें कुछ गलत नहीं है। जहां तक जानकारी है उसके अनुसार फड़नवीस का ट्रैक रिकार्ड बेदाग है। उनके पिता की छवि बेदाग थी और उनके पास भी ऐसी ही छवि है।

हमारा सरोकार बहुत ही सीमित मुद्दे पर है : कोर्ट

▶ प्रथम पृष्ठ से आगे

शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि उसका सरोकार बहुत ही सीमित मुद्दे पर है कि क्या पहली नजर में इस मामले में जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 125ए आकर्षित होती है या नहीं। यह प्रावधान 'गलत हलफनामा' दाखिल करने की सजा के बारे में है और इसमें कहा गया है कि अगर कोई प्रत्याशी या उसका प्रस्तावक किसी लंबित आपराधिक मामले के बारे में नामांकन पत्र में कोई भी जानकारी उपलब्ध कराने में विफल रहता है या इसे छुपाता है या गलत जानकारी देता है तो ऐसे व्यक्ति को छह महीने तक की कैद या जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है।

याची की दलील थी कि फड़नवीस ने दो लंबित आपराधिक मामलों की जानकारी नहीं देकर गलत हलफनामा दाखिल किया और इसके बावजूद निचली कोर्ट तथा हाई कोर्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री पर मुकदमा चलाने के लिए पहली नजर में इसमें कोई मामला नहीं बनता है। ये दोनों आपराधिक मामले कथित कपट और जालसाजी के हैं जो फड़नवीस के खिलाफ 1996 और 1998 में दायर हुए थे लेकिन इनमे अभी तक आरोप निर्धारित नहीं किए गए थे।

गुजरात के विधानसभा उप चुनाव में त्रिकोणीय जंग के आसार

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद: गुजरात में छह सीट पर हो रहे उप चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मैदान में आ जाने से सभी सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला होगा। कांग्रेस ने राकांपा के साथ गठबंधन से साफ इन्कार कर दिया था। उधर, भाजपा में टिकट के सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे पूर्व मंत्री शंकर भाई चौधरी को रेस से बाहर हो गए हैं। बता दें कि अहमदाबाद की अमराईवाडी, साबरकांठा की बायड, पाटण की राधनपुर, महीसागर की लूनावाडा, मेहसाणा की खेरालू, बनासकांठा की थराद विधानसभा सीट पर आगामी 21 अक्टूबर को उप चुनाव होंगे।

भाजपा, कांग्रेस और राकांपा ने सभी छह सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं, जिससे मुकाबला रोचक हो गया है। राधनपुर और बायड कांग्रेस की नाक की लड़ाई है। इन दोनों सीटों पर पहले अल्पेश ठाकोर और धवलसिंह झाला ने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन बाद में वे इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा ने इन दोनों को इन्हीं सीट से प्रत्याशी बनाया है।

रघु देसाई को मैदान में उतारकर खेला बड़ा दांव : कांग्रेस इन दो सीट पर खास रणनीति पर काम कर रही है, राधनपुर सीट पर कांग्रेस ने रघु देसाई को मैदान में उतारकर कर ठाकोर जाति के खिलाफ अन्य जातियों को लामबद्ध करने का प्रयास किया है। उधर, बायड में झाला के खिलाफ पटेल को टिकट देकर मुकाबले को रोचक बना दिया है। उधर, राकांपा के गुजरात अध्यक्ष शंकर सिंह वाघेला ने बताया कि पार्टी सभी छह सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस को गठबंधन में रुचि नहीं है, इसलिए हमने सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। वाघेला के पुत्र महेंद्र सिंह के बायड से चुनाव लड़ने की चर्चाएं थीं, लेकिन ऐन मौके पर वह पीछे हट गए।

कांग्रेस छोड़ जजपा के हुए पूर्व मंत्री सतपाल और पूर्व सांसद ईश्वर

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : अपनी पार्टी के टिकट से वंचित रहने पर नेता दूसरे दलों में अपना

इधर उधर

राजनीतिक भविष्य तलाशने में जरा भी वक्त नहीं लगा रहे हैं। दरअसल, हरियाणा में चार तारीख तक ही नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकते हैं। इसलिए जिन नेताओं को अपने दल से टिकट की आस नहीं है वे अपने लिए सुरक्षित दुर्ग ढूंढ़ रहे हैं। भाजपा ने अपने 78 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है और इसके भी कई नेता निर्दलीय या दूसरे दलों से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस के टिकट घोषित होने से पहले ही दो बड़े नेता मंगलवार को जननायक जनता पार्टी (जजपा) में शामिल हो गए।

राज्यसभा उप चुनाव के बाद सदन में बढ़ जाएगी राजग की एक सीट

- भाजपा सदस्य अरुण जेटली और राजद सदस्य राम जेठमलानी के निधन से रिक्त हुई हैं दो सीटें
- 16 अक्टूबर को होने वाले उप चुनाव में राजग की नजर जेठमलानी के निधन से रिक्त हुई बिहार की सीट पर

नई दिल्ली, आइएएनएस : संसद के उच्च सदन राज्यसभा की दो सीटों के लिए 16 अक्टूबर को होने वाले उप चुनाव के बाद सत्तारूढ़ राजग की सदन में एक सीट बढ़ जाएगी। दो सीटों के लिए ये उप चुनाव उत्तर प्रदेश से भाजपा सदस्य अरुण जेटली और बिहार से राजद सदस्य राम जेठमलानी के निधन की वजह से कराए जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में भाजपा को बहुमत हासिल है, लिहाजा पार्टी यहां से अपनी सीट बरकरार रखेगी। भाजपा और उसके सहयोगी दल जदयू की नजर राम जेठमलानी के निधन की वजह से बिहार से खाली हुई सीट पर है। हालांकि, दोनों ही सीटों पर गठबंधन ने प्रत्याशियों के बारे में अभी फैसला नहीं किया है। उत्तर प्रदेश में विपक्षी खेमे के एक नेता ने बताया, चूंकि संख्याबल पूरी तरह भाजपा के पक्ष में है इसलिए यहां विपक्ष अपना प्रत्याशी उतारने के मूड में नहीं है। वहीं, बिहार में अभी तक यह ही तय नहीं है कि रिक्त सीट पर प्रत्याशी भाजपा का होगा या उसके उसके सहयोगी दल जदयू का। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि प्रत्याशी भाजपा से होगा। चूंकि जदयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मोलभाव में बेहद सख्त माना जाता है इसलिए माना जा रहा है कि नीतीश इस सीट के बदले अपनी पार्टी के लिए कुछ न कुछ अवश्य हासिल करेंगे। इस लिहाज से सबकी नजरें दशहरे के बाद होने वाले नीतीश कैबिनेट के विस्तार पर हैं। बिहार विधानसभा में राजग के 125 और संप्रग के 102 सदस्य हैं। बताते हैं कि हाल में बेली रोड का नाम नेहरू पथ करने के फैसले से भाजपा पहले से नीतीश कुमार से नाराज चल रही है। मालूम हो कि 245 सदस्यीय राज्यसभा में फिलहाल भाजपा के 80 सदस्य हैं। अपने सहयोगी दलों के साथ उसकी कुल सदस्य संख्या 114 हो जाती है जो बहुमत से नौ कम है।

प्रत्याशियों के चयन से दूर रहे राहुल गांधी

नई दिल्ली, एएनआइ : कांग्रेस नेता राहुल गांधी पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा बुलाई गई केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में शामिल नहीं हुए। मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष ने अपने आवास पर हरियाणा विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों का चयन करने के लिए बैठक बुलाई थी। कांग्रेस ने मंगलवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 52 प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी। प्रत्याशियों में पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, धीरज देसमुख, युवराज मोहिते एवं अन्य शामिल हैं। इससे पहले राहुल ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के चयन से दूरी बनाए रखी थी। उस समय भी वह केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में हिस्सा नहीं लिया था। मंगलवार को राहुल ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री के साथ उन्होंने बाढ़ के बाद राहत एवं पुनर्वास प्रयासों पर चर्चा की।

सोनिया के घर के आगे हरियाणा के कांग्रेसियों ने की नारेबाजी

बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली

- तंवर और हुड्डा समर्थकों के बीच हुई नारेबाजी में पैराशूट नेताओं को टिकट नहीं देने की लगाई गुहार
- प्रत्याशी चयन को लेकर हुई कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में हिस्सा लेने सोनिया निवास पर आए थे पूर्व सीएम हुड्डा

कांग्रेस में टिकट वितरण को लेकर मारामारी चल रही है। मंगलवार शाम जब पार्टी की

टिकट की टिकटिक

अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के निवास पर केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक खत्म हुई तो वहां एकत्र पार्टी कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। ये कार्यकर्ता सोनिया के आवास से लेकर कांग्रेस मुख्यालय परिसर तक समिति की बैठक खत्म होने का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही बैठक खत्म हुई और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपनी गाड़ी से बाहर निकले तो कुछ कार्यकर्ताओं ने डॉ. अशोक तंवर जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके बाद हुड्डा समर्थकों ने भी एकत्रित होकर अपने नेता के नारे लगाए। स्थिति तनावपूर्ण तो रही, लेकिन कार्यकर्ता खुद ही शांत होकर चले गए।

इस दौरान तंवर समर्थकों ने कहा कि वे चुनाव मैदान में पैराशूट से उतारे जाने वाले पार्टी प्रत्याशियों का विरोध करने आए हैं। साथ ही सोनिया गांधी तक अपना यह संदेश भी पहुंचाने आए हैं कि उनके नेता अशोक तंवर के समर्थकों को भी टिकट वितरण में पूरा महत्व दिया जाए क्योंकि उन्होंने पांच साल तक प्रदेश में संगठन को मजबूत करने का काम किया है।

कांग्रेस के टिकट वितरण में झलकेगा पार्टी का सामूहिक नेतृत्व : कांग्रेस बुधवार को देर शाम सभी 90 टिकटों पर प्रत्याशी घोषित कर देगी। सूत्रों के अनुसार, टिकट वितरण में किसी एक नेता को महत्व नहीं दिया गया है बल्कि कांग्रेस के सभी क्षत्रपों के समर्थकों को समायोजित किया गया है। भाजपा की तरह कांग्रेस ने भी लोकसभा चुनाव लड़ने वाले सभी नेताओं की पसंद के उम्मीदवार विधानसभा क्षेत्रों में उतारने का फैसला लिया है। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी सैलजा, कुलदीप बिश्नोई, रणदीप सुरजेवाला, किरण चौधरी सहित अशोक तंवर के समर्थकों को भी टिकट देने पर सहमति बन चुकी है।

देर शाम फिर हुई स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक

मंगलवार को सोनिया गांधी की अध्यक्षता में 10 जनपथ पर दोपहर बाद तीन बजे शुरू हुई केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में कांग्रेस नेता मोहसिना किदवई, केसी वेणुगोपालन, अहमद पटेल, मुकुल वासनिक, गुलाम नबी आजाद, देवेंद्र यादव, दीपा दास मुंशी सहित पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैलजा भी उपस्थित रहीं। इस बैठक में कांग्रेस नेताओं ने पार्टी नीतियों के अनुसार जीतने वाले उम्मीदवारों को टिकट दिए जाने पर सोनिया गांधी से मुहर लगवाई। सोनिया की अध्यक्षता में करीब तीन घंटे तक बैठक चली। इसमें हुड्डा और सैलजा द्वारा स्क्रीनिंग कमेटी की 28 से 30 तारीख तक चली तीन दिन की लंबी मैराथन बैठक के बाद तय किए प्रत्याशियों के पैनलों पर चर्चा हुई। अब सभी 90 उम्मीदवार तय कर लिए गए हैं। हालांकि सूची को स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके बाद कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक मधुसूदन मिस्त्री की अध्यक्षता में एक बार फिर 15 गुरुद्वारा रकाबगंज रोड स्थित पार्टी के वाररूम में शुरू हुई। माना जा रहा है कि इसमें तय नामों की सूची कभी भी जारी कर दी जाएगी।

झारखंड

आधा दर्जन से अधिक नेता कर रहे तैयारी, पूर्व मंत्री चंद्रप्रकाश चौधरी व राजा पीटर की पत्नी भी शामिल, उप चुनावों में पत्नियों ने बचाई है अपने पतियों की सीट

कई बड़े नेताओं की पत्नियां लड़ेंगी चुनाव

नीरज अम्बष्ठ, रांची

झारखंड में इस बार के विधानसभा चुनाव में कई बड़े नेताओं की जगह उनकी पत्नियां चुनाव लड़ेंगी। विभिन्न कारणों से ऐसी स्थितियां बन रही हैं। नेताओं ने इसकी तैयारी भी तेज कर दी है। कुछ नेता अपनी सीट अपने कब्जे में ही बनाए रखने तो कुछ वैधानिक कारणों से ऐसा कर रहे हैं। ऐसे में विधानसभा चुनाव में आधा दर्जन से अधिक सीटों पर बड़े नेताओं की पत्नियां चुनाव मैदान में दिखेंगी।

पूर्व मंत्री व वर्तमान सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी की पत्नी सुनीता चौधरी का रामगढ़ से चुनाव लड़ना तय है। भाजपा के साथ गठबंधन में आजसू यह सीट नहीं छोड़ेगी। भाजपा भी जानती है कि इस सीट पर आजसू मजबूत है। बता दें कि चंद्रप्रकाश चौधरी लगातार इस सीट से चुनाव जीतते रहे हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद वे अपनी पत्नी को रामगढ़ से विधानसभा चुनाव लड़ाने की तैयारी कर रहे हैं। दूसरी तरफ, पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा की हत्या में संलिप्तता के आरोप में जेल में बंद पूर्व मंत्री गोपाल सिंह पातर उर्फ राजा पीटर की पत्नी आरती कुमारी पातर ने एनसीपी के टिकट पर तमाड़ से चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है। हालांकि, सजा नहीं होने के कारण राजा पीटर भी चुनाव लड़ सकते हैं।

इधर, पूर्व विधायक अमित महतो की पत्नी सीमा महतो (सिल्ली), पूर्व विधायक योगेंद्र महतो (गोमिया) की पत्नी बबीता महतो तथा पूर्व मंत्री एनोस एक्का की पत्नी मेनन एक्का (कोलेबिरा) का चुनाव लड़ना तय है। तीनों नेता कानूनी अड़चनों के कारण चुनाव नहीं लड़ेंगे। बता दें कि विभिन्न मामलों में अमित महतो तथा योगेंद्र महतो की सदस्यता चली गई थी, जिसके बाद हुए उप चुनाव में दोनों की पत्नियां अपने पति की सीटें बचाने में सफल रहीं। वहीं, पारा शिक्षक हत्या मामले में सदस्यता जाने के बाद एनोस एक्का ने उप चुनाव में अपनी पत्नी मेनन को उतारा, लेकिन वह अपने पति की सीट बचाने में असफल रहीं।

गीता कोड़ा लगातार जीतती रही हैं चुनाव : पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा जगन्नाथपुर विधानसभा सीट से चुनाव जीतती रही हैं, लेकिन इस बार वह कांग्रेस की सीट से लोकसभा पहुंची हैं।

आरती पीटर की तैयारी से रोचक हुआ तमाड़ का गणित

पूर्व मंत्री राजा पीटर की पत्नी आरती कुमारी पीटर के चुनाव लड़ने की घोषणा से तमाड़ विधानसभा सीट का गणित रोचक हो गया है। इस सीट पर आजसू भी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। वहीं, वर्तमान विधायक विकास कुमार मुंडा आजसू से निलंबित होने के बाद अभी तक अपना नया ठिकाना नहीं खोज पाए हैं। उनकी झारखंड मुक्ति मोर्चा में जाने की चर्चा थी, लेकिन वे इसपर अंतिम निर्णय नहीं ले सके हैं। वे अन्य दलों के साथ भी बातचीत के प्रयास में हैं।

मप्र विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ केस दर्ज

नईदुनिया, झाबुआ/भोपाल : मध्य प्रदेश के झाबुआ में विधानसभा उप चुनाव में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के मामले में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गोपाल भार्गव के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सोमवार को भाजपा प्रत्याशी भानू भूरिया के समर्थन में आयोजित सभा में भार्गव ने कहा था कि यदि कांतिलाल जीत गए तो ऐसा संदेश जाएगा कि पाकिस्तान का समर्थन करने वाली सरकार का प्रतिनिधि जीत गया। ये हिंदुस्तान और पाकिस्तान के बीच का चुनाव है। भानू हिंदुस्तान और कांतिलाल पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रदेश कांग्रेस ने सोमवार को ही मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मामले की शिकायत की थी। देर रात रिटर्निंग अधिकारी डॉ. अभय सिंह खराड़ी झाबुआ थाने पहुंचे।

28 अमेरिकी वस्तुओं पर भारत ने जून 2019 में 70 प्रतिशत तक शुल्क बढ़ा दिया था। अमेरिका की ओर से इस्पात और अल्युमिनियम पर शुल्क में बढ़ोतरी के बाद यह फैसला लिया गया था।

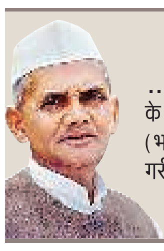

...एक दूसरे से लड़ने के बजाय आइए हम (भारत-पाकिस्तान) गरीबी, बीमारी और अभाव से लड़ें।

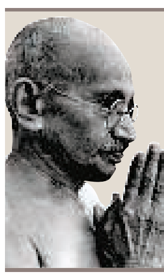

आत्मा की शक्ति संपूर्ण विश्व के हथियारों को परास्त करने की क्षमता रखती है

न्यूज गैलरी

ताज के प्रतिबंधित क्षेत्र में 20 मिनट उड़ता रहा ड्रोन

आगरा : ताज के प्रतिबंधित क्षेत्र में मंगलवार को 20 मिनट तक ड्रोन आसमान में उड़ता रहा। इससे सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस में अफरा-तफरी मच गई। ड्रोन के नीचे आने पर पुलिस ने उसे उड़ाने वाले चीनी पर्यटक को पकड़ लिया। चीनी पर्यटक कुईयू सोमवार को आगरा आया था। वह मंगलवार सुबह साढ़े छह बजे महताब बाग पहुंचा। वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर ड्रोन समेत प्रवेश कर गया। झाड़ियों में छिपकर ड्रोन कैमरे को ताज प्रतिबंधित क्षेत्र में उड़ा दिया। यह देख सुरक्षाकर्मियों ने ड्रोन उड़ाने वाले को खोजना शुरू कर दिया। करीब बीस मिनट बाद ड्रोन के नीचे आने पर उन्होंने चीनी पर्यटक को पकड़ लिया। ड्रोन को कब्जे में कर उसकी चिप के सारे फोटो डिलीट कर दिए गए। पर्यटक ने पूछताछ में बताया कि उसे ताज के आसपास ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध की जानकारी नहीं थी। पर्यटक की मंगलवार को दिल्ली से ट्रेन होने के चलते माफीनामा लिखवाने के बाद पुलिस ने उसे छोड़ दिया। (जासं)

आइबी के पास निगरानी कर रहा वायुसेना का ड्रोन लापता

बिश्नाह : जम्मू जिले के सीमावर्ती क्षेत्र बिश्नाह में मंगलवार को निगरानी कर रहा वायुसेना का एक ड्रोन लापता हो गया। ड्रोन को खोजने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है, देर शाम तक उसका कोई पता नहीं चला था। वायुसेना ने इस ड्रोन को सुबह उड़ाया था। इसके कुछ देर बाद आंधी और तेज बारिश के कारण वायुसेना के कंट्रोल रूम से उसका संपर्क टूट गया। इस ड्रोन की अंतिम लोकेशन बिश्नाह तहसील के गांव सिकंदरपुर के आसपास रिकार्ड की गई। इसके बाद वायुसेना के अधिकारियों ने बिश्नाह पुलिस को ड्रोन के लापता होने की जानकारी दी। बिश्नाह पुलिस ने ड्रोन की सिकंदरपुर इस्माइलपुर के खेतों में तलाश की। वायुसेना ने भी अपने स्तर पर ड्रोन की तलाश के लिए मुहिम चलाई है। इसके लिए हेलीकॉप्टरों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। स्थानीय युवकों की भी मदद ली जा रही है। (जासं)

एनएच के समानांतर टोल फ्री एसएच पर केंद्र ने किया आगाह

चेतावनी ▶ कहा- ऐसा करने वाले राज्यों में एनएच का निर्माण नहीं होगा

राज्यों के खिलाफ स्टेट सपोर्ट एग्रीमेंट के अनुसार कार्रवाई करने की भी बात

▶ असम, केरल, तमिलनाडु और गुजरात ऐसे राज्यों में शामिल हैं

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सड़क मंत्रालय ने राज्य सरकारों को टोल वाले राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के समानांतर टोल फ्री स्टेट हाईवे (एसएच) बनाने के खिलाफ आगाह किया है। मंत्रालय का कहना है कि इससे सड़क बनाने वाली कंपनियों को नुकसान हो रहा है और बैंक उन्हें कर्ज देने में आनाकानी कर रहे हैं। ऐसा करने वाले राज्यों में असम, केरल, तमिलनाडु और गुजरात शामिल हैं।

कई राज्य सरकारों ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल के खिलाफ जनता के विरोध को देखते हुए समानांतर टोल फ्री स्टेट हाईवे (एसएच) का निर्माण करा दिया है या कराने की घोषणा की है। कुछ राज्यों ने उन एसएच को एनएच में तब्दील करा लिया है, जो एनएच के समानांतर हैं। इससे नेशनल हाईवे का निर्माण करने वाली कंपनियों के साथ-साथ एनएचएआइ को भी नुकसान हो रहा है। जहां-जहां एनएच के आसपास एसएच का विकल्प उपलब्ध है, वहां लोग टोल से बचने के एसएच का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

फाइल

सड़क मंत्रालय को यह चेतावनी इसलिए देनी पड़ी है क्योंकि पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले सेस से एकत्रित इंफ्रास्ट्रक्चर फंड में उसकी हिस्सेदारी कम हो गई है। साथ ही नए हाईवे बनने के हिसाब से टोल संग्रह में इजाफा नहीं हुआ है। इसके अलावा टीओटी स्कीम के तहत एकमुश्त रकम के बदले कुछ एनएच पर टोल वसूली का अधिकार निजी कंपनियों को दिए जाने का भी टोल राजस्व पर असर पड़ा है। वहीं भारतमाला परियोजना के कारण सड़क निर्माण के लक्ष्यों में अच्छी-खासी बढ़ोतरी हो गई है।

टोल वाले एनएच के समानांतर बिना टोल वाले एसएच विकसित करने का मुद्दा पिछले दिनों सड़क बनाने वाली कंपनियों ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ आयोजित एक परिचर्चा में भी उठाया था। इस पर गडकरी ने भी माना था कि कुछ राज्य सरकारें ऐसा कर रही हैं। यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा था कि असम और केरल की सरकारों को उनके मंत्रालय की ओर से चेतावनी दी गई है कि अगर एनएच के समानांतर एसएच बनाना जारी रखा, तो उनके यहां एनएच का निर्माण बंद कर दिया जाएगा। इसी के बाद एनएचएआइ ने भी इस मुद्दे को राज्यों के साथ उठाना शुरू किया है।

एनएचएआइ के अधिकारियों का कहना है कि टोल भुगतान के बगैर सड़क के उपयोग को बढ़ावा देने की राज्यों की घोषणाओं से संपूर्ण सड़क निर्माण कार्यक्रम में बाधा पड़ सकती है। सड़क बनाने वाली कंपनियां टोल के जरिये ही अपनी लागत निकालती हैं और लाभ कमाती हैं। यदि कंसेशन एग्रीमेंट के मुताबिक टोल संग्रह नहीं हुआ तो उन्हें घाटा होगा और फिर अगली परियोजनाओं के लिए कोई बैंक उन्हें कर्ज नहीं देगा। यदि राज्यों ने बात नहीं मानी तो उसे स्टेट सपोर्ट एग्रीमेंट के अनुसार कानूनी कदम उठाने को बाध्य होना पड़ेगा।

खनन घोटाले में दो आइएएस अफसरों के ठिकानों पर छापेमारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▶ सीबीआई ने उत्तर प्रदेश में सपा सरकार में हुए करोड़ों के घोटाले पर की कार्रवाई

▶ आइएएस अधिकारी अजय कुमार सिंह के घर से मिले 15 लाख रुपये

▶ पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल के घर सहित नौ अन्य जगहों पर भी छापे

सपा सरकार में हुए करोड़ों के खनन घोटाले के मामले में सीबीआइ दिल्ली की टीम ने मंगलवार को लखनऊ में दो आइएएस अधिकारियों व सहारनपुर में पूर्व एमएलसी हाजी मुहम्मद इकबाल के आवास समेत 11 स्थानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। देहरादून में भी कुछ ठिकानों पर छापेमारी की गई है। दरअसल, पूर्व एमएलसी इकबाल के बेटे मुहम्मद वाजिद के खिलाफ भी सीबीआइ ने केस दर्ज किया है।

सहारनपुर के तत्कालीन डीएम अजय कुमार सिंह के लखनऊ के गोमतीनगर आवास से सीबीआइ ने 15 लाख रुपये व दो भूखंडों के कागजात बरामद किए हैं। इनमें एक व्यावसायिक भूखंड है।

1998 बैच के आइएएस अधिकारी वर्तमान में सचिव खादी ग्रामोद्योग के पद पर तैनात हैं। सीबीआइ ने सहारनपुर के तत्कालीन डीएम पवन कुमार के घर पर भी लंबी छानबीन की। पवन वर्तमान में आवास एवं शहरी विकास में विशेष सचिव के पद पर तैनात हैं। सीबीआइ ने सहारनपुर के मीरजापुर गांव निवासी पूर्व एमएलसी मुहम्मद इकबाल के घर व कुछ अन्य ठिकानों पर छापेमारी कर कई दस्तावेज कब्जे में लिए हैं।

सीबीआइ ने हाई कोर्ट के आदेश पर सोमवार को सहारनपुर में हुए खनन घोटाले के मामले में तत्कालीन डीएम अजय व पवन समेत 12 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। धोखाधड़ी व षड्यंत्र की धाराओं में दर्ज केस में खनन पट्टाधारक सहारनपुर के ग्राम मीरजापुर निवासी महमूद अली, दिलशाद, मुहम्मद इनाम, नसीम अहमद, सहारनपुर स्थित महावीर कालोनी निवासी अमित जैन व मुकेश जैन, आशिर्वाद इन्क्लेव चकराता रोड देहरादून निवासी विकास अग्रवाल, पूर्व एमएलसी इकबाल के बेटे मुहम्मद वाजिद, सहारनपुर निवासी पुनीत जैन के अलावा महमूद आलम नामजद आरोपित हैं।

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआइ सहारनपुर खनन घोटाले की जांच कर रही है। बताया गया है कि 2005 से 2015 के बीच सहारनपुर में खनन के 13 पट्टे नियमों को दरकिनार कर आवंटित किए गए थे। ई-टेंडर प्रक्रिया को दरकिनार कर पट्टों के आवंटन में बड़ा खेल हुआ था। इसमें कई चहेतों को लाभ पहुंचाया गया था। बंदरबाद की गई थी। सीबीआइ घोटाले में हमीरपुर, देवरिया समेत अन्य जिलों में भी केस दर्ज कर जांच कर रही है। सीबीआइ मंगलवार को आरोपितों के ठिकानों से मिले दस्तावेजों के आधार पर छानबीन कर रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर में मंदिर को उड़ाने की साजिश रचने वाला आतंकी ढेर

जागरण संवाददाता, कानपुर : जम्मू-कश्मीर में बीती 29 सितंबर को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारा गया हिजबुल मुजाहिदीन का कमांडर कोई और नहीं, बल्कि पिछले साल शहर में कानपुर स्थित सिद्धि विनायक मंदिर को उड़ाने की साजिश रचने वाला ओसामा बिन जावेद था। उसके खिलाफ एनआइए की ओर से दो लाख रुपये इनाम भी घोषित था। बीते एक साल से गिरफ्तारी न होने के कारण एनआइए उसके खिलाफ कुर्की की तैयारी कर रही थी।

पिछले साल सितंबर में चकेरी के जाजमऊ अहिरवां स्थित शिवनगर कॉलोनी पकड़े गए हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी कमरुज्जमां उर्फ डॉ. हुरैरा ने एनआइए और एटीएस को पूछताछ में ओसामा बिन जावेद का नाम बताया था। उसने बताया था कि ओसामा उसके साथ ही कमरे पर आकर ठहरा था और दोनों ने मिलकर घंटाघर स्थित सिद्धि विनायक मंदिर को उड़ाने की साजिश रची थी। दोनों ने मिलकर रेकी कर वीडियो भी बनाए थे। एनआइए ने कमरुज्जमां के साथ ही उसके साथियों ओसामा बिन जावेद, जहांगीर और हजारी उर्फ रियाज अहमद के खिलाफ एनआइए कोर्ट में चार्जशीट लगाई थी। लेकिन कमरुज्जमां के अलावा किसी अन्य को गिरफ्तार नहीं किया जा सका था। एनआइए सूत्रों ने बताया कि दो दिन पूर्व जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में मारे गए आतंकी की पहचान ओसामा बिन जावेद के रूप में ही की गई है। उसी ने रेकी के बाद जम्मू से हथियारों की खेप कमरुज्जमां को पहुंचाने की तैयारी की थी लेकिन कमरुज्जमां के पकड़े जाने के बाद वह फरार हो गया था।

हैदराबाद में इसरो वैज्ञानिक की हत्या

हैदराबाद, आइएएनएस : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) से जुड़े एक वैज्ञानिक की उनके अपार्टमेंट में ही हत्या कर दी गई। वैज्ञानिक एस. सुरेश की किसी अज्ञात आदमी ने हैदराबाद के बीचोंबीच अमीरपेट इलाके में स्थित अन्नपूर्णा अपार्टमेंट के उनके फ्लैट में हत्या कर दी। उस समय केरल निवासी वैज्ञानिक अपने फ्लैट में अकेले ही थे।

मंगलवार को कार्यालय नहीं पहुंचने पर उनके साथियों ने उनके मोबाइल पर फोन किया। उत्तर नहीं मिलने पर उन्होंने उनकी पत्नी इंदिरा को सूचना दी। उनकी पत्नी चेन्नई में बैंक कर्मचारी हैं। अपने परिवार के सदस्यों के साथ इंदिरा हैदराबाद पहुंचीं और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। फ्लैट का दरवाजा तोड़ अंदर पहुंचने पर सुरेश को मृत पाया गया। पुलिस को संदेह है कि उनके सिर पर किसी भारी चीज से हमला किया गया जिससे उनकी मौत हो गई। मौके से पुलिस ने सुराग जुटाए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वे अपार्टमेंट परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को देख रहे हैं। सुरेश 20 साल से हैदराबाद में रह रहे हैं। उनकी पत्नी भी साथ ही रहती थी लेकिन 2005 में उनका तबादला चेन्नई हो गया।

अरसे से अटकी कृषि वैज्ञानिकों की चयन प्रक्रिया अब हुई तेज

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली

▶ डीडीजी स्तरीय अफसरों की नियुक्ति का पहला परिणाम दिवाली तक

▶ पंद्रह अक्टूबर से पहले स्क्रीनिंग और 30 तक हो जाएगा इंटरव्यू

एक अरसे से अटकी पड़ी कृषि वैज्ञानिकों की चयन प्रक्रिया अब तेज हो गई है। कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी) ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के रिक्त पड़े पांच दर्जन से अधिक संस्थानों के निदेशकों के पदों को भरने की कवायद तेज कर दी है। उप महानिदेशक (डीडीजी) स्तर के अधिकारियों की भर्ती का पहला परिणाम दिवाली से पहले घोषित कर दिए जाने की संभावना है। जबकि सहायक महानिदेशकों की भर्ती की प्रक्रिया दिसंबर तक पूरी होने की उम्मीद है। इसके लिए भर्ती कैलेंडर तैयार कर लिया गया है, जिस पर अमल शुरू हो गया है।

रिक्त कुल 72 आला अफसरों के पदों के लिए मांगे गए आवेदन 26 सितंबर तक जमा करा लिए गए हैं। डीडीजी स्तरीय के आठ पदों की स्क्रीनिंग की प्रक्रिया तीन अक्टूबर को चालू हो जाएगी। जबकि 15 से 30 अक्टूबर के बीच स्क्रीनिंग और इंटरव्यू संपन्न कराने की योजना है। एएसआरबी की कोशिश यह है कि नियुक्ति होने की पहली सूची हर हाल में दिवाली तक जारी कर दी जाए। डीडीजी पदों में नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट (एनआरएम), क्राप साइंस और एनिमल साइंस के साथ आइएआरआइ पूसा, एनडीआरआइ करनाल, रांची, रायपुर व बारामती के शोध संस्थानों के निदेशकों पद रिक्त है।

यहां के निदेशकों के पद डीडीजी स्तर के माने जाते हैं, जिनमें चार क्राप साइंस, दो एनआरएम और दो एनिमल साइंस वर्ग के हैं। चयन बोर्ड के सूत्रों के मुताबिक, इन आठ डीडीजी पदों में एनआरएम के लिए 48 वैज्ञानिकों ने आवेदन किया, जबकि क्राप साइंस के लिए 83 और एनिमल साइंस के बाबत 68 लोगों ने आवेदन भेजा है। चयन बोर्ड के कैलेंडर के मुताबिक, इसी तरह सहायक महानिदेशक (एडीजी) के रिक्त पड़े 64 पदों की भर्ती की स्क्रीनिंग 15 नवंबर तक, जबकि इंटरव्यू 15 दिसंबर और सफल होने वालों का नतीजा 31 दिसंबर तक कर दिया जाएगा। इनमें 26 क्राप साइंस के एडीजी के लिए 722 आवेदन आए हैं। जबकि एनिमल साइंस के 20 पदों के लिए 542 लोग और 18 एनआरएम के एडीजी पदों के लिए 396 आवेदन मिले हैं। इनमें एनिमल साइंस के एडीजी पदों में चार फिसरीज के पद भी शामिल हैं। इसी तरह क्राप साइंस के 26 पदों में से आठ हार्टिकल्चर के हैं। एनआरएम के एडीजी के 18 रिक्त पदों में पांच इंजीनियरिंग, एक एक्सटेंसन, एक एजुकेशन और दो हेडक्वार्टर के पद भी शामिल हैं। एएसआरबी के चेयरमैन व सदस्यों के पद रिक्त होने की वजह से आइसीएआर में वैज्ञानिकों की भर्ती लंबे समय से ठप चल रही थी। इसके चलते लगभग 60 से अधिक अनुसंधान संस्थानों के निदेशकों के पद रिक्त चल रहे थे, जहां कामचलाऊ निदेशक मनोनीत थे। संसद में मामला उठने के बाद सरकार ने आनन-फानन में एएसआरबी के रिक्त पदों को भरा। इसके दो महीने बाद ही खाली पड़े पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू हुई है।

ग्राहक बन नशा खरीदने पहुंचे एसटीएफ के सिपाही की हत्या

जागरण संवाददाता, अमृतसर

▶ पंजाब के अमृतसर का मामला, पहचान होने पर गोली मार फरार हुए तीन तस्कर, बाइक बरामद

नशे को लेकर बनाई गई पंजाब पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के जालंधर रेंज के कांस्टेबल गुरदीप सिंह की जंडियाला गुरु के पास नशा तस्करों ने मंगलवार को गोली मार कर हत्या कर दी। डीएसपी अजय सिंह की अगुवाई में चार सदस्यों की पुलिस टीम ग्राहक बनकर जानिया गांव में नशा खरीदने पहुंची थी, लेकिन नशा तस्करों ने जब कांस्टेबल गुरदीप सिंह से मिलकर बात की, तो उन्हें उनके हाव-भाव से पहचान लिया। तस्करों ने गुरदीप के चेहरे पर गोली मारी और फरार हो गए। गोली चलने की आवाज सुनकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो कांस्टेबल गुरदीप सिंह खून से लथपथ जमीन पर गिरे थे। उन्हें तुरंत पास के अस्पताल में ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। गुरदीप सिंह पुत्र जगजीत सिंह जालंधर के देओल नगर, मॉडल टाउन के रहने वाले थे।

जालंधर रेंज के डीएसपी अजय सिंह को सूचना मिली थी कि अमृतसर के जंडियाला गुरु क्षेत्र के जानिया गांव के पास कुछ लोग हेरोइन तस्करी कर रहे हैं। तस्करों के मोबाइल नंबर जुटाने के बाद डीएसपी अजय सिंह और

कांस्टेबल गुरदीप सिंह की फाइल फोटो।

कांस्टेबल गुरदीप समेत चार सदस्य जानिया गांव पहुंचे। कांस्टेबल गुरदीप सिंह ने ग्राहक बनाकर तस्करों से बात करनी शुरू की। तय किया गया था कि गुरदीप सिंह मंगलवार की दोपहर तस्करों के पास पहुंचकर नशे की खेप हासिल करेगा। डीएसपी अपनी टीम के साथ कुछ दूरी पर थे। तस्कर जब गुरदीप सिंह से रूबरू हुए तो उन्हें शक हो गया और उन्होंने गुरदीप को गोली मार दी।

जल निगम भर्ती घोटाले में एसआइटी ने तीन घंटे की आजम से पूछताछ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

एक के बाद एक नये आरोपों से घिरे सांसद आजम खां पर अब विशेष जांच दल (एसआइटी) ने जल निगम भर्ती घोटाले में शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। एसआइटी ने मंगलवार को इस भर्ती घोटाले में नामजद आरोपित आजम खां से करीब तीन घंटे तक पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। ज्यादातर सवालों पर आजम तत्कालीन अधिकारियों की भूमिका का ही हवाला देते रहे। हालांकि एसआइटी को अभी परीक्षा परिणाम के हार्ड डिस्क की फॉरेंसिक रिपोर्ट मिलने का इंतजार है।

जल निगम में 1300 पदों पर हुई भर्ती में अनियमितता मिली थी। इस मामले में एसआइटी ने अप्रैल 2018 में शासन के आदेश पर पूर्व मंत्री आजम के अलावा जल निगम के तत्कालीन एमडी पीके आसूदानी, नगर विकास विभाग के पूर्व सचिव एसपी सिंह (अब सेवानिवृत्त), आजम के तत्कालीन ओएसडी सैय्यद आफाक अहमद व तत्कालीन चीफ इंजीनियर अनिल कुमार खरे समेत कई अन्य के खिलाफ एफआइआर दर्ज की थी।

लखनऊ में मंगलवार को पुलिस मुख्यालय स्थित एसआइटी कार्यालय से बाहर आते सांसद आजम खां। जागरण

एसआइटी ने शुक्रवार को आजम को नोटिस देकर पूछताछ के लिए तलब किया था। उन्हें सोमवार अथवा मंगलवार को आने के लिए कहा गया था। वह मंगलवार दोपहर करीब 2:45 बजे अपने वकीलों व कुछ करीबियों के साथ गोमतीनगर विस्तार स्थित डीजीपी मुख्यालय पहुंचे। जहां दूसरे तल पर स्थित एसआइटी कार्यालय में विवेचक पीके सिंह व तीन अन्य निरीक्षकों ने लंबी पूछताछ की। भर्ती की प्रक्रिया शुरू होने से लेकर परिणाम आने व भर्ती पूरी होने तक हुई कार्रवाई के बारे में सिलसिलेवार सवाल किए गए।

एसआइटी कार्यालय से बाहर आकर आजम ने कहा कि भर्ती का अधिकार बोर्ड व एमडी के पास था। मेरी कोई भूमिका नहीं थी। मैंने तो कहीं अनुमोदन लिखा ही नहीं है।

आचार संहिता उल्लंघन के मामले में आजम को समन

जासं, रामपुर : आचार संहिता उल्लंघन के मामले में हाजिर न होने पर अदालत ने सपा सांसद आजम खां को समन जारी किए हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान उनके साथ ही सपा जिला अध्यक्ष अखिलेश कुमार के खिलाफ स्वार कोतवाली पुलिस ने आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दर्ज किया था। आरोप है कि प्रचार के लिए अनुमति से ज्यादा समय तक रोड शो निकाला गया और भड़काऊ भाषणबाजी की थी। वहीं पूर्व सांसद जयाप्रदा को भी समन जारी किया गया है।

उप्र के मदरसे में छात्र का रेता गला, गंभीर

जागरण संवाददाता, अमरोहा : उप्र के अमरोहा स्थित मुहम्मदाबाद गांव के मदरसे में छात्र का गला रेत दिया गया। छात्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वह जिंदगी मौत से जूझ रहा है। मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है।

मुहम्मदाबाद में अहले सुन्नत फैजुल उलूम रहमानिया नाम से मदरसा है। यहां गजरौला के गांव लिसड़ी बुजुर्ग निवासी शाकिर का पुत्र अदनान पढ़ता है। सोमवार रात मदरसे के 17 अन्य बच्चों के साथ अदनान कमरा नंबर तीन में सोया हुआ था। अध्यापक मुहम्मद आलम ने बताया कि मंगलवार तड़के छात्र उवैस पानी पीने के लिए कमरे से बाहर परिसर में आया तो उसे एक युवक कंधे पर बैग लटकाए छत की तरफ भागते दिखा। उसने यह बात प्रधानाचार्य और रसोइया को बताई। सभी छत पर गए लेकिन कोई नजर नहीं आया। वे नीचे आए तो देखा कि अदनान घायल पड़ा है। अदनान का सोते समय किसी ने चाकू से गला रेता था। उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां से उसे मेरठ भेज दिया गया। पुलिस ने साथी छात्रों, शिक्षकों और अन्य स्टाफ से पूछताछ की, लेकिन हमलावर व हमले का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। एसपी ने बताया कि अभी घटना के बारे में कुछ नहीं बताया जा सकता। मुकदमा दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

चंद्रयान में लगेगा शक्ति का ध्यान...

प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र की दुर्गा पूजा में यूं तो कोलकाता का अक्स दिखता है, मगर इस बार के दुर्गोत्सव में विज्ञान की चमक भी रहेगी। शक्ति की आराधना में मिशन चंद्रयान -2 की छाप रहेगी। वाराणसी स्थित अर्दली बाजार में हर साल स्थापित होने वाला पूजा पंडाल तो वैसे भी अलग व अनूठा होता है, मगर इस बार चंद्रयान-2 की प्रतिकृति में बने पंडाल में मां दुर्गा विराजेंगी और भक्तजनों को धर्म में विज्ञान का आभास कराएंगी। नवनीत रत्न पाठक

वंदेमातरम बोलने में दिक्कत हो तो छोड़ दें देश : प्रताप चंद्र सारंगी

जागरण संवाददाता, मथुरा : लघु उद्योग, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन केंद्रीय राज्य मंत्री प्रताप चंद्र सारंगी ने कहा कि जिसे वंदेमातरम बोलने में दिक्कत है, वह भारत से जा सकता है।

देश में रहकर उसी की जयकार न कर पाने वाला देश में रहने का हकदार नहीं है। वह मंगलवार को मथुरा के वंशीवट क्षेत्र स्थित गोपीनाथ गौड़िया मठ के अधिष्ठाता प्रमोदपुरी गोस्वामी के जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि ये मेरा निजी विचार है कि जो लोग देश में रहकर, यहां का खाते हैं और देश के टुकड़े-टुकड़े करने के नारे लगाते हैं, उन्हें देश में रहने का अधिकार नहीं है।

अनुच्छेद 370 हटाने के पीएम के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि इसका विरोध तो कांग्रेस के कई नेताओं व खुद डॉ. आंबेडकर ने किया था। सारंगी ने कहा कि जिसने गांधीजी को मारा उसे मौत की सजा मिल गई। जिसने गांधीजी के विचारों को मारा, उसे सत्ता मिली थी। लेकिन, अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके विचारों को देश की जनता के मन में उतारकर एक बार फिर गांधीजी को जिंदा कर दिया है।

पहल

हरियाणा के कैथल में प्रशासन ने ऐसे मनाया विश्व बुजुर्ग दिवस, बोले- इतनी तनख्वाह लेते हो तो लोगों का काम क्यों नहीं करते, अफसरों से बोले-लोगों को राहत दो

एक दिन के डीसी बने 88 वर्ष के बुजुर्ग बोले- लोगों को राहत दो

सुरेंद्र सैनी, कैथल

हरियाणा के कैथल में 88 साल के बुजुर्ग शिवशरण पिछले नौ साल से भूमि के विवाद को लेकर सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा रहे थे। लेकिन मंगलवार को उन्हें खुद ही उपायुक्त बनने का मौका उपायुक्त प्रियंका सोनी ने दे दिया। उपायुक्त बने बुजुर्गवार ने अधिकारियों के कहा कि लोगों को राहत दो। उनकी बात सुनो। इतनी तनख्वाह लेते हो तो भटक रहे लोगों की सुनवाई क्यों नहीं करते।

क्या है मामला : प्रशासन की तरफ से विश्व बुजुर्ग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में जिला उपायुक्त पहुंची थीं। कार्यक्रम यहां श्री सनातन धर्म मंदिर स्थित बाल उपवन केंद्र में आयोजित किया गया था। उपायुक्त यहां जब बुजुर्गों से बातचीत कर रही थी तो शिवशरण ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी कोई सुनवाई नहीं होती। इस पर उपायुक्त बोलीं, बाबा आज आप सबकी समस्याएं सुनेंगे। यह कहते हुए डीसी ने बुजुर्ग को अपनी कार में बैठाया और उन्हें लेकर लघु सचिवालय परिसर में स्थित अपने कार्यालय में पहुंची। अपनी कुर्सी पर बैठाते हुए बोलीं कि आज के डीसी आप हो, अफसर भी मौजूद हैं, जो ऑर्डर करोगे उन्हें पूरा किया जाएगा।

कैथल के जिला उपायुक्त कार्यालय में बुजुर्ग महिला की समस्या सुनते एक दिन के डीसी बने 88 वर्षीय शिवचरण और साथ में हैं जिला उपायुक्त प्रियंका सोनी। जागरण

बुजुर्गवार ने कुर्सी पर बैठकर अफसरों को संदेश दिया कि अच्छा काम करो, लोगों के काम होंगे तो ये दुनिया ठीक से बसेगी। कार्यालयों में कामकाज के लिए आने वाले पीड़ित लोगों के काम न अटकाओ, जब इतनी तनख्वाह लेते हो तो लोगों के काम भी अच्छे से करो। इस दौरान चुनाव में बीमारी के कारण ड्यूटी न कराने की अपील लेकर आए कर्मचारी और जमीनी विवाद को लेकर शिकायत लेकर आई एक महिला की समस्या सहित तीन अन्य लोगों की शिकायत सुन बुजुर्गवार ने उन्हें दूर करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

उपायुक्त प्रियंका को बताई अपनी व्यथा: बुजुर्गवार ने उपायुक्त को बताया कि उसके हिस्से में सवा एकड़ जमीन आती है, लेकिन जो जमीन वह बोते हैं, वह इससे दो कनाल कम है। छह-सात बार कानूनगो गांव में निशानदेही के लिए आ चुका है, लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पुलिस में इस बारे में कई बार शिकायत दे चुके हैं, जब थाना में बुलाया जाता है तो भतीजे पुलिस वालों के सामने मान लेते हैं, लेकिन घर जाने के बाद मुकर जाते हैं।

उपायुक्त बोलीं, एक दिन सभी को इसी अवस्था में आना है : उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन की तरफ से आज विश्व बुजुर्ग दिवस मनाने का उद्देश्य था कि समाज में बुजुर्गों को सम्मान मिले। उनकी समस्या पर तहसीलदार ने आश्वस्त किया है कि गेहूं बिजाई से पहले इस समस्या को दूर कर दिया जाएगा। डीसी ने कहा कि एक दिन इस अवस्था में सभी को आना है, इसलिए बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए।

एसआइटी गठन के नौ दिन में तीसरा नया प्रमुख नियुक्त, टीम भी बदली

नईदुनिया, भोपाल

हनीट्रैप प्रकरण

▶ अब शमी को हटाकर लोक अभियोजन महानिदेशक राजेंद्र कुमार को सौंपी कमान

मध्य प्रदेश में हनीट्रैप मामले में जांच कर रही एसआइटी के नौ दिन पहले किए गठन में मंगलवार को फिर बदलाव कर दिया गया। अब तीसरे अधिकारी को एसआइटी का प्रमुख गया है। टीम के अन्य अधिकारियों को भी दूसरी बार बदला गया है।

मंगलवार देर रात जारी आदेश के मुताबिक, एटीएस और काउंटर इंटेलीजेंस चीफ संजीव शमी को एसआइटी से हटा दिया है। अब एसआइटी की कमान लोक अभियोजन महानिदेशक राजेंद्र कुमार को सौंपी गई है। उनके साथ एडीजी सायबर मिलिंद कानस्कर और एसएसपी इंदौर रुचिवर्धन मिश्र को टीम में शामिल किया गया है। राजेंद्र कुमार को यह अधिकार दिए गए हैं कि आवश्यक होने पर वे अन्य अधिकारियों की मदद ले सकेंगे। डीजीपी को एसआइटी को सहयोग देने के आदेश दिए गए हैं। हनीट्रैप मामले की जांच के लिए पुलिस महानिदेशक विजय कुमार सिंह ने 23 सितंबर को पहली बार एसआइटी का गठन किया था, जिसमें आइजी सीआइडी श्रीनिवास वर्मा को कमान सौंपी गई थी। इसमें कमांडेंट 25वीं बटालियन मनोज कुमार सिंह को भी रखा गया था। एसआइटी गठन के दिन से ही मुख्यमंत्री कमलनाथ की नाराजगी साफ दिखाई दे रही थी। 24 सितंबर को जब वर्मा अपनी टीम के साथ प्रकरण की जांच के लिए इंदौर रवाना हो रहे थे तो उन्हें रोक दिया गया। घटनाक्रम के बाद पुलिस महानिदेशक ने सीआइडी के एडीजी राजीव टंडन, एडीजी एटीएस व काउंटर इंटेलीजेंस संजीव शमी को बुलाया और एसआइटी के प्रमुख को बदलने पर चर्चा की। शाम को ही शमी के एसआइटी प्रमुख बनाने के आदेश हो गए। मगर उनकी जांच करने की कार्यप्रणाली को लेकर नौकरशाह असंतुष्ट रहे।

142 अरब डॉलर का माल और सेवा व्यापार 2018 में भारत और अमेरिका के बीच था, जो 2017 के 126.2 अरब डॉलर और 2014 के 104.6 अरब डॉलर से ज्यादा था।

अधभूखे राष्ट्र के पास न कोई धर्म, न कोई कला और न ही कोई संगठन हो सकता है

हमें बच्चों को ऐसी शिक्षा नहीं देनी चाहिए जिससे वे श्रम का तिरस्कार करें

गिरिराज ने बाढ़ राहत में गड़बड़ी पर सरकार को घेरा

जागरण संवाददाता, पटना : केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को फिर राज्य सरकार विरोधी सुर अलापते हुए कहा कि बाढ़ जैसी आपदा प्रशासन के लिए उत्सव की तरह हो जाती है। बाढ़ के नाम पर प्रशासन को लूटने का मौका मिल जाता है। जिले में जो राहत बांटी जा रही है, वह नाकाफी है। कागज पर कुछ और दिखती है, जबकि वास्तविकता कुछ और होती है। राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार विफल है। पटना की बाढ़ प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि व्यवस्था के दोष का परिणाम है। वह बेगूसराय में पत्रकारों से मुखातिब थे। तब उन्होंने यह बातें कहीं।

बिहार के 786 गांव बाढ़ की चपेट में, 17.09 लाख लोग फंसे

आफत की बारिश ▸ जलजमाव और बाढ़ से अब तक जा चुकी है 42 की जान, हालात में कोई बदलाव नहीं

हेलीकॉप्टर से फूड पैकेट बाढ़ से प्रभावित इलाकों में गिराए गए

जागरण टीम, पटना

बिहार में जबर्दस्त बारिश के बाद जलजमाव और बाढ़ की वजह से नारकीय जीवन जी रहे लोगों को अभी राहत नहीं मिल पा रही। पीड़ितों को राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन भले ही पूरी ताकत से लगा हो, लेकिन तीन दिन बाद भी स्थितियां जस की तस बनी हुई हैं। सबसे बुरी स्थिति भागलपुर और पटना की है। भागलपुर के 265 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। आपदा के बाद से अब तक 42 की जान जा चुकी है। पटना, भागलपुर, भोजपुर, नवादा, नालंदा, खगड़िया, समस्तीपुर, लखीसराय, बेगूसराय, वैशाली, बक्सर, कटिहार, जहानाबाद, अरवल और दरभंगा मुख्य रूप से प्रभावित हुए हैं। जलजमाव और बाढ़ से 97 प्रखंड के 786 गांव की 17.09 लाख आबादी प्रभावित हुई है।

पटना में अभी भी फंसे हैं लाखों लोग : पटना में बारिश रुके हुए 36 घंटे से अधिक हो गए मगर हजारों लोग अब भी चार से पांच फीट पानी के बीच फंसे हैं। दिनभर में महज एक से डेढ़ फीट पानी ही निकल सका। मंगलवार को जिला प्रशासन ने 12 हजार से अधिक लोगों के रेस्क्यू करने का दावा किया। सेना के हेलीकॉप्टर से करीब 6200 फूड पैकेट इलाकों में गिराए गए। फंसे लोगों की मदद के लिए 19 राहत शिविर, 226 सामुदायिक रसोई, 1130 नावों को काम पर लगाया गया है।

पेट्रोल पंप में लगी आग, तीन धमाके : पटना कदमकुआं में इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप में मंगलवार शाम अचानक आग लग गई। इस दौरान 10 मिनट में तीन धमाके भी हुए। इलाके में अफरातफरी मच गई। एसडीआरएफ व पुलिस मौके पर पहुंच गईं। फायर विभाग की तीन दमकल गाड़ियां भी पहुंचीं। 30 मिनट बाद आग पर काबू पाया जा सका। विस्फोट की आवाज से एक महिला बेहोश हो गई। पिछले तीन दिनों से पेट्रोल पंप से पानी में पेट्रोल का रिसाव हो रहा था। पंप के आसपास करीब दो फीट पानी जमा होने की वजह से यह बंद था। घटना के समय बिजली भी नहीं थी।

पटना में मूसलधार बारिश के बाद भीषण बाढ़ जैसे हालात से लोगों को भारी दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। बड़ी संख्या में लोगों के पास खाने-पीने का संकट है। हालांकि , प्रशासन और स्वयंसेवक भी पीड़ितों की मदद में जुटे हुए हैं। मंगलवार को पटना में स्वयंसेवकों ने बाढ़ पीड़ितों को खाद्य सामग्री वितरित की। इस दौरान एक ओवरब्रिज से स्वयंसेवकों द्वारा गिराया जा रहा पैकेट लेते बाढ़ पीड़ित। प्रेट्र

यहां सबसे ज्यादा प्रभावित हैं लोग

भागलपुर में 232680, कटिहार में 218576, खगड़िया में 152650, पटना में 187925, बेगूसराय में 167000, समस्तीपुर में 122300, सारण में 161376, दरभंगा में 150000 और भोजपुर में 100000।

हर घंटे एक सेमी बढ़ रहा पुनपुन का जलस्तर

पटना के करीब पुनपुन नदी का जलस्तर प्रति घंटे एक सेंटीमीटर की दर से बढ़ रहा है। मंगलवार शाम नदी का जलस्तर 53 .82 मीटर रिकॉर्ड किया गया। यह खतरे के निशान से 2 .50 मीटर ऊपर है। फिलहाल नदी के उतर दिशा में पटना सुरक्षा बांध पूरी तरह सुरक्षित है।

बिहार में हालात गंभीर, हर संभव मदद की जाएगी : रेड्डी

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र ने बिहार की बाढ़ में फंसे लोगों की मदद के लिए एनडीआरएफ की 20 टीमों के साथ-साथ वायुसेना के हेलीकॉप्टरों को लगाया है। उधर, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि बिहार में बाढ़ की विभीषिका को देखते हुए उसे हर संभव मदद की जाएगी। रेड्डी ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) राज्य सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है और जरूरत पड़ी तो अन्य अर्धसैन्य बलों को भी वहां लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्राकृतिक आपदा है। गृह मंत्रालय की तरफ से हमारे साथी नित्यानंद राय इस मामले पर नजर रखे हुए हैं। कर्नाटक में भी हालत गंभीर है। बिहार में राहत कार्य में जुटी एनडीआरएफ की 20 टीमों में 900 बचाव कर्मी शामिल हैं।

कैबिनेट सचिव गौबा ने बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की : कैबिनेट सचिव राजीव गौबा के नेतृत्व में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) ने बिहार में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि कोयला मंत्रालय के चार भारी पंप पटना पहुंच रहे हैं। इन पंपों का इस्तेमाल जलभराव वाले इलाकों से हर मिनट करीब 3,000 गैलन पानी की निकासी के लिए किया जाएगा। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय मंत्रालयों के दलों ने राज्य में नुकसान का आकलन कर लिया है, लेकिन मौजूदा हालात का जायजा लेने के लिए वे नया दौरा करेंगे। कैबिनेट सचिव ने मौजूदा स्थिति, तैयारी, बचाव और राहत अभियानों का जायजा लिया।

कांग्रेस ने कहा, गंभीर हालत ने खोली सुशासन की पोल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : कांग्रेस ने पटना में बाढ़ की बिगड़ती स्थिति को लेकर नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला है। पार्टी ने कहा कि पूरी तरह जलमग्न सूबे की राजधानी में ड्रेनेज सिस्टम को 15 साल सत्ता में रहने के बाद भी नीतीश कुमार दुरुस्त नहीं कर पाए। नमामि गंगे योजना के तहत केंद्र सरकार से मिले पैसे का भी सही इस्तेमाल नहीं हुआ। इसका खामियाजा पटना के लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

कांग्रेस के बिहार प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि बारिश-बाढ़ की वजह से पटना के लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। लाखों लोग पानी में फंसे हैं और उन्हें कोई मदद नहीं मिल पा रही है। इससे प्रदेश सरकार के आपदा प्रबंधन की ही नहीं बल्कि शासन की पोल खुल गई है। गोहिल ने कहा कि सुशासन बाबू के शासन का यह हाल है कि बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी को चार दिन तक पानी से बाहर नहीं निकाला जा सका। ऐसे में आम जनता की हालत कितनी खराब होगी यह समझा जा सकता है। गोहिल ने कहा कि पटना में बाढ़ जैसे हालत से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के निर्देश पर कांग्रेस कार्यकर्ता खाना और पीने का पानी पहुंचा रहे हैं। पटना की हालत को देखते हुए ही कांग्रेस ने मोतिहारी में दो अक्टूबर को गांधी जयंती पर होने वाले अपने बड़े कार्यक्रम को स्थगित कर कार्यकर्ताओं को लोगों की मदद में तैनात किया है।

उत्तर प्रदेश में भी घुसपैठियों का जुटाया जाएगा ब्योरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डीजीपी मुख्यालय ने फिर जारी की कार्ययोजना
- पहचानपत्र से लेकर फिंगर प्रिंट तक जुटाए जाएंगे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के असम की तरह प्रदेश में भी राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की मंशा जाहिर करने के बाद पुलिस ने पहला कदम बढ़ाया है। संदिग्ध बांग्लादेशियों व अन्य अवैध विदेशी नागरिकों को चिह्नित करने के लिए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय ने एक बार फिर विस्तृत कार्ययोजना बनाई है। डीजीपी ओपी सिंह ने सभी जिलों में अभियान के तहत घुसपैठियों को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। इस बार घुसपैठियों के फिंगर प्रिंट का कंप्यूटराइज्ड डाटा भी रखा जाएगा। हर जिले का डाटा अलग-अलग संरक्षित होगा। त्योहारों के दौरान आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से इस अभियान को पूरी मुस्तैदी से चलाने को कहा गया है।

डीजीपी ने हर जिले के बाहरी हिस्से में रेलवे स्टेशन, बस अड्डा व सड़क किनारे स्थित बस्तियों को चिह्नित कर वहां घुसपैठियों का सत्यापन कराने का निर्देश दिया है। सत्यापन अभियान की वीडियोग्राफी भी होगी। जांच के दौरान अन्य जिलों व राज्यों का पता बताने वाले संदिग्धों को सूचीबद्ध करने व संबंधित जिले व राज्य से उनके पते का सत्यापन कराने का निर्देश दिया गया है। इस बात की भी जांच की जाएगी कि अवैध तरीके से रह रहे घुसपैठियों ने यहां खुद को स्थानीय नागरिक होने का दावा करने के लिए राशनकार्ड, मतदाता पहचान पत्र, शस्त्र लाइसेंस, पासपोर्ट, आधार कार्ड व अन्य कौन से प्रमाण पत्र हासिल किए हैं। फर्जी पहचान पत्रों व सुविधाओं की जांच कराकर उनका निरस्तीकरण कराया जाएगा।

तीसरी बार हुआ जांच का आदेश : गृह मंत्रालय के निर्देश पर 27 अक्टूबर 2017 को घुसपैठियों की जांच के विस्तृत निर्देश जारी किए गए थे। इसके बाद 29 नवंबर 2017 व नौ दिसंबर 2017 को भी संदिग्ध बांग्लादेशियों व अन्य विदेशी नागरिकों की जांच के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सत्ता संभालने के बाद प्रदेश में घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिये थे। पुलिस ने कसरत भी शुरू की थी, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सके थे।

त्रिनेत्र एप से कराएं मिलान

घुसपैठियों की जांच के दौरान संदिग्धों की तस्वीर का मिलान पुलिस के त्रिनेत्र एप से भी कराया जाए, जिससे उनमें छिपे किसी अपराधी की भी पहचान हो सके।

यह भी निर्देश

- घुसपैठियों के फर्जी प्रमाणपत्र बनवाने वाले बिचौलियों व विभागीय कर्मचारियों पर भी हो कार्रवाई।
- निर्माण कंपनियों व ठेकेदारों के साथ काम कर रहे मजदूरों का हो सत्यापन
- घुसपैठियों को सूचीबद्ध करने के बाद उनके प्रत्यर्पण की कार्रवाई का प्रस्ताव शासन को भेजा जाए।
- घुसपैठियों को निकालने के लिए एडीजी जोन, आइजी सीमा सुरक्षा बल, कोलकता से करें समन्वय।
- घुसपैठियों के खिलाफ साक्ष्य मिलते ही एलआइयू की मदद से तत्काल करें विधिक कार्रवाई।

भाजपा के गौतम कुमार बने बेंगलुरु के मेयर

बेंगलुरु, प्रेट्र : भाजपा के एम. गौतम कुमार ने कांग्रेस प्रत्याशी को पटखनी देते हुए मंगलवार को बेंगलुरु मेयर पद का चुनाव जीत लिया। जोगपाल्या वार्ड के सदस्य कुमार को कुल 249 में से 129 मत मिले जबकि, कांग्रेस प्रत्याशी व दत्तात्रेय मंदिर वार्ड सदस्य आरएस सत्यनारायण 112 वोट हासिल कर पाए। कुमार मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले हैं और जैन समाज से आते हैं। इस चुनाव में बेंगलुरु के सभासद, लोकसभा व राज्यसभा सदस्य तथा विधानसभा व विधानपरिषद सदस्य मतदान कर सकते हैं।

इससे पहले वर्ष 2015 में वृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) की 198 में से 101 सीटें जीतने के बावजूद भाजपा को मेयर व डिप्टी मेयर पद से दूर रहना पड़ा था। भाजपा के प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस और जदएस का बीबीएमपी में गठबंधन था। इस साल गठबंधन को तगड़ा झटका तब लगा जब दोनों दलों के कई विधायक बागी हो गए।

राजोआणा की फांसी माफ करने को चुनौती देगा बेअंत का परिवार

राज्य ब्यूरो, शिमला

- पोते गुरकीरत ने कहा, सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने के लिए ले रहे कानूनी राय
- आतंक से लड़ने की बात करने वाली भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या में दोषी ठहराए गए आतंकी बलवंत सिंह राजोआणा की फांसी की सजा माफ कर उम्रकैद में बदलने के फैसले का उनके पोते और प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुरकीरत कोटली ने विरोध किया है। उन्होंने कहा कि वह इस फैसले के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करेंगे। कोटली ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में शहीद हुए उनके दादा के हत्यारे की सजा माफ नहीं होनी चाहिए।

शिमला में पत्रकारों से बातचीत में कोटली ने कहा कि इस संबंध में कानूनी राय ली जा रही है। इस तरह के निर्णय ने भाजपा के दोहरे चरित्र को सामने लाया है। एक तरफ आतंकवाद से लड़ने की बात हो रही है और दूसरी तरफ आतंकियों की सजा माफ की जा रही है। उन्होंने कहा कि बलवंत सिंह राजोआणा ने कभी दया याचिका नहीं दी, फिर केंद्र सरकार उस पर मेहरबान कैसे हो गई। ऐसा इसलिए कि लोकसभा चुनाव के दौरान राजोआणा ने भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए चिट्ठी भी लिखी थी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की 550 वीं जयंती से पहले राजोआणा की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया है। 31 अगस्त 1995 को बेअंत सिंह की हत्या के लिए राजोआणा को दोषी ठहराया गया था।

आरोपितों पर चलेगा सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का मुकदमा

तबरेज हत्याकांड

राज्य ब्यूरो, रांची : झारखंड में सरायकेला-खरसावां के बहुचर्चित तबरेज अंसारी हत्याकांड के 13 आरोपितों पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का मुकदमा (धारा 295 ए) चलेगा। यह गैर जमानती धारा है। इसमें अपराध साबित होने पर तीन साल तक की सजा या आर्थिक दंड के रूप में जुर्माने से दंडित किया जा सकता है। सजा के साथ-साथ जुर्माना भी लगाया जा सकता है। एसपी कार्तिक एस. की अनुशंसा पर सरायकेला-खरसावां जिले के उपायुक्त ने गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग से सभी आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा चलाने के लिए अनुमति मांगी है। गृह विभाग में इस पर विचार चल रहा है। तबरेज की हत्या को मॉब लिंचिंग बताया गया था। उसके साथ सरायकेला-खरसावां में धतकीडीह के ग्रामीणों ने चोरी के आरोप में पकड़कर मारपीट की थी। इस मामले में 22 जून को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 11 आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। बाद में दो अन्य के खिलाफ भी पूरक आरोप पत्र दाखिल किया गया था। वैज्ञानिक अनुसंधान में तबरेज की मौत मामले में हत्या की पुष्टि हुई थी।

सिक्किम में 2021 तक बन जाएगी दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची सड़क

- सबसे ऊंची सड़क लेह के पास चिसुमले और डेमचोक गांव के बीच 2017 में बनाई गई थी

गंगटोक, प्रेट्र: सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) उत्तरी सिक्किम में 18,600 फीट की ऊंचाई पर केरांग और जादोंग के बीच 19 किलोमीटर की सड़क का निर्माण करने जा रहा है। वाहनों के लिए उपयोगी यह दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची सड़क होगी। यह सड़क अक्टूबर 2021 तक बनकर तैयार हो जाएगी। वाहनों के लिए उपयोगी विश्व की सबसे ऊंची सड़क बीआरओ ने 2017 में लेह के पास चिसुमले और डेमचोक गांव के बीच बनाई थी। 86 किमी लंबी यह सड़क 19,300 फीट की ऊंचाई पर बनाई गई थी। बीआरओ के एक अधिकारी ने बताया कि सिक्किम के उत्तर में केरांग और जादोंग के बीच सड़क बनाने की अनुमति 2015 में दी गई थी। सड़क क्षेत्र पर डामर डालने का काम अगले साल अप्रैल से शुरू होगा। डामर वाले हिस्से की चौड़ाई साढ़े तीन मीटर होगी। 18,600 फीट की ऊंचाई पर बनने वाली इस 19 किमी सड़क का काम अक्टूबर 2021 तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सड़क को चालू होने में कुछ समय लगेगा, क्योंकि इसका निर्माण अत्यंत दुर्गम इलाके में किया जा रहा है। जिस इलाके में निर्माण हो रहा है वहां पर केवल तीन महीने (अप्रैल से जून) ही काम हो सकता है। बाकी समय बारिश या बर्फबारी होती है। बीआरओ अधिकारी ने बताया कि आम लोग इस सड़क का उपयोग कर सकेंगे या नहीं, इसका निर्णय सेना करेगी। हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि आम लोगों को अनुमति देने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। जादोंग के पास फूलों की सेंक्चुरी है वहीं केरांग भारत-चीन सीमा पर स्थित भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) की चौकी है।

रंगदारी के तीन आरोपितों की वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई पेशी

चिन्मयानंद प्रकरण

जासं, शाहजहांपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद से रंगदारी मांगने में आरोपित छात्रा के दोस्त व अन्य दोनों युवकों की मंगलवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की कोर्ट में वीडियो कांफ्रेंसिंग से पेशी हुई, जबकि छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद चिन्मयानंद को गुरुवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

चिन्मयानंद से पांच करोड़ की रंगदारी मांगने के आरोपित छात्रा के दोस्त संजय सिंह, उसके भाई विक्रम सिंह व सचिन सेंगर को 20 सितंबर को विशेष जांच दल (एसआइटी) ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मंगलवार को तीनों की सीजेएम कोर्ट में पेशी थी, लेकिन तीनों को कोर्ट लाने की बजाय जेल से ही वीडियो कांफ्रेंसिंग से पेशी कराई गई।

कोर्ट ने उनकी न्यायिक अभिरक्षा 14 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। वहीं, छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद चिन्मयानंद को तीन अक्टूबर को सीजेएम कोर्ट में पेश किया जाएगा। जहां से उनकी आगे की न्यायिक हिरासत के बारे में फैसला होगा।

रात ढाई बजे जेल में पहुंचे चिन्मयानंद : लखनऊ स्थित संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआइ) से डिस्चार्ज होने के बाद सोमवार रात ढाई बजे चिन्मयानंद दोबारा शाहजहांपुर जिला जेल पहुंचा दिए गए। हालांकि, लखनऊ से यहां तक आने में उन्हें करीब आठ घंटे का समय लगा। 23 सितंबर को जेल में तबीयत खराब होने पर चिन्मयानंद को एसजीपीजीआइ में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने उनके दिल में ब्लॉकेज की आशंका जताई थी, लेकिन वहां जांच के दौरान ऐसा कुछ नहीं पाया गया था। शुगर व अन्य बीमारियों को देखते हुए वहां पर उन्हें कुछ दिन के लिए भर्ती किया गया था।

छात्रा से मिलने पहुंचे परिवारीजन : चिन्मयानंद से जेल में मिलने के लिए मंगलवार को मुमुक्षु आश्रम के दो कर्मचारी व कुछ अन्य लोग पहुंचे। बताया जा रहा है कि एक विधायक भी उनसे मिलने गए थे। हालांकि, जेल प्रशासन ने इस बारे में कोई पुष्टि नहीं की है। वहीं, छात्रा से मिलने के लिए जेल में उसके पिता, मां व भाई पहुंचे। उन लोगों की भी उससे अलग मुलाकात कराई गई।

छात्रा के परिवारीजनों ने प्रियंका वाड्रा को भेजी चिट्ठी : चिन्मयानंद पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली छात्रा के परिवारीजनों को कांग्रेस से मदद की आस है। उन्होंने इस संबंध में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा को पत्र भी भेजा है। छात्रा के पिता ने मंगलवार शाम अपने आवास पर पत्रकार वार्ता में कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है सोनिया गांधी, प्रियंका वाड्रा व राहुल गांधी इस मामले में उनकी मदद करेंगे। इसके लिए उन्होंने प्रियंका वाड्रा को चिट्ठी भी लिखी है।

लखनऊ में आज जनाक्रोश यात्रा निकाल ताकत दिखाएंगी प्रियंका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इसका नेतृत्व खुद कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी करेंगी

चिन्मयानंद प्रकरण में सोमवार को छात्रा के समर्थन में पद यात्रा करने जा रहे कांग्रेसियों को रोके जाने के बाद अब गांधी जयंती पर पार्टी लखनऊ में ताकत दिखाने की तैयारी में है। प्रदेशभर से जुट रहे कार्यकर्ताओं के साथ जनाक्रोश यात्रा का नेतृत्व खुद राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा करेंगी।

सोनभद्र और उन्नाव की तरह ही शाहजहांपुर कांड पर भी कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। पहले शाहजहांपुर से लखनऊ तक पदयात्रा निकालने का प्रयास किया, जिसे पुलिस प्रशासन ने रोक दिया। मंगलवार को हर जिले में धरना प्रदर्शन की घोषणा की गई, लेकिन अचानक आंदोलन की रूपरेखा बदल दी गई। गांधी जयंती पर पहले से जो पदयात्रा प्रस्तावित थी, उसे जनाक्रोश यात्रा नाम दे दिया गया। अब इसकी अगुआई करने के लिए राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी प्रियंका आ रही हैं।

जनाक्रोश यात्रा के बाद प्रियंका 1.40 बजे प्रदेश मुख्यालय पहुंचेंगी। यहां कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर आगे के आंदोलन की रणनीति पर चर्चा कर सकती हैं। उसके बाद का कार्यक्रम अभी तय नहीं है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि प्रियंका लखनऊ में दो दिन का प्रवास कर सकती हैं। वह यहां या रायबरेली में रात्रि विश्राम कर गुरुवार को शाहजहांपुर जा सकती हैं।

सुविधा

100 से 250 रुपये मिलेंगे, रेलवे बोर्ड ने मुआवजा नीति पर लगाई मुहर, सामान चोरी होने पर भी मिलेगा मुआवजा

'तेजस' देरी से दौड़ी तो मिलेगा मुआवजा

जागरण संवाददाता, लखनऊ

देश की पहली कॉरपोरेट सेक्टर की ट्रेन तेजस लेट होने पर यात्रियों को मुआवजा भी देगी। ट्रेन यदि एक घंटे से अधिक लेट हुई तो 100 रुपये और दो घंटे से अधिक लेट होने पर 250 रुपये मुआवजा भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आइआरसीटीसी) देगा। रेलवे बोर्ड ने मंगलवार को मुआवजे का आदेश भी जारी कर दिया। ऐसा पहली बार होगा, जब रेलवे यात्रियों को ट्रेन के लेट होने पर मुआवजा देगा।

उधर, आइआरसीटीसी ने चार अक्टूबर को चलाने से पहले मंगलवार को इसके रैक का अंतिम परीक्षण किया। लखनऊ जंक्शन पर रैक लाए गए। यहां आइआरसीटीसी के सीएमडी महेंद्र प्रताप मल्ल और मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अश्विनी श्रीवास्तव की मौजूदगी में ट्रेन के एसी, सीसीटीवी, सेंसर, वेंडिंग सिस्टम, एनाउंसमेंट और मनोरंजन के सिस्टम की जांच की गई। तेजस ट्रेन के लिए टीटीई की नियुक्ति भी कर ली गई है। साथ ही उनको हैंड हेल्ड डिवाइस भी मुहैया करा दिए गए हैं। बता दें कि आइआरसीटीसी के यात्रियों का 25 लाख रुपये का बीमा भी होगा।

सामान चोरी होने पर भी मिलेगा मुआवजा: यात्रियों का सामान यदि बोगी में सफर के दौरान चोरी हो जाता है तो भी मुआवजा मिलेगा। हालांकि, आइआरसीटीसी ने ट्रेन में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए भी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

इस साल भी आइआरसीटीसी की ई-कैटरिंग में 'व्रत की थाली' शामिल

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

शारदीय नवरात्र शुरू हो गया है। इस दौरान कई लोग व्रत रखकर केवल सात्विक भोजन करते हैं। ऐसे में यदि उन्हें यात्रा करनी पड़ जाए तो सबसे ज्यादा दिक्कत भोजन को लेकर होती है। व्रत रखने वाले यात्रियों को घर से फलाहार लेकर चलना पड़ता है। उनकी इस परेशानी को दूर करने के लिए भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आइआरसीटीसी) ने 'व्रत की थाली' उपलब्ध कराने का फैसला किया है। अधिकारियों का कहना है कि पिछले शारदीय नवरात्र के दौरान भी यात्रियों के लिए व्रत की थाली उपलब्ध कराई गई थी। हजरत निजामुद्दीन, मथुरा, झांसी, ग्वालियर, अंबाला कैंट, जयपुर, नागपुर, इटारसी, भोपाल, वडोदरा, जयपुर, अजमेर, पटना, राजेंद्र नगर, वाराणसी, कानपुर सेंट्रल, इलाहाबाद, हावड़ा सहित 38 रेलवे स्टेशनों पर स्थित रेस्तरां से 'व्रत की थाली' मंगाई जा सकती है। रेलवे ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है।

दो घंटे पहले देना होगा ऑनलाइन आर्डर : सफर के दौरान यात्री आइआरसीटीसी के ई-कैटरिंग वेबसाइट या फिर फूड ऑन ट्रैक मोबाइल एप से आर्डर दे सकते हैं। जिस स्टेशन पर यह सुविधा उपलब्ध है, वहां पहुंचने के दो घंटे पहले इसके लिए आर्डर देना होगा।

29 अक्टूबर को बंद होंगे केदारनाथ व यमुनोत्री धाम के कपाट

जागरण टीम, गढ़वाल : पौराणिक परंपराओं के अनुसार विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ और यमुनोत्री धाम के कपाट भैयादूज पर्व पर 29 अक्टूबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। इससे पूर्व, 28 अक्टूबर को अन्नकूट पर्व पर गंगोत्री धाम के कपाट बंद होंगे। जबकि, द्वितीय केदार मध्यमेश्वर और तृतीय केदार तुंगनाथ धाम के कपाट बंद होने की तिथि विजयदशमी पर्व पर आठ अक्टूबर को तय की जाएगी।

पौराणिक परंपरा के अनुसार बारह ज्योतिर्लिंगों में शामिल केदारनाथ धाम के कपाट भैयादूज पर्व पर बंद किए जाते हैं। जो कि इस बार 29 अक्टूबर को पड़ रहा है। कपाटबंदी के लिए श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति तैयारियों में जुट गई है। मंदिर समिति के कार्याधिकारी एनपी जमलोकी ने बताया कि पंचगद्दी स्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में विजयदशमी पर्व पर केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने का मुहूर्त घोषित होगा। इसके साथ ही द्वितीय और तृतीय केदार के कपाट बंद होने का मुहूर्त भी निकाला जाएगा।

पाकिस्तान में मिला बाढ़ में बह गए शहीद का पार्थिव शरीर

जेएनएन, जम्मू

जम्मू के आरएसपुरा में अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए बाढ़ में बह गए सीमा सुरक्षा बल के शहीद सब इंस्पेक्टर परितोश मंडल का पार्थिव शरीर पाकिस्तान में मिला।

पाकिस्तानी रेंजर्स ने मंगलवार को ऑक्ट्राय पोस्ट पर हुई फ्लैग मीटिंग के बाद सब इंस्पेक्टर के पार्थिव शरीर को भारतीय सैनिकों को सौंप दिया। सीमा सुरक्षा बल की 36 वाहिनी के 54 वर्षीय सब इंस्पेक्टर परितोश मंडल शनिवार देर रात एक नाले में नाव से पेट्रोलिंग के दौरान नाव पलटने से बाढ़ की चपेट में आ गए थे। सीमा प्रहरियों ने मंडल के दो साथियों को तो ट्रैक्टर की सहायता से बचा लिया, लेकिन मंडल अंधेरे में बह गए। इसके बाद से उन्हें तलाशने की मुहिम जारी थी। सीमा सुरक्षा बल के डीआइजी रैंक के एक अधिकारी की देखरेख में यह अभियान चल रहा था। वहीं, भारतीय क्षेत्र के साथ पाकिस्तान क्षेत्र में लापता सीमा प्रहरी को तलाशने की मुहिम गत दो दिनों से जारी थी। मंगलवार सुबह भारतीय जवानों को पाकिस्तान की ओर से सूचना मिली कि सब इंस्पेक्टर का पार्थिव शरीर बरामद कर लिया गया है। दोपहर को आरएसपुरा की ऑक्ट्राय पोस्ट पर हुई फ्लैग मीटिंग के दौरान पार्थिव शरीर भारत को सौंप दिया गया। फ्लैग मीटिंग में पाकिस्तान की ओर से चिनाब रेंजर्स के लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद इरफान शहीद सीमा प्रहरी का पार्थिव शरीर लेकर पहुंचे। सीमा सुरक्षा बल की ओर से इस बैठक में 36 बटालियन के टूआइसी मंदीप सिंह मौजूद रहे। इस मौके पर शहीद सीमा प्रहरी के कुछ परिजन भी मौजूद थे। बाद में जम्मू के मेडिकल कॉलेज में शहीद के पार्थिव शरीर को घर भेजने से पहले पोस्टमार्टम भी करवाया गया। जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान के मंसूबों को नाकाम बनाने के लिए सीमा प्रहरियों के मंसूबे इस कदर बुलंद हैं कि बरसात के दिनों में बाढ़ के बावजूद घुसपैठ रोकने के लिए वॉटर पेट्रोलिंग जारी रहती है। परितोश मंडल ने ऐसे ही एक अभियान के दौरान दुश्मन के मंसूबों को नाकाम बनाते हुए अपनी जान कुर्बान की।

10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा निकायों-पंचायतों में बीएमसी (बॉयोडायवर्सिटी मैनमेजमेंट कमेटियों) के गठन न होने पर। एनजीटी ने इनके गठन के लिए 31 जनवरी 2020 की कट आफ डेट रखी है।

महात्मा और मसले

आज हमारे सामने जो सबसे बड़ी समस्याएं हैं, उनके बारे में बापू की ये राय थीं।

मेरा शहर मेरे गांधी 150 डेढ़ सौ साल के बापू

नारी सशक्तीकरण

पुरुष को चाहिए स्त्री को उचित स्थान दे। जिस देश अथवा समाज में स्त्री का आदर नहीं होता उसे सुसंस्कृत नहीं कहा जा सकता। त्याग, नम्रता, श्रद्धा, विवेक और स्वेच्छा से कष्ट सहने की सामर्थ्य रखने वाली औरत कभी अबला नहीं हो सकती। भाषाएं घोषित करती हैं कि महिला पुरुष की अर्धांगिनी है। इसी प्रकार पुरुष भी महिला का अर्धांग है।

राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण है शिक्षा

मैं पाश्चात्य संस्कृति का विरोधी नहीं हूं। मैं अपने घर के खिड़की दरवाजों को खुला रखना चाहता हूं, जिससे बाहर की स्वच्छ हवा आ सके, लेकिन विदेशी भाषाओं की ऐसी आंधी न आ जाए कि मैं औंधे मुंह गिर पड़ूं। भारतीय अंग्रेजी ही क्यों, अन्य भाषाएं भी पढ़ें, परंतु जापान की तरह उनका उपयोग स्वदेश हित में किया जाए।

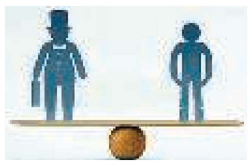

सामाजिक विषमता

समाज में जब तक विषमता रहेगी, हिंसा भी रहेगी। हिंसा को खत्म करने के लिए पहले विषमता को समाप्त करना होगा। विषमता के कारण समृद्ध अपनी समृद्धि के कारण और गरीब अपनी गरीबी में मारा जाएगा। इसलिए ऐसा स्वराज हासिल करना होगा, जिसमें अमीर-गरीब के बीच कोई भेद न रहे।

अहिंसा तो शौर्य का शिखर है

मेरी अहिंसा प्रियजनों को असुरक्षित छोड़कर खतरों से दूर भागने की बात नहीं करती। हिंसा और कायरतापूर्ण लड़ाई में मैं कायरता की बजाय हिंसा को पसंद करूंगा। मैं किसी कायर को अहिंसा का पाठ नहीं पढ़ा सकता वैसे ही जैसे किसी अंधे को लुभावने दृश्यों की ओर प्रलोभित नहीं कर सकता।

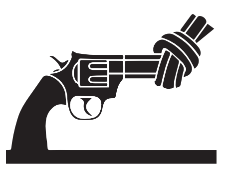

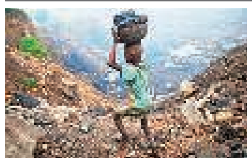

राष्ट्रीय पतन की निशानी है बाल मजदूरी

कारखानों में मजदूरों के तौर पर लिए जाने वाले बालकों की उम्र बढ़ा दी जाए। छोटे-छोटे बालक स्कूलों से उठा लिए जाएं और उन्हें पैसा कमाने के लिए मजदूरी के काम में लगा दिया जाए तो यह कार्य राष्ट्रीय पतन की निशानी है। कोई भी राष्ट्र अपने बालकों का ऐसा दुरुपयोग नहीं कर सकता।

पाक ने रिहायशी क्षेत्रों पर दागे गोले, बीएसएफ जवान सहित दो घायल

जागरण न्यूज नेटवर्क, हीरानगर/पुंछ : पाकिस्तानी सेना अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रही है। पाकिस्तान ने जम्मू संभाग में अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर स्थित भारतीय चौकियों के अलावा रिहायशी क्षेत्रों पर जमकर मोर्टार दागे।

पाकिस्तान ने कठुआ जिले के हीरानगर और पुंछ के शाहपुर-किरनी सेक्टर को निशाना बनाया। इसमें बीएसएफ का एक जवान और एक नागरिक घायल हो गए। भारत ने भी पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। देर रात तक दोनों तरफ से भारी गोलाबारी जारी रही। गोलाबारी के कारण शाहपुर किरनी सेक्टर में सीमा से सटे 10 स्कूल बंद रहे। वहीं, हीरानगर के सीमांत लोगों ने पूरी रात बंकरों में छिपकर बिताई।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान ने अपनी बीका चक पोस्ट से सोमवार शाम आठ बजे से देर रात दो बजे तक हीरानगर के मन्यारी-पानसर के बीच मोर्टार दागने के साथ मशीनगनों से गोलीबारी की। पाकिस्तान के दुस्साह का बीएसएफ ने भी मुहंतोड़ जवाब दिया। इस दौरान पाक गोलाबारी में बीएसएफ की 19वीं बटालियन का कांस्टेबल अभिषेक कुमार घायल हो गया। पाकिस्तानी सेना द्वारा दागी गई गोलियां चूनी लाल, मगर चंद, सोहनलाल व गोपाल दास के घरों की दीवारों पर भी लगीं।

उधर, पुंछ के शाहपुर-किरनी सेक्टर में पाकिस्तानी सेना ने मंगलवार शाम को भारतीय सीमा में घुसपैठ करवाने के लिए सैन्य चौकियों और रिहायशी क्षेत्रों को निशाना बनाया। इस दौरान पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा के नजदीकी गांव शाहपुर, कीरनी, कसबा, मंदार, डोडा संख के अलावा पुंछ शहर के निकट गांव बनपत डोकडी में रिहायशी इलाकों में मोटार दागे।

इनकी आवाज पुंछ शहर तक सुनाई दीं। इस गोलाबारी के दौरान शाहपुर के गांव गुंतरियां में मोहम्मद बशीर पुत्र मोहम्मद हुसैन घायल हो गया। उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका हाल जानने के लिए जिला विकास आयुक्त राहुल यादव और एसएसपी पुंछ रमेश पहुंचे और जरूरी दिशा निर्देश दिए। इससे पूर्व पाकिस्तान ने सोमवार रात और मंगलवार सुबह भी गोलाबारी की, जिसका भारत ने कड़ा जवाब दिया। सूत्रों के अनुसार, शाहपुर किरनी सेक्टर में घुसपैठ करने के लिए पाकिस्तानी सेना की चौकियों में 30 से अधिक आतंकी तैयार बैठे हैं।

जम्मू को दहलाने की साजिश विफल बस में मिला 15 किलो विस्फोटक

बड़ा हमला टला ▶ एयरपोर्ट, सैन्य छावनी और बस अड्डे को निशाना बनाने की थी साजिश

ड्राइवर और क्लीनर को बिलावर में एक महिला ने सौंपा था बैग

राज्य ब्यूरो, जम्मू

सुरक्षाबलों ने मंगलवार को जम्मू शहर को दहलाने की बड़ी साजिश को विफल बना दिया। बिलावर से एक यात्री बस से जम्मू भेजी गई 15 किलो विस्फोटक सामग्री की खेप को सुरक्षाबलों ने बरामद किया है। इसके साथ ही कथित तौर पर कुछ दस्तावेज भी मिले हैं। इसके आधार पर अंदेशा है कि जम्मू एयरपोर्ट, बड़ी ब्राह्मणा सैन्य छावनी और जम्मू बस स्टैंड को निशाना बनाने की साजिश थी। फिलहाल बस चालक और क्लीनर समेत तीन लोगों से पूछताछ जारी है।

सभी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर बढ़ाई सुरक्षा : विस्फोटक सामग्री की बरामदगी के बाद पूरे जम्मू में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जम्मू एयरपोर्ट, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन समेत सभी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और भीड़ भरे इलाकों की सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव करते हुए चाक चौबंद बनाया गया है। सभी सैन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा भी बढ़ाई गई है। बताया जा रहा है कि बरामद विस्फोटक गनपाउडर हो सकता है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यात्री बस कठुआ जिले के बिलावर से तड़के ही निकली थी और सुबह करीब साढ़े नौ बजे जम्मू बस स्टैंड पर पहुंची।

खुफिया एजेंसियों को विस्फोटक की आमद की खबर लगते ही बस को केसी चौक पर घेरे में ले लिया गया और इसकी तलाशी शुरू की गई और विस्फोटक सामग्री आतंकियों के हाथ लगने से पहले ही पकड़ी गई। बस चालक विजय और क्लीनर विक्रम को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि बिलावर में एक महिला ने बैग दिया था और कहा था कि जम्मू में एक युवक इसे ले लेगा। महिला ने किराये के तौर पर दो सौ रुपये भी दिए थे। चालक और क्लीनर से पूछताछ के आधार पर एक और संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। यह संदिग्ध बिलावर का रहने वाला फारूक बताया जाता है।

सूत्रों ने बताया कि जिस व्यक्ति को जम्मू में यह खेप प्राप्त करनी थी, उसके पहुंचने से पहले ही सुरक्षा एजेंसियों ने बस को कब्जे में ले लिया। ऐसे में युवक को नहीं पकड़ा जा सका है।

जम्मू में मंगलवार को इसी बस से 15 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किया गया। प्रेट्र

महिला का स्केच तैयार

पुलिस के मुताबिक, बस चालक व क्लीनर से पूछताछ के आधार पर महिला का स्केच तैयार किया गया है। इसे बिलावर और उसके साथ सटे सभी इलाकों में स्थित पुलिस चौकियों व थानों में वितरित किया गया। बस चालक की मानें तो यह महिला स्थानीय ही थी। इस मामले में पुलिस हिरासत में चल रहे खलील से भी पूछताछ की जा रही है। खलील के घर से कुछ दिन पहले एजेंसियों ने 30 किलो विस्फोटक बरामद किया था। उसका घर भी बिलावर के पास स्थित देवल गांव में है।

लश्कर, जैश और हिज्ब मिलकर रच रहे खून-खराबे की साजिश

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

▶ हिज्ब कमांडर कासिम, नायकू व अन्य आतंकियों ने दो दिन पूर्व की बैठक

▶ तीनों आतंकी संगठनों के कमांडरों ने निर्धारित किए अलग-अलग टारगेट

सुरक्षा बलों की चौकसी से बौखलाए आतंकी संगठन अब एकसाथ मिलकर खून खराबे की साजिश रच रहे हैं। एक और सुरक्षा बल उनकी हर नापाक साजिश को नाकाम बना रहे हैं और घाटी में हालात सामान्य बनते जा रहे हैं, वहीं पाकिस्तान में बैठे हैंडलर हिंसा फैलाने का दबाव बना रहे हैं। ऐसे में अपने नापाक इरादों को पूरा करने के लिए लश्कर, जैश और हिजबुल मुजाहिदीन मिलकर टारगेट तय कर वादी में खून खराबा करने की साजिश को अंजाम देने को पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं। साथ ही सांप्रदायिक हिंसा की भी साजिश रची जा रही है।

संबंधित सूत्रों ने बताया कि लश्कर, जैश और हिज्ब (हिजबुल मुजाहिदीन) के कश्मीर में सक्रिय प्रमुख कमांडरों की एक बैठक तीन दिन पूर्व दक्षिण कश्मीर में हुई है। इसमें हिज्ब का ऑपरेशनल कमांडर मोहम्मद बिन कासिम (दो वर्षों में बहुत कम नजर आया) और दक्षिण कश्मीर में हिज्ब का मुखौटा बना रियाज नायकू शामिल हुआ था।

सूत्रों ने बताया कि बैठक में आतंकी सरगना इस बात से घबराए थे कि वादी में आम जनता उनके बंद की काल की बार-बार अवहेलना कर रही है। ऐसे में हालात हाथ से निकलते देख उन्होंने हिंसा की साजिश रची है। साजिश के तहत हिज्ब वादी के विभिन्न हिस्सों में पंच-सरपंचों और स्थानीय निकायों से जुड़े लोगों को निशाना बनाते हुए उनमें खौफ पैदा करेगा। आम लोगों में खौफ पैदा करने के लिए जबरन बंद कराया जाएगा। जरूरत पड़ने पर दूसरे आतंकी संगठनों की भी इसमें मदद लेगा। इसके अलावा बैठक में वादी में एसपीओ, पुलिसकर्मियों और सुरक्षाबलों के खिलाफ हमले तेज करने की भी साजिश रची गई है।

सुरक्षा एजेंसियों ने रणनीति में किया बदलाव

सूत्रों ने बताया कि आतंकियों द्वारा रची जा रही साजिश के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने भी अपनी रणनीति में व्यापक बदलाव किया है। सुरक्षाबलों ने भी आतंकियों को उनकी मांद में ही मार गिराने के लिए आतंकरोधी अभियान तेज कर दिए हैं। हाईवे और अन्य संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा को बढ़ाने के अलावा पंच-सरपंचों की सुरक्षा को भी बढ़ा दिया है। इसके साथ ही पंच-सरपंचों को संबंधित पुलिस अधिकारियों को सूचित किए बिना दूर दराज के इलाकों में जाने से परहेज करने को कहा है।

आतंकी संगठनों ने साजिश रची है कि हाईवे और सीमांत इलाकों में लश्कर-ए-तैयबा सुरक्षाबलों के काफिलों, कुछ खास वर्गों को निशाना बना सांप्रदायिक हिंसा भड़काने की साजिश को आगे बढ़ाएगा। जैश-ए-मोहम्मद खास लोगों के अलावा सुरक्षा शिविरों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर आत्मघाती हमले करेगा। इसमें विदेशी व स्थानीय कैडर शामिल रहेगा। हमलों के लिए हिज्ब और लश्कर स्थानीय कैडर की मदद से लाजिस्टिक स्पोर्ट देगा। आतंकी संगठन वादी समेत पूरी रियासत में दहशत पैदा करने के लिए भीड़ भरे इलाकों में ग्रेनेड हमले के अलावा वाहन बम या आइईडी के जरिए बड़े पैमाने पर हानि का मंसूबा बना रहे हैं।

पाक से एक माह में दूसरी बार आईं पांच एके-47, तीन गिरफ्तार

एसटीएफ और बीएसएफ की तरफ से भारत-पाकिस्तान सीमा के पास फिरोजपुर सेक्टर के ममदोट इलाके से पकड़े गए हथियारों की खेप। हालांकि एसटीएफ ने हथियार मंगवाने वाले तीन आरोपितों को अमृतसर के जंडियाला गुरु से गिरफ्तार किया है। जागरण

जागरण संवाददाता, अमृतसर

ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से आए हथियारों का मामला अभी पूरी तरह सुलझा भी नहीं था कि पंजाब पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पाक से आई पांच और एके-47 राइफलों सहित तीन गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया है। हालांकि, यह खेप भारत-पाक सीमा से सटे फिरोजपुर सेक्टर के ममदोट इलाके से बीएसएफ और एसटीएफ ने 24 सितंबर को ही बरामद कर ली थी, लेकिन आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार धरपकड़ की जा रही थी।

एसटीएफ ने जंडियाला गुरु के पास सोमवार रात गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया है। रात को एसटीएफ और गैंगस्टरों के बीच फायरिंग भी हुई। गौरतलब है कि इससे पहले 22 सितंबर को पुलिस ने पांच एके-47 और भारी मात्रा में गोला-बारूद के साथ खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) के पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया था। एक माह में दूसरी बार है, जब पाकिस्तान से हथियारों की इतनी बड़ी खेप भारत पहुंची है। तीनों के खिलाफ मोहाली के फेज-4 स्थित एसटीएफ थाने में केस दर्ज किया गया है। उन्हें मोहाली सीजेएम की अदालत में पेश किया गया। कोर्ट तीनों को नौ दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

क्या-क्या हुआ बरामद : गिरफ्तार हुए गैंगस्टरों की पहचान सुखराज सिंह उर्फ सुक्खा, भूपिंदर सिंह उर्फ भिंदा, राजपाल सिंह उर्फ राजा के रूप में हुई है। पुलिस इन सभी के बारे में जानकारी जुटाने में लगी हुई है। इनके पास से एसटीएफ को पांच एक्-47 राइफल (10 मैगजीन, 200 गोलियां), एक ऑस्ट्रेलिया मेड पिस्तौल (20 गोलियां, दो मैगजीन) और उर्दू के दो अखबार मिले हैं। हथियारों को इन्हीं अखबारों में लपेटा गया है।

एडीजीपी हरप्रीत सिंह सिद्धू पर चलाई गोली : सोमवार रात को एसटीएफ को सूचना मिली कि सुखराज सिंह, भूपिंदर सिंह और राजपाल जंडियाला गुरु के गुरदासपुरिया ढाबे पर पहुंच रहे हैं। एडीजीपी हरप्रीत सिंह सिद्धू स्वयं पुलिस दल के साथ ढाबे पर पहुंच गए। आरोपितों ने एडीजीपी पर गोली चलाई। जब पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो आरोपितों ने सरेंडर कर दिया।

बाद में तलाशी के दौरान आरोपितों के कब्जे से दो पिस्तौल, मैगजीन और 64 राउंड गोलियां बरामद की गईं। एसटीएफ के एआइजी रछपाल सिंह ने आशंका जताई है कि आरोपितों के संबंध आतंकियों से हो सकते हैं। एसटीएफ के एआइजी रछपाल सिंह, एआइजी स्नेहदीप और बीएसएफ के कमांडेंट अमनदीप सिंह ने बताया कि कुछ दिन पहले सूचना मिली थी कि तीनों ने कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान से हथियारों की खेप मंगवाई थी। इन्हें फिरोजपुर सेक्टर के ममदोट क्षेत्र के खेतों में छिपा दिया था। 24 सितंबर को एसटीएफ ने बीएसएफ के साथ ज्वाइंट ऑपरेशन में हथियार बरामद किए गए।

सारधा चिटफंड घोटाले में राजीव कुमार को मिली अग्रिम जमानत

जागरण संवाददाता, कोलकाता

▶ कोर्ट ने कहा-यह ऐसा मामला नहीं है, जिसमें हिरासत में लेकर पूछताछ की जाए

▶ कोलकाता नहीं छोड़ेंगे, पूछताछ को सीबीआइ 48 घंटे पहले देगी नोटिस

करोड़ों रुपये के सारधा चिटफंड घोटाले में कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त राजीव कुमार को कलकत्ता हाई कोर्ट ने अग्रिम जमानत दे दी है। मंगलवार को अग्रिम जमानत देते हुए अदालत ने कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है, जिसमें हिरासत में लेकर पूछताछ की जाए। इसके साथ कुमार को कोलकाता से बाहर नहीं जाने का निर्देश भी दिया।

उक्त मामले में न्यायाधीश एस मुंशी और न्यायाधीश एस दासगुप्ता की खंडपीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि राजीव कुमार ने मामले की जांच कर रही सीबीआइ का सहयोग किया और यह ऐसा मामला नहीं है, जिसमें याचिकाकर्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ की जाए। इसके साथ ही पीठ ने पूर्व पुलिस आयुक्त को सीबीआइ द्वारा 48 घंटे पहले नोटिस मिलने पर जांच अधिकारियों के समक्ष उपलब्ध रहने के निर्देश दिए। इसके बाद अदालत ने कुमार को कोलकाता से बाहर न जाने की शर्त पर 50-50 हजार के निजी मुचलके पर अग्रिम जमानत दे दी। बता दें कि सोमवार को सीबीआइ के अधिवक्ता ने खंडपीठ के समक्ष बंद कमरे में अपनी दलीलें पेश की थी। जहां दलीलें पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

इससे पहले 21 सितंबर को कुमार की अग्रिम जमानत याचिका को अलीपुर जिला और सत्र अदालत ने खारिज कर दिया था। सारधा चिटफंड घोटाले में सीबीआइ ने राजीव कुमार को एक गवाह के तौर पर पूछताछ के लिए हाजिर होने के लिए कई बार नोटिस दिया था लेकिन वह बार-बार व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए टालते रहे। एडीजी (सीआइडी) व कोलकाता पुलिस के पूर्व आयुक्त राजीव कुमार को पिछले कई दिनों से लगातार सीबीआइ तलाश रही है, लेकिन वह हाथ नहीं आ रहे हैं।

बारासात व अलीपुर कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद अब गिरफ्तारी से पति राजीव कुमार बचाने के लिए पत्नी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी।

लड़का पैदा होने का दावा करने वाले आइवीएफ सेंटर का पर्दाफाश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : देश की राजधानी दिल्ली में गारंटी से लड़का पैदा होने का दावा करने वाले इन-व्रिटो-फर्टिलाइजेशन (आइवीएफ) सेंटर का पर्दाफाश हुआ है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम, राष्ट्रीय महिला आयोग, दिल्ली पुलिस व प्रशासनिक अफसरों की संयुक्त टीम ने सोमवार को छापेमारी कर आइवीएफ सेंटर और इसका प्रचार करने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है।

कीर्ति नगर स्थित एफएस आइवीएफ सेंटर और करोलबाग में इला वूमन नामक वेब कंपनी के काल सेंटर को सीज कर 300 से ज्यादा लैपटॉप जब्त किए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। एक आरोपित को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। डीसीपी मध्य जिला मंदीप सिंह रंधावा ने मुकदमा दर्ज किए जाने की पुष्टि की है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने बताया कि बीते दिनों केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की राष्ट्रीय जांच निगरानी समिति को ऑडियो रिकॉर्डिंग संदेश के जरिये एक शिकायत मिली थी। इसमें बताया गया कि दिल्ली के कीर्ति नगर में एफएस आइवीएफ सेंटर पर अवैध काम हो रहा है।

मंदिरों में पशु बलि पर पाबंदी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी त्रिपुरा सरकार

अगरतला, प्रेट्र: हाई कोर्ट द्वारा राज्य के मंदिरों में पशुओं की बलि पर रोक के आदेश के खिलाफ त्रिपुरा सरकार सुप्रीम कोर्ट जाएगी। यह जानकारी राज्य के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री रतनलाल नाथ ने दी। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट के फैसले पर राज्य के लोगों से मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली है, जिसके चलते सरकार ने इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि हम हाई कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं, लेकिन फैसले को व्यापक रूप में देखने की जरूरत है। राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर करने का फैसला किया है। कानून मंत्री ने कहा कि धर्म एक निजी मामला है।

हिंदुओं में कई संप्रदाय हैं, जो किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं। तांत्रिकों का मानना है कि कोई भी पूजा बिना बलि के पूरी नहीं होती है। हम नहीं चाहते किसी की धार्मिक आस्था को चोट पहुंचे। खास बात यह है कि हाई कोर्ट के प्रतिबंध के बावजूद त्रिपुरेश्वरी मंदिर में पशुओं और पक्षियों की बलि देने का काम जारी है। मंदिर के मैनेजर माणिक दत्ता ने कहा कि प्रतिबंध के बाबत उन्हें ट्रस्ट अथवा सेवायत (जिला मजिस्ट्रेट) से कोई नोटिस नहीं मिला है। अमावस्या पर शनिवार को 100 से अधिक जानवरों की बलि दी गई।

गोमती जिले के अपर जिला मजिस्ट्रेट पीएल चकमा ने कहा कि प्रशासन को त्रिपुरेश्वरी मंदिर ट्रस्ट अथवा राज्य के राजस्व विभाग से पशुओं की बलि पर प्रतिबंध लगाने के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिली है।

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

▶ राज्य के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री रतनलाल नाथ ने दी जानकारी, कहा मामला व्यापक रूप में देखने की जरूरत

क्या है हाई कोर्ट का आदेश

मुख्य न्यायाधीश संजय करोल और न्यायमूर्ति अरिंदम लोध की पीठ ने 27 सितंबर को अपने आदेश में राज्य के किसी भी धार्मिक स्थान पर पशुओं और पक्षियों की बलि देने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया था। कोर्ट ने जिला मजिस्ट्रेटों और पुलिस अधीक्षकों को आदेश के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। साथ ही राज्य के मुख्य सचिव को प्रदेश के दो प्रमुख मंदिरों त्रिपुरेश्वरी देवी मंदिर और चतुरदास देवता मंदिर में सीसीटीवी कैमरे लगाने का भी निर्देश दिया था। इन दोनों मंदिरों में बड़ी संख्या में पशुओं की बलि दी जाती है।

कोर्ट ने सीपीसीबी से मांगी मथुरा में यमुना के प्रदूषण की स्थिति रिपोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को मथुरा में यमुना के प्रदूषण की स्थिति पर एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही उसे साफ करने के लिए जरूरी कदमों का ब्योरा भी मांगा है। शीर्ष अदालत ने इस काम के लिए छह हफ्ते का समय दिया है, साथ ही एक अधिकारी को इसका जिम्मा सौंपने को कहा है। जस्टिस अरुण मिश्रा और जस्टिस रविंद्र भट की पीठ उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के चार अप्रैल, 2017 के आदेश को चुनौती दी है। एनजीटी ने यूपीपीसीबी और मथुरा कैंटोनमेंट बोर्ड को यमुना को प्रदूषित करने के लिए क्रमशः पांच लाख और 10 लाख रुपये का पर्यावरणीय मुआवजा (ईसी) अदा करने का आदेश दिया था। इसके अलावा एनजीटी ने यूपीपीसीबी को ग्रीन बेल्ट विकसित करने और डंपिंग साइट व यमुना के बीच एक दीवार का निर्माण करने का आदेश दिया था ताकि कचरा यमुना में न जाए। अदालत ने कहा, 'सीपीसीबी एक अधिकारी प्रतिनियुक्त करे जो उक्त स्थान जाए और रिपोट देकर बताए कि दीवार का निर्माण हो रहा या नहीं।

श्रीनगर में 25 को बंद होगा दरबार, जम्मू में चार नवंबर से खुलेगा

तैयारी

अक्टूबर के तीसरे हफ्ते में शुरू होगी रिकॉर्ड की पैकिंग, जम्मू के सचिवालय कर्मियों का काफिला 26-27 अक्टूबर को आएगा

राज्य ब्यूरो, जम्मू

जम्मू कश्मीर प्रशासन की ओर से मंगलवार को दरबार मूव का आदेश जारी कर दिया है। अब श्रीनगर में सरकार का दरबार 25 अक्टूबर से बंद हो जाएगा और जम्मू कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू में चार नवंबर से सचिवालय काम करना शुरू कर देगा।

अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में श्रीनगर में सरकारी विभागों के रिकॉर्ड को जम्मू लाने के लिए पैकिंग शुरू हो जाएगी। जम्मू कश्मीर पुलिस की सुरक्षा शाखा के एएसपी सुनिश्चित करेंगे कि रिकॉर्ड को सही तरीके से पैक किया जाए। ऐसा न करने वाले विभागों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कड़ी सुरक्षा के बीच जम्मू के सचिवालय कर्मियों का काफिला 26, 27 अक्टूबर को जम्मू आएगा। सरकार का रिकॉर्ड भी 27 अक्टूबर को जम्मू पहुंच जाएगा। कुछ दिन घर पर बिताने के बाद कश्मीर के कर्मचारियों का काफिला दो और तीन नवंबर को जम्मू आएगा। इस दौरान श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रैफिक एकतरफा रहेगा। जिला पुलिस अधिकारी अपने इलाकों में दरबार मूव की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

18 को जम्मू आएंगी एडवांस पार्टियां : जम्मू सचिवालय में कामकाज को तेजी देने के लिए सचिवालय के विभागों की एडवांस पार्टियां 18 अक्टूबर को जम्मू आएंगी। वैसे तो एडवांस पार्टियों के रवानगी की तिथि 21 अक्टूबर है, लेकिन शनिवार और रविवार की छुट्टियों के कारण जम्मू के कर्मचारी एडवांस पार्टियों के साथ 18 अक्टूबर को जम्मू आएंगे।

21 को सचिवालय कर्मियों को एडवांस में मिलेगा वेतन : दरबार मूव के मद्देनजर श्रीनगर सचिवालय में 18 अक्टूबर से बसों की टिकटें बुक करने के लिए राज्य पथ परिवहन निगम का काउंटर काम करना शुरू कर देगा। वहीं, 21 अक्टूबर को सचिवालय कर्मियों को एडवांस में वेतन मिल जाएगा। उन्हें 15 हजार रुपये का मूव टीए भी मिलेगा। दूसरी ओर जम्मू में 27 अक्टूबर को श्रीनगर से रिकॉर्ड पहुंचने के अगले दिन एडवांस पार्टियां अपने कार्यालयों में रिकॉर्ड को सेट करने की मुहिम छेड़ देंगी।

जम्मू में आवास के लिए आवेदन करने के निर्देश : श्रीनगर सचिवालय में दरबार मूव की तैयारियां और जम्मू सचिवालय में मरम्मत कार्य जोर पकड़ने लगा है। इस्टेट विभाग ने कर्मियों को निर्देश जारी कर दिए हैं कि वे जम्मू में आवास संबंधी जरूरतों के लिए आवेदन कर दें।

सामान्य हो रही जम्मू-कश्मीर में स्थिति : जी किशन रेड्डी

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में स्थिति सामान्य हो रही है और केंद्र सरकार भी चाहती है कि वहां जल्द स्थिति सामान्य हो। उनका यह बयान तब आया है जब अनुच्छेद-370 को समाप्त करने के 58 दिन बाद भी घाटी में दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों के बंद रहने का सिलसिला जारी है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए रेड्डी ने कहा कि कश्मीर में स्थिति सामान्य हो रही है और केंद्र सरकार भी चाहती है कि कश्मीर में सामान्य स्थिति लौटे। बता दें कि गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा था कि घाटी में अब किसी प्रकार का कोई प्रतिबंध नहीं है और पूरी दुनिया ने अनुच्छेद-370 को समाप्त करने के केंद्र सरकार के कदम का समर्थन किया है। उन्होंने यह भी कहा था कि कश्मीर में 196 पुलिस स्टेशनों से कर्फ्यू पूरी तरह हटा लिया गया है और केवल आठ पुलिस थानों के तहत आने वाले इलाके में ही धारा-144 केवल लागू है। उन्होंने यह भी कहा था कि लोग कश्मीर में कहीं भी घूमने के लिए स्वतंत्र हैं। कई पत्रकार भी नियमित रूप से कश्मीर का दौरा कर रहे हैं।

जी किशन रेड्डी। फाइल

बलिया डीएम पर जातिसूचक शब्द प्रयोग करने का लगा आरोप

जागरण संवाददाता, बलिया

▶ रोडवेज के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ने कालर पकड़ घसीटने व दुर्व्यवहार करने का लगाया आरोप, दिया इस्तीफा

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में रोडवेज के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक बिंदु प्रसाद ने जिलाधिकारी भवानी सिंह खंगारौत पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए परिवहन विभाग के प्रबंध निदेशक को अपना इस्तीफा भेज दिया।

मामला जेल से बंदियों का अन्यत्र स्थानांतरण करने के लिए बसों की मांग से जुड़ा है। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ने अपने पत्र में कहा कि डीएम जातिसूचक गाली देने का साथ कालर पकड़कर घसीटते हुए कार्यालय से बाहर लेकर आए और अपनी स्कॉर्ट की गाड़ी में बैठाकर जिला कारागार तक ले गए।

उन्होंने अपने पत्र में इस बात का भी उल्लेख किया है कि जिलाधिकारी द्वारा 30 सितंबर को एक पत्र भेज कर मुझसे 15 बसों की मांग की थी। मांग आने के बाद 15 बसों के चालकों व परिचारकों को बसों के साथ जिला कारागार भेजा गया। सभी बसों को जिला कारागार परिसर में सही तरीके से खड़ा कराकर मैं वापस अपने कार्यालय आ गया। इसी बीच सोमवार की दोपहर 12 बजे डीएम मेरे कार्यालय आए और मेरे साथ दुर्व्यवहार करते हुए अपमानित किए। इसके बाद उन्होंने अपना इस्तीफा भेज दिया है। हालांकि, डीएम ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों से इन्कार किया है।

डीएम बोले जातिसूचक शब्द इस्तेमाल की बात गलत: डीएम भवानी सिंह खंगारौत ने कहा कि सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक बार-बार सूचना देने के बाद भी बंदियों को भेजने के लिए बस उपलब्ध नहीं करा रहे थे। अंततः मुझे उनके कार्यालय तक जाना पड़ा। दुर्व्यवहार और जातिसूचक शब्द प्रयोग की बात गलत है। पूर्व में भी इनके कार्यों में शिथिलता की शिकायत मेरे द्वारा उच्चाधिकारियों से की गई थी। यह उन्हें नागवार लगा था।

Download UPSC IAS Material: www.iascgl.com
www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 2 अक्टूबर 2019

दैनिक जागरण

जो खुद सोचना जानते हैं, उन्हें किसी शिक्षक की जरूरत नहीं

अदालत में अनुच्छेद 370

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को चार सप्ताह में जवाब देने का निर्देश देकर यही संकेत दिया कि राष्ट्रीय महत्व के इस मामले में वह तुरत-फुरत कोई फैसला करने नहीं जा रहा है। हालांकि याचिका दायर करने वालों ने केंद्र सरकार को जवाब देने के लिए चार सप्ताह का समय दिए जाने का विरोध किया, लेकिन वे इसकी अनदेखी कर गए कि अनुच्छेद 370 हटाने के खिलाफ करीब एक दर्जन याचिकाएं दायर की गई हैं और उनके जवाब तैयार करना आसान काम नहीं। इनमें कुछ याचिकाएं ऐसे लोगों की ओर से भी दायर की गई हैं जिनका काम ही है किसी न किसी मसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना। सुप्रीम कोर्ट को इस याचिकाबाजी के खिलाफ कुछ कदम उठाने की जरूरत है। पता नहीं ऐसा कब होगा, लेकिन अनुच्छेद 370 हटाने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर 14 नवंबर से सुनवाई शुरू होने का मतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस आपत्ति पर ध्यान देना जरूरी नहीं समझा कि तब तक तो जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के रूप में अस्तित्व में आ जाएंगे। ज्ञात हो कि केंद्र सरकार ने इसके लिए 31 अक्टूबर की तिथि तय कर रखी है। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट इस प्रक्रिया को रोकना आवश्यक नहीं समझ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी भी उल्लेखनीय है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और देश की सुरक्षा में संतुलन जरूरी है। इसमें संदेह नहीं कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन इस हद तक नहीं कि देश की सुरक्षा की अनदेखी कर दी जाए। इससे इन्कार नहीं कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद घाटी में कुछ प्रतिबंध लगाए गए हैं, लेकिन इसका मकसद लोगों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन करना नहीं, बल्कि शांति एवं व्यवस्था सुनिश्चित करना है। इसे सुनिश्चित करने में इसीलिए बाधाएं आ रही हैं, क्योंकि कुछ लोग अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे तत्वों पर लगाम लगाना शासन का दायित्व है। इसी तरह उन तत्वों पर भी लगाम लगाना आवश्यक है जो न केवल अलगाववादियों और आतंकवादियों की भाषा बोलने में लगे हुए हैं, बल्कि उनके हितैषी भी बने हुए हैं। यह विडंबना ही है कि यही लोग संविधान और मानवाधिकारों की दुहाई देने में लगे हुए हैं। ऐसे लोगों को बेनकाब करने और साथ ही उन पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय किए जाने चाहिए। निःसंदेह ऐसा करते हुए यह भी देखा जाना चाहिए कि कश्मीर के उन इलाकों में सामान्य स्थिति कैसे बहाल हो जहां अराजक तत्व सक्रिय हैं। बेहतर हो कि केंद्र सरकार 14 नवंबर तक यह काम कर ले।

सबक की जरूरत

उत्तराखंड से मानसून अब विदाई की दहलीज पर है। बावजूद इसके सितंबर में मौसम के तेवर अभी तक तल्ख बने हुए हैं। आमतौर पर उत्तराखंड में इन दिनों मौसम सुहावना रहता है, लेकिन इस बार लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। विशेषकर भूस्खलन से सड़कें बार-बार बाधित हो रही हैं। इतना ही नहीं, उत्तरकाशी में आपदा के दौरान कई लोग जान गंवा चुके हैं तो पिछले दिनों देवप्रयाग के पास मलबे की चपेट में आकर छह तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। इसमें कोई दो राय नहीं कि कुदरत पर किसी का वश नहीं है, लेकिन एहतियात बरत कर नुकसान को कम किया जा सकता है। हैरत यह है कि बरसात के मौसम में हर साल यही हाल रहता है, बावजूद इसके हालात को लेकर गंभीर पहल का अभाव ही नजर आता है। दरअसल, जरूरत कुदरत के संकेतों को समझने की है। प्रकृति के अपने तौर-तरीके हैं, उनमें हम परिवर्तन नहीं कर सकते, लेकिन आने वाले समय की आहट को तो महसूस किया जा सकता है। इसके लिए जरूरत है अग्रिम तैयारियों की। यूं तो अधिकारी मानसून से पहले भी तैयारियों के दावे कर रहे थे, लेकिन अब दावों की असलियत सामने है। पौड़ी से पिथौरागढ़ और रुद्रप्रयाग, चमोली से बागेश्वर तक हर जगह मौसम के असर को महसूस किया गया। आपदा प्रबंधन के नाम पर प्रदेश में पैसा भले ही खर्च हो रहा हो, लेकिन प्रदेश को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा। मसलन सड़कों की स्थिति को ही लें, पहाड़ी क्षेत्रों से गुजरने वाले हाईवे पर भूस्खलन जोन चिन्हित भले ही कर लिए गए हों, मगर ट्रीटमेंट को लेकर स्थिति साफ नहीं है। बदरीनाथ हाईवे पर लामबगड़ भूस्खलन जोन वर्षों से मुसीबत का सबब बना हुआ है, यही हाल यमुनोत्री हाईवे पर भी है। समय बीतने के बावजूद इनका स्थाई उपचार नहीं हो पाया। चुनौती इतनी ही नहीं हैं, अब सर्दी का मौसम भी परीक्षा लेने वाला साबित हो सकता है। यदि हिमपात अधिक हुआ तो देहरादून के जौनसार-बावर, उत्तरकाशी, टिहरी, पिथौरागढ़, चमोली व अल्मोड़ा जैसे जिलों के कई इलाके अलग-थलग पड़ सकते हैं। इसके लिए आवश्यक यह है कि सरकार, शासन और प्रशासन पहले से ही ऐसी तैयारी कर ले कि इन इलाकों में रहने वाले लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़ा। सबसे ज्यादा जरूरी है कि वक्त रहते यहां खाद्य सामाग्री के साथ ही अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति कर ली जाए। इसके अलावा संचार साधनों को भी बेहतर करना होगा।

हम सबके प्रकाशपुंज हैं गांधी

सुधींद्र कुलकर्णी

भारतीयों के साथ पाकिस्तानियों को भी यह समझने की आवश्यकता है कि गांधी जी हमारे साझा मार्गदर्शक हो सकते हैं

अगस्त के पहले सप्ताह में मोदी सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद पाकिस्तान की ओर से बौखलाहट भरी प्रतिक्रिया आना स्वाभाविक थी, लेकिन एक अप्रत्याशित घटनाक्रम यह भी हुआ कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान महात्मा गांधी का हवाला देते नजर आ रहे हैं। चलो इसी बहाने सही, इमरान खान ने महात्मा गांधी की प्रासंगिकता को समझा। पाकिस्तान के गठन के बाद बीते 72 वर्षों में यह पहली बार है जब उसके किसी शीर्ष नेता ने इस तरह सार्वजनिक तौर पर उन आदर्श मूल्यों को याद किया जिनकी खातिर भारत के राष्ट्रपिता ने अपना जीवन कुर्बान कर दिया था। ये आदर्श मूल्य थे- हिंदू-मुस्लिम सौहार्द और भारत-पाक के मध्य सहज संबंध। मैं इसे दोनों देशों के ऊपर मंडराते दुश्मनी के काले बादलों के बीच रोशनी की एक किरण की तरह देखता हूं।

हम उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान की सेना, सरकार, बुद्धिजीवी वर्ग और मजहबी तंत्र भारत के स्वाधीनता संग्राम और उसमें महात्मा गांधी की केंद्रीय भूमिका के प्रति अपनी समझ को नए सिरे से तय करने के साथ-साथ जिन्ना और मुस्लिम लीग द्वारा समर्थित टू नेशन थ्योरी यानी द्विराष्ट्र सिद्धांत की गंभीर खामियों को भी देखें, क्योंकि इसी आधार पर पाकिस्तान बना था। कश्मीर समस्या भी एक बड़ी हद तक मुस्लिम लीग की इसी अति-विकृत सोच का नतीजा है कि मुस्लिम और हिंदू दो अलग देश हैं। इसीलिए उसने भारत के मुस्लिमों के लिए एक स्वतंत्र एवं संप्रभु राज्य की मांग को जायज ठहराया। यदि पाकिस्तान अपने खराब इतिहास का पूरी ईमानदारी से पुनरावलोकन करता तो वह यकीनन महात्मा गांधी के दर्शन और आचार-विचार में अनेक खूबियां देख पाता। हां, हम भारतीयों को भी ईमानदारी से यह देखने की जरूरत है कि क्या हम अपने देश के भीतर हिंदू-मुस्लिम सौहार्द कायम करने, जातीय एवं लैंगिक विभेद मिटाने, एक समतावादी और सतत सामाजिक-आर्थिक विकास का मॉडल विकसित करने से लेकर विभिन्न गतिविधियों में सत्य और अहिंसा के गांधीवादी पथ पर डटे हैं?

हालांकि जरूरी नहीं कि गांधीजी के हर कार्य और विचार से हम सहमत ही हों, लेकिन यदि हम ईमानदारी से दोनों देशों के मध्य शांति और मेल-मिलाप चाहते हैं तो इसके लिए गांधीजी हमारे साझा प्रकाशपुंज, प्रेरणा और मार्गदर्शक हो सकते हैं। गांधीजी के व्यक्तित्व और राजनीति को मोटे तौर पर पाकिस्तान में गलत ढंग से पेश किया गया है। पाकिस्तानियों के मन में गांधी को लेकर दो काफी गलत धारणाएं हैं। पहली, उन्हें एक हिंदू पार्टी (कांग्रेस) के ऐसे हिंदू नेता की तरह देखा जाता है जो अंग्रेजों के जाने के बाद हिंदू राज स्थापित करना चाहते थे। यह सर्वथा गलत है। जैसा कि इमरान खान द्वारा महात्मा गांधी का आदरभाव से जिक्र करने से लगता भी है कि वह (और कांग्रेस पार्टी भी) हिंदू-मुस्लिम एकता की नींव पर खड़े सेक्युलर भारत के पक्षधर थे। गांधी का हिंदुत्व सहिष्णु, समावेशी, उदार और दूसरों की आस्थाओं का सम्मान करने वाला था। वास्तव में इस उपमहाद्वीप या पूरी दुनिया के इतिहास में किसी और नेता ने गांधीजी की तरह अंतर-धार्मिक सौहार्द को अपने राजनीतिक संघर्ष का केंद्रीय एजेंडा नहीं बनाया।

अवधेश राजपूत

दूसरी गलत धारणा, जिसने गांधीजी के बारे में पाकिस्तानियों को निष्पक्ष धारणा बनाने से रोका, यह है कि गांधी यह नहीं चाहते थे कि पाकिस्तान के रूप में एक अलग मुल्क बने। पाकिस्तानियों को पता होना चाहिए कि आखिर क्यों गांधीजी ने टू नेशन थ्योरी के आधार पर इसका विरोध किया था? भीखू पारेख ने अपनी किताब गांधीज पॉलिटिकल फिलॉस्फीः ए क्रिटिकल एग्जामिनेशन में इसे बेहतर ढंग से समझाया है। उन्होनें लिखा है कि गांधी ने भारत को भौगोलिक नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिहाज से परिभाषित किया और वह इसकी भौगोलिक सीमाओं के बजाय मानव-सभ्यता को अखंड रखने को लेकर अधिक फिक्रमंद थे। उनके लिए भारतीय सभ्यता विविधता और मत-भिन्नता के प्रति न सिर्फ सहिष्णु बल्कि उसका सम्मान करने वाली भी थी। अपनी तमाम कमियों और कभी-कभार होने वाले झगड़ों के साथ भारत एक खुशहाल परिवार था। चूंकि गांधी के लिए भारत के बारे में यही सत्य था, इसलिए उसका विभाजन एक झूठ था। यद्यपि वह टू नेशन थ्योरी के विरोधी थे, लेकिन भारतीयों और पाकिस्तानियों, दोनों को यह जानना चाहिए कि गांधी जी टू स्टेट थ्योरी पर सहमत थे यानी पाकिस्तान समानता के आधार पर भारत से परिसंघीय जुड़ाव के साथ एक अलग स्टेट बन सकता था।

इसके बारे में उनके और जिन्ना के मध्य हुए पत्राचार से भी पता चलता है। 11 सितंबर 1944 को गांधीजी ने जिन्ना को लिखा, हिंदू-मुस्लिम एकता मेरे जीवन का ध्येय रहा है, लेकिन इसे विदेशी ताकतों को खदेड़े बगैर हासिल नहीं किया जा सकता। इससे अप्रभावित जिन्ना ने जवाब में लिखा, भारत की समस्या का एक ही समाधान है कि पाकिस्तान और हिंदुस्तान के रूप में इसके विभाजन को स्वीकार कर लिया जाए। गांधीजी अलग राष्ट्र की धारणा से सहमत नहीं थे। लिहाजा उन्होंने निराश होकर जिन्ना को लिखा, आप यह तो मानेंगे कि (लाहौर) संकल्प में भी टू नेशन थ्योरी का कोई जिक्र नहीं था। मुझे इतिहास में ऐसी कोई मिसाल नजर नहीं आती जहां पर कोई धर्मांतरित निकाय और उसके वंशज अपनी पितृ इकाई से जुदा होकर एक अलग राष्ट्र बनने का दावा करें। यदि भारत इस्लाम के प्रादुर्भाव से पहले एक राष्ट्र था तो इसे अब भी वैसा ही रहना चाहिए, भले ही उसके बच्चों के एक बड़े वर्ग की आस्थाएं बदल गई हों।

गांधीजी ने देश के उत्तर-पश्चिमी एवं पूर्वी मुस्लिम-बहुल इलाकों में स्व-निर्णय के आधार संप्रभु राज्यों के निर्माण की बात कही थी। उन्होंने जिन्ना से कहा, यदि आप इन्हें पाकिस्तान कहना चाहें तो कह सकते हैं। उन्होंने इस सीमा तक लाहौर-संकल्प को स्वीकार किया था। उन्होंने कहा, मैं एक रास्ता सुझाता हूं। यदि विभाजन होना ही है, तो वैसा हो, जैसा दो भाइयों के बीच होता है।

आज भारत और पाकिस्तान के बीच अमन और सद्भावना की उम्मीद तभी साकार हो सकती है जब दोनों देशों के लोग और सत्ता-तंत्र गांधीजी के मूल सिद्धांतों और दृष्टिकोण को वास्तविक रूप में अंगीकार करें। अपनी हत्या से कुछ दिनों पहले गांधीजी ने घोषणा की थी, भारत और पाकिस्तान, दोनों मेरे मुल्क हैं। मैं पाकिस्तान जाने के लिए पासपोर्ट लेने वाला नहीं हूं। भले ही भौगोलिक और राजनीतिक रूप से भारत दो भागों में बंट गया हो, लेकिन दिल से तो हम आपस में दोस्त और भाई बने रहें, जो एक-दूसरे की मदद करें और सम्मान करें और बाहरी दुनिया के लिए हम एक हों।

(स्तंभकार 'म्यूजिक ऑफ द स्पिनिंग व्हील्सः महात्मा गांधीज मैनिफेस्टो फॉर द इंटरनेट एज' पुस्तक के लेखक हैं)

response@jagran.com

बापू की विरासत सहेजने की जरूरत

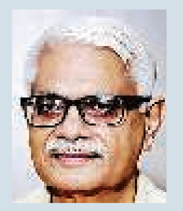
गिरीश्वर मिश्र

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हमने गांधी को उनके पुतले में कैद कर दिया और वक्त के साथ उनके विचार भूलते गए

महात्मा गांधी चमत्कारिक व्यक्तित्व के स्वामी हैं जो अतिसाधारण भी हैं, संत भी, राजनेता भी और इन सबसे अलग अपने ही ढंग के निराले क्रांतिकारी भी। सब एक साथ। उन्होने लंदन में वकालत पढ़ी और पाश्चात्य शिक्षा का अनुभव किया। फिर दक्षिण अफ्रीका में नौकरी शुरू की और वहां वर्षों रहे भी। इन सब विदेशी अनुभवों से उनकी भारतीयता की अवधारणा परिष्कृत हुई और भारत के लिए प्रीति और प्रगाढ़ हुई। दक्षिण अफ्रीका में भयंकर भेदभाव का विकट अनुभव उनके जीवन में एक मोड़ साबित हुआ। नस्ली भेद और पूर्वाग्रह के साथ अंग्रेजी राज के अत्याचारों को उन्होने निकट से देखा। वहां की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थिति से गांधीजी ने बहुत कुछ सीखा। इससे ही एक दृढ़ मन और लोक की चिंता को समर्पित नए गांधी-बापू का उदय हुआ और इसी कारण वह राष्ट्रपिता कहलाए। उन्होंने दमन का विरोध अहिंसा के नायाब तरीके से करने का निश्चय किया। यह बदलाव उनके व्यक्तित्व का स्थाई अंग बन गया। आगे चलकर उन्होंने इसी के साथ भारतीय स्वतंत्रता की लड़ाई भी लड़ी। विश्व युद्ध की विभीषिका के दौरान घनी आबादी वाले देश में अहिंसक क्रांति की ज्योति जलाने वाले मोहनदास करमचंद गांधी ने जो अनोखी शुरुआत की उससे कोई भी अछूता नहीं रह सका।

दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने के बाद उन्होंने देश के जीवन और समाज को जाना। चंपारण में नील किसानों के हक की लड़ाई के बाद उनके सार्वजनिक जीवन ने एक नया रूप लिया। गांधीजी ने अभय और साहस के साथ जिस मानव धर्म को अपना लक्ष्य और आधार बनाया वह भारतीय संस्कृति के अनुसार निर्मित हुआ था और उसे ही उन्होंने जिया। वह स्वयं को स्पष्टतः हिंदू कहते थे, परंतु उनकी धर्म-दृष्टि सर्वव्यापी थी। उनके हिसाब से धर्म का तत्व हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सबमें व्याप्त है। उनके अनुसार धर्म जीवन का नियम है। गांधीजी की यह सोच कई धर्म परंपराओं के अवगाहन से बनी थी। उन्होंने बाइबिल इंग्लैंड में पढ़ी। घृणा के विरुद्ध प्रेम का ईसा का संदेश उनके मन को छू गया। धर्मभीरू मां के साथ शुरू हुए शाकाहार, आत्मशुद्धि के लिए उपवास, पारस्परिक सहिष्णुता और सद्भाव, अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह आदि के व्रत गांधीजी के जीवन में सदा बने रहे। गांधीजी हिंदू विश्वासों को अन्य धर्मों के सार्वभौम विचारों के लिए सेतु मानते थे। वह हर अच्छे विचार के लिए प्रस्तुत रहते थे, पर अपने विवेक की शर्त पर। गांधीजी ने टाल्सटॉय की पुस्तक 'दि किंगडम ऑफ गॉड इज विदिन यू', रस्किन की 'अन टु द लास्ट' और गीता एवं रामचरितमानस के साथ नरसी मेहता जैसे भक्त कवियों की रचनाओं का विशेष आभार स्वीकारा है।

गांधीजी के व्यक्तित्व की रचना अनेक प्रभावों को आत्मसात करने से हुई। सारे प्रभावों से अविचल उनका एक व्यापक भारत-भाव था जो यहां के समाज और संस्कृति के साथ गहनता से जुड़ा था। उनकी भारतीय समाज और उसके मानस की पकड़ कोरी भावुकता वाली न होकर जमीनी हकीकत पर टिकी थी। उन्होंने देखा कि गांव जो आत्मनिर्भर थे, अंग्रेजी राज में विदेशी वस्तुओं और सेवाओं के मोहताज होते गए। गांधीजी ने यह भी देखा कि शारीरिक श्रम की कैसे उपेक्षा हो रही है और उसके सहारे नया नजरिया बन रहा है। अंग्रेजी शिक्षा आने के साथ शिक्षा की प्रक्रिया शारीरिक, नैतिक और चारित्रिक पक्ष से दूर हटती गई। ऐसे में गांधी जी ने सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, राजनीतिक परिस्थितियों का जमीनी आकलन किया और शारीरिक एवं बौद्धिक, दोनों पक्षों के समुचित समन्वय पर ध्यान दिया। अपने विचारों को व्यावहारिक धरातल पर परखने यानी सत्य का प्रयोग करने का जो सिलसिला गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में शुरू किया, वह जीवन भर चलता रहा। सत्याग्रह गांधीजी की अपनी खोज थी। अपमान, पीड़ा, दुख-दर्द को सहते हुए भी देश ने उनके प्रखर नेतृत्व में साम्राज्यवादी ताकत के विरुद्ध अहिंसक युद्ध लड़ा। इस युद्ध में गांधीजी न तो कभी अपने मार्ग से विचलित हुए और न ही अपना धैर्य खोया। उनके नेतृत्व में परिस्थितियां बदलीं। उन्होंने मानव धर्म की परिधि में जो पहल की उसकी कोई मिसाल नहीं मिलती। 1930 का नमक सत्याग्रह तो अद्भुत था। गांधी जी का विचार था कि उनके विरोध का लक्ष्य अंग्रेजों का अपमान न होकर उनके मन को बदलने और नई समझ पैदा करना था। सविनय अवज्ञा वह स्थिति है जो सामने वाले को विचार करने के लिए बाध्य करती है। इसके विपरीत हिंसा के नकारात्मक परिणाम होते हैं। गांधीजी ने मानव मन को बदलने का जो प्रयोग शुरू किया वह विस्तृत होता गया। अंग्रेजों भारत छोड़ो का आंदोलन उसका चरमोत्कर्ष बना।

गांधीजी मनुष्य को ईश्वर का अवतार या अंश मानते थे और आत्मनियंत्रण को ही व्यक्ति और समाज, दोनों के लिए विकास के मार्ग के रूप में पहचानते थे। गांव और गरीब सदैव उनके केंद्र में रहे। उन्होंने अस्पृश्यता से लोहा लिया और निम्न जातियों की स्थिति को देखते हुए ' हरिजन 'या ईश्वर के लोग कहा। वह हर व्यक्ति को सामूहिक दायित्व का हिस्सेदार बनाते थे। उन्होंने सदैव मानवता के सकारात्मक पक्ष को प्रस्तुत किया और प्रार्थना, अहिंसा और संवाद को मानव संबंधों का आधार बनाया। मानव जीवन की एकात्मता में उनका दृढ़ विश्वास था। उन्होने 'स्वराज', 'स्वदेशी' और 'सर्वोदय' के माध्यम से एक धर्म केंद्रित समाज की परिकल्पना की थी और एक स्वावलंबी भारतीय समाज तथा स्वायत्त, किंतु विकेंद्रीकृत भारत का सपना देखा था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हमने गांधीजी को उनके पुतले में कैद कर दिया और उनके विचार, विश्वास और कर्म की राह को भूलते गए। वह पूजा की वस्तु हो गए और एक तरह से जीवन से अलग कर दिए गए। उनके विचार बीज हमारे अचेतन में पड़े हैं। वह हमारी विरासत हैं और उसे संभालना अपने हित के लिए जरूरी है। स्वच्छता की ओर देश का बढ़ता कदम उनके विचारों का पल्लवन है, लेकिन जिस समर्थ भारत की परिकल्पना हम कर रहे हैं उसके लिए गांधी की झोली में बहुत कुछ शेष है। यह झोली हमारे करीब है और उस तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।

(लेखक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के कुलपति रहे हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

संस्कारवान जीवन

पश्चिमी देशों की हवा इन दिनों भारत में भी काफी तेजी से फैल रही है। पश्चिमी देशों में पति-पत्नी कब तक एक साथ जीवन व्यतीत करेंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। ऐसी स्थिति में माता-पिता, भाई-बहन, दादा-दादी की बात ही करना बेमानी है। पश्चिम की यह हवा तेजी से भारत में भी फैल रही है। भारतीय रीति-रिवाज और सात-फेरों के बावजूद परिवार बिखर रहे हैं। कभी पति-पत्नी में मनमुटाव तथा लड़ाई-झगड़े की बातें आती हैं तो कभी पूरे परिवार में ही लगातार लड़ाई-झगड़े होते रहते हैं जो जीवन भर कटुता दे जाते हैं।

पहले दादा-दादी, भाई-बहन, चाचा-चाची सब एक साथ रहते थे। एक साथ सबका खाना-पीना होता था। इसे विद्वान रसोई को रस-वर्षा का केंद्र मानते थे, क्योंकि इसमें परिवार के कई सदस्य लगकर भोजन बनाते थे। वैसे भी जिस रसोई में जितने अधिक लोगों का भोजन बनता है, वह रसोई न होकर भंडारा माना जाता था, लेकिन नए दौर में परिवारों में संकुचित दृष्टि देखी जा रही है। इन सब कारणों से परिवार में झगड़े बढ़ रहे हैं जिसका असर परिवार के छोटे बच्चों पर पड़ रहा है। बड़े होकर वे भी वही करते हैं जो बचपन में देखे-सुने रहते हैं। विकास के युग में व्यक्ति जितना लड़ाई में समय गंवाएगा, वह आर्थिक दृष्टि से पिछड़ता जाएगा। लड़ाई-झगड़े से दोनों पक्षों को नुकसान होता है। सहनशीलता की कमी से भारतीय समाज खासकर पढ़े-लिखे परिवारों में भी यह सब स्थिति देखी जाती है।

अतः जरूरत है कि परिवार में माता-पिता अपनी संतानों को संस्कारवान बनाएं। बहुत छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए, क्योंकि वही छोटी-छोटी बातें एक समय बड़ी बन जाती हैं। माता-पिता खुद संस्कारवान बनें तो बच्चों में भी संस्कार अच्छे होंगे और उनका जीवन सुखमय होगा। इसके लिए परिवार के बड़े और जिम्मेदार सदस्य सिर्फ अपने ही आनंद में जीवन न व्यतीत करें, बल्कि वे परिवार में समय दें। आपसी संवाद बनाएं। संवादहीनता से दूरियां बढ़ती हैं जो किसी भी हालत में उचित नहीं।

सलिल पांडेय

साठ साल का दूरदर्शन

पीयूष द्विवेदी

दूरदर्शन अगर वर्तमान समय के अनुरूप कार्यक्रम लाए तो इस प्रतिस्पर्धात्मक समय में भी अपना एक दर्शकवर्ग तैयार कर सकता है

15 सितंबर, 1959 को शुरू हुए दूरदर्शन ने बीते 15 सितंबर को अपने साठ साल पूरे कर लिए। दूरदर्शन की यह छह दशकीय यात्रा भारत में टेलीविजन की यात्रा भी है। दूरदर्शन के बीते दौर पर नजर डालें तो आजकल जितनी भी विधाओं के कार्यक्रम अलग-अलग चैनलों पर प्रसारित होते हैं, उनमें से अधिकांश विधाओं के कार्यक्रमों की शुरुआत दूरदर्शन ने की थी। रामायण, महाभारत और कृष्णा दूरदर्शन के इन तीन धार्मिक धारावाहिकों की लोकप्रियता और इनसे लोगों के आत्मीय जुड़ाव का अनुमान इतने से ही लगा सकते हैं कि राम-सीता के रूप में अरुण गोविल और दीपिका तो कृष्ण के रूप में नीतीश भारद्वाज लोगों के मन में आजतक बसे हुए हैं। बाद में अन्य चैनल आने के बाद उनपर भी रामायण, महाभारत और कृष्ण लीला के अनेक धारावाहिक आए, लेकिन जो असर दूरदर्शन के इन धारावाहिकों का था, वैसा असर कोई नहीं छोड़ पाया।

इसी तरह फौजी, बुनियाद, हम लोग, चंद्रकांता, आलिफ लैला, चाणक्य, वागले की दुनिया, मुंगेरीलाल के हसीन सपने, श्रीमान श्रीमती, ये जो है जिंदगी, सुराग, व्योमकेश बख्शी, आपबीती, शक्तिमान, जासूस विजय जैसे विविध विधाओं के अनेक कार्यक्रम हैं, जिन्होंने बच्चों से लेकर बड़े-बूढ़ों तक को दूरदर्शन का दीवाना बना दिया था। शक्तिमान के रूप में भारत को उसका पहला सुपरहीरो देने का श्रेय भी दूरदर्शन को ही जाता है। इनके कामयाब होने के पीछे प्रमुख कारण था कि इनमें से तमाम धारावाहिकों की पटकथा और संवाद उस दौर के बड़े लेखकों ने लिखे थे। जैसे कि दूरदर्शन के लिए बुनियाद, हम लोग, मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसे धारावाहिक मशहूर लेखक मनोहर श्याम जोशी ने लिखे थे, तो वहीं महाभारत की पटकथा और संवाद राही मासूम रजा की कलम से निकलकर लोकप्रिय हो गए। इसके अलावा इन धारावाहिकों की लोकप्रियता का एक कारण इनकी एकदम यथार्थपरक प्रस्तुति भी थी, जिससे लोगों का इनसे सहज जुड़ाव हो जाता था।

सवाल ये उठता है कि जिस दूरदर्शन का इतना बड़ा और पक्का दर्शकवर्ग था, उसकी लोकप्रियता समय के साथ सिकुड़ती क्यों गई? इसका एक कारण यह रहा कि समय के साथ दूरदर्शन पर पुराने कार्यक्रम बंद हो गए और उनकी जगह उस स्तर के नए कार्यक्रम आए नहीं। उसके पास नए कार्यक्रम काफी कम हैं और ज्यादातर वक्त उस पर पुराने 'डेली शॉप' कार्यक्रमों का ही पुनः प्रसारण किया जा रहा है। सवाल है कि क्या इन पुराने कार्यक्रमों के भरोसे दूरदर्शन नए भारत का चेहरा बन सकता है?

वर्तमान समय में चैनलों और कार्यक्रमों की भरमार है, जिसने प्रतिस्पर्धा का वातावरण पैदा कर दिया है। दूरदर्शन इस प्रतिस्पर्धा में पिछड़ नहीं रहा, बल्कि भाग लेने से बच रहा है जो कि ठीक नहीं है। दूरदर्शन अगर वर्तमान समय के अनुरूप किंतु अपनी मौलिकता और पुरानी गुणवत्ता के साथ कार्यक्रम लाए और उनका सही प्रचार-प्रसार करे तो इस कठिन प्रतिस्पर्धात्मक समय में भी वह अपना एक दर्शकवर्ग तैयार कर सकता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

गांधी की राह पर चलने में स्वार्थ बाधा

गांधी के स्मरण का सही तरीका शीर्षक से लिखे अपने लेख में हृदयनारायण दीक्षित ने महात्मा गांधी के बताए रास्तों पर चलने की सलाह दी है। वैसे तो सार्वजनिक स्तर हम सब उनके बताए रास्तों पर चलने और उनकी कही बातों को मानने का संकल्प लेते हैं, लेकिन जहां बात व्यक्तिगत स्तर पर आती है, वहीं हम पीछे हट जाते हैं। चाहे बात सच्चाई की हो, अहिंसा की हो या साफ-सफाई की। पर्यावरण, जीवनशैली, समानता आदि मामलों में उनकी कही बातें आज अक्षरशः सही साबित हो रही हैं। गांधी जी दो तरह की सफाई के हिमायती थे। बाहरी और आंतरिक। आज बाहरी साफ-सफाई पर सब कोई जोर दे रहा है, लेकिन आंतरिक स्वच्छता की बात कोई नहीं कर रहा। जब तक देश का हर नागरिक आंतरिक सफाई पर ध्यान नहीं देगा, तब तक देश विभिन्न समस्याओं के मकड़जाल से कभी मुक्त नहीं हो सकता। महात्मा गांधी ने बिना किसी स्वार्थ के देश को आजाद करवाने के लिए अंग्रेजों की कई यातनाएं सही थीं, लेकिन आज बहुत से लोग अपने स्वार्थ के लिए राजनीति में आ रहे हैं। आज देश को चलाने के लिए गांधी जैसे नेता की जरूरत है। जो सिर्फ देश के बारे में बिना किसी स्वार्थ के सोचे। अगर आज लोग गांधी जी के विचारों को अपना लें तो देश में बढ़ते गलत कामों पर लगाम लग सकती है, लेकिन अफसोस कि आज अधिकांश लोगों की बुद्धि बहुत दूषित हो चुकी है ।

raju09023693142@gmail.com

अहिंसा के पुजारी को नमन

गांधी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि एक विचारधारा का नाम है। देश को आजाद कराने के लिए एक अभिमन्यु की नहीं, बल्कि भिन्न-भिन्न मानसिकता वाले अनेक अभिमन्यु की आवश्यकता थी। गांधी ने समाज के बड़े वर्ग की मानसिकता का अध्ययन किया और उसे स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा बनाने के लिए अपने दर्शन की नींव रखी। उन्होंने देखा कि समाज का एक बड़ा वर्ग अपने ऊपर हो रहे अत्याचार पर पलटवार नहीं कर सकता। परिवार से स्नेह करने के कारण वह हिंसक न होकर खुद को सुरक्षित रखने के लिए भीरू बन गया है। आज भी गांधी की अहिंसक विचारधारा समाज के बड़े वर्ग के मस्तिष्क में गहरी पैठ बना चुकी है। गीता दर्शन में अटूट श्रद्धा रखने वाले गांधी ने कहा था कि अपराध करने वाले से बड़ा अपराधी वह है जो अपराध सहन करता है। गांधी के अहिंसक सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है। अहिंसा के पुजारी को सादर नमन।

जया शर्मा, फरीदाबाद

मेलबाक्स

चरणबद्ध तरीके से हो काम

एक अक्टूबर के अंक में प्रकाशित संपादकीय प्लास्टिक विरोधी मुहिम पढ़ा। यह कहना सही है कि प्लास्टिक से बनी वस्तुओं के विकल्प रातों रात उपलब्ध नहीं कराए जा सकते। आज हमारे रसोई घर, स्नान घर, अतिथि कक्ष आदि सब प्लास्टिक से बनी वस्तुओं से भरी हुई हैं। कार, टेलीविजन, मोबाइल आदि में प्लास्टिक की बड़ी मात्रा है। दूध, घी, मिठाई की पैकिंग, ग्लास, प्लेट, चम्मच में प्लास्टिक की बहुतायत है। इन सबके विकल्प खोजने में समय लगेगा। यह कार्य चरणबद्ध तरीके से करने की आवश्यकता है। प्रथम चरण में सिंगल यूज प्लास्टिक में आने वाली वस्तुओं से आम आदमी को अवगत कराया जाए। कौन सी वस्तुएं इसके अंतर्गत आती हैं, इनके क्या नुकसान हैं, इनके लिए क्या प्रतिबंध, जुर्माना है। साथ ही इनके क्या विकल्प हो सकते हैं। ऐसा कर के ही हम गांधी जी की 150 वीं जयंती पर भारत को प्लास्टिक मुक्त देश बनाने की शुरुआत कर सकते हैं।

विनोद चतुर्वेदी, लोनी रोड, दिल्ली

पाकिस्तान से सावधान रहे भारत

दुष्ट प्रवृत्ति का व्यक्ति जब मीठा-मीठा बोलने लगे और अपने विचारों में सकारात्मकता लाने लगे तो तुरंत सावधान हो जाना चाहिए। पाकिस्तान द्वारा करतारपुर कॉरिडोर बनाना, भारत के लोगों को गुरुद्वारे के दर्शन की अनुमति देने के पीछे कोई गहरी चाल है। दुनिया की नजरों में खुद को अच्छा साबित कर इस कॉरिडोर के माध्यम से वह भारत में खलिस्तानी आतंकवादियों को भारत भेजकर अपना मकसद पूरा कर सकता है। जिससे सरकार और सिख समुदाय में खाई उत्पन्न हो जाए। कुल मिलाकर करतारपुर कॉरिडोर की आड़ में पाकिस्तान कोई घिनौनी साजिश रच रहा है।

चंद्र प्रकाश शर्मा, रानी बाग, दिल्ली

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

10 लाख प्लास्टिक की बोतलें खरीदी जाती हैं दुनिया में एक मिनट के भीतर और हर साल 40 हजार करोड़ प्लास्टिक की थैलियों का इस्तेमाल होता है।

आजकल

धर्मराज युधिष्ठिर जैसे महात्मा गांधी

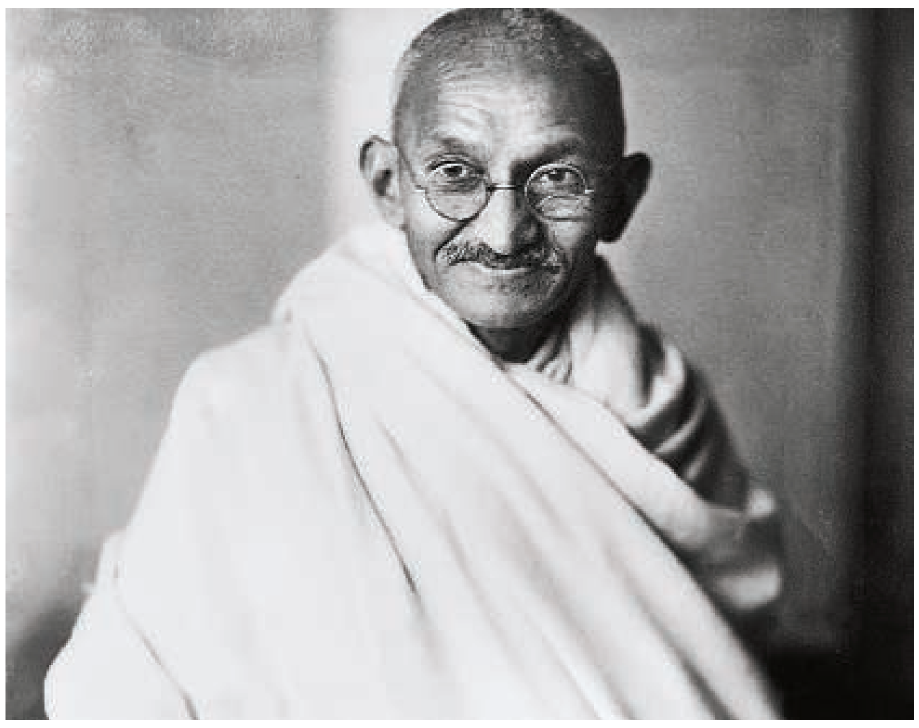

डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र
भारतीय इतिहास के जानकार

इतिहास स्वयं को दोहराता है। काल और पात्र बदल जाते हैं, घटनाओं का स्वरूप भी परिवर्तित हो जाता है, किंतु विचार और कार्य लगभग समरूप रहते हैं। किंतु विडंबना यह है कि मनुष्य इतिहास को जानते हुए भी, पूर्व में घटित घटनाओं के परिणामों से परिचित होकर भी, वही त्रुटियां करता है जो अतीत में घातक सिद्ध हो चुकी होती हैं। भारतीय समाज और साहित्य में इतिहास का यह दोहराव धर्मराज युधिष्ठिर और महात्मा गांधी के व्यक्तित्व और कृतित्व में पग-पग पर परिलक्षित होता है

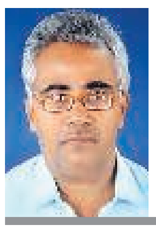

इतिहास स्वयं को दोहराता है। काल और पात्र बदल जाते हैं, घटनाओं का स्वरूप भी पर्याप्त परिवर्तित हो जाता है, किंतु विचार और कार्य लगभग समरूप रहते हैं। यही इतिहास का दुहरना है। किंतु विडंबना यह है कि मनुष्य इतिहास को जानते हुए भी, पूर्व में घटित घटनाओं के परिणामों से परिचित होकर भी, वही त्रुटियां करता है जो अतीत में घातक सिद्ध हो चुकी होती हैं। भारतीय समाज और साहित्य में इतिहास का यह दुहराव धर्मराज युधिष्ठिर और महात्मा गांधी के व्यक्तित्व और कृतित्व में पग-पग पर परिलक्षित होता है।

धर्मराज युधिष्ठिर सत्यवादी हैं, सहिष्णु हैं और प्रत्येक परिस्थिति में स्वयं कष्ट सहकर भी बंधुत्व के आकांक्षी हैं। यही प्रवृत्ति महात्मा गांधी के स्वभाव में भी दिखाई देती है। वे भी अलगाववादी मुस्लिम मानसिकता से मैत्री के अभिलाषी हैं और उसकी हर शर्त स्वीकार करने को तत्पर मिलते हैं। खिलाफत आंदोलन से लेकर भारत विभाजन तक की लगभग समस्त घटनाएं इस तथ्य को रेखांकित करती हैं।

जिस प्रकार कौरवों के समक्ष युधिष्ठिर के समस्त मैत्री प्रयत्न विफल होते हैं और दुर्योधन की उच्चाकांक्षा से उत्पन्न राज्याभिलाषा हस्तिनापुर के विभाजन का कारण बनती है, उसी प्रकार गांधी के भी सभी प्रयत्न निष्फल होते हैं और अंततः भारत विभाजन की अलगाववादी कूटनीति सफल हो जाती है। यहां तत्कालीन भारतीय नेतृत्व के प्रतीक पुरुष महात्मा गांधी यह विस्मृत कर देते हैं कि राज्य का विभाजन विघटनकारी अलगाववादी सोच का सार्थक और स्थायी समाधान नहीं है। यदि होता तो हस्तिनापुर और इंद्रप्रस्थ दो स्वतंत्र राज्य बन जाने के उपरांत कौरवों का पांडवों के प्रति ईर्ष्या-द्वेष समाप्त हो जाता और दोनों राज्यों के शासक अपनी-अपनी सीमाओं में सुखपूर्वक रह लेते। किंतु ऐसा नहीं हुआ और हस्तिनापुर राज्य विभाजन के उपरांत पांडवों के पुरुषार्थ से निर्मित इंद्रप्रस्थ को हस्तगत करने के नए कूट प्रयत्न पुनः प्रारंभ हो गए। ठीक यही स्थिति भारत विभाजन की विभीषिका के उपरांत दिखाई दी। पाकिस्तान ने अस्तित्व में आते ही हिंदुस्तान के लिए नई मुसीबतें खड़ी करना प्रारंभ कर दिया। इतिहास की यह प्रामाणिक सीख कि विभाजन द्वेषपूर्ण मदांध मानसिक-व्याधि का सही उपचार नहीं है-आधुनिक भारत के नेतृत्व ने सर्वथा उपेक्षित की और एक नए महाभारत की नींव डाल दी। यह महाभारत 70 वर्ष से चल रही है।

धर्मराज युधिष्ठिर के उच्च आदर्श और सद्भाव उनकी महानता को प्रतिपादित कर उन्हें आदरणीय और बहुमान्य बनाते हैं, किंतु धृतराष्ट्र, शकुनि और दुर्योधन जैसी कुटिल मानसिकता युधिष्ठिर की सहृदयता को स्वीकार नहीं करती। इनकी सत्ता लोलुपता युधिष्ठिर की शांतिप्रियता को कायरता समझ उसका उपहास करती है। यही स्थिति आधुनिक भारत की राजनीति में तब देखी जा सकती है, जब दुर्योधनी भावों से भरी मोहम्मद अली जिन्न की अलग देश की मांग महात्मा गांधी के सारे अनुनय-विनय ठुकराकर निर्दोष हिंदुओं के नरसंहार को बढ़ावा देती है। और अंततः पाकिस्तान बनवाकर ही मानती है। यहां कोई सत्याग्रह सफल नहीं होता। प्रेम, अहिंसा, बंधुत्व और सह-अस्तित्व के सारे दिव्यास्त्र एक निष्ठुर दुराग्रह के समक्ष दम तोड़ते दिखाई देते हैं।

यदि समय रहते किसी व्याधि का समुचित उपचार न किया जाए तो वह धीरे-धीरे पुष्ट होकर प्राणघातक बन जाती है। महाभारत में हस्तिनापुर की राज्यसत्ता ने अंधे पुत्रमोह में शकुनि और दुर्योधन की आपराधिक षड्यंत्रकारी मानसिकता का कोई उपचार नहीं किया। परिणामतः बचपन में भीम को विष देने वाली क्रूर मानसिकता अंततः कुरुक्षेत्र के मैदान में भयानक संहार का कारण बनी। भारत विभाजन की विषबेलि का बीज भी महात्मा गांधी की तुष्टीकरण वाली मोहग्रस्त दुर्नीति से सिंचित होकर पल्लवित-पुष्पित हुआ तथा पाकिस्तान बनते ही वहां के लाखों हिंदुओं-सिखों के सर्वनाश एवं विस्थापन का कारण बना। यदि ज्येष्ठ पांडुपुत्र युधिष्ठिर ने अपने उत्तरदायित्व का सम्यक निर्वाह करते हुए दुर्योधन द्वारा भीम को विष दिए जाने पर उचित प्रतिक्रिया देकर भीष्म-धृतराष्ट्र आदि से न्याय की मांग की होती तो बहुत संभव था कि षड्यंत्र का भंडाफोड़ होने पर शकुनि को हस्तिनापुर से निष्कासित कर दिया जाता तथा दुर्योधन के अपरिपक्व किशोर-मन को संस्कारित-परिष्कृत कर नई रचनात्मक दिशा दिया जाना संभव हो जाता। और तब इतिहास को महाभारत का भीषण संहार न देखना पड़ता। जो भूल युधिष्ठिर ने शकुनि और दुर्योधन के क्रूर-कृत्य पर धूल डालकर की, वही ऐतिहासिक भूल भारत विभाजन की अमंगलकारी मांग करने वाले मोहम्मद अली जिन्न को आवश्यकता से अधिक महत्व देकर महात्मा गांधी के नेतृत्व में दोहराई गई। यदि जिन्न के स्थान पर अब्दुल गफ्फार खान जैसे अन्य उदार विचारों वाले नेताओं को आगे कर कट्टरतावादी मुस्लिम लीग को हतोत्साहित किया जाता तो विभाजन की त्रासदी का अभिशाप न झेलना पड़ता।

विवेकहीन अंधी आदर्श-प्रियता स्वयं के ही नहीं, स्वजनों के भी कष्ट का कारण बनती है। राजसूय यज्ञ के उपरांत सुखपूर्वक इंद्रप्रस्थ में रह रहे युधिष्ठिर ने बिना विचार किए अतीत में घटित दुर्घटनाओं से बिना कोई शिक्षा लिए आंख मूंदकर धृतराष्ट्र की आज्ञा का पालन किया और हस्तिनापुर के द्यूतक्रीड़ा-गृह में आ डटे तथा सर्वस्व गंवाकर अपने और अपने परिवार के अपमान का कारण बने। उनके एक अविवेकपूर्ण कृत्य ने न केवल उन्हें उनकी राज्यश्री से वंचित किया, अपितु उनके दिग्विजयी भाइयों सहित द्रौपदी को भी 12 वर्ष के वनवास और एक वर्ष के अज्ञातवास के लिए संकटापन्न जीवन-पथ पर धकेल दिया। इसी प्रकार भारत विभाजन के भावी दुष्परिणामों पर गंभीर चिंतन किए बिना महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने विभाजन की स्वीकृति देकर लाखों देशवासियों का धन, सम्मान और जीवन संकट में डाल दिया। इस अविवेकपूर्ण निर्णय ने न केवल उस समय संहार के गहरे घाव दिए अपितु देश के विरुद्ध भावी परमाणु युद्ध की पृष्ठभूमि भी निर्मित कर दी। यदि उस समय पाकिस्तान न बना होता तो न आज पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद होता, न जम्मू-कश्मीर की समस्या होती, न पाकिस्तान की धरती पर बैठकर चीन को हमारे विरुद्ध संघर्षपूर्ण सामरिक अभियान क्रियान्वित करने का अवसर मिलता। पाकिस्तान बनाए जाने के प्रस्ताव की स्वीकृति युधिष्ठिर जैसी मानसिकता की भयानक भूल थी।

युधिष्ठिर और गांधी जैसे लोग अपनी उदार विचार-संपदा के कारण समाज एवं इतिहास के पृष्ठ पर अपनी अमिट छाप छोड़ते हैं। वे युग-युग के लिए वंदनीय और पूज्य बन जाते हैं, किंतु अन्याय, अत्याचार एवं उत्पीड़न के अहंकारी शिखर ढहाने में वे कितने सफल रहते हैं, यह कहना कठिन है। ऐसी असाधारण बौद्धिक-संपदा संपन्न विभूतियों को व्यापक जनसमर्थन तो सहज ही प्राप्त हो जाता है, किंतु सत्ता से जुड़ी शक्तियां इनकी परवाह नहीं करतीं और कभी-कभी तो इनके विरोध में खड़ी दिखाई देती हैं। महाभारत में भीष्म-द्रोण आदि का कौरवों को समर्थन और ब्रिटिश प्रतिनिधि लॉर्ड माउंटबेटन की जिन्न के प्रति अतिरिक्त आसक्ति और पाकिस्तान के निर्माण में उनकी रुचि इस तथ्य की साक्षी है। शोषण और उत्पीड़न के दुर्ग धर्म-दर्शन की बौद्धिक उपलब्धियों से नहीं टूटते। उन्हें ढहाने के लिए प्रचंड बाहुबल और अपूर्व रण-कौशल की आवश्यकता होती है। कौरवों का विनाश भीम की गदा से और उनके सहायक कर्ण का संहार कृष्ण की राजनीतिक दृष्टि एवं अर्जुन के गांडीव से ही संभव होता है। ब्रिटिश साम्राज्य से मुक्ति का स्वर्णिम अध्याय भी सुभाषचंद्र बोस के रणकौशल और शस्त्रधारी क्रांतिकारियों के लहू से लिखा गया है। इतना अवश्य है कि भारत को स्वतंत्र करने में महात्मा गांधी की महती भूमिका रही है।

उत्सव से ज्यादा आत्मचिंतन का अवसर

कैलाशचंद्र पंत

महात्मा गांधी के 150वें जन्म वर्ष पर भारत के साथ ही पूरी दुनिया उनका स्मरण कर रही है। भारतीयों के लिए यह प्रसंग गौरव का क्षण है। भारतमाता के जिन सपूतों ने समय-समय पर भारत की संस्कृति और उसके संदेश को, उसमें अंतर्निहित आध्यात्मिक चिंतन को विश्व के सामने रखकर उन्हें चमत्कृत किया, उनमें गांधी जी का नाम आदर से जोड़ा जा सकता है। उनके विचारों और कार्यों से प्रभावित होकर महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि भावी पीढ़ी को यह विश्वास नहीं होगा कि हाड़-मांस का ऐसा कोई प्राणी भी हमारे बीच था।

गांधी जी ने हिंद स्वराज की परिकल्पना ही आध्यात्मिक स्वराज्य के रूप में की थी। सत्य, अहिंसा और प्रेम की बात, जो गांधी जी हर मौके पर दोहराते थे, उस भौतिकवादी दुनिया को तब समझ में नहीं आई थी। वे गांधी को एक रहस्यमय तांत्रिक के रूप में ही विश्लेषित करते रहे। लेकिन तब भी बिशप फ्रेडरिक फिशर जैसे लोग थे, जो यूरोप और अमेरिका के लोगों को सावधान करते हुए कहते थे कि आपकी सभ्यता की जड़ें बहुत कमजोर हैं। गांधी ने शक्ति का नया संचार करने वाल मंत्र गढ़ लिया है। शस्त्र शक्ति के सामने गांधी ने आत्मशक्ति को खड़ा कर दिया। इसी बात को चिंतक और पत्रकार बनवारी ने अपनी पुस्तक 'भारतीय सभ्यता के सूत्र' में प्रभावी ढंग से विश्लेषित किया है। उनका मत है कि गांधी जिन आदर्शों की बात करते हैं, वे भारतीय ज्ञान परंपरा में पहले से मौजूद हैं। गांधी जी के प्रयोग में सारे जगत को दिलचस्पी है और उसका महत्व युगों तक कायम रहेगा। उन्होंने समूह को लेकर राष्ट्रीय पैमाने पर उसका प्रयोग करने की कोशिश की है। जो लोग गांधी के विचारों को अप्रासंगिक मानते हैं, उनकी मानसिकता उन लोगों से भिन्न नहीं है, जो ब्रिटिश साम्राज्यवाद से अहिंसक तरीके से स्वतंत्रता प्राप्ति को असंभव कहते हैं। इसका बुनियादी कारण पराधीनता के दिनों की निराशा में अपनी परंपरा की स्मृति को हम धूमिल कर बैठे। क्या गांधीजी के सिद्धांतों को परखने के लिए अपनी ज्ञान परंपरा से जुड़ने की कोशिश कहीं नजर आती है? उत्तर नकरात्मक है।

ऐसा तो नहीं था कि स्वतंत्रता के बाद जिन लोगों ने सत्ता की बागडोर संभाली, वे गांधी और उनके सिद्धांतों से अपरिचित थे। उनके नेतृत्व में ही त्यागपूर्ण जीवन से प्रेरणा लेते हुए वे भी संघर्ष में कूदे थे। फिर क्यों नहीं भारत को आध्यात्मिक स्वराज्य का एक प्रादर्श बना सके? यह प्रश्न है जो अक्सर पूछा जाता है।

इसका स्पष्ट उत्तर है-हम औपनिवेशिक दासता से स्वयं को मुक्त करने के रास्ते से भटक गए। आज जब संसार सभ्यताओं के संघर्ष के दौर में प्रवेश करता दिखाई देता है तो भारत क्या गांधी जी के आध्यात्मिक स्वराज्य को मूर्त रूप देने की किसी योजना पर काम करते हुए विश्व के सामने एक विकल्प खड़ा करने का प्रयास करेगा? इसके उत्तर में निहित है गांधी जी की 150वीं जयंती समारोह की सार्थकता।

(लेखक भारतीय राजनीति एवं समाज के जानकार हैं)

खरी-खरी

मंच, मंच का फेर

बीएल आच्छा

हिंदुस्तानी मंचों की बात ही कुछ और है। यूं भी लोकतंत्र तो मंच और मोर्चों में ही बसता है। अब देखिए ना, ह्यूस्टन में हाउडी मंच बना। यों ग्लैमर से भरापूरा। 50 हजार लोगों का जश्न। सबकी अपनी कुर्सियां। मगर मंच बेहद सूना। बिन कुर्सियों के तामझाम का। अजीब बात है। लोकतंत्र में जिस कुर्सी के लिए आदमी जीता-मरता है, वही कुर्सी ही हाउडी मंच से नदारद! नगर निगम का पार्षद भी कुर्सी के बिना विराजता नहीं और तैश में आने पर कुर्सीफेंक करतब करने लगता है, वही कुर्सी मंच से गायब। सर्वशक्तिमान देश के सांसद से राष्ट्रपति तक खड़े के खड़े। अतिथि के लिए कोई गलमाला नहीं। गुलदस्ता नहीं। ट्रंप बोल रहे हैं तो हिंदुस्तानी 'ट्रंप कार्ड' खड़े हैं, फिर हिंदुस्तानी लोकतंत्र बोल रहा है तो ट्रंप खड़े! हिंदुस्तान में तो मालाओं, गुलदस्तों के बिना वक्ता में उत्तेजना ही नहीं आती!

कितना सूना है अमेरिकी लोकतंत्र का मंच! यहां तो मंत्रियों के मंच ही मेला बन जाते हैं। जितनी मंचस्थ कुर्सियां, उससे ज्यादा खड़े लोग। तीन बुलाएं, तेरह आएं और तैंतीस धकियाने पर भी जमे रहें। मंत्री गाता तो नहीं-'आ गले लग जा।' पर मजबूरी में लोकल वोटराधिपतियों से मुस्कुराते हुए कहता है-'आ गले पड़ जा।' मगर दस के मंच पर चालीस-पचास का हुड़दंग आते ही मंच धड़ाम। जनता का हास्योत्सव रच जाता है। अखबार की ब्रेकिंग न्यूज। टीवी पर बार-बार का दिखाऊ तमाशा-नाचा।

यों भी अमेरिका, भारत के मंचों के स्वाद भी जरा अलग हैं। आखिर अमेरिकन भुट्टे और भारत के देसी भुट्टे का स्वाद भी तो अलग है। वह मीठा है, मगर देसी भुट्टा ठेले पर सिकने में जितना स्वाद-सुगंध का राजा है, उतना ही चबाने का भी। जरा नींबू-मिर्ची लग जाए तो मतपत्रों की गणना के उतार-चढ़ाव का आनंद आ जाता है। ये दोनों ही लोकतंत्र हैं। एक पुराना और दूसरा सबसे बड़ा।

भारतीय मंचों का अपना स्वाद है। पर ये अमेरिका में आखिर कैसा लोकतंत्र है, जहां हर चीज कायदे से? नेता आएं तो कायदे से, जाएं तो कायदे से! जनता बैठे तो कायदे से, संचालक बिनदिखे गिनी-चुनी लाइन में खास मेहमान को बुलव्वा दे दे। न शेर, न शायरी। हिंदुस्तान में मंचों पर चढ़ने के लिए न आदेश चाहिए, न हेलमेट, न लाइसेंस, न इंश्योरेंस। मंच पर फोटो में दिख जाएं, यही काफी है। धड़ाम होकर अस्पताली पट्टी चढ़ जाए तो नेताजी के खास होने का जिंदा सुबूत। मुझे तो भारतीय मंचों का ट्रैफिक जाम, लोकतंत्र का देसी स्वाद दे जाता है।

ट्वीट-ट्वीट

दिन-रात गांधी के नाम की माला जपने वाले नेताओं ने उनकी किन बातों का अनुसरण किया है? क्या वाकई वे गांधी की नीतियों पर चलते हैं? भारत के हुक्मरानों ने बीते 70 वर्षों में उनकी किस बात को माना? क्या सिर्फ प्रतिमाओं, तस्वीरों, करेंसी नोटों और सड़कों के नामों में कैद होकर रह गए गांधी।

अखिलेश शर्मा@akhileshsharma1

गांधी की जिंदगी का इतिहास कई जिंदगियों का इतिहास है। उनकी स्मृति को किसी राज्यसत्ता के संरक्षण की जरूरत नहीं। सत्ताओं को जरूर गांधी की जरूरत है।

ओम थानवी@omthanvi

उबर ने टैक्सी वालों का काम बंद नहीं किया, बल्कि बेहतर सेवा और आसान पहुंच ने किया। एपल ने संगीत उद्योग को तबाह नहीं किया, बल्कि पूरा अलबम खरीदने की मजबूरी ने किया। अमेजन ने रिटेलरों का धंधा चौपट नहीं किया, सहूलियत और व्यापक विकल्पों ने किया। असल में यह तकनीकी हलचल नहीं, बल्कि ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करने का परिणाम है।

हर्ष गोयनका@hvgoenka

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या असम राइफल्स का नियंत्रण गृह मंत्रालय को सौंपने से राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर पड़ेगा?

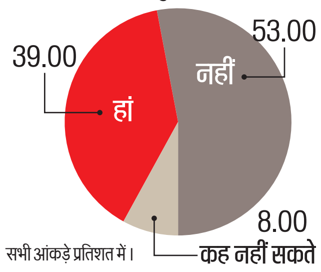

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या टेस्ट टीम में रिषभ पंत के स्थान पर रिद्धिमान साहा को मौका देने का फैसला सही है?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर POLL लिखें, स्पेस देकर Y, N या C लिखकर 57272 पर भेजें
Y -हां, N-नहीं, C-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

बनकर गांधी लोग कुछ रहे भुनाते नाम,
जो बापू कहकर गए किया न कुछ भी काम।
किया न कुछ भी काम अधूरा है एजेंडा,
हुआ न भारत स्वच्छ रहे फहराते झंडा।
बस कुर्सी कब्जाय रहे चलते वे तनकर,
बापू यह सब देख दुखी हैं मूरत बनकर।

\- ओमप्रकाश तिवारी

उम्मीद से अधिक कामयाब रहा मंगलयान

शशांक द्विवेदी
डायरेक्टर, मेवाड़ यूनिवर्सिटी

अंतरिक्ष में अपनी स्वदेश निर्मित प्रौद्योगिकी प्रतिभा से भारत पूरे विश्व को चमत्कृत कर रहा है। अंतरिक्ष के इतिहास में भारत का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिख देने वाला भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का मंगलयान लाल ग्रह का अध्ययन करने के लिए छह महीने के मिशन पर भेजा गया था, लेकिन यह पांच साल बाद भी सही तरह से काम कर रहा है और वैज्ञानिकों को लगातार मंगल ग्रह की तस्वीरें तथा डाटा भेज रहा है। पांच नवंबर, 2013 को मंगल यात्रा पर भेजे गए इस मंगलयान ने 24 सितंबर, 2014 को मंगल की कक्षा में पहुंचकर इतिहास रच दिया था। इसके साथ ही भारत अपने पहले प्रयास में ही मंगल पर पहुंच जाने वाला दुनिया का पहला देश बन गया था। मंगल पर पहुंचने वाले अमेरिका और पूर्व सोवियत संघ जैसे देशों को कई प्रयासों में सफलता मिली थी। महज 450 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ यान 24 सितंबर, 2014 से लाल ग्रह का लगातार चक्कर लगा रहा है। इस दौरान इसने मंगल की सतह, वहां की घाटियों, पर्वतों, बादलों और वहां उठने वाले धूल भरे तूफानों की शानदार तस्वीरें तथा डाटा मुहैया कराया है। मंगलयान लगभग तीन दिन में मंगल की कक्षा का एक चक्कर पूरा करता है।

अब तक मंगलयान ने मंगल ग्रह की 1000 से ज्यादा तस्वीरें भेजी हैं, जिनका उपयोग देश भर के वैज्ञानिक मंगल के अध्ययन में कर रहे हैं। मंगलयान अब भी मंगल ग्रह के चारों तरफ अंडाकार कक्षा में चक्कर लगा रहा है। इसकी मंगल ग्रह से सबसे नजदीकी दूरी (पेरीजी) 421.7 किलोमीटर और सबसे अधिक दूरी (एपोजी) 76,993 किलोमीटर है। पांच साल से अकेले मंगल ग्रह की कक्षा में काम करने के बावजूद मंगलयान थका नहीं है। दुनिया को लगातार हैरत में डाल रहा है। ऐसा नहीं है कि इसके लिए उसे अंतरिक्ष में संघर्ष नहीं करना पड़ा, लेकिन मंगलयान सभी बाधाओं को पार करके अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है।

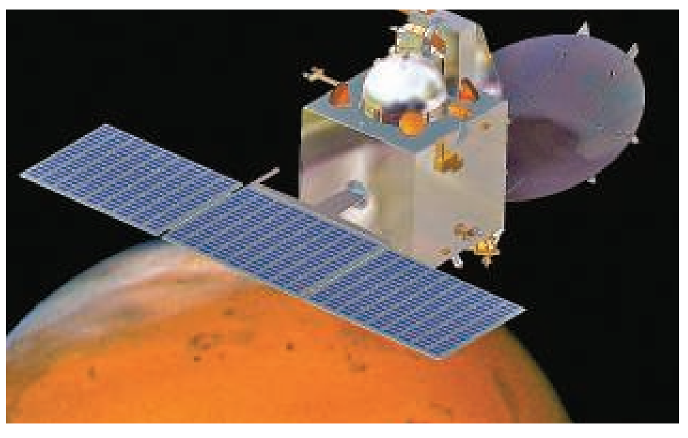

जाहिर है कि मंगल पर मीथेन गैस की मौजूदगी का पता लगाने के लिए भेजा गया मंगलयान रिटायरमेंट के बाद भी कमाई कर रहा है। वैसे तो इसके छह माह तक ही काम करने की उम्मीद थी, लेकिन पांच साल बाद भी इसकी भेजी तस्वीरों को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा खरीद रहा है। इनके जरिये नासा मंगल पर मीथेन की मौजूदगी को लेकर जल्द किसी नतीजे पर पहुंच सकता है। इसरो के चेयरमैन डॉ. के. सिवन ने बताया है कि करार के तहत नासा मंगलयान की तस्वीरें ले रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी इन तस्वीरों एवं आंकड़ों का इस्तेमाल अपने शोध कार्य में कर रही है। हालांकि इसरो के वैज्ञानिक भी इस कार्य में जुटे हैं। उन्होंने बताया है कि मंगलयान में लगे सभी पांचों उपकरण अच्छी तरह काम कर रहे हैं। मंगलयान ने जो तस्वीरें भेजी हैं उससे पता चलता है कि मंगल ग्रह पर बर्फ की चादर है। यह घटती-बढ़ती रहती है। इसका अधिकतम क्षेत्रफल 9,52,700 किलोमीटर और न्यूनतम क्षेत्रफल 6,33,825 किलोमीटर है। मंगलयान ने मंगल ग्रह पर वैलेस मैरिनेरिस (मंगल की घाटी) की भी तस्वीरें ली हैं। यह घाटी मंगल ग्रह के इक्वेटर के नजदीक है। इसकी लंबाई 4000 किलोमीटर है और कई जगहों पर इसकी गहराई सात किलोमीटर से ज्यादा है।

दरअसल अंतरिक्ष यान का जीवनकाल ग्रह की परिक्रमा करने के लिए उसके पास आवश्यक ईंधन की उपलब्धता पर निर्भर करता है। मंगलयान के मामले में वैज्ञानिकों का कहना है कि उसके पास कुछ रिजर्व प्रणोदक हैं। यह पहली बार था जब हम पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र से आगे जा रहे थे। हमने बिना किसी गड़बड़ी के सभी चरण पूरे किए और हम अतिरिक्त ईंधन का उपभोग किए बगैर मंगल ग्रह की कक्षा तक पहुंचने में कामयाब रहे जिससे हमें ईंधन बचाने में मदद मिली।

इसरो का कहना है कि जल्द मंगलयान की कक्षा में कुछ सुधार किया जाएगा, ताकि वह कई वर्षों तक काम करता रहे। मंगलयान की कक्षा में सुधार के जरिये उसकी बैटरी की जिंदगी बढ़ाने की कोशिश की जाएगी। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि लंबे ग्रहण के दौरान भी मंगलयान को ऊर्जा मिलती रहे। कक्षा में सुधार नहीं किया गया तो यह निस्तेज हो सकता है, क्योंकि लंबे ग्रहण के दौरान बैटरी इसका साथ छोड़ सकती है। कक्षा में सुधार होने से बैटरी पर ग्रहण का असर आधा रह जाएगा, जिससे मंगलयान कई वर्षों तक काम करता रह सकता है। इसकी वजह से हमें मंगल ग्रह से जुड़ी गतिविधियों का अध्ययन करने में और समय मिल जाएगा। मंगलयान अभी अगले तीन-चार साल तक और काम करता रहेगा। कुल मिलाकर मंगलयान का लाल ग्रह की कक्षा में प्रवेश के पांच साल बाद भी काम करना इसरो की तकनीकी और प्रौद्योगिकी क्षमता की अभिपुष्टि करता है।

मुद्दा

विकल्प मिले तो संभव है प्लास्टिक से मुक्ति

सुशील कुमार सिंह
निदेशक, वाईएस रिसर्च फाउंडेशन ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन

महात्मा गांधी ने कहा था राजनीतिक स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है। यदि कोई व्यक्ति स्वच्छ नहीं तो वह स्वस्थ नहीं रह सकता। आज यही स्वच्छता प्लास्टिक से मुक्ति चाहती है

जीवन का कोई ऐसा पहलू नहीं जहां गांधी का स्पर्श न हो। इसी से यह प्रतिबिंबित होता है कि एक महात्मा का महत्व पूरी दुनिया में कितना और क्यों है। सभी में समाए गांधी केवल हाड़-मांस के मानव नहीं, बल्कि महामानव थे। गांधी सत्य और अहिंसा की पाठशाला एवं भारत की एक ऐसी स्थाई विरासत हैं जिसका उदाहरण दुनिया में दूसरा नहीं। गैर-बराबरी और अन्याय के चंगुल में फंसी दुनिया को राह दिखाने का एक समूचा दर्शन खोजना हो तो गांधी में ढूंढा जा सकता है। उन्हें दुनिया से गए सात दशक हो गए, लेकिन उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। कई चरम पर पहुंच चुकीं समस्याओं का निदान उनमें छुपा है। शायद यही कारण है कि जीवन को तबाह कर रहे प्लास्टिक और पॉलीथीन से निजात पाने के लिए दो अक्टूबर की तारीख जो गांधी जयंती के लिए जानी जाती है उसे चुना गया है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2022 तक देश को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने का लक्ष्य तय किया है। पॉलीथीन और प्लास्टिक के कैरी बैग, डिस्पोजल प्लेट, गिलास, मिनरल वाटर की बोतलें, थर्मोकोल की प्लेटें सिंगल यूज प्लास्टिक के अंतर्गत आती हैं। आंकड़े दर्शाते हैं कि इस प्लास्टिक के चलते 50 हजार कण प्रतिवर्ष हमारे पेट में पहुंच रहे हैं। इसका उत्पादन सस्ता है इसलिए कारोबारी इसका खूब इस्तेमाल करते हैं। दरअसल इस तरह के प्लास्टिक का इस्तेमाल सरल और सहज है, मगर यह पर्यावरण और जीवन के लिए अभिशाप से कम नहीं है। हर साल करीब 11 लाख समुद्री पक्षियों और जानवरों की प्लास्टिक की वजह से मौत हो जाती है। प्लास्टिक के अंदर जो भी रसायन होते हैं उनका जीवन पर चैतरफा नकारात्मक असर पड़ता है। प्लास्टिक की वजह से ही जलाशयों में केमिकल की भरमार हो जाती है। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में एक मिनट के भीतर 10 लाख प्लास्टिक की बोतलें खरीदी जाती हैं और हर साल 40 हजार करोड़ प्लास्टिक की थैलियों का इस्तेमाल होता है। गौरतलब है कि जब 1907 में पहली बार प्रयोगशाला में कृत्रिम प्लास्टिक की खोज हुई तो इसके आविष्कारक लियो बकलैंड ने कहा था अगर मैं गलत नहीं हूं तो मेरा यह आविष्कार एक नए भविष्य की रचना करेगा और ऐसा हुआ भी। जब धीरे-धीरे यही प्लास्टिक कपड़े झोले, जूट के बैग और लिफाफे की जगह लेना शुरू किया तो हर आदमी प्रभावित हुआ, पर वह एक ऐसी अंजान समस्या की ओर बढ़ रहा था जिसका उसे ज्ञान ही नहीं था कि एक दिन न जलने, न पिघलने वाला यह प्लास्टिक उसकी दुनिया तबाह करेगा।

हैरत यह है कि जिस प्लास्टिक को हम अपने जीवन की सुविधा मान चुके हैं उसे पूरी तरह खत्म होने में 5 सौ से 1 हजार वर्ष का समय लगता है। जाहिर है प्लास्टिक से तौबा करने का वक्त आ गया है। यदि अभी नहीं चेते तो भविष्य कितने घाटे में होगा इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। मगर सवाल यह है कि जो प्लास्टिक जीवन के प्रत्येक पहलू में जगह बना चुका है क्या उसे पूरी तरह समाप्त किया जाना संभव है। क्या लोग उन सुविधाओं को त्यागेंगे जो अब तक उन्हें मिलती रही हैं या फिर पर्यावरण और सेहत के प्रति एक गंभीर संकल्प के साथ कपड़े के झोले, जूट के थैले, स्टील की डोलची, डेनिम के बैग और कागज के पैकेट का इस्तेमाल करना आरंभ करेंगे। सरकार भले ही प्लास्टिक और पॉलीथीन से मुक्ति की बात करे, पर इनका विकल्प खोजे बगैर जीवन से इन्हें दूर करना कइयों के लिए कठिन होगा। महात्मा गांधी ने कहा था राजनीतिक स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है। यदि कोई व्यक्ति स्वच्छ नहीं तो वह स्वस्थ नहीं रह सकता। आज यही स्वच्छता प्लास्टिक से मुक्ति चाहती है।

सवाल है कि प्लास्टिक का विकल्प क्या है? जिन देशों ने प्लास्टिक पर ईमानदारी से रोक लगाई है और इसका विकल्प तलाशा है आज वे स्वस्थ भी हैं और स्वच्छ भी। यूरोप के कई देश इसी श्रेणी में देखे जा सकते हैं। दुनिया की दृष्टि से देखें तो बीते साल इटली यूरोप का ऐसा पहला देश बन गया जहां प्लास्टिक पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई है। चीन, दक्षिण कोरिया, केन्या, यूगांडा, ताइवान और बांग्लादेश समेत कई देशों में बहुत पतले प्लास्टिक बैग पर प्रतिबंध है। आयरलैंड में प्लास्टिक के हर बैग पर 22 सेंट कर लगाया गया है जिसके चलते वहां इसका उपयोग

96 फीसद कम हो गया है और 90 फीसद दुकानदार दूसरी तरह के बैग प्रयोग कर रहे हैं। इतना ही नहीं कर के पैसे से पर्यावरण को मजबूत किया जा रहा है। बेल्जियम, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, स्पेन, नार्वे और नीदरलैंड जैसे देश भी आयरलैंड का मॉडल अपना रहे हैं।

भारत भी तमाम देशों की तरह प्रतिबंध की श्रेणी में आ चुका है, पर सोचने वाली बात यह है कि अभी भी सिंगल यूज प्लास्टिक के बाद जो बचा हुआ हिस्सा है उसका क्या होगा और उससे पूरी तरह निजात कैसे मिलेगी? हालांकि इस निराशा के बीच भारत का एक चित्र यह भी है कि पुणे में कुछ काज के लिए लोग बर्तनों का उपयोग करने लगे हैं एवं बेंगलुरु में एवरग्रीन नामक बैग बनाने का प्रयास जारी है। मध्य प्रदेश के झाबुआ में महिलाएं कपड़े के बने झोले बांट रही हैं और महाराष्ट्र में अब दूध के पैकेट को विक्रेता को वापस करने का नियम बना दिया गया है। पॉलीथीन या प्लास्टिक का विकल्प बायोपॉलीमर का उपयोग भी माना जा रहा है। हालांकि चाय कुल्हड़ में, सब्जी झोले में और दूध बर्तन में आदि समेत परंपरागत वस्तुओं का प्रयोग एक बार फिर होने लगे तो प्लास्टिक और पॉलीथीन को जड़ से समाप्त किया जा सकता है और जब ऐसा होगा तभी हम सभी गांधी दर्शन के सच्चे समर्थक माने जाएंगे।

90 फीसद की कमी आई है इंग्लैंड के सात बड़े रिटेल स्टोर पर प्लास्टिक बैग की खपत में। सभी रिटेल के आंकड़ों को देखें तो बीते वर्ष की तुलना में सिंगल यूज प्लास्टिक बैग की खपत 37 फीसद कम हुई है।

खुद के बारे में बापू की सोच

व्यक्ति की क्षमता की सीमाएं हैं और जैसे ही वह यह समझने लगता है कि वह सब कुछ करने में समर्थ है, ईश्वर उसके गर्व को चूर कर देता है। जहां तक मेरा प्रश्न है, मुझे स्वभाव में इतनी विनम्रता मिली है कि मैं बच्चों और अनुभवहीनों से भी मदद लेने को तैयार रहता हूं।

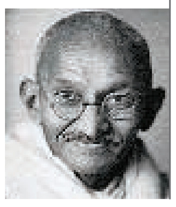

हृदय की सच्ची और शुद्ध कामना अवश्य पूरी होती है। अपने अनुभव में, मैंने इस कथन को सदा सही पाया है। गरीबों की सेवा मेरी हार्दिक कामना रही है और इसने मुझे सदा गरीबों के बीच ला खड़ा किया है और मुझे उनके साथ तादात्म्य स्थापित करने का अवसर दिया है।

मैं अपने देशवासियों से कहता हूं कि उन्हें आत्मत्याग के अलावा और किसी सिद्धांत का अनुसरण करने की जरूरत नहीं है– प्रत्येक युद्ध से पहले आत्मत्याग आवश्यक है। आप चाहे हिंसा के पक्षधर हों या अहिंसा के, आपको त्याग और अनुशासन की अग्निपरीक्षा से गुजरना ही होगा।

मुझे जीवन भर गलत समझा जाता रहा। हर एक जनसेवक की यही नियति है। उसकी खाल बड़ी मजबूत होनी चाहिए। अगर अपने बारे में कही गई हर गलत बात की सफाई देनी पड़े और उन्हें दूर करना पड़े तो जीवन भार हो जाए। मैंने अपने जीवन का यह नियम बना लिया है कि अपने बारे में किए गए गलत निरूपणों या मिथ्या प्रचारों पर स्पष्टीकरण न देता फिरूं सिवाय तब के जबकि उनको सुधारे जाने की जरूरत लगे। इस नियम के पालन से मेरी कई चिंताएं मिटीं और बहुत–सा समय बचा।

मैं सोचता हूं कि वर्तमान जीवन से 'संत' शब्द निकाल दिया जाना चाहिए। यह इतना पवित्र शब्द है कि इसे यूं ही किसी के साथ जोड़ देना उचित नहीं है। मेरे जैसे आदमी के साथ तो और भी नहीं, जो बस एक साधारण–सा सत्यशोधक होने का दावा करता है। जिसे अपनी सीमाओं और अपनी त्रुटियों का अहसास है और जब–जब उससे त्रुटियां हो जाती हैं, तब–तब बिना हिचक उन्हें स्वीकार कर लेता है और जो निस्संकोच इस बात को मानता है कि वह किसी वैज्ञानिक की भांति, जीवन की कुछ 'शाश्वत सच्चाइयों' के बारे में प्रयोग कर रहा है, किंतु वैज्ञानिक होने का दावा भी वह नहीं कर सकता, क्योंकि अपनी पद्धतियों की वैज्ञानिक यथार्थता का उसके पास कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है और न ही वह अपने प्रयोगों के ऐसे प्रत्यक्ष परिणाम दिखा सकता है जैसे कि आधुनिक विज्ञान को चाहिए।

सच्चा उपवास शरीर, मन और आत्मा–तीनों की शुद्धि करता है। यह देह को यंत्रणा देता है और उसी सीमा तक आत्मा को स्वतंत्र करता है। इसमें सच्चे हृदय से की गई प्रार्थना आश्चर्यजनक परिणाम उत्पन्न करती है। यह आत्मा की और अधिक शुद्धि के लिए की जाने वाली आर्त पुकार ही तो है। इस प्रकार प्राप्त की गई शुद्धि जब किसी शुभ उद्देश्य के लिए प्रयुक्त होती है तब वह प्रार्थना बन जाती है।

छल–कपट और असत्य आज दुनिया के सामने सीना ताने खड़े हैं। मैं ऐसी स्थिति का विवश साक्षी नहीं बन सकता... यदि आज मैं चुपचाप और निष्क्रिय बन कर बैठ जाउंगा तो ईश्वर मुझे इस बात के लिए दंडित करेगा कि मैंने समूची दुनिया को अपनी चपेट में ले रही इस आग को बुझाने के लिए उसके द्वारा प्रदत्त सामर्थ्य का इस्तेमाल क्यों नहीं किया।

डाटागीरी

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पुरुष शिक्षक महिलाओं से ज्यादा

भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पुरुष शिक्षकों की संख्या महिला शिक्षकों से ज्यादा है। एक सर्वे के अनुसार, भारत में उच्च शिक्षा के कुल 14 .16 लाख शिक्षकों में 57 .85 प्रतिशत पुरुष और 42 .15 प्रतिशत महिलाएं हैं। महिला और पुरुष शिक्षकों का यह अनुपात बिहार में सबसे खराब है यहां चार पुरुष शिक्षकों पर एक महिला शिक्षक है। इस सर्वे में लिंगानुपात के साथ ही शिक्षकों को सामाजिक, धार्मिक और पदों के हिसाब से भी वर्गीकृत किया गया है।

जेएनएन, नई दिल्ली

देश की उच्च शिक्षा पर किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण 2018-19 के अनुसार, देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों की संख्या 2018-19 में 14,16,299 है। इस सर्वेक्षण में अन्य पहलुओं को भी बताया गया है, जो इन उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षक समुदाय के सामाजिक, धार्मिक, लिंगानुपात और अन्य पहलुओं को भी उजागर करता है।

14.16 लाख शिक्षकों में से 57.85 फीसद पुरुष और 42.15 फीसद महिलाएं हैं। महिला और पुरुष शिक्षकों का सबसे खराब अनुपात (1:4) बिहार में है। यहां 79 फीसद पुरुष शिक्षक हैं तो मात्र 21 फीसद महिला शिक्षक। इसके बाद झारखंड का नंबर आता है। यहां 70 फीसद पुरुष तो 30 फीसद महिला शिक्षक हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश है, जहां कुल शिक्षकों के एक तिहाई से कम महिला शिक्षक हैं।

कुछ ऐसे राज्य भी हैं जैसे- केरल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, मेघालय, नगालैंड, दिल्ली और गोवा जहां महिला शिक्षकों की संख्या पुरुष शिक्षकों से अधिक है। जाति और धर्म के हिसाब से देखें तो भारत में सामान्य वर्ग के शिक्षक कुल शिक्षकों के 56.7 फीसद हैं। ओबीसी 32.1 फीसद, एससी के 8.8 तो एसटी के 2.4 फीसद हैं। मुस्लिम अल्पसंख्यक समूह के 5.4 फीसद शिक्षक तो अन्य अल्पसंख्यक समूहों के 9.2 प्रतिशत हैं।

शिक्षकों में सबसे अधिक एससी और एसटी के अनुपात वाले राज्य आंध्र प्रदेश (13.83 प्रतिशत एससी और 1.6 प्रतिशत एसटी), महाराष्ट्र (11.39 प्रतिशत एससी और 1.52 प्रतिशत एसटी) और तेलंगाना (11.17 प्रतिशत एससी और 3.5 प्रतिशत एसटी) हैं।

कुल मिलाकर बात करें तो देश में 100 पुरुष शिक्षकों पर 73 महिला शिक्षक हैं। एससी में 100 में 57 का अनुपात तो एसटी और ओबीसी में 100 में 68 का अनुपात है। मुस्लिमों में प्रति 100 पुरुष शिक्षकों पर 57 महिला शिक्षक हैं। वहीं, अन्य अल्पसंख्यकों में महिलाएं 151:100 के अनुपात में पुरुष शिक्षकों को पछाड़ देती हैं।

वरिष्ठ पदों पर महिलाएं पुरुष शिक्षकों से आगे : पद के मामले में देखें तो वरिष्ठ पदों पर पुरुष महिला शिक्षकों को पछाड़ते हैं। वहीं, ट्यूटरों के मामले में महिलाएं आगे हैं। प्रति 100 पुरुष ट्यूटरों में 190 महिलाएं हैं, यानी कि लगभग दोगुना। अस्थाई शिक्षकों के मामले में पुरुष और महिला शिक्षकों का अनुपात लगभग बराबर है। यहां प्रति 100 पुरुष शिक्षकों में 98 महिलाएं हैं।

शिक्षकों में लिंगानुपात (प्रति 100 पुरुषों पर महिलाएं)

एससी	57
एसटी	68
ओबीसी	68
दिव्यांग	37
मुस्लिम	57
अन्य अल्पसंख्यक	151
कुल	73

पद के हिसाब से महिलाओं की स्थिति (प्रति 100 पुरुषों पर)

प्रोफेसर	37
रीडर्स व एसोसिएट प्रोफेसर	58
लेक्चरार और असिस्टेंट प्रोफेसर	74
ट्यूटर	190
अस्थाई शिक्षक	98

यहां मां के जयकारों के साथ गूंजते हैं शहीदों के तराने

जागरण विशेष ▶ शहीदों के नाम से अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित की जाती है ऊधमपुर के पिंगला माता मंदिर में

शारदीय नवरात्र पर पिंगला माता यात्रा की भी रहती है धूम, शहीदों के परिजन भी पहुंचते हैं

रोहित जंडियाल, जम्मू

ऊधमपुर स्थित पिंगला माता मंदिर में हर शारदीय नवरात्र पर शहीद जवानों के नाम से अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित की जाती है। नवरात्र पर पिंगला माता यात्रा की भी धूम रहती है। शहीदों के परिजन भी पहुंचते हैं, जिनका सम्मान किया जाता है। 1987 से हर वर्ष माता के दरबार में शहीदों के नाम से यह ज्योति प्रज्ज्वलित की जाती है। यहां मां के जयकारों के साथ शहीदों के तराने गूंजते हैं।

उत्सव के रंग

शारदीय नवरात्र में जम्मू-कश्मीर का पूरा वातावरण मां के जयघोष से गूंजने लगता है। वैष्णो देवी के साथ अन्य मंदिरों तक दर्जनों यात्राएं आयोजित होती हैं। हर ओर मां के जयकारे सुनाई पड़ते हैं, लेकिन ऊधमपुर के रामनगर क्षेत्र से चलने वाली यह यात्रा कुछ अनोखी है। यहां मां के जयकारों के साथ ही देश के लिए सर्वोच्च बलिदान करने वाले वीर सपूतों के सम्मान में तराने गूंजते हैं और मां के दरबार में इन शहीदों के नाम से अखंड ज्योति जलती है।

ऊधमपुर के रामनगर क्षेत्र में पिंगला माता की यात्रा में शामिल श्रद्धालु। जागरण

पिंगला माता की यात्रा के दौरान कतार में खड़े भक्त।

रामनगर में यह यात्रा वर्ष 1987 में उस वक्त शुरू की गई थी, जब पड़ोसी राज्य पंजाब में आतंक चरम पर था। आतंकियों से लोहा लेते कई जवान शहीद हो गए थे। रामनगर के स्वयंसेवी दिवंगत ओपी जंडियाल ने कुछ साथियों के साथ अखंड ज्योति कमेटी गठित की। मकसद था शहीदों के नाम नवरात्र में अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित करना और उनके परिवार के लिए प्रार्थना करना। साथ ही माता पिंगला के दरबार में यात्रा के माध्यम से शहीदों को श्रद्धांजलि भी देना। पहली बार 24 अक्टूबर, 1987 को हाई कोर्ट के तत्कालीन जज जस्टिस केके गुप्ता ने माता पिंगला देवी के दरबार में शहीदों के नाम अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित की। उसके बाद शारदीय नवरात्र में हर वर्ष यहां शहीद जवानों के नाम अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित होती है। कमेटी के सदस्य नवरात्र में अखंड ज्योति को यात्रा के रूप में माता पिंगला देवी के दरबार में ले जाते हैं। देश के विभिन्न भागों से इसमें श्रद्धालु शामिल होते हैं।

यात्रा के वर्तमान संयोजक विनय ने बताया कि इस बार छह अक्टूबर को अखंड ज्योति माता पिंगला देवी के दरबार में ले जाई जाएगी। देश की सुरक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले जवानों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आतंकियों ने कमेटी के सदस्यों को धमकियां भी दीं, लेकिन यात्रा पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। यात्रा निर्बाध रूप से जारी है। इस वर्ष 32वीं बार यह यात्रा हो रही है।

अद्भुत है माता की पवित्र गुफा : माता पिंगला देवी का दरबार जिस गुफा में शोभायमान है, वह अद्भुत है। पवित्र गुफा के भीतर प्राकृतिक घड़ा है, जिसे अमृत घड़ा कहा जाता है। मान्यता है कि इस घड़े में माता कन्याओं के लिए खाना पकाती थी। चट्टान के ऊपर बनी पिंडियों से जल सीधे घड़े में जाता है, जिसे श्रद्धालुओं में चरणामृत के रूप में दिया जाता है। गुफा के बाहर शेर के पंजे के निशान सभी को आकर्षित करते हैं। बाहर से गुफा छोटी दिखती है। प्रवेश के लिए लेट कर जाना पड़ता है, परंतु भीतर इतना बड़ा है कि एक साथ 300 से अधिक श्रद्धालु बैठ सकते हैं।

ऐसे आ सकते हैं यात्रा में : माता पिंगला देवी के दरबार जाने के लिए जम्मू से 87 किलोमीटर दूर ऊधमपुर-रामनगर मार्ग पर कोघ गांव में स्थित आधार शिविर पहुंचा जा सकता है। यहां से श्रद्धालुओं को पैदल ही माता के दरबार पहुंचना पड़ता है। यात्रियों के ठहरने के लिए तीन सरायों का निर्माण किया गया है। नवरात्र में लोगों के ठहरने और खाने का पूरा प्रबंधक कमेटी करती है।

यह है कथा : पिंगला माता गुफा के साथ कई कथाएं जुड़ी हुई हैं। सबसे प्रचलित कथा के अनुसार पिंगर गांव के बच्चे जानवरों को चराने के लिए जंगल में ले जाते थे। वहां पर एक कन्या उन्हें खाना बनाकर रोज खिलाती थी। कन्या ने उन्हें यह बात घर में बताने से मना किया था। रोजाना बच्चों ने घर में खाना खाना बंद कर दिया। इससे अभिभावक परेशान हो गए। एक दिन उन्होंने बच्चों का पीछा किया। कुछ समय बाद देखा कि एक कन्या इन बच्चों को खाना खिला रही है। जैसे ही कन्या की नजर अभिभावकों पर पड़ी, वह गुफा में चली गई और गायब हो गई। यही नहीं, गुफा के बाहर शेर के पंजे के निशान भी हैं।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/jagran-special

अब रेलकर्मी देश में रेलवे के किसी भी अस्पताल में करा सकेंगे इलाज

उम्मीद कार्ड

- देशभर में विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों का डाटा किया जा रहा ऑनलाइन
- अभी दूसरे मंडल के अस्पताल में दस्तावेज न होन पर इलाज मिलने में होती है परेशानी

दीपक बहल, अंबाला

एशिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्क में कर्मचारी और अधिकारी मेडिकल सुविधाओं से वंचित न रहें, इसके लिए भारतीय रेलवे ने उम्मीद कार्ड बनाने की पहल की है। अब कहीं भी कर्मचारी या अधिकारी रेलवे के किसी भी अस्पताल में उपचार करवा सकेंगे। मौजूदा समय एक मंडल से दूसरे मंडल यदि रेलकर्मी या अधिकारी रेलवे अस्पताल में इलाज के लिए जाते हैं तो उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। कोई दस्तावेज न दिखाने पर रेलवे अस्पताल में इलाज नहीं मिल पाता। इन दिक्कतों को दूर करने के लिए रेलवे ने देशभर के कर्मचारियों का डाटा ऑनलाइन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अंबाला रेल मंडल की बात करें, तो हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, उत्तर प्रदेश और चंडीगढ़ में करीब 14 हजार कर्मचारी विभिन्न स्टेशनों पर तैनात हैं। इनमें से 90 फीसद डाटा ऑनलाइन किया जा चुका है, जबकि साढ़े 13 हजार सेवानिवृत्त कर्मचारियों का डाटा ऑनलाइन करने की प्रक्रिया जारी है। डीआरएम दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि आपातकालीन स्थिति में कई बार कर्मचारी के पास कोई दस्तावेज नहीं होता, जिस कारण नियम के चलते डॉक्टर बाध्य हो जाते हैं और मरीज का उपचार नहीं कर पाते। ऐसे में देशभर के रेलवे अस्पतालों में मौजूदा और सेवानिवृत्त कर्मचारियों का डाट ऑनलाइन होगा। इलाज करवाने वालों की मेडिकल हिस्ट्री भी कंप्यूटर में दर्ज होगी। किसी भी मंडल या जोन का कर्मचारी अथवा अधिकारी देश के किसी भी रेलवे अस्पताल में इलाज के लिए जाता है, तो उसकी मेडिकल हिस्ट्री डॉक्टर को एक क्लिक पर पता चल जाएगी। इसके अलावा यदि कर्मचारी या अधिकारी के पास उम्मीद कार्ड नहीं है, तो उसके नाम जोन, मंडल या स्टेशन से उसका रिकार्ड सर्च कर सकेगा।

उम्मीद कार्ड से रेलवे कर्मियों व अधिकारियों को होगा लाभ। प्रतीकात्मक

समस्याओं के समाधान को रेलवे ने उठाया कदम

डीआरएम दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि कई मामले ऐसे प्रकाश में आए हैं कि जब रेलकर्मी या अधिकारी रेलवे अस्पताल में उपचार के लिए आए तो दिक्कतें आईं। उनके पास अपनी पहचान बताने के लिए कोई कागजात नहीं थे, जिसके कारण डॉक्टर ने उनका इलाज करने में असमर्थता जता दी। ऐसे में रेलवे ने एक सेंट्रेलाइज्ड प्रक्रिया को शुरू किया, जिससे देशभर के लाखों रेलवे कर्मचारियों (कार्यरत और रिटायर्ड) को फायदा होगा।

लेकर गुलाबी मीनाकारी का ज्ञान, विदेशी छात्र बढ़ाएंगे काशी का मान

- अद्भुत हस्तशिल्प की मुरीद दुनिया, अमेरिकन इंटरनेशनल स्कूल ने भेजे छात्र
- अमेरिका, दक्षिण कोरिया व जापान के छात्रों ने सीखी बारीकियां
- राष्ट्रीय पुरस्कार से अलंकृत कुंज बिहारी सिंह से सीखी कला

वाराणसी में गुलाबी मीनाकारी का प्रशिक्षण लेते विदेशी छात्र। फाइल

मुहम्मद रईस, वाराणसी

हथकरघा और हस्तकला को वैश्विक मंच देने के लिए वैसे तो तमाम प्रयास जारी हैं, लेकिन अब इसमें एक नया अध्याय भी जुड़ गया है। काशीवासियों के साथ अब विदेश भी इसके प्रचार-प्रसार का जिम्मा संभालेंगे। जी हां..., बात गुलाबी मीनाकारी की हो रही है, जिसकी अद्भुत कलाकारी ने दुनियाभर के कला प्रेमियों को आकर्षित किया है। यही वजह है कि अमेरिकन इंटरनेशनल स्कूल ने इस कला की बारीकियों को सीखने के लिए 20 छात्रों का प्रतिनिधिमंडल काशी भेजा था। इन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से अलंकृत कुंज बिहारी सिंह सहित लोकेश कुमार सिंह, तरुण कुमार सिंह व कृष्ण कुमार सिंह ने गत माह गायघाट स्थित अपने आवास पर प्रशिक्षण दिया। इनमें अमेरिका, दक्षिण कोरिया, जापान, मोरक्को, सर्बिया के छात्र थे। कला की बारीकियों से वाकिफ कराते हुए छात्रों को जीआइ (भौगोलिक संकेतक) की जानकारी दी गई। इसके बाद सभी ने स्वयं की डिजाइन के आधार पर कई उत्पाद तैयार किए, जिन्हें वे साथ ले गए। छात्रों का कहना था कि इस कला को संस्कृति के अनुरूप विस्तार देकर दुनियाभर में काशी का मान बढ़ाएंगे।

कला को जीआइ से संजीवनी : करीब पांच वर्ष पूर्व कुंज बिहारी सिंह सहित इस कला से जुड़े बचे हुए करीब 50 शिल्पियों ने पलायन का मन बना लिया था, लेकिन जीआइ पंजीयन के बाद न सिर्फ उनमें आस जगी, बल्कि सालाना कारोबार भी बढ़ा। इसका नतीजा रहा कि पलायन कर चुके शिल्पी दोबारा इससे जुड़ने लगे। रोजगार की आस में युवाओं ने भी इस ओर रुख किया। वर्तमान में 200 से अधिक शिल्पी इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। यहां से तैयार उत्पाद यूरोप, अमेरिका संग खाड़ी देशों में निर्यात किए जाते हैं। इसका सालाना कारोबार लगभग दस करोड़ रुपये है।

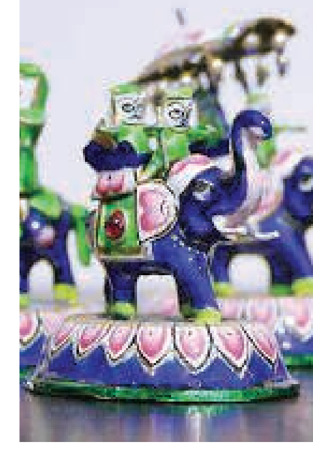

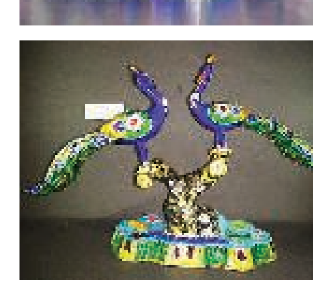

गुलाबी मीनाकारी से तैयार कलाकृतियां।

निश्चित तापमान में चढ़ता है रंग

पुराने बनारस के पक्के महाल, भैरव गली, आसभैरव, गायघाट की गलियों में कई पीढ़ियों से यह काम होता आया है। शिल्पी चांदी और सोने पर गुलाबी रंग की इनेमलिंग का कार्य एक निश्चित तापमान में पक्के रंगों के प्रयोग द्वारा करते हैं। यह कार्य सोने–चांदी के आभूषणों, सजावटी सामानों–मसलन हाथी, घोड़े, ऊंट, चिड़िया, मोर आदि पर किया जाता है। गुलाबी रंग चढ़ाने की विशेष तकनीक के कारण ही यहां की मीनाकारी दुनियाभर में मशहूर है।

11 साल से साइकिल पर घूमकर लोगों को कर रहे जागरूक

अमनदीप कंबोज, सिरसा

लोगों को नशे के नुकसान बताकर इसे छोड़ने के लिए पिछले 11 वर्ष से बेंगलुरु के अमनदीप खालसा साइकिल पर सवार होकर लोगों से इसे छोड़ने की अपील कर रहे हैं। वह अब तक 26 राज्यों के 35 हजार स्कूलों और 50 हजार गांवों में जागरूकता अभियान चला चुके हैं, जबकि चार हजार से अधिक लोगों से इस लत को छुड़वा भी चुके हैं।

अपने सफर के दौरान हाल ही में हरियाणा के सिरसा के गांवों में जागरूकता अभियान चलाते हुए शहर के चिल्ला साहिब गुरुद्वारा पहुंचे 59 वर्षीय अमनदीप खालसा ने बताया कि 2008 में वह लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करने के लिए घर से साइकिल लेकर निकले थे। अब तक वह दो लाख 35 हजार किलोमीटर का सफर पूरा कर चुके हैं। उनका कहना है कि नशे के कारण लोगों के घर बर्बाद होते हुए उन्होंने अपनी आंखों से देखे हैं। पंजाब के साथ लगता सिरसा शहर भी अब नशे की चपेट में आता जा रहा है, जिसके कारण वह यहां पर अब दूसरी बार लोगों को जागरूक करने के लिए पहुंचे हैं।

नशा बंद करवाने के लिए पीएम से कर चुके हैं अपील : नशा पंजाब के बाद अब दूसरे राज्यों में भी तेजी से पैर पसार रहा है। उनका कहना है कि वह पिछले लंबे समय से पीएम को ट्वीट कर नोटबंदी की तरह नशा बंद करने की अपील कर रहे हैं। इससे पहले वह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रहे बराक ओबामा को ट्वीट कर नशे बंद करने की अपील कर चुके हैं। उनके ट्वीट की सराहना भी की गई थी।

अपनों का छूटा था साथ : अमनदीप खालसा ने बताया कि 2007 में उनके मामा की शराब व अन्य नशे का इस्तेमाल करने से मौत हो गई थी। इसके बाद वह स्कूल की नौकरी को छोड़कर लोगों को जागरूक करने के लिए निकल पड़े। पंजाब में इस समस्या के अधिक होने के कारण वह तीन वर्ष तक यहां के लोगों को जागरूक करने के लिए लगे रहे। सिरसा में अभियान चलाने के बाद फिर से वह पंजाब में लोगों को जागरूक करने का अभियान जारी रखेंगे।

26 राज्यों में साइकिल से यात्रा करने वाले अमनदीप हरियाणा के सिरसा में। फाइल

मिसाल

- 26 राज्यों में नशे के खिलाफ अलख जगा चुके हैं अमनदीप, चार हजार लोगों से छुड़वाई लत
- 35 हजार स्कूलों और 50 हजार गांवों में चला चुके हैं अभियान

जागरूक करने के लिए गिनीज बुक में नाम हुआ दर्ज

कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, गुजरात, गोआ, महाराष्ट्र, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू, हरियाणा, पंजाब सहित 26 राज्यों में लोगों को जागरूक कर चुके हैं। यात्रा के दौरान वह आठ साइकिल, 50 टायर और 37 ट्यूब बदल चुके हैं। लोगों को जागरूक करने को लेकर उनका नाम गिनीज बुक में भी शामिल है।

पुलिस, वकील, विद्यार्थियों को मिलेगा साइबर लॉ का ज्ञान

नईदुनिया, जबलपुर

- मप्र की धर्मशास्त्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में दिसंबर से शुरू होगा नया कोर्स
- बढ़ते साइबर क्राइम पर लगाम लगाने में मिलेगी मदद

मध्य प्रदेश की धर्मशास्त्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जबलपुर में साइबर क्राइम से जुड़े कानून की पढ़ाई कराई जाएगी। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों के साथ-साथ पुलिस अधिकारियों और वकीलों को भी जोड़ा जाएगा। विश्वविद्यालय दिसंबर से यह पाठ्यक्रम शुरू करेगा। केंद्र सरकार ने इसके लिए अनुदान भी जारी कर दिया है।

दरअसल, देश में बढ़ते साइबर क्राइम पर लगाम कसने के लिए साइबर एक्सपर्ट तैयार करने की मुहिम चलाई जा रही है। इसके लिए साइबर क्राइम पर सर्टिफिकेट और पीजी डिप्लोमा कोर्स प्रारंभ किए जा रहे हैं। इसके तहत पुलिस अफसर, ज्यूडिशियल अफसर एवं अन्य विभागों के अधिकारियों को ट्रेनिंग दी जाएगी। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी एवं नेशनल ई-गवर्नेंस डिवीजन, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार में साइबर लॉ पर ऑनलाइन ट्रेनिंग प्रोग्राम लिए करार हुआ है। यह ऑनलाइन कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ऑन साइबर लॉ, क्राइम इंवेस्टिगेशन एंड डिजिटल फॉरेंसिक विषय पर पीजी डिप्लोमा होगा।

धर्मशास्त्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में साइबर लॉ से जुड़े नए कोर्स प्रारंभ हो रहे हैं। इसमें पुलिस अधिकारी, कानून के जानकार और विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

– प्रो. बलराज चौहान, कुलपति, धर्मशास्त्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी

इनकी दी जाएगी जानकारी

प्रोग्राम के जरिये साइबर लॉ से जुड़े कानूनी दांव–पेच के बारे में जानकारी दी जाएगी। डिजिटल साक्ष्य के बारे में बताया जाएगा। साइबर क्राइम से जुड़ी जांच की बारीकी को समझाया जाएगा।

30 सीटें होंगी

पाठ्यक्रम में आरंभ में 30 सीटें होंगी। प्रवेश की प्रक्रिया अभी तय नहीं की गई है। ऑनलाइन जानकारी देने के लिए करीब एक करोड़ की लागत से आधुनिक कंप्यूटर लैब का निर्माण संस्थान में करवाया जा रहा है।

5 बार नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था महात्मा गांधी को। 1948 में पुरस्कार मिलने से पहले उनकी हत्या हो गई थी। इसलिए नोबेल कमेटी ने यह पुरस्कार उस साल किसी और व्यक्ति को नहीं दिया।

राष्ट्रपिता एक रूप अनेक

आज दुनिया के किसी कोने में चले जाइए और किसी भी व्यक्ति से पूछिए कि क्या वह किसी दो भारतीय विभूतियों का नाम बता सकता है? उत्तर में संभवतया वह गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी के नामों का उल्लेख करे। पिछले 2600 वर्षों की समयावधि के दौरान पैदा हुए सभी भारतीयों में से ये दोनों हस्तियां सर्वाधिक लोकप्रिय रहीं। इन्हें सर्वाधिक सम्मान मिला। इसका सर्वाधिक प्रमुख कारण माना जा सकता है कि इनकी नीतियां एवं सिद्धांत काफी कुछ मिलते-जुलते हैं और वर्तमान परिवेश में भी लागू होते हैं। गांधी जयंती के अवसर पर आइए बापू के जीवन से जुड़े कुछ अनछुए तथ्यों पर डालें एक नजर:

डेढ़ सौ साल के बापू

गांधीजी के पास कृत्रिम दांतों का एक सेट हमेशा मौजूद रहता था। इसे वे अपनी लंगोटी में लपेटकर चलते थे। जब उन्हें भोजन करना होता था, तभी उनका उपयोग करते थे। भोजन करने के बाद उन्हें अच्छी तरह से धोकर, सुखाकर फिर से लंगोटी में लपेटकर रख लेते थे।

ये आयरिश उच्चारण वाली अंग्रेजी बोलते थे। इसका एक मात्र कारण था कि शुरुआती दिनों में गांधीजी को अंग्रेजी पढ़ाने वाले अध्यापकों में से एक आयरिश व्यक्ति भी था।

लंदन यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करके अटार्नी बने, लेकिन कोर्ट में पहली बार बोलने के प्रयास के दौरान उनकी टांगें कांप गईं। वे इतना डर गए कि निराशा और हताशा के बीच उन्हें बैठने पर विवश होना पड़ा।

लंदन में उनकी वकालत बहुत ज्यादा नहीं चली। बाद में वे अफ्रीका चले गए। वहां उन्हें बड़ी संख्या में मुवक्किलों का मिलना शुरू हुआ। गांधीजी अपने कई मुवक्किलों के मामलों को अदालत से बाहर ही शांतिपूर्ण तरीके से सुलझा देते थे। इससे लोगों का समय के साथ आर्थिक बचत भी होती थी।

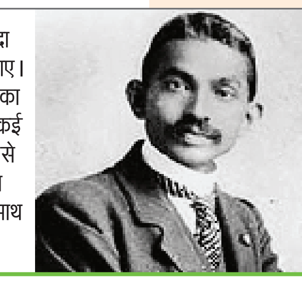

द.अफ्रीका में वकालत के दौरान इनकी सालाना आय 15 हजार डॉलर तक पहुंच गई थी। उन दिनों में अधिकांश भारतीयों के लिए यह आय एक सपना थी।

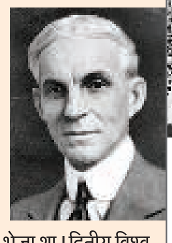

महात्मा गांधी कभी अमेरिका नहीं गए, लेकिन वहां उनके कई प्रशंसक और अनुयायी बन गए थे। इन्हीं में से एक उनके असाधारण प्रशंसक प्रसिद्ध उद्योगपति और फोर्ड मोटर के संस्थापक हेनरी फोर्ड भी थे। गांधीजी ने उन्हें एक स्वहस्ताक्षरित चरखा भेजा था। द्वितीय विश्व युद्ध के भयावह समय के दौरान फोर्ड इस चरखे से सूत काता करते थे

सविनय अवज्ञा (नाफरमानी) की प्रेरणा उन्हें अमेरिकी व्यक्ति की एक किताब से मिली। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट डेविड थोरियू नामक यह व्यक्ति मैसाचुसेट्स में एक संन्यासी की तरह जीवन बिताता था। उसने सरकार को टैक्स अदा करने से मना कर दिया, जिसके चलते उसे जेल भेज दिया गया। वहीं पर डेविड ने सविनय अवज्ञा पर एक किताब लिखी और लोगों को टैक्स न चुकाने की शिक्षा देने लगा। वहां पर लोगों ने उसकी किताब को गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन भारत में वह किताब गांधीजी के हाथ लग गई। उन्होंने इस रणनीति को आजमाने का विचार किया। उन्होंने देखा कि अंग्रेज अपने वायदे के खिलाफ भारत को आजादी नहीं दे रहे हैं, लिहाजा अंग्रेजी हुकूमत को सबक सिखाने के लिए उन्होंने लोगों से टैक्स देने के बजाय जेल जाने का आह्वान किया। इसके साथ उन्होंने विदेशी सामान के बहिष्कार का भी आंदोलन चलाया। जब ब्रिटिश हुकूमत ने नमक पर टैक्स लगा दिया तो गांधीजी ने दांडी यात्रा के तहत समुद्र तट पर जाकर खुद का नमक बनाया।

अपने अहिंसा और सविनय अवज्ञा जैसे सिद्धांतों से राष्ट्रपिता ने दुनिया के लाखों लोगों को प्रेरित किया। शांति के नोबेल पुरस्कार विजेता कई विश्व नेताओं ने गांधीजी के विचारों से प्रभावित होने की बात स्वीकारी है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर (अमेरिका), दलाईलामा (तिब्बत), आंग सान सू की (म्यांमार), नेल्सन मंडेला (दक्षिण अफ्रीका), एडोल्फो पेरेज इस्क्वीवेल (अर्जेंटीना) और अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इस सत्य को स्वीकारा है कि वे गांधी के विचारों एवं दर्शन से प्रभावित हैं। ये बात और है कि अपने विचारों और सिद्धांतों से नोबेल पुरस्कार विजेताओं को प्रभावित करने वाले महात्मा गांधी को इस पुरस्कार से वंचित रहना पड़ा।

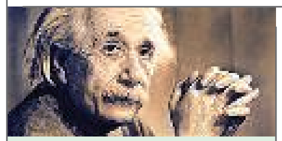

महान भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंसटीन ने गांधीजी के बारे में एक बार कहा था, ' हमारी आने वाली पीढ़ियां शायद ही यकीन कर पाएं कि कभी हांड़-मांस का ऐसा इंसान (गांधीजी) इस धरती पर मौजूद था।

प्रसिद्ध पत्रिका 'टाइम' ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को तीन बार अपने कवर पेज पर स्थान दिया है। 1930 में गांधीजी को 'मैन ऑफ द ईयर' घोषित किया था। 1999 में पत्रिका द्वारा मशहूर भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंसटीन को 'पर्सन ऑफ द सेंचुरी ' चुना गया तो महात्मा गांधी दूसरे स्थान पर रहे।

पहली बार लगातार 36 घंटे चलेगा उप्र विधानमंडल का विशेष सत्र

- महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर योगी सरकार का विशेष आयोजन
- सभी मंत्री और विधायक होंगे शामिल, विपक्ष करेगा बहिष्कार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर बुधवार से शुरू हो रहा उत्तर प्रदेश विधानमंडल का विशेष सत्र बुधवार 11 बजे से शुरू होकर 36 घंटे तक चलेगा। यह पहला अवसर है जब किसी खास अवसर पर सदन की कार्यवाही लगातार इतने लंबे समय तक चलेगी। विपक्ष ने इस सत्र के बहिष्कार का फैसला किया है। सत्र की तैयारियों के लिए मंगलवार को बुलाई गई सर्वदलीय व कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में भी विपक्ष के नेता शामिल नहीं हुए।

समूचे विपक्ष द्वारा विशेष सत्र में भाग नहीं लेने के फैसले से बदले हालात पर रणनीति तैयार करने को सत्तापक्ष की बैठकें देर रात तक जारी रहीं। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना व मुख्य सचेतक वीरेंद्र सिंह सिरोही ने एजेंडा संशोधित किया। सिरोही ने बताया कि सत्र की शुरुआत में सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोलेंगे। इसके बाद दल नेताओं को भी मौका मिलेगा, लेकिन केवल अपना दल (एस) के नेता ही सदन में मौजूद रहेंगे। उनके लिए बोलने की अवधि 15 मिनट से अधिक करने पर सहमति बनी। इस तरह विपक्षी दलों के सदस्य गैरहाजिर रहेंगे तो अन्य सदस्यों को अधिक समय मिलेगा। सभी मंत्रियों के विषय भी तय किए गए हैं। कैबिनेट मंत्रियों को 15-15 मिनट, जबकि राज्य मंत्रियों को 10-10 मिनट मिलेगा। मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्री समेत कुल 25 कैबिनेट मंत्री हैं, जबकि नौ स्वतंत्र प्रभार और 22 राज्यमंत्री हैं।

क्या करेंगे विपक्षी दल: दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के दल नेता व नेता विरोधी दल रामगोविंद चौधरी ने बताया कि सपा कार्यकर्ता गांधी जयंती पर उनके प्रिय भजन गाएंगे। कांग्रेस ने लखनऊ में प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में पदयात्रा करने का फैसला लिया। वहीं, पहली बार उप चुनाव लड़ रही बसपा ने प्रचार को महत्व देते हुए सत्र में शामिल न होने का निर्णय लिया है। कभी सरकार का हिस्सा रही सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने भी विशेष सत्र के बहिष्कार की घोषणा की है।

विपक्ष की सहमति से ही बुलाया विशेष सत्र : दीक्षित : विपक्षी दलों द्वारा उत्पन्न किए जा रहे गतिरोध पर विस अध्यक्ष हृदयनारायण दीक्षित ने कहा कि विरोधी दलों के नेताओं की सहमति के बाद ही विशेष सत्र बुलाया गया है। उन्होंने सभी दलों से जनहित में सत्र में भाग लेने का आग्रह किया है।

भोजन का प्रबंध भी : प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप दुबे ने बताया कि 36 घंटे लगातार सदन चलाने का पहला प्रयोग है। इस दौरान सदस्यों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका ध्यान रखा गया है। भोजन व जलपान की भी व्यवस्था रहेगी। नवरात्र के चलते व्रत के आहार का प्रबंध भी किया जाएगा।

सत्र में होंगे 16 सतत विकास लक्ष्य : संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित लक्ष्य विजन 2030 में गरीबी उन्मूलन, भुखमरी समाप्त करना, सबका स्वस्थ्य जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, सुरक्षित जल व स्वच्छता का सतत प्रबंधन, आधुनिक ऊर्जा, आर्थिक विकास, उद्यमिता अभिनवीकरण एवं अवस्थापना, असमानता कम करना, समावेशी एवं सुरक्षित शहर, सतत उपभोग एवं उत्पादन, जलवायु परिवर्तन, भूमि पर जीवन, शांतिपूर्ण एवं समावेशी संस्थाओं का निर्माण।

एक जैसे परिधान में बापू को याद करने विशेष सत्र में पहुंचेंगे छत्तीसगढ़ के विधायक

नईदुनिया, रायपुर : छत्तीसगढ़ विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र दो और तीन अक्टूबर को होगा। इस विशेष सत्र में पक्ष और विपक्ष के सभी विधायक खादी के बने एक ही जैसे परिधान में विधानसभा पहुंचेंगे। इस दौरान सदन में महात्मा गांधी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा होगी। फोटो प्रदर्शनी के अलावा अन्य आयोजन होंगे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के दो दिवसीय सत्र की रूपरेखा तय कर दी गई है। सत्र के दौरान सदन में अंदर राष्ट्रपिता के व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा होगी तो सदन के बाहर फोटो प्रदर्शनी समेत अन्य कार्यक्रम होंगे।

बापू की याद में ... गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर देशभर में अलग-अलग तरह से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को याद किया गया। इस अवसर पर हरियाणा के कुरुक्षेत्र में विभिन्न संस्थाओं व स्कूलों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कुरुक्षेत्र के एक स्कूल में बच्चों व अध्यापकों ने कुछ इस तरह से स्वच्छता का संदेश दिया। पवन छाबड़ा

गांधी की खादी को दे दिए 'उमंग' भरे नए रंग

बदली तस्वीर ▸ नई पीढ़ी के बीच गांधी को लौटा लाने की सच्ची कोशिश है युवा उद्यमी उमंग श्रीधर का स्टार्टअप खाडिजी

चंबल के बीहड़ों और नर्मदा के किनारों से होते हुए लंदन और इटली तक पहुंच रहे डिजिटल प्रिंट वाले खादी परिधान

अभिलाषा सक्सेना, इंदौर

मध्य प्रदेश के मुरैन के एक गांव में चरखे पर सूत कातती ग्रामीण महिला। नईदुनिया

मध्य प्रदेश निवासी 27 वर्षीय उद्यमी उमंग श्रीधर ने नई पीढ़ी के बीच गांधी को लौटा लाने की सच्ची कोशिश की है। फोर्ब्स अंडर-30 में जगह बना चुकीं उमंग और उनके स्टार्टअप खाडिजी ने डिजिटल प्रिंट वाले खादी परिधानों को गांवों के कुटीर उद्योग से निकाल वैश्विक बाजार तक पहुंचा दिया है।

जनसंख्या नियोजन

यही नहीं, गांधी ने ग्राम स्वराज, कुटीर और नारी सशक्तीकरण का जो पाठ पढ़ाया था, उमंग का यह प्रयास उनके उस हर स्वप्न को साकार करने की ओर बढ़ता दिखता है। उमंग ने चंबल-नर्मदा किनारे बसे पिछड़े गांवों की सैकड़ों महिलाओं के हाथ में चरखा थमाकर उन्हें स्वावलंबी बना दिया।

कहती हैं, 'बदलते परिवेश में लुप्त होती जा रही खादी पर शोध करते हुए मैं इस निष्कर्ष पर पहुंची कि खादी गुम होने वाली चीज नहीं है। हां, समय और फैशन की मांग के अनुरूप में इसमें बस कुछ नए प्रयोग की आवश्यकता है। इसे संजोकर नए रूप में दुनिया को दिखाया जा सकता है। इसी अवधारणा पर खाडिजी (खादी डिजिटल) की शुरुआत की गई।'

सभी जिम्मेदारियां महिलाओं को % मध्य प्रदेश के इंदौर के एक छोटे से गांव किशनगंज में जन्मी और दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक करने वालीं उमंग ने मध्य प्रदेश के जावरा (मुरैना) स्थित गांधी सेवा आश्रम से 2017 में यह प्रयास शुरू किया। खादी को नया स्वरूप और नया बाजार दिलाना ही उनका ध्येय था। इसके बाद जाबरोल, चंदेरी और महेश्वर की 250 महिलाओं की टीम बनाई। कताई, बुनाई, फिनिशिंग, डिजाइनिंग, बिजनेस, प्रोडक्शन और मार्केटिंग तक, सभी जिम्मेदारियां महिलाओं को ही दीं। कहती हैं, 'अब इसी तर्ज पर 2020 तक मध्य प्रदेश में ऐसे 10 सेंटर स्थापित करने की योजना है। महाराष्ट्र और बंगाल में भी कुछ इकाइयां काम कर रही हैं।'

गांव अपनी ही अर्थव्यवस्था पर पूर्ण निर्भर रह सकते हैं : उमंग बताती हैं, 'मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी से पढ़ाई जरूर की, लेकिन ग्रामीण परिवेश में पली-बढ़ी होने की वजह से मुझे यह पता था कि गांव अपनी ही अर्थव्यवस्था पर पूर्ण निर्भर रह सकते हैं और हर किसी को शहर जाने की जरूरत नहीं है। लिहाजा, पढ़ाई के बाद 2013 में मैंने खाडिजी कंपनी शुरू की, ताकि गांवों में आय के स्रोत विकसित कर बेहतर संभावनाएं तलाश सकूं। 2017 में गांधी सेवा आश्रम से खाडिजी ने असल उड़ान भरी। दो साल पहले तक जिन महिलाओं की आमदनी शून्य या चार हजार रुपये मासिक ही थी, वे आज खादी से 15 हजार रुपये महीने तक कमाने लगी हैं। हमारा काफिला बढ़ता जा रहा है।' अपने स्टार्टअप के मूलमंत्र के बारे में वह कहती हैं, '2013 से 2017 तक अपने अनुभव में मैंने पाया कि खादी को नए बाजार की जरूरत है। मैंने खादी पर डिजिटल प्रिंटिंग प्रोसेस से फैब्रिक तैयार करवाए। बिजनेस-टू-बिजनेस के आधार पर इसे टेक्सटाइल स्टोर्स और फैशन डिजाइनर्स को दिया। देश के अलावा लंदन, इटली जैसे देशों में हमारा फैब्रिक जा रहा है। कुछ अन्य देशों में भी भारत की खादी को उतारने की तैयारी है।'

आने वाला समय खादी का

उमंग का मानना है कि आने वाला समय गांधी और खादी का ही है। गांधी के विचारों की आज हमें हर कदम पर आवश्यकता पड़ रही है, चाहे वह स्वच्छता की बात हो, पर्यावरण का पहलू हो, ग्राम स्वराज की बात हो या नारी सशक्तीकरण की। वह कहती हैं, 'खादी की बात करें तो दुनियाभर में तापमान परिवर्तन के दौर में सिर्फ कॉटन (सूती) ही एकमात्र फैब्रिक है, जो राहत देता है। अनेक शोध खादी को अनुकूल परिधान बता रहे हैं। टेक्सटाइल-फैशन सेक्टर सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले क्षेत्रों में से एक है और इसे देखते हुए खादी की महत्ता का आकलन किया जा सकता है। सिलाई, कढ़ाई में निपुण भारतीय महिलाओं के लिए यह अपार संभावनाओं के द्वार खोल सकता है, लेकिन यह क्षेत्र असंगठित है जिसे तराशा जाना चाहिए।'

डेढ़ सौ साल के बापू

खाडिजी स्टार्टअप की सीईओ उमंग श्रीधर।

दो साल में बढ़ा दायरा : महज दो साल में ही उमंग खादी को गांवों के दायरे से निकालकर उस स्तर पर ले गईं कि प्रतिष्ठित बिजनेस पत्रिका फोर्ब्स की अंडर-30 एचीवर्स की सूची में उन्हें स्थान देकर सम्मानित किया गया। उन्हें देश के शीर्ष-50 नवोन्मेषी उद्यमियों की सूची में भी शामिल कर सम्मानित किया गया है। मुंबई निवासी फैशन डिजाइनर तानिया चुघ भी उनके साथ इस काम में जुड़ी हुई हैं।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

एएमयू में पहली बार गांधीजी के साथ नहीं दिखेंगे जिन्ना

संतोष शर्मा, अलीगढ़

- मौलाना आजाद लाइब्रेरी में गांधी जयंती पर प्रदर्शनी में नहीं किया जाएगा शामिल
- पिछले साल जिन्ना की तस्वीर को लेकर हुए बवाल के चलते लिया निर्णय

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के इतिहास में पहली बार होगा, जब गांधी जयंती पर मौलाना आजाद लाइब्रेरी में लगने वाली प्रदर्शनी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ मुहम्मद अली जिन्ना की तस्वीर नहीं होगी। इंतजामिया ने यह निर्णय पिछले साल जिन्ना की तस्वीर को लेकर हुए बवाल के चलते लिया है।

मौलाना आजाद लाइब्रेरी में हर साल दो अक्टूबर को बापू से जुड़े ऐतिहासिक चित्र, पुस्तकों व दस्तावेज की प्रदर्शनी लगाई जाती है। दर्शकों के लिए गांधीजी से जुड़ी 650 से अधिक किताबों को रखा जाता है। इनमें अंग्रेजी में 305, हिंदी में 141, उर्दू में नौ, पारसी व अरबी भाषा में लिखीं दो-दो किताबें शामिल हैं।

यूनियन हॉल में लगी जिन्ना की तस्वीर बनी थी विवाद : एएमयू में पिछले साल विवाद की शुरुआत यूनियन हॉल में लगी जिन्ना की तस्वीर से हुई थी। 30 अप्रैल, 2018 को भाजपा सांसद सतीश गौतम ने कुलपति को पत्र लिखकर तस्वीर हटाने की मांग उठाई। तस्वीर न हटने पर हिंदूवादी छात्र नेताओं ने दो मई को बॉबे सैयद (सैयद गेट) पहुंचकर हंगामा किया। इन नेताओं पर रिपोर्ट लिखाने जा रहे एएमयू छात्रों का पुलिस से टकराव हो गया। लाठीचार्ज में कई छात्र घायल हुए। 15 दिन से अधिक समय तक आंदोलन चला।

> पिछले विवादों को देखते हुए इस बार जिन्ना की तस्वीर प्रदर्शनी में नहीं लगाएंगे। गांधीजी से जुड़ी किताबें, तस्वीरें और बहुत कुछ लोगों को देखने को मिलेगा।
> **- डॉ. मुहम्मद यूसुफ, लाइब्रेरियन एएमयू**

इसके बाद दो अक्टूबर को लाइब्रेरी में जिन्ना के साथ गांधीजी की तस्वीर लगा दी थी, जिस पर फिर से मामला गरमाया। लाइब्रेरियन को माफी तक मांगनी पड़ी। फिर से बवाल न हो, इसके चलते जिन्ना की तस्वीर इस बार प्रदर्शनी में नहीं लगाई जाएगी। यूनियन हॉल में जिन्ना की तस्वीर आज भी लगी है।

प्रधानमंत्री मोदी आज गुजरात से करेंगे देश के खुले में शौचमुक्त होने का एलान

शत्रुघ्न शर्मा, अहमदाबाद

- अहमदाबाद में देशभर के 20 हजार सरपंचों को करेंगे संबोधित

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर बुधवार की शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात दौरे पर होंगे। शाम करीब छह बजे यहां पहुंचने के बाद वह सात बजे गांधी आश्रम जाएंगे और बापू को श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद पीएम मोदी साबरमती रिवर फ्रंट पर देशभर से आए 20 हजार सरपंचों को संबोधित करेंगे। इसी समारोह में वह देश के खुले में शौचमुक्त होने की घोषणा करेंगे। वह राज्य सरकार की ओर से आयोजित गरबा महोत्सव में भी शामिल होंगे और मां दुर्गा की आरती करेंगे। अपने पहले कार्यकाल में पीएम मोदी ने घर-घर शौचालय बनवाकर देश को खुले में शौचमुक्त करने का संकल्प लिया था। रिवर फ्रंट पर आयोजित समारोह में सरकारी, गैर सरकारी संगठन, विविध संस्थाओं, स्कूल-कॉलेज व कॉरपोरेट जगत के दिग्गज हिस्सा लेंगे। इनके अलावा कई देशों के राजदूत, केंद्र व राज्य के मंत्री, पद्म पुरस्कारों से सम्मानित जन, गांधीवादी, शिक्षा व अन्य क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञ आदि मौजूद रहेंगे।

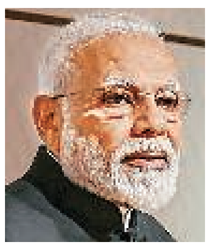

राज्य के 158 कैदियों को रिहा करेंगे सीएम रूपाणी

गांधी जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी राज्य की जेलों में बंद 158 कैदियों को रिहा करेंगे। गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से जारी दिशा-निर्देश के अनुसार गुजरात सरकार 50-60 फीसद सजा पूरी कर चुके 55-60 वर्ष के 158 कैदियों को रिहा करेगी। इसके साथ ही सजामाफी पाने वालों की राज्य में संख्या अब 387 हो जाएगी।

खुले में शौच का चलन फिर बढ़ने लगा : सीएसई

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत को बुधवार को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया जाना है, लेकिन उससे ठीक एक दिन पहले पर्यावरण मामलों से जुड़े एक थिंक टैंक ने केंद्र की इस पहल पर सवाल उठाए हैं। थिंक टैंक का कहना है कि देश में फिर खुले में शौच की पुरानी प्रवृत्ति बढ़ने लगी है। विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र (सीएसई) ने कहा है कि पिछले चार साल के दौरान भारत के 60 लाख गांवों में 10 करोड़ और शहरों में 63 लाख शौचालयों का निर्माण कराया गया है। संस्था ने इन शौचालयों के काम करते रहने को लेकर आशंका जताई है। सीएसई की महानिदेशक सुनीता नारायण ने कहा, 'महज पांच साल पहले तक भारत में खुले में शौच करने वाले दुनिया के 60 फीसद लोग रहते थे। अगर भारत ने खुले में शौच से मुक्ति यानी ओडीएफ का दर्जा हासिल कर लिया है तो यह न सिर्फ उसके लिए बल्कि दुनिया के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह दुनिया को शौचालयों के सार्वभौमिक कवरजे और उत्सर्जन के सुरक्षित निपटान के अपने सतत विकास के लक्ष्य में एक लंबी छलांग होगी।'

भितिहरवा की उदासियां, चंपारण की चिंताएं और ग्राम स्वराज

मनोज झा, गांधी आश्रम भितिहरवा (पश्चिम चंपारण)

- चंपारण के इलाके में आज भी किसान-मजदूरों की परेशानियों का अंत नहीं
- स्कूलों में शिक्षकों की किल्लत, स्वरोजगार और महिला उद्यम के रास्ते भी तंग
- गांधी की पहली राजनीतिक सफलता का गवाह भितिहरवा गांव

मोतिहारी के बापूधाम रेलवे स्टेशन से आगे चलकर बेतिया और फिर नरकटियागंज के रास्ते थोड़े-थोड़े अंतराल पर हरे रंग की सरकारी पट्टिकाएं और दिशासूचक साइनबोर्ड गांधी की चंपारण यात्रा और उनके प्रवास से जुड़े स्थलों की अहमियत का अहसास कराने लगते हैं। गन्ने व धान के खेतों और बरसाती नदियों से घिरे विशुद्ध ग्रामीण परिवेश वाले इस इलाके में एक गांव भितिहरवा भी है। संकरी-सी सड़क के किनारे बसा भितिहरवा आज भी गांधी की चंपारण यात्रा की महान स्मृतियों को अपने सीने से संजोए है। आज से 102 साल पहले गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन में सत्याग्रह की पहली आहुति इसी स्थान पर दी थी। नील खेतिहरों के दुर्दमनीय दुखों का अंत करने आए गांधी की पहली राजनीतिक सफलता का गवाह भी है यह भितिहरवा गांव। यहां के गांधी आश्रम में मोहनदास के महात्मा बनने की पूरी कहानी टुकड़े में ही सही, लेकिन जगह-जगह बिखरी हुई है। आश्रम में गांधी कुटी और चित्र दीर्घा की भित्तियों पर स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा के अतुलनीय योगदान को सहेजने का प्रयास दिखाई देता है। बरामदे में बापू और कस्तूरबा की आदमकद मूर्तियां हैं तो दीवारों पर गांधी के भजन और कथन लिखे हुए हैं। हालांकि, आश्रम के बाहर गांव के अंदरूनी हालात देखकर लगता है कि एक सदी के सफर के बाद आज भी भितिहरवा क्षेत्र के किसान परेशान हैं, चंपारण की चिंताएं अभी बनी हुई हैं और गांधी का ग्राम स्वराज का संकल्प पूरा होना अभी बाकी है।

गांधी के आदर्श ग्राम और भितिहरवा के बीच अभी बड़ा फासला दिखाई देता है। चेहरा बदलकर ही सही, कई चिंताएं यहां आज भी बनी हुई हैं। नील की जगह गन्ने ने तो अंग्रेजों की जगह मिल मालिकों ने ले ली है। गन्ना भुगतान लटकने के चलते कई किसान पाई-पाई के मोहताज हैं। बाजार न होने के चलते धान किसानों को अपनी फसल औने-पौने दाम में बेचनी पड़ती है। गांव में स्वरोजगार भी कहीं नजर नहीं आता और कई परिवार घोर गरीबी की गिरफ्त में हैं। दो जून की रोटी के जुगाड़ में कई लोग गांव-गिरांव से दूर बड़े शहरों में पलायन कर गए हैं। कुछ यही हाल यहां के छह शय्या वाले सरकारी अस्पताल का है। डॉक्टर की तैनाती न होने के कारण शायद ही कोई ग्रामीण इधर का रुख करता है। गांव के अंदर की सड़क भी अभी नहीं बन पाई है। कभी भितिहरवा के गांधी आश्रम में कस्तूरबा छह माह रही थीं और वहां शिक्षा के अलावा हस्तशिल्प और कुटीर उद्योग के माध्यम से स्वावलंबन की सीख दी थी। बा ने यहां महिलाओं की जागरूकता को लेकर भी बहुत काम किया। बाद में पुंडलीक जी कातगडे उर्फ गुरुजी के प्रयासों से यहां शिक्षा के प्रचार-प्रसार का अतुलनीय अभियान चलाया गया था। आज यहां शिक्षा की दशा-दिशा ठीक दिखाई नहीं देती।

भितिहरवा आश्रम। जागरण

भितिहरवा आश्रम के सामने स्थित कस्तूरबा कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय।

श्रीरामपुर गांव भितिहरवा पंचायत के अंदर है। पंचायत में तीन सरकारी स्कूल हैं। महज चार प्राइमरी शिक्षकों के बूते चल रहे उत्क्रमित हाई स्कूल की विडंबना देखिए कि बिना किसी कक्षा या पढ़ाई-लिखाई के हर साल करीब 100 विद्यार्थी यहां से मैट्रिक की परीक्षा देते हैं। कुछ यही हाल बुनियादी विद्यालय का है, जहां विद्यार्थी तो हैं, लेकिन शिक्षकों का टोटा है। गांधी आश्रम से ठीक पहले सड़क की दूसरी ओर कस्तूरबा बालिका उच्च विद्यालय में चहल-पहल तो है, लेकिन इसका दुर्भाग्य यह है कि सरकार ने इस ओर से आंख फेर रखी है। 1981 में स्थापित और तब से पूरी तरह जनसहयोग से चल रहे इस स्कूल को तमाम कोशिशों के बावजूद अब तक मान्यता नहीं मिल पाई है। शायद यह गांधी जी के सत्याग्रह की सीख का ही कमाल है कि इस स्कूल की देखभाल के लिए भितिहरवा और श्रीरामपुर गांव के लोगों ने कंधे से कंधा मिला रखा है। विद्यालय प्रांगण में गूंजती रघुपति राघव राजाराम... की प्रार्थना मानो यह कह रही है कि ग्रामीणों का संकल्प एक दिन सिद्धि जरूर दिलाएगा। विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव दिनेश प्रसाद यादव कहते हैं कि हम बापू के अनुयायी हैं और हमने आस नहीं छोड़ी है।

गांधी आश्रम के चलते यहां नेताओं का आना-जाना लगा रहता है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूर्व राष्ट्रपति जाकिर हुसैन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के अलावा कर्पूरी ठाकुर, लालू प्रसाद, राहुल गांधी, बाबा रामदेव, यशवंत सिन्हा, एएस आयंगर जैसी हस्तियां यहां समय-समय पर आती रही हैं। इसके चलते आश्रम परिसर में कमोबेश निर्माण कार्य आदि दिखाई भी पड़ता है, लेकिन जहां तक भितिहरवा के भीतर झांकने का सवाल है तो उसकी उदासियां मिटाने का कोई सत्याग्रही संकल्प लिया जाना अभी बाकी है। तब तक भितिहरवा भी उन गांवों की कतार में खड़ा है, जो गांधी के ग्राम स्वराज के सपने से अभी बहुत दूर है। सेवानिवृत गांधीवादी शिक्षक शिव शंकर चौहान ने इन स्वरचित पंक्तियों के माध्यम से चंपारण क्षेत्र का दर्द बयां करने का प्रयास किया है।

वह लिखते हैं- खूब बढ़ी कीमत दिल्ली में धान, गेहूं और गन्ने की, लेकिन विदा न हो सकीं बेटियां किसान की, क्या यही विकास है चंपारण के किसान की। फिर भी वह कहते हैं बापू ने भितिहरवा से ही पूरी दुनिया को सत्याग्रह की ताकत का अहसास कराया था। हम हिम्मत नहीं हारेंगे और यहां के उत्थान के लिए कृतसंकल्प रहेंगे। उनका सपना है कि भितिहरवा का भी साबरमती या गांधी जी से जुड़े अन्य स्थलों की तरह विकास हो। इसे एक तीर्थ की तर्ज पर आदर्श ग्राम की तरह संवारा जाए, ताकि लोग यहां आकर देखें कि गांधी के सपनों का गांव कुछ ऐसा है।

एयरटेल और वोडाफोन ने घटाया रिंगटाइम

नई दिल्ली : टेलीकॉम ऑपरेटर एयरटेल और वोडफोन ने अपने नेटवर्क से जाने वाली फोन कॉल (आउटगोइंग) के लिए रिंगटाइम घटा दिया है। अब यह टाइम 45 सेकेंड की जगह 25 सेकेंड होगा। इन दोनों कंपनियों ने यह कदम अपनी प्रतिस्पर्धी रिलायंस जियो से मुकाबला करने के लिए उठाया है। गौरतलब है कि एयरटेल ने जियो पर रिंगटाइम घटाने का आरोप लगाया था। सेबी को लिखे गए पत्र में एयरटेल ने इस आशय की जानकारी दी। (प्रेट्र)

कॉरपोरेट टैक्स में की गई कटौती से निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे अंततः जीएसटी संग्रह का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।
— केवी सुब्रमणियन
मुख्य आर्थिक सलाहकार

सेंसेक्स	38,305.41	▼ 361.92
निफ्टी	11,359.90	▼ 114.55
सोना प्रति दस ग्राम	₹ 38,140	▼ ₹58
चांदी प्रति किलोग्राम	₹ 47,580	▲ ₹2,360
डॉलर	₹ 71.07	▲ ₹0.20
क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल	$ 59.89	

तैयारी ▸ भारत में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का दो दिवसीय सम्मेलन गुरुवार से

इनोवेशन और टेक्नोलॉजी अपनाने को लेकर होगा आइईसी में मंथन

करीब 40 देशों के 800 से ज्यादा प्रतिनिधि बनेंगे सम्मेलन का हिस्सा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रतीकात्मक फोटो

भारत में नई टेक्नोलॉजी अपनाने की गति बढ़ाने और दक्षिण एशिया को मजबूत बनाते हुए वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बिठाने के इरादों के साथ गुरुवार से इंडिया इकोनॉमिक समिट (आइईसी) की शुरुआत होगी। समिट में करीब 40 देशों के 800 प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। केंद्र सरकार के चार वरिष्ठ मंत्रियों के अलावा कई वरिष्ठ अधिकारी भी इस मंथन का हिस्सा बनेंगे। सम्मेलन में दुनिया के कई बड़े बिजनेस लीडर हिस्सा ले रहे हैं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा भी इस दो दिवसीय सम्मेलन का हिस्सा होंगी।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की तरफ से आयोजित 33वीं इंडिया इकोनॉमिक समिट का इस बार का थीम 'इनोवेटिंग फॉर इंडिया : स्ट्रेंथनिंग साउथ एशिया, इंपैक्टिंग वर्ल्ड' रखा गया है। समिट में भारत की तरफ से भाग लेने वाले मंत्रियों में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, सड़क परिवहन व राजमार्ग व एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी, वाणिज्य व उद्योग और रेलमंत्री पीयूष गोयल और पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस व इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शामिल हैं। समिट भारत को विदेशी निवेश का आकर्षक गंतव्य बनाने में भी मददगार साबित होगी।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के एक बयान के मुताबिक इस सम्मेलन में निजी और सरकारी क्षेत्र के प्रतिनिधि, शैक्षणिक क्षेत्र और सिविल सोसाइटी से जुड़े लोग साउथ एशिया में चौथी औद्योगिक क्रांति से निकली टेक्नोलॉजी को अपनाने की रफ्तार को तेज करने पर विचार विमर्श करेंगे। समिट में हिस्सा लेने वाले प्रतिनिधियों में बड़ी संख्या में स्टार्टअप, इनोवेटिव पॉलिसी मेकर और टेक्नोलॉजी पर फोकस वाले क्षेत्रों की भागीदारी होगी।

समिट के लिए तैयार कार्यक्रम में विविध विषय शामिल किए गए हैं। इनमें साउथ एशिया इकोनॉमिक आउटलुक, इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज, भारत में पर्यावरणीय सुधार, इन्फ्रास्ट्रक्चर, जेंडर पैरिटी, स्टार्ट अप यूनिकॉर्न्स, एजुकेशन एंड स्किल जैसे विषय शामिल हैं। समिट की सह अध्यक्षता शेख हसीना, अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज की एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसीडेंट शोभना कामिनेनी, सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री हेंग स्वी केट, सेकियो कैपिटल इंडिया के प्रबंध निदेशक शैलेंद्र सिंह और टेनिस स्टार सानिया मिर्जा करेंगे।

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय में डीपीआइआइटी सचिव गुरुप्रसाद मोहापात्रा ने भरोसा जताया कि समिट क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों पर भारत का नजरिया रखने का बेहतर मंच साबित होगी। साथ ही भारत इसके जरिये खुद को निवेश का एक बेहतर गंतव्य साबित करने में सफल हो पाएगा।

सरकार की मंशा : किसी ग्लोबल पेट्रो कंपनी की हो बीपीसीएल

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

▸ **बीपी, शेल, एक्सॉन के बीच खास तौर पर की जाएगी सरकारी कंपनी बीपीसीएल की मार्केटिंग**

▸ **घरेलू पेट्रोलियम सेक्टर में एक वैश्विक पेट्रो कंपनी का प्रवेश चाहती है सरकार**

सरकार की मंशा है कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की अहम हिस्सेदारी वैश्विक स्तर की कोई पेट्रोलियम कंपनी खरीदे। इससे देश के पेट्रोलियम सेक्टर में ना सिर्फ बड़ी विदेशी कंपनी के आने का रास्ता साफ होगा बल्कि घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी, जिसका फायदा अंततः ग्राहकों को होगा। केंद्र सरकार इसी उद्देश्य से दुनिया के प्रमुख पेट्रोलियम हब में बीपीसीएल की इक्विटी बिक्री के लिए रोड शो करने जा रही है। इसके लिए खास तौर पर पेट्रोलियम मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के अधिकारी मिलकर ह्यूस्टन, दुबई, टोक्यो जैसी जगहों पर रोड शो में हिस्सा लेंगे। ब्रिटिश पेट्रोलियम, एक्सॉन, शेल, कुवैत पेट्रोलियम जैसी कंपनियों को आकर्षित करने की खास तौर पर कोशिश की जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक, हाल के दिनों में भारत के पेट्रोलियम सेक्टर में दुनिया भर की पेट्रोलियम कंपनियों की खास रुचि देखने को मिली है। सऊदी अरब की अरैमको भारत के पश्चिमी तट पर 44 अरब डॉलर की नई रिफाइनरी लगाने में निवेश कर रही है। साथ ही इसने रिलायंस समूह की जामनगर रिफाइनरी में 20 फीसद हिस्सेदारी (15 अरब डॉलर में) भी खरीदी है। इसके अलावा पिछले हफ्ते ह्यूस्टन में पीएम नरेंद्र मोदी के साथ बैठक में भी दिग्गज पेट्रोलियम कंपनियों के सीईओ उपस्थित थे। उनमें से कई ने व्यक्तिगत तौर पर पीएम मोदी से मिलकर भारत में निवेश करने की इच्छा जताई थी। सरकार की योजना है कि लंबी अवधि में इंडियन ऑयल, ओएनजीसी-एचपीसीएल के अलावा घरेलू पेट्रोलियम बाजार में बीपीसीएल को खरीदकर एक बहुराष्ट्रीय पेट्रोलियम कंपनी स्थापित हो। वैसे सरकार की विनिवेश प्रक्रिया में बीपीसीएल की हिस्सेदारी खरीदने का प्रस्ताव सरकारी तेल कंपनी इंडियन ऑयल भी दे सकती है। अगर इंडियन ऑयल के पक्ष में फैसला होता है, तो इससे घरेलू पेट्रोलियम सेक्टर में एकाधिकार की स्थिति बन सकती है। यही वजह है कि विदेशी पेट्रोलियम कंपनी पर ज्यादा जोर देने की योजना है।

बीपीसीएल में सरकार अपनी पूरी 53.29 फीसद इक्विटी बेचने को इच्छुक है। मौजूदा शेयर बाजार मूल्य के आधार पर सरकार को इससे 54 हजार करोड़ का राजस्व हासिल हो सकता है, जिससे राजकोषीय घाटे को पाटने में भी मदद मिलेगी। इससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने तीनों दिग्गज सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल की रणनीतिक बिक्री की कोशिश की थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कानूनी अड़चन के साथ ही विदेशी कंपनियों ने तब इसमें रुचि भी नहीं दिखाई थी। बाद में इन तीनों कंपनियों के मार्केटिंग विभाग को एक साथ बेचने की भी कोशिश हुई थी, लेकिन तब भी योजना परवान नहीं चढ़ सकी थी।

उपभोक्ताओं की शिकायतें सीधे सुनेंगे पासवान

नई दिल्ली में कंज्यूमर एप की लांचिंग के बाद पत्रकारों से बात करते केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान। प्रेट्र

▸ **एप के जरिये तीन दर्जन से अधिक प्रमुख सेक्टर की शिकायतें की जा सकेंगी**

▸ **60 दिन के भीतर हो जाएगी शिकायतों की सुनवाई**

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

उपभोक्ता हितों के संरक्षण के मद्देनजर केंद्रीय उपभोक्ता मामले व खाद्य मंत्री राम विलास पासवान ने बड़ी घोषणा की है। अब उपभोक्ता अपनी शिकायतें सीधे पासवान से कर सकते हैं।

शिकायतों व सुझावों को प्राप्त करने के लिए उन्होंने मंगलवार को एक मोबाइल एप लांच किया, जिसके जरिये उपभोक्ता उनसे सीधे संपर्क कर सकता है। उपभोक्ता हितों से जुड़ी हर तरह की जानकारी भी वहां से मिल सकेगी। एप के माध्यम से एक ही जगह पर कई शिकायतों का त्वरित समाधान प्राप्त किया जा सकता है। कंज्यूमर ड्यूरेबल, इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स, ई-कॉमर्स, बैंकिंग, इंश्योरेंस समेत 42 प्रमुख सेक्टर चिन्हित किए गए हैं, जिनकी शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। एप लांच के बाद पासवान ने कहा कि ढाई सौ से तीन सौ विभिन्न विभागों की शिकायतों को यहां दर्ज कराया जा सकता है। एप से प्राप्त शिकायतें उपभोक्ता मंत्री और सचिव के पास पहुंचेंगी। उन्होंने बताया कि सामान्य तौर पर 15 से 20 दिनों के भीतर शिकायतों का निपटारा हो जाएगा। किसी भी शिकायत की सुनवाई हर हाल में 60 दिनों के भीतर हो जाएगी। कुछ शिकायतों में मंत्री व सचिव सीधे कार्रवाई के लिए निर्देश दे सकते हैं, जबकि कुछ शिकायतें संबंधित विभागों को भेज दी जाएंगी।

महिंद्रा-फोर्ड इंडिया का होगा संयुक्त उद्यम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ **फोर्ड इंडिया का ऑटो बिजनेस संभालेगा महिंद्रा समूह**

▸ **साल 2020 के मध्य से काम शुरू कर देगा नया ज्वाइंट वेंचर**

फोर्ड ग्लोबल मार्केट प्रेसिडेंट जिम फर्ले, महिंद्रा एंड महिंद्रा के एमडी पवन गोयनका और महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने मुंबई में अपने संयुक्त उद्यम का एलान किया। प्रेट्र

ऑटो मैन्यूफैक्चरिंग समूह महिंद्रा एंड महिंद्रा ने फोर्ड इंडिया की पेरेंट कंपनी में 51 परसेंट इक्विटी खरीदने का एलान किया है। दोनों कंपनियों का संयुक्त उद्यम अब फोर्ड के भारतीय बिजनेस को संभालेगा। यह संयुक्त उद्यम फोर्ड और महिंद्रा दोनों ब्रांड से वाहनों की बिक्री करेगा।

महिंद्रा एंड महिंद्रा की तरफ से किए गए इस एलान के मुताबिक कंपनी फोर्ड मोटर कंपनी की सब्सिडियरी ऑर्डोर ऑटोमेटिव प्राइवेट लिमिटेड में करीब 657 करोड़ रुपये में 51 परसेंट इक्विटी खरीदेगी। शेष 49 परसेंट इक्विटी ऑर्डोर के पास रहेगी। इसके बाद फोर्ड अपने फोर्ड इंडिया के समस्त कारोबार को इस नए जेवी के हवाले कर देगी। इसमें साणंद और चेन्नई में फोर्ड का असेंबली प्लांट भी शामिल है। साणंद का इंजन मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट, ग्लोबल बिजनेस सर्विस यूनिट, फोर्ड क्रेडिट और फोर्ड स्मार्ट मोबिलिटी फोर्ड के पास बने रहेंगे।

फोर्ड और महिंद्रा के बीच हुआ यह नया करार 2017 में दोनों कंपनियों के बीच हुई रणनीतिक साझेदारी का अगला कदम है। यदि सभी मंजूरियां समय से मिलीं तो नया जेवी 2020 के मध्य से भारत में काम करना शुरू कर देगा। इसकी प्रमुख जिम्मेदारी भारत में फोर्ड के ब्रांड को विकसित करना और उसकी वैश्विक भागीदारी में वृद्धि करना होगा। फोर्ड ब्रांड पर फोर्ड मोटर का ही स्वामित्व रहेगा। जबकि महिंद्रा ब्रांड का स्वामित्व महिंद्रा एंड महिंद्रा के पास रहेगा। महिंद्रा का डीलर नेटवर्क भी पहले की तरह स्वतंत्र रूप से काम करता रहेगा।

इस करार पर टिप्पणी करते हुए महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा, 'महिंद्रा और फोर्ड का साथ आना दोनों कंपनियों के बीच आपसी सहयोग और परस्पर सम्मान के लंबे इतिहास का परिचायक है। हमारी संयुक्त ताकत जिसमें महिंद्रा की इंजीनियरिंग विशेषज्ञता और फोर्ड की टेक्निकल विशेषज्ञता शामिल है, सफलता की रेसिपी साबित होगी।' महिंद्रा एंड महिंद्रा के प्रबंध निदेशक पवन गोयनका ने कहा, 'दोनों कंपनियों का संयुक्त उद्यम अपने वाहनों को भारत में सफलतापूर्वक स्थापित तो करेगा ही बल्कि प्रतिस्पर्धी उभरते बाजारों की संभावनाओं का लाभ भी उठाएगा।'

मार्च, 2019 को समाप्त वित्त वर्ष में फोर्ड इंडिया ने 26324 करोड़ रुपये का रेवेन्यू अर्जित किया था। वित्त वर्ष 2017-18 में यह 25010 करोड़ रुपये था।

सितंबर में भी जारी रहा ऑटो बिक्री में गिरावट का सिलसिला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रतीकात्मक फोटो

▸ **कई हिस्सों में भारी बारिश भी बिक्री में कमी की एक वजह**

▸ **मानसून के बाद त्योहारी सीजन में रौनक लौटने की उम्मीद**

सितंबर, 2019 में कारों व दोपहिया वाहनों की बिक्री में कमी का सिलसिला जारी रहा। देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी की बिक्री में 24 फीसद की गिरावट आई है। दूसरी बड़ी कार कंपनी हुंडई की घरेलू बिक्री में 14.8 फीसद की गिरावट हुई है। महिंद्रा एंड महिंद्रा की बिक्री में 21 फीसद, टाटा मोटर्स की बिक्री में 48 फीसद, टोयोटा की बिक्री में 17 फीसद, होंडा कार्स की बिक्री में 37 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है।

कार बाजार की तरह दोपहिया वाहन बाजार भी ग्राहकों के इंतजार में है। बजाज ऑटो की बिक्री में 20 फीसद तो टीवीएस मोटर्स की बिक्री में 25 फीसद की गिरावट हुई है। हालांकि दोपहिया वाहन बाजार में बहुत कम हिस्सेदारी रखने वाली सुजुकी मोटरसाइकिल की बिक्री 2.11 फीसद बढ़ी है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के ट्रैक्टरों की बिक्री दो फीसद घटी है। कंपनी को निर्यात बाजार में बड़ा झटका लगा है क्योंकि वहां 41 फीसद का कमी दर्ज की गई है। कंपनी को उम्मीद है कि बेहतर मानसून के बाद फेस्टिवल सीजन में बिक्री रफ्तार पकड़ेगी। सितंबर में बिक्री घटने के पीछे देश के कई इलाकों में भारी बारिश को एक अहम वजह माना जा रहा है। उधर, वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी अशोक लेलैंड ने बताया है कि उसके वाहनों की बिक्री में 55 फीसद घटी है। सितंबर में कंपनी सिर्फ 8,780 वाहनों की बिक्री कर सकी है।

मारुति सुजुकी ने बताया है कि सितंबर में उसने 1,22,640 कारों की बिक्री की है। सितंबर, 2018 में कंपनी ने 1,62,290 कारों की बिक्री की थी। इसमें निर्यात भी शामिल है। निर्यात को अलग हटा दें तो घरेलू बिक्री में गिरावट की दर बढ़ कर 26.7 फीसद हो जाती है। हुंडई ने निर्यात के मोर्चे पर बेहतर प्रदर्शन किया है। कंपनी के निर्यात में 13.5 फीसद का इजाफा हुआ है। यही वजह है कि कुल बिक्री में सिर्फ 8.1 फीसद की कमी हुई है।

एनपीए के हालात छिपाए रखने के लिए पीएमसी बैंक ने खोले थे फर्जी खाते

▸ **धीरे-धीरे सामने आ रही हैं बैंक की कई अनियमितताएं, प्रबंधन ने रिजर्व बैंक से छिपाई थी कुछ बड़े खातों की जानकारी**

मुंबई, आइएएनएस : धोखाधड़ी के आरोपों का सामना कर रही पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक में एक के बाद एक अनियमितताएं सामने आ रही हैं। जानकारी के मुताबिक, बैंक प्रबंधन अपनी साख बचाने के लिए चीजों को लगातार आरबीआइ से छिपाता रहा। वधावन की अगुआई वाले हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एचडीआइएल) के संकटग्रस्त खातों को छिपाने के लिए प्रबंधन ने फर्जी खाते खोले थे। बैंक के बर्खास्त किए जा चुके मैनेजिंग डायरेक्टर जॉय थॉमस ने आरबीआइ को लिखे पत्र में स्वीकार किया है कि बैंक प्रबंधन ने बड़े पैमाने पर नियमों के विरुद्ध काम किया और चीजों को जानबूझकर छिपाया।

थॉमस ने अपने पत्र में कहा है कि 2008 के बाद से कुछ बड़े कर्जदाताओं के खाते आरबीआइ से छिपाए गए, ताकि बैंक की साख पर गलत प्रभाव नहीं पड़े। पत्र के मुताबिक 2011 में बैंक की कुल 57 ब्रांच थीं, जिनमें 2,824 करोड़ रुपये जमा थे, जबकि 2,000 करोड़ रुपये अग्रिम थे। उस समय बैंक के 1,026 करोड़ रुपये एचडीआइएल ग्रुप के पास थे। थॉमस ने कहा कि अगर हम उस समय इन खातों को एनपीए घोषित कर देते तो हमें इन पर ब्याज नहीं मिलता, जिससे हमें नुकसान होता। बैंक की ओर से कहा गया है कि उसने अपने सारे कर्ज पर्याप्त सिक्यूरिटी के बदले में ही दिया है। उसे अभी अपना कर्ज वापस मिलने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि आरबीआइ ने 23 सितंबर को पीएमसी पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे। बैंक को नए लोन देने से रोक दिया गया है, साथ ही बैंक से धन निकासी की सीमा तय कर दी गई है।

एचडीआइएल ने कहा, सिक्यूरिटी के बदले ही लिए लोन : एचडीआइएल ने कहा है कि पीएमसी बैंक सहित उसने अपना सारा कर्ज पर्याप्त सिक्यूरिटी के बदले ही लिया है। सारा लेनदेन सामान्य व्यापार के तहत हुआ है। स्टॉक एक्सचेंज को दी गई सफाई में कंपनी ने कहा है कि इसके सभी खाते ऑडिट किए जा चुके हैं। सोमवार को मुंबई पुलिस ने एचडीआइएल और पीएमसी बैंक के पूर्व प्रबंधन और प्रमोटर्स के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

डीएचएफएल ने दी सफाई

रियल स्टेट फाइनेंस सेक्टर की कंपनी डीएचएफएल ने कहा है कि उसके कर्ज का पीएमसी और एचडीआइएल से कोई लेनादेना नहीं है। कंपनी ने अपने निवेशकों को भ्रामक खबरों से बचने और धैर्य रखने की सलाह दी है। मंगलवार को कंपनी के शेयरों में बड़ी गिरावट देखी गई।

सीबीडीटी ने डीआइएन नंबर लांच किया

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने फेसलेस असेसमेंट के लिए डॉक्यूमेंटेशन आइडेंटिफिकेशन नंबर (डीआइएन) लांच कर दिया है। इसकी शुरुआत के पहले ही दिन 17,500 नंबर जनरेट किए जा चुके हैं।

इससे पहले सीबीडीटी ने कहा था कि अक्टूबर से आयकर विभाग और असेसीज के बीच सभी तरह का कम्युनिकेशन एक डीआइएन नंबर की सहायता से किया जाएगा। सीबीडीटी ने यह कदम पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए उठाया है। वित्त मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि डीआइएन सिस्टम आयकर प्रशासन में उच्च स्तर की पारदर्शिता और जवाबदेही को सुनिश्चित करेगा। राजस्व सचिव अजय भूषण पांडेय ने कहा कि सिर्फ विशेष परिस्थितियों को छोड़कर हर तरह का कम्युनिकेशन डीआइएन की सहायता से ही होगा। अगर इसके बिना किसी तरह की बातचीत करने की जरूरत हुई तो इसके लिए आयकर विभाग के चीफ कमिश्नर या डायरेक्टर जनरल से लिखित में अनुमति लेनी पड़ेगी। इसके बिना किसी भी तरह के कम्युनिकेशन को अवैध करार दिया जाएगा।

सितंबर में भी गिरा जीएसटी राजस्व 91916 करोड़ रुपये का रहा संग्रह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ **पिछले पांच महीनों से जीएसटी कलेक्शन में लगातार आ रही है कमी**

▸ **चालू वित्त वर्ष में सिर्फ एक बार पार हुआ है एक लाख करोड़ का आंकड़ा**

सरकार एक ओर राजकोषीय घाटे को निर्धारित लक्ष्य से नीचे बनाए रखने का भरोसा जता रही है, तो दूसरी ओर जीएसटी से मिलने वाले रेवेन्यू में कमी का सिलसिला बना हुआ है। मंगलवार को वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक सितंबर, 2019 में जीएसटी से सरकार को 91,916 करोड़ रुपये का रेवेन्यू प्राप्त हुआ। यह अगस्त, 2019 में प्राप्त 98,202 करोड़ रुपये के रेवेन्यू से भी कम है। सरकार चालू वित्त वर्ष में केवल एक बार एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का रेवेन्यू प्राप्त कर पाई है।

चालू वित्त वर्ष के बजट के लिए सरकार ने हर महीने 1.13 लाख करोड़ रुपये के जीएसटी संग्रह का अनुमान लगाया है। हालांकि अप्रैल, 2019 में प्राप्त 1,13,865 करोड़ रुपये के रेवेन्यू को छोड़ दें तो अब तक जीएसटी संग्रह किसी भी महीने एक लाख करोड़ रुपये को पार नहीं कर पाया है। इसकी एक वजह इस बीच कई मदों में जीएसटी के रेट में कटौती को भी बताया जा रहा है।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक सितंबर में कुल जीएसटी कलेक्शन में सेंट्रल जीएसटी (सीजीएसटी) की राशि 16,630 करोड़ रुपये और स्टेट जीएसटी (एसजीएसटी) के मद में 22,598 करोड़ रुपये की राशि मिली है। इंटीग्रेटेड जीएसटी के खाते में 45,069 करोड़ रुपये की राशि आई है। सेस से प्राप्त होने वाले रेवेन्यू की राशि 7,620 करोड़ रुपये की है। मंत्रालय ने यह भी बताया है कि सरकार ने इस महीने कुल 21,131 करोड़ रुपये की राशि बतौर सीजीएसटी और 15,121 करोड़ रुपये की राशि बतौर एसजीएसटी एडजस्ट की है।

वित्त मंत्रालय के आला अधिकारियों ने एक दिन पहले ही इस बात का भरोसा जताया था कि रेवेन्यू कलेक्शन के स्तर पर चुनौतियों के बावजूद राजकोषीय घाटा 3.34 फीसद के निर्धारित लक्ष्य को पार नहीं करेगा। हालांकि कई जानकार इसको लेकर आश्वस्त नहीं है। उनका मानना है कि अभी निकट भविष्य में जीएसटी संग्रह में बहुत वृद्धि की गुंजाइश नहीं दिख रही है। अगले दो महीने (अक्टूबर और नवंबर, 2019) बहुत अहम रहेंगे, जब देश में त्योहारी सीजन के दौरान छोटे व मझोले उद्योगों के साथ ही बड़े उद्योगों की तरफ से उत्पादित मांग में बहुत तेजी देखने को मिलती है।

कॉरपोरेट टैक्स में कमी के बाद सरकार के खजाने पर 1.45 लाख करोड़ का अतिरिक्त बोझ भी राजकोषीय संतुलन बनाए रखने की राह में चुनौती बना है।

हालात

दिन के कारोबार में बड़ी उठापटक के बाद 362 अंक गिरकर बंद हुआ सेंसेक्स, बैंकिंग स्टॉक्स में सबसे ज्यादा गिरावट, यस बैंक के शेयर 22 फीसद टूटे

फाइनेंशियल सेक्टर की मार से कमजोर हुए शेयर बाजार

पीएमसी बैंक के गहराते संकट से भी निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा है। प्रतीकात्मक फोटो

मुंबई, प्रेट्र : फाइनेंशियल सेक्टर से जुड़ी चिंताओं और कोर इंडस्ट्री के कमजोर प्रदर्शन के चलते मंगलवार को भारत के प्रमुख शेयर बाजारों में गिरावट आई। दिन के कारोबार में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 361.92 अंक यानी 0.94 परसेंट की गिरावट के साथ 38,305.41 के स्तर पर बंद हुआ। इंट्रा-डे में यह 737 अंक तक लुढ़क गया था, लेकिन आखिरी सत्र में इसमें कुछ सुधार हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 114.55 अंक यानी एक परसेंट की गिरावट दर्ज की गई। यह 11,359.90 पर बंद हुआ।

पिछले सत्र की तरह मंगलवार को भी फाइनेंशियल सेक्टर के स्टॉक्स पर जबर्दस्त दबाव देखा गया। इस दौरान यस बैंक के शेयरों ने 22 परसेंट के साथ सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज हुई। इंडसइंड बैंक, एसबीआइ, भारती एयरटेल, अशोक लेलैंड, ओएनजीसी, टाटा स्टील और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी गिरावट देखी गई। दिन के कारोबार में इनके शेयर 6.30 परसेंट तक गिर गए। वहीं दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी, कोटक बैंक, एचयूएल और एशियन पेंट्स के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि पीएमसी बैंक का गहराता संकट और इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड जैसी कंपनियों पर धोखाधड़ी के आरोपों के चलते निवेशकों में निराशा देखी गई। उधर सितंबर में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर के आंकड़ों में अगस्त के मुकाबले कोई सुधार नहीं हुआ। इसका असर भी शेयर बाजारों पर देखा गया।

यस बैंक के शेयरों में बड़ी गिरावट : मंगलवार के लगातार पांचवें दिन यस बैंक के शेयरों में गिरावट आई। बैंक के शेयर 22 परसेंट तक गिर गए। सोमवार को इनमें 15 परसेंट की गिरावट देखी गई थी। पिछले पांच सत्रों में इसके शेयरों में 43 परसेंट की गिरावट आई है। जानकारों के मुताबिक संकट में चल रही फाइनेंशियल सेक्टर की कंपनियों में यस बैंक का कर्ज फंसा होने के कारण इसके शेयरों में लगातार गिरावट हो रही है। यस बैंक के प्रमोटर राणा कपूर और उनके ग्रुप की दो इकाइयों ने बैंक में अपनी 2.16 परसेंट हिस्सेदारी बेच दी है। यह लेनदेन ओपन मार्केट में किया गया है। राणा ने बैंक की अपनी हिस्सेदारी 510 करोड़ रुपये में बेची है। अब यस बैंक में कपूर और उनके परिवार की हिस्सेदारी 4.72 परसेंट बची है।

चांदी उछली, सोने की कीमत में मामूली गिरावट

मंगलवार को चांदी में जबर्दस्त उछाल देखने को मिला। यह कीमती धातु 2,360 रुपये की छलांग लगाकर 47,580 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बिकी। वहीं सोने की कीमत में 58 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान सोना 38,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के हिसाब से बिका। ग्लोबल मार्केट में भी सोने की कीमत में गिरावट देखी गई। न्यूयॉर्क में सोना 1,460 डॉलर प्रति औंस के भाव में बिका, जबकि चांदी की कीमत लगभग स्थिर रही।

जियो का त्योहारी धमाका 699 रुपये में जियोफोन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

700 रुपये का अतिरिक्त डाटा मिलेगा फोन के साथ मुफ्त

1500 रुपये का ग्राहकों को मिलेगा कुल फायदा

प्रतीकात्मक फोटो

रिलायंस जियो इस त्योहारी सीजन में अपना स्मार्ट फीचर फोन मात्र 699 रुपये में बेचेगा। अपने जियो फोन दिवाली 2019 ऑफर का एलान करते हुए कंपनी ने कहा है कि इस वन टाइम ऑफर में दशहरे से लेकर दिवाली तक जियोफोन विशेष कीमत पर उपलब्ध होगा। वैसे इस फोन की कीमत 1500 रुपये है।

ऑफर का एलान करते हुए कंपनी ने कहा है कि स्पष्ट रूप से ग्राहकों को इसमें 800 रुपये की बचत होगी। वह भी बिना किसी एक्सचेंज ऑफर के। कंपनी के मुताबिक यह कीमत बाजार में उपलब्ध कई 2जी फीचर फोन से भी कम है।

कंपनी के मुताबिक जो ग्राहक इस ऑफर के जरिये जियो से जुड़ेंगे कंपनी उन्हें 700 रुपये का डाटा बेनिफिट देगी। पहले रिचार्ज पर जियो 99 रुपये का अतिरिक्त डाटा देगी। इस तरह इस ऑफर के तहत जियोफोन खरीदने पर ग्राहकों को कुल 1500 रुपये का लाभ मिलेगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा, 'जियो यह भी सुनिश्चित करेगा कि कोई भी भारतीय किफायती इंटरनेट और डिजिटल क्रांति के लाभ से वंचित न रह जाए।'

18 अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस को अपने विमानों में प्लास्टिक कटलरी और प्राकृतिक तरीके से नहीं गलने वाले सामान के इस्तेमाल पर रोक लगाने को कहा है पाकिस्तान सरकार ने। इमरान सरकार विमानों में अब प्लास्टिक का प्रयोग नहीं चाहती।

बापू एक वैश्विक कार्यकर्ता

150 डेढ़ सौ साल के बापू

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को लेकर देश में भले ही दो राय बनाई जाती हों, लेकिन विश्व पटल पर यह हस्ती सम्भाव से एक वैश्विक कार्यकर्ता के रूप जानी जाती है। एक ओर जहां बीसवीं सदी के सभी महान राजनीतिक धुरंधर विश्वपटल से गायब होते जा रहे हैं तो दूसरी ओर गांधीजी की राजनीतिक विरासत अक्षुण्ण बनी हुई है। दुनिया आज भी इनके विचारों को आत्मसात करने में लगी है।

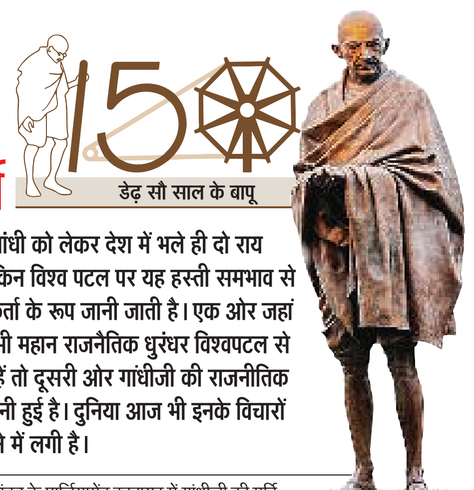

लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर में गांधीजी की मूर्ति

रैडिकल इटैलियानी नामक इटली के राजनैतिक दल के ध्वज पर विराजमान है गांधीजी का चित्र। इसके सदस्य अक्सर भूख हड़ताल (उपवास) पर चले जाते हैं, और इनका मुख्य राजनीतिक आंदोलन सविनय अवज्ञा के साथ ही चलता है। यह दल कई बार सत्ताधारी साझा सरकार में भी शामिल रहा है। दल की महिला नेता एमा बोनिनो साझा सरकार में अंतरराष्ट्रीय व्यापार और यूरोपीय मामलों की मंत्री थीं। इससे पहले वे यूरोपीय कमिश्नर के ओहदे पर भी कार्य कर चुकी हैं। बोनिनो पिछले तीस साल से गांधीवाद की प्रबल समर्थक हैं और उनके अनुसार जीवन जीती हैं। इटली में गांधी का नाम बहुत ही जाना-पहचाना है। वहां की पाठ्यपुस्तकों में उनके बारे विस्तृत जानकारी दी गई है।

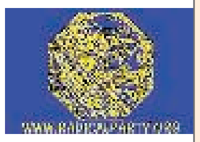

यरुशलम और रामल्ला के बीच स्थित एक गांव में इजरायली सरकार द्वारा बनाई गई फलस्तीन को अलग करने वाली दीवार पर गांधीजी का एक विशाल चित्र उकेरा गया है

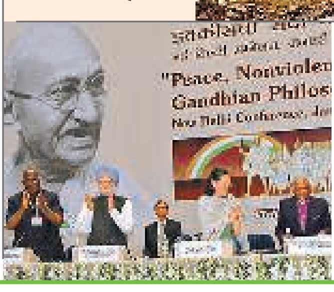

जनवरी, 2007 में सत्याग्रह की सौवीं वर्षगांठ के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में तो डेसमंड टुटु, केनेथ कौंडा और अहमद कैथ्राडा जैसे शांतिवादी नेताओं ने उन्हें जैसे जीवित ही कर दिया।

अमेरिका में, मार्च 2003 में इराक पर होने वाले हमलों के दौरान विश्वविद्यालयों के गलियारों में लगे पोस्टरों पर लिखा था, 'गांधीजी क्या करेंगे?' और जब यह घोषणा हुई कि जॉर्ज बुश भारत की यात्रा के दौरान गांधीजी की समाधि पर पुष्प अर्पित करेंगे तो अमेरिका के युद्ध-विरोधी बुद्धिजीवियों ने इसे एक तरह का सनकीपन करार दिया और इस घटना को बहुत ही अपमानजनक और प्रतीकात्मक बताया।

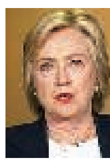

यूरोप के कई देशों के साथ, अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, लाइबेरिया और फलस्तीन जैसे देशों की मुद्राओं पर गांधीजी के चित्र अंकित हैं।

अपने सीनेट चुनाव प्रचार के दौरान हिलेरी क्लिंटन ने मजाक में कहा कि गांधीजी सेंट लुई में गैस स्टेशन चलाया करते थे, तो लोगों का इस कथन के प्रति विरोध इतना जबरदस्त था कि उन्हें फौरन माफी मांगनी पड़ी और उन्हें कहना पड़ा, 'जी नहीं, मैंने वह यूं ही कहा था।' दरअसल महात्मा गांधी तो बीसवीं शताब्दी के एक महान नेता थे।' इससे दो कदम आगे बढ़ते हुए उन्होंने पराजित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए गांधीजी द्वारा कहा गया कथन दोहराया, 'पहले तो वे तुम्हें उपेक्षित करेंगे, फिर तुम पर हंसेंगे, उसके बाद वे तुमसे लड़ेंगे-झगड़ेंगे और तब कहीं जाकर तुम विजयी होगे।'

गांधीजी की मूर्तियां न्यूयॉर्क जैसे दुनिया के कई शहरों में बड़ी शान से खड़ी हैं।

न्यूज गैलरी

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी पर चलेगा मुकदमा

पेरिस : फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी द्वारा वर्ष 2012 के चुनाव अभियान के दौरान अवैध रूप से वित्तपोषण के मामले में निचली अदालत ने मुकदमा चलाने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ सरकोजी ने अपील की थी, जिसे ऊंची अदालत ने खारिज कर दिया है। इस तरह उनके खिलाफ मुकदमा चलाए जाने का रास्ता साफ हो गया है। बता दें कि जज के साथ भ्रष्टाचार के मामले में पहले से ही वे मुकदमे का सामना कर रहे हैं। उन पर दोबारा चुनाव के दौरान निर्धारित खर्च सीमा लगभग 175 करोड़ से दोगुना खर्च करने का आरोप है। (एएफपी)

तालिबान ने अफगान पुलिस पर किया हमला, मुख्यालय फूंका

काबुल : आतंकी संगठन तालिबान ने अफगानिस्तान के बाल्ख प्रांत स्थित पुलिस मुख्यालय पर हमला किया। इस हमले में 11 पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। आतंकियों ने दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों को बंदी बनाया और मुख्यालय में आग भी लगा दी। समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक बाइक पर सवार करीब 400 तालिबानी आतंकियों ने शोर्तेपा जिला के पुलिस मुख्यालय पर सोमवार की शाम हमला किया। प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता मुनीर फरहाद ने कहा, 'आतंकियों व पुलिस की मुठभेड़ मंगलवार की सुबह तक चलती रही। मुख्यालय पर पूरी तरह कब्जा करने के बाद उन्होंने वहां आग लगा दी।' (रायटर)

दुष्कर्म के आरोप में घिरे नेपाल के स्पीकर ने दिया इस्तीफा

काठमांडू : नेपाल की संसद के निचले सदन के अध्यक्ष कृष्ण बहादुर महारा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। संसदीय सचिवालय में काम करने वाली एक महिला ने स्पीकर महारा पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। मंगलवार को सदन के उपाध्यक्ष को इस्तीफा सौंपने के बाद महारा ने कहा, 'सोमवार से ही मीडिया चैनल और कई लोग मुझ पर सवाल उठा रहे हैं। मुझ पर लगे आरोप की निष्पक्ष जांच हो, इसलिए मैं इस्तीफा दे रहा हूं।' पीड़िता के अनुसार, महारा ने रविवार शाम राजधानी काठमांडू के तिकुने इलाके स्थित किराये के घर में उसके साथ दुष्कर्म किया। उस वक्त पीड़िता का पति घर में नहीं था। पीड़िता ने कहा, मैं और मेरे पति दोनों कुछ समय से उन्हें (महारा) निजी तौर पर जानते थे। वह पहले भी कई बार मेरे घर आए थे। लेकिन तब मेरे पति घर में मौजूद रहते थे। रविवार रात आठ बजे वह नशे में धुत होकर मेरे घर पहुंचे थे।' पीड़िता ने अभी पुलिस में शिकायत नहीं दर्ज कराई है। (एएनआइ)

छात्रों के वीजा को लेकर भारत ने ब्रिटेन से की बात

नई दिल्ली : भारत ने ब्रिटेन के सामने छात्रों के वीजा का मसला उठाया है। भारत ने यह सुनिश्चित करने को कहा है कि छात्रों को वीजा को लेकर कोई परेशानी नहीं हो और ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय छात्रों के हित सुरक्षित रहें। ब्रिटेन के गृह विभाग में सीमा, आव्रजन, नागरिकता और अंतरराष्ट्रीय रणनीति मामलों के महानिदेशक ग्लेन विलियम्स के साथ बैठक में केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने यह मसला उठाया। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि भल्ला ने विलियम्स से कहा कि ब्रिटेन में भारतीय छात्रों के सामने वीजा को लेकर कठिनाइयों के मामले सामने आए हैं। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय का एक प्रतिनिधिमंडल भारत के दौरे पर आया है। (प्रेट्र)

चीन ने दुनिया को दिखाई अपनी सैन्य ताकत

आयोजन ▸ कम्युनिस्ट शासन की 70वीं वर्षगांठ पर अत्याधुनिक मिसाइलों समेत कई हथियारों का किया प्रदर्शन

अमेरिका से मुकाबले के लिए हाइपरसोनिक-ग्लाइड मिसाइलें भी दिखाईं

बीजिंग, रायटर : चीन ने मंगलवार को कम्युनिस्ट शासन की 70वीं वर्षगांठ पर बड़ी सैन्य परेड के जरिये दुनिया को अपनी ताकत दिखाई। परेड में कई अत्याधुनिक मिसाइलों, टैंकों, ड्रोन और हथियारों का प्रदर्शन किया गया। चीन ने पहली बार हाइपरसोनिक-ग्लाइड मिसाइल भी प्रदर्शित की। विशेषज्ञों का कहना है कि इनसे निपटना अमेरिका के लिए कठिन हो सकता है।

परेड शुरू होने से पहले राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने राजधानी बीजिंग के मशहूर थ्येनआनमन चौक पर उस जगह से देश को संबोधित किया, जहां माओत्से तुंग ने एक अक्टूबर, 1949 को देश में कम्युनिस्ट पार्टी के शासन का एलान किया था। माओ जैसे पहनावे में नजर आए चिनफिंग ने कहा, 'कोई भी ताकत चीनी लोगों और देश को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। सेना को चीन की संप्रभुता, सुरक्षा और हितों को पूरी तरह सुरक्षित रखने के साथ ही वैश्विक शांति को भी कायम रखना चाहिए।' चिनफिंग के साथ उनके पूर्ववर्ती हू जिंताओ और जियांग जेमिन भी मौजूद थे।

ताकत दिखाने के पीछे का मकसद : रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि चीन अपने नियंत्रण वाले हांगकांग में गत जून से चल रहे लोकतंत्र समर्थकों के विरोध प्रदर्शन और अमेरिका के साथ कारोबारी जंग से जूझ रहा है। इन हालात में उसने अपनी सैन्य ताकत दिखाकर दुनिया को संदेश देने का प्रयास किया है कि वह हर चुनौती से निपट सकता है।

परेड में 15 हजार सैनिक : सैन्य परेड में करीब 15 हजार सैनिकों को शामिल किया गया। इसके अलावा 160 से ज्यादा विमानों ने भी अपने करतब दिखाए। 580 सैन्य साजो-सामान प्रदर्शित किए गए।

सैन्य परेड का निरीक्षण करते चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग। रायटर

> कोई भी ताकत चीन को कभी डगमगा नहीं सकती या चीनी लोगों और हमारे देश को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती।
> -शी चिनफिंग, (चीन के राष्ट्रपति)

पीएम मोदी ने दी बधाई

बीजिंग, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी नागरिकों को कम्युनिस्ट शासन की वर्षगांठ की बधाई देते हुए कहा कि चीन के साथ दोस्ती को भारत काफी महत्व देता है। यहां भारतीय दूतावास की ओर से मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, चीनी सोशल मीडिया प्लेटफार्म वीबो पर मोदी ने लिखा, 'चीन के साथ अपनी दोस्ती को भारत काफी महत्व देता है। हम दोनों देशों के नागरिकों के पारस्परिक फायदे के लिए राजनीतिक और व्यापारिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।'

15 हजार किमी तक मार कर सकती है यह मिसाइल : चीन ने सैन्य परेड में पहली बार अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल डीएफ-41 को प्रदर्शित किया। यह मिसाइल 15 हजार किलोमीटर तक मार कर सकती है।

बीजिंग में मंगलवार को कम्युनिस्ट शासन की 70वीं वर्षगांठ पर सैन्य परेड में 15 हजार किलोमीटर तक मार कर करने में सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल डीएफ-41 को प्रदर्शित किया गया। एपी

पहली बार दिखाए ये हथियार

- चीनी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने हाइपरसोनिक मिसाइल डीएफ-17 प्रदर्शित की
- यह आवाज से कई गुना तेज गति से अपने लक्ष्य को भेद सकती है, जिससे इसका मुकाबला करना बेहद कठिन है
- युद्धपोत को ध्वस्त करने वाली डोंगफेंग-21डी मिसाइल, जिसकी मारक क्षमता 1500 किमी है
- लंबी दूरी तक मार करने वाली एंटी-शिप क्रूज मिसाइल वाईजे-18ए, जो पनडुब्बी से दागी जा सकती है
- पारंपरिक या परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम डीएफ-26 एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइल
- जेड-20 हेलीकॉप्टर, जो अमेरिका के यूएच-60 ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर के समान है

हांगकांग में लोकतंत्र समर्थकों और पुलिस में झड़प, कई घायल

▸ -पुलिस ने एक प्रदर्शनकारी को सामने से सीने में मारी गोली

हांगकांग, रायटर : चीन में कम्युनिस्ट शासन की वर्षगांठ के मौके पर स्वायत्तशासी हांगकांग में लोकतंत्र समर्थकों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए। शहर के कई इलाकों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। पुलिस ने उन्हें खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछार की। पुलिस और प्रदर्शनकारियों की झड़प में करीब 15 लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने पहली बार शहर के होई पा इलाके में फायरिंग भी की। इसमें एक प्रदर्शनकारी को गोली लगने की खबर है। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक पुलिस अधिकारी सामने से एक प्रदर्शनकारी को सीने में गोली मारते दिख रहा है। फेसबुक पर आए एक अन्य वीडियो में जमीन पर तड़प रहा एक प्रदर्शनकारी यह कहते सुनाई पड़ रहा है, 'मेरे सीने में दर्द हो रहा है। मुझे अस्पताल पहुंचाओ।लोकतंत्र समर्थकों के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए मंगलवार को हांगकांग में ज्यादातर मॉल और मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए थे। हांगकांग गत जून से ही विरोध प्रदर्शनों की आग में झुलस रहा है।

खुले में नहीं मना चीनी जश्न

चीन में कम्युनिस्ट शासन की वर्षगांठ का जश्न हांगकांग में खुले में नहीं मनाया गया। शहर के एक प्रदर्शनी केंद्र में सरकारी अधिकारियों ने ध्वजारोहण किया। हांगकांग की मुख्य कार्यकारी कैरी लाम मुख्य उत्सव में भाग लेने के लिए बीजिंग में थीं। विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर हांगकांग में आतिशबाजी का कार्यक्रम रद कर दिया गया था।

हांगकांग में मंगलवार को प्रदर्शनकारियों को काबू करने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े। एएफपी

अमेरिकी संसदीय समिति ने ट्रंप के निजी वकील को भेजा समन

▸ यूक्रेन के साथ बातचीत से जुड़े सभी दस्तावेज सौंपने का दिया आदेश

वाशिंगटन, आइएएनएस/एएनआइ : यूक्रेन स्कैंडल की जांच कर रहीं अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की तीन समितियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निजी वकील रूडी गिउलियानी को समन भेजा है। उन्हें आदेश दिया गया है कि वह ट्रंप के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए चल रही जांच में सहयोग करें और यूक्रेन के साथ हुए संपर्क के सभी टेक्स्ट मैसेज व फोन डिटेल 15 अक्टूबर तक मुहैया कराएं।

ट्रंप के खिलाफ महाभियोग चलाने की जांच सदन की खुफिया, विदेश और निगरानी व सुधार मामलों की समितियां कर रही हैं। गिउलियानी को सोमवार को खुफिया मामलों की समिति ने समन जारी किया। समितियों ने संकेत दिया है कि अगले साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने से जुड़े मामले में ट्रंप प्रशासन के कई अन्य अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। इसलिए ट्रंप के अन्य करीबियों को भी तलब किया जा सकता है। एक अमेरिकी व्हिसिल ब्लोअर की शिकायत पर प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने एक हफ्ते पहले ट्रंप के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए जांच शुरू करने का एलान किया था। इस सदन में विपक्षी डेमोक्रेटिक दल बहुमत में है। व्हिसिल ब्लोअर ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लिए विदेशी मदद लेने का प्रयास किया था। उन्होंने गत 25 जुलाई को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से फोन पर बात की थी और अपने संभावित डेमोक्रेट प्रतिद्वंद्वी जो बिडेन को बदनाम करने के लिए उन पर दबाव बनाया था। ट्रंप ने हालांकि इस आरोप से इन्कार किया है।

...तब सीनेट के पास नहीं होगा कोई विकल्प : अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी के नेता मिच मैककोनेल ने कहा है कि अगर प्रतिनिधि सभा से ट्रंप के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित होकर आता है तो इस सदन के पास प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं होगा। सीनेट में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी बहुमत में है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निजी वकील रूडी गिउलियानी की फाइल फोटो। एपी

पनडुब्बी सौदे को लेकर फ्रांस के पूर्व पीएम बलादुर पर चलेगा केस

पेरिस, रायटर : फ्रांस के पूर्व प्रधानमंत्री एदुआर्द बलादुर और रक्षा मंत्री फ्रेंकोइस लियोटार्ड को पाकिस्तान के साथ हुए पनडुब्बी सौदे में कथित रिश्वतखोरी के आरोपों के लिए मुकदमे का सामना करना होगा। यह करार बीती सदी के अंतिम दशक में किया गया था।

सूत्रों के अनुसार, साल 1993 से 1995 तक प्रधानमंत्री रहे बलादुर पर विशेष अदालत में केस चलेगा। बलादुर और लियोटार्ड दोनों ने ही कुछ भी गलत करने से इन्कार किया है। इस केस की सुनवाई में इस बात पर गौर किया जाएगा कि 1995 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में बलादुर के प्रचार अभियान में क्या पनडुब्बी करार से मिली कथित रिश्वत का उपयोग किया गया था? इस चुनाव में बलादुर को जाक शिराक के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

रिश्वतखोरी का यह मामला साल 2002 में पाकिस्तान के कराची शहर में हुए एक आत्मघाती हमले की जांच में सामने आया था। इस हमले में पनडुब्बी परियोजना पर काम कर रहे 11 फ्रांसीसी नागरिक भी मारे गए थे। पाकिस्तानी अधिकारियों ने हमले को आतंकियों के मत्थे मढ़ा था, लेकिन जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया गया था कि क्या हमले का संबंध पाकिस्तान के साथ तीन पनडुब्बियों को लेकर हुए सौदे में रिश्वतखोरी से जुड़ा है?

पाक के नए राजदूत पर गर्लफ्रेंड ने लगाया था मारपीट का आरोप

▸ वरिष्ठ राजनयिक मुनीर अकरम का विवादों से रहा है नाता

इस्लामाबाद, आइएएनएस : पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने मलीहा लोधी की जगह जिन मुनीर अकरम को संयुक्त राष्ट्र में देश का नया राजदूत नियुक्त किया है, उनका अतीत विवादों से भरा रहा है। भारत के प्रति सख्त रुख रखने वाले 74 साल के मुनीर पर उनकी लिव-इन पार्टनर ने मारपीट का आरोप लगाया था। 35 साल की मारिजाना मिहिक ने न्यूयॉर्क में उनके खिलाफ एफआइआर भी दर्ज कराई थी।

मीडिया में आई खबरों के अनुसार, मारिजाना ने दस दिसंबर, 2002 को मैनहट्टन स्थित मुनीर के घर पर न्यूयॉर्क पुलिस को बुलाया था। मुनीर तब यूएन में पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक थे। मारिजाना ने पुलिस को बताया कि मुनीर ने उनकी पिटाई की और उनका सिर दीवार से टकरा दिया। उन्होंने पुलिस को अपने हाथ पर मारपीट के निशान दिखाए और कहा कि मुनीर ने पहले भी उनके साथ मारपीट की थी। उस समय यूएन मामलों के प्रभारी रहे न्यूयॉर्क के कमिश्नर मार्जोरी टिवेन ने अमेरिकी मिशन से मुनीर पर मुकदमा चलाने के लिए उनकी राजनयिक छूट खत्म करने का आग्रह किया था। एक जनवरी, 2003 को पाकिस्तान के लिए शर्मिंदगी वाली यह स्थिति उस समय खड़ी हुई थी, जब उसे 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में दो साल के लिए अस्थायी सीट मिली थी। उस समय कई महिला और धार्मिक मामलों के संगठनों ने मुनीर को उनके पद से हटाने की मांग की थी। इसके बावजूद चार फरवरी, 2003 को डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के दफ्तर ने मामले की जांच बंद कर दी थी।

घर छोड़ने से रोका : अमेरिकी मीडिया में पुलिस प्रवक्ता ब्रायन बुर्क के हवाले से कहा गया है कि मारिजाना ने पुलिस को बताया कि झगड़े के बाद जब वह घर छोड़कर जा रही थी तो मुनीर ने उसे जाने नहीं दिया। इस वाकये के वक्त मुनीर 57 साल के थे।

जरदारी ने किया था बर्खास्त : मुनीर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि के तौर पर 2002 से 2008 तक रहे। तत्कालीन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के साथ मतभेदों के चलते उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था। यूएन में पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या का मामला उठाने को लेकर दोनों में मतभेद उभरे थे।

सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष भी रहे : मुनीर साल 2002 और 2004 में एक-एक साल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वह जापान और यूरोपीय यूनियन समेत कई देशों में पाकिस्तान के राजदूत रह चुके हैं।

एक सप्ताह में पाक में महंगाई दर में 18.16 फीसद की वृद्धि

इस्लामाबाद, आइएएनएस : पाकिस्तान में एक सप्ताह में महंगाई दर में कुल 18.16 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक 26 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में कुल 21 वस्तुओं की कीमत में वृद्धि दर्ज की गई। इसमें मक्खन, आटा, खाद्य तेल, दूध, चावल और अंडा शामिल है। आठ वस्तुओं की कीमतों में गिरावट देखी गई, जबकि 22 वस्तुओं की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक महंगाई दर का यह आंकड़ा पाकिस्तान के 17 बड़े शहरों में 51 सामानों की कीमतों पर आधारित है। जिन सामानों की कीमत में वृद्धि देखी गई है, उनमें मक्खन, आटा, खाद्य तेल, दूध, दही, अंडा और चावल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त टमाटर, एलपीजी, मटन, जलाऊ लकड़ी और चाय की पत्ती की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। हालांकि केला, चिकन, आलू, चीनी, लहसुन, प्याज और मसूर के दामों में कमी आई है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लोग महंगाई को नियंत्रित करने में नाकाम रहने पर सरकार पर अपना गुस्सा निकाल रहे हैं। महंगाई ने लोगों के घरेलू बजट को बुरी तरह प्रभावित किया है।

नाकाम कोशिश

यूएन महासभा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनके ईरानी समकक्ष हसन रूहानी की फोन पर बातचीत कराना चाहते थे फ्रांस के राष्ट्रपति

फोन पर थे ट्रंप, रूहानी का इंतजार करते रहे मैक्रों

न्यूयॉर्क टाइम्स से

वाशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ईरानी समकक्ष हसन रूहानी से फोन पर बात करना चाहते हैं। यही संदेश लेकर सलाहकारों की छोटी टीम के साथ फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के समीप स्थित मिलेनियम हिल्टन होटल में रूहानी के कमरे के बाहर पहुंचे। रूहानी को बस उनके साथ जाकर सीक्रेट रूम में ट्रंप से बात करनी थी। लेकिन रूहानी अपने कमरे से बाहर ही नहीं आए। यह वाकया गत 24 सितंबर की रात का है। ट्रंप ने उसी दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया था। इस संबोधन के दौरान उन्होंने ईरान की निंदा तो की लेकिन यह संकेत भी दिया था कि दोनों देशों के संबंधों में सुधार हो सकता है।

पिछले साल मई में ट्रंप ने 2015 में हुए परमाणु समझौते से अमेरिका को अलग कर ईरान पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे। इसके बाद से दोनों देशों में टकराव लगातार जारी है। दोनों देशों की तनातनी से पश्चिम एशिया में युद्ध की आशंका बढ़ गई है। इसीलिए मैक्रों दोनों के बीच सुलह करवाने की कोशिशें कर रहे हैं। बीते कुछ समय में ट्रंप का रुख भी थोड़ा नरम हुआ है। ईरान इसे अपनी जीत की तरह देख रहा है। पिछले मंगलवार के इस वाकये से अवगत लोगों के अनुसार, रूहानी ने ट्रंप से बातचीत इसलिए नहीं की क्योंकि अभी अमेरिका ने प्रतिबंध कम करने की गारंटी नहीं दी है। साथ ही उन्हें डर था कि ट्रंप फोन पर हुई वार्ता को अपनी राजनीतिक जीत ठहरा देंगे। ट्रंप से बातचीत का मौका छोड़ने के लिए रूहानी को हालांकि विपक्षियों के भारी विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

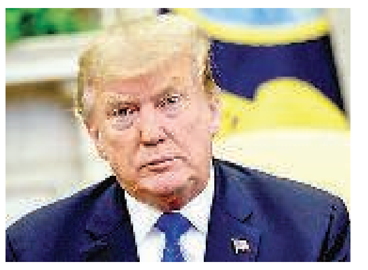

डोनाल्ड ट्रंप

हसन रुहानी

इमैनुअल मैक्रों। सभी फाइल फोटो

अपनी विदेश नीति की जीत के लिए बेकरार हैं ट्रंप

बीती जुलाई में यूक्रेन के राष्ट्रपति से फोन पर बातचीत को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर महाभियोग का खतरा मंडरा रहा है। उस बातचीत के दौरान ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति और 2020 में डेमोक्रेटिक पार्टी के संभावित राष्ट्रपति प्रत्याशी जो बिडेन पर जांच बिठाने की बात की थी। अमेरिका के कई विशेषज्ञों के अनुसार, ट्रंप इस मामले से सबका ध्यान हटाना चाह रहे थे। इसीलिए वह संयुक्त राष्ट्र महासभा में किसी भी तरह रूहानी से बातचीत की कोशिश में जुटे थे। वाशिंगटन स्थित यूरेशिया ग्रुप के अध्यक्ष क्लिफ कुपचान ने कहा, 'ट्रंप को अपनी विदेश नीति की एक जीत चाहिए, जो उन्हें मिल नहीं रही है। ईरान में उन्हें इसकी संभावना दिखती है इसलिए वह इतनी बेकरारी दिखा रहे हैं।'

ब्रेक्जिट पर जल्द नया मसौदा पेश करेगा ब्रिटेन : जॉनसन

▸ नए मसौदे में बैकस्टॉप पालिसी को हटाने का प्रस्ताव

▸ यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के अलग होने की आखिरी तारीख 31 अक्टूबर

मैनचेस्टर (इंग्लैंड), रायटर : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यहां कहा कि उनका देश ब्रेक्जिट पर जल्द ही संशोधित मसौदा यूरोपीय संघ (ईयू) के समक्ष रखेगा। इसमें पहले के मसौदे में रखे गए बैकस्टॉप पालिसी को हटाने का प्रस्ताव भी शामिल है। लेकिन ईयू के अधिकारियों ने ब्रेक्जिट समझौते की सफलता को लेकर आशंका जताई है।

जॉनसन ने फिर कहा कि ब्रिटेन 31 अक्टूबर को 28 सदस्यीय यूरोपीय संघ से अलग होकर रहेगा, चाहें कोई समझौता हो या नहीं हो। ईयू से अलग होने के लिए ब्रिटेन में 2016 में जनमत कराया गया था। लेकिन तब से ब्रेक्जिट समझौते को लेकर अंतिम मसौदा तैयार नहीं हो पाया है।

जॉनसन ने कहा कि उन्होंने एक बहुत बढ़िया मसौदा तैयार किया है। वह 17-18 अक्टूबर को ईयू के साथ बातचीत में संशोधित मसौदे पर सहमति बनाना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों ही पक्ष ब्रेक्जिट के पक्ष में है। जॉनसन ने कहा कि हम बैकस्टॉप पालिसी को हटाना चाहते हैं। हमारे लिए यह सबसे अहम मसला है। उन्होंने कहा कि 'कस्टम यूनियन' में बंधे रहकर ईयू से अलग होने का कोई मतलब नहीं है।

पूर्व प्रधानमंत्री टेरीजा मे और ईयू के बीच हुए समझौते में बैकस्टॉप पालिसी और 'कस्टम यूनियन' के प्रावधान थे। इन प्रावधानों का ब्रिटेन में विरोध हुआ और वह समझौता ब्रिटिश संसद में गिर गया था। 'बैकस्टॉप पॉलिसी' के मुताबिक ब्रिटेन के राज्य उत्तरी आयरलैंड और पड़ोसी देश आयरलैंड गणराज्य के बीच सीमा पहले की तरह खुली रहेगी। साथ ही उत्तरी आयरलैंड ईयू की एकल बाजार प्रणाली से भी बंधा रहेगा। ईयू की एकल बाजार प्रणाली में रहने का मतलब यह हुआ कि उत्तरी आयरलैंड में बनने वाले उत्पाद ईयू द्वारा निर्धारित मानकों का पालन करेंगे।

ये भी जानिए
रवींद्र जडेजा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में रिकॉर्ड बना सकते हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में 200 विकेट लेने से दो विकेट दूर हैं। जडेजा 200 विकेट लेने वाले 10वें भारतीय गेंदबाज बनेंगे।

रोहित के पास टेस्ट करियर बचाने का आखिरी मौका

भारत–दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच आज से खराब फॉर्म से जूझ रहे पंत की जगह साहा खेलेंगे

विशाखापत्तनम, प्रेट्र: वनडे और टी-20 के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा बुधवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में सलामी बल्लेबाज के रूप में नई पारी की शुरुआत करेंगे। हालांकि युवा विकेटकीपर रिषभ पंत इस मुकाबले का हिस्सा नहीं होंगे। पंत की जगह रिद्धिमान साहा 22 महीने में बाद पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने पुष्टि की कि दिल्ली के विकेटकीपर बल्लेबाज पंत को भारत के घरेलू सत्र के पहले टेस्ट की अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया है।

रोहित से बड़ी उम्मीदें: भारत इस उम्मीद के साथ उतरेगा कि रोहित सीमित ओवरों के क्रिकेट की अपनी सफलता को टेस्ट क्रिकेट में दोहराएं। वनडे और टी-20 में भारत के सर्वश्रेष्ठ ओपनरों में शुमार रोहित पहली बार टेस्ट में पारी का आगाज करेंगे। हालांकि उन्हें सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारने के प्रयोग के वांछित नतीजे नहीं मिले और सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र अभ्यास मैच में वह वह खाता खोले बिना ही पवेलियन लौट गए थे। पहले टेस्ट से पूर्व नेट सत्र के दौरान सभी की नजरें रोहित पर टिकी थीं जो मौके का फायदा उठाने और अपने टेस्ट रिकॉर्ड में सुधार के लिए प्रतिबद्ध दिखे। रोहित ने अब तक 27 टेस्ट में 39.62 की औसत से 1585 रन बनाए हैं जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनके नाम पर 11000 से अधिक रन दर्ज हैं।

अनुभव के दम पर साहा खेलेंगे: सीरीज से पहले यह भी चर्चा का विषय था कि पंत और फिट हो चुके साहा में से कौन इस मैच में विकेटकीपर की भूमिका निभाएगा। पूरी तरह से स्पिन की अनुकूल पिच पर खेलने की संभावना और पंत की खराब फॉर्म ने तकनीकी रूप से अधिक सक्षम साहा के खेलने का रास्ता साफ कर दिया।

अश्विन-जडेजा की जोड़ी की वापसी: इसी के साथ लंबे समय के बाद टेस्ट टीम में अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की जोड़ी की वापसी हुई है। पिछले साल दिसंबर में एडिलेड टेस्ट में जीत के दौरान चोटिल होने के बाद से अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। ऐसे में अश्विन को पहले टेस्ट में अंतिम-11 में शामिल किया गया है। वेस्टइंडीज दौरे पर अश्विन को बेंच पर बैठना पड़ा था, जबकि जडेजा को दोनों मैचों में खेलने का मौका मिला था।

दो तेज गेंदबाज, दो स्पिनर टीम में: भारत इस मैच में दो तेज गेंदबाजों और इतने ही स्पिनरों के साथ उतरेगा। अगर विकेट से टर्न मिलता है तो हनुमा विहारी तीसरे स्पिनर की भूमिका निभा सकते हैं। जसप्रीत बुमराह का बाहर होना भारत के लिए बड़ा झटका है लेकिन इशांत शर्मा और मुहम्मद शमी की जोड़ी उनकी गैरमौजूदगी में भी पूरी तरह से सक्षम है।

नई शुरुआत करेगी मेहमान टीम: दक्षिण अफ्रीका की टीम भारत दौरे पर कुछ नए खिलाड़ियों को साथ आई है और उसके खिलाफ मेजबान टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। कप्तान फाफ डुप्लेसिस सहित मौजूदा टीम के सिर्फ पांच खिलाड़ी पिछली बार भारत दौरे पर आई टीम का हिस्सा थे, जिसे तब टेस्ट सीरीज में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था। एडेन मार्करैम और तेंबा बावुमा ने अभ्यास मैच में उम्दा पारियां खेलीं और इससे मैच से पूर्व उनका आत्मविश्वास बढ़ा होगा।

मजबूत गेंदबाजी आक्रमण सहारा: कैगिसो रबादा, वर्नोन फिलेंडर और लुंगी नगिदी की तेज गेंदबाजी तिकड़ी भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर सकती है। पांचों दिन बादल छाए रहने और बारिश की भविष्यवाणी के कारण उनका काम आसान हो सकता है। भारत घरेलू सरजमीं पर रिकॉर्ड लगातार 11वीं टेस्ट सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा और उसे दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजी आक्रमण से बचना होगा।

खुद को साबित करने के लिए रोहित को पर्याप्त मौके मिलेंगे : कोहली

एक प्रशंसक ने विराट की उपलब्धियों को अपने शरीर पर गुदवा लिया। टेस्ट मैच से पूर्व भारतीय कप्तान ने अपने प्रशंसक से मुलाकात की ● प्रेट्र

विशाखापत्तनम, प्रेट्र: भारतीय कप्तान विराट कोहली ने रोहित शर्मा का समर्थन करते हुए मंगलवार को कहा कि सलामी बल्लेबाज के तौर पर उनकी मौजूदगी टीम के बल्लेबाजी क्रम को 'अधिक घातक' बना देगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए वनडे टीम के उप कप्तान को लाल गेंद (टेस्ट) के क्रिकेट में खुद को साबित करने के लिए पर्याप्त मौके दिए जाएंगे। रोहित को सीमित ओवरों के क्रिकेट में मौजूदा दौर के महानतम बल्लेबाजों में से एक माना जाता है लेकिन इस प्रारूप में वह टीम में अपनी जगह स्थायी नहीं कर पाए हैं।

कोहली ने कहा कि अगर वह सलामी बल्लेबाज की भूमिका में सफल रहते हैं तो हमारा बल्लेबाजी क्रम और घातक हो जाएगा। उसके स्तर के खिलाड़ी को अंतिम एकादश में जगह नहीं देना हर बार मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि अगर वह लय में आ जाए तो दुनिया भर में कहीं भी पूरा बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह से अलग नजर आता है। कोहली से जब पूछा गया कि क्या टीम प्रबंधन रोहित को पांच से छह मैचों में मौका देने के बारे में सोच रहा है तो उन्होंने कहा कि हम उनके साथ जल्दबाजी करने के मूड में नहीं है। आप भारत और विदेशों में अलग-अलग योजना के साथ मैदान में जाते हैं। पारी का आगाज करना ऐसी जिम्मेदारी है जहां खिलाड़ी को अपना खेल

कप्तान ने कहा, रोहित हमारे लिए सहवाग जैसा रोल अदा करें तो टीम को फायदा होगा

समझने के लिए समय चाहिए होता है। भारतीय कप्तान ने कहा कि रोहित को खुद को साबित करने का मौका मिलेगा जिससे वह अपने तरीके से खेल सकेंगे। उन्होंने कहा कि हम रोहित से किसी खास शैली की बल्लेबाजी की अपेक्षा नहीं कर रहे हैं। यह उन पर है कि वह अपने खेल के शीर्ष पर कैसे आते हैं। हां उनकी ताकत आक्रामक क्रिकेट खेलने की है जैसा कि वीरू भाई (सहवाग) ने लंबे समय तक टीम के लिए किया था। भारतीय कप्तान ने कहा कि ऐसा नहीं था कि कोई वीरू भाई को कहता था कि लंच से पहले आक्रामक क्रिकेट खेलो और शतक बनाओ। यह उनका नैसर्गिक खेल था और एक बार सहज होने के बाद वह किसी भी आक्रमण को धवस्त कर देते थे। रिद्धिमान साहा को पहला टेस्ट खिलाने पर कप्तान कोहली ने कहा कि साहा पिछले काफी समय से चोट के चलते टीम से बाहर थे। वह अनुभवी विकेटकीपर हैं यह सभी जानते हैं। भारतीय परिस्थितियों में वह हमारे लिए फायदेमंद साबित होंगे। यही वजह है कि उन्हें टीम में युवा विकेटकीपर रिषभ पंत पर तरजीह दी गई है।

डुप्लेसिस बोले, मैंने भारत के 2015 दौरे से सबक सीखे: दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने चार साल पहले भारत के मुश्किल दौरे से सबक सीखे हैं और उन्हें उम्मीद है कि बुधवार से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज के बाद टीम के युवा सदस्य बेहतर क्रिकेटर बनकर उभरेंगे। भारत के पिछले दौर पर दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी का कोई जवाब नहीं था और टीम को चार मैचों की सीरीज में 0-3 से हार झेलनी पड़ी थी। डुप्लेसिस इस सीरीज के दौरान सात पारियों में सिर्फ 60 रन बना पाए थे। डुप्लेसिस ने पहले टेस्ट से पूर्व कहा कि अगर आपके खेल में कोई कमी है तो टेस्ट क्रिकेट इसे उजागर कर देता है। बेशक पिछली बार हम यहां बल्लेबाजी इकाई के रूप में आए थे और मुश्किल हालात में मुझे परेशानी का सामना करना पड़ा था। तथ्य यह है कि मुश्किल हालात से सामंजस्य बैठाने के लिए मुझे रक्षात्मक और तकनीकी रूप से बेहतर होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से ऐसा स्थान रहा है जहां आप पहली पारी में रन बना सकते हो लेकिन दूसरी पारी में यह चुनौतीपूर्ण हो सकता है और पहली पारी में आपके पास पर्याप्त गेंदबाजी संसाधन होने चाहिए।

विराट का सबसे बड़ा टेस्ट

नई दिल्ली: इंग्लैंड के खिलाफ समाप्त हुई पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 774 रन बनाकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भारतीय कप्तान कोहली के सामने बड़ी चुनौती पेश की है। स्मिथ ने उन्हें टेस्ट रैंकिंग में पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। वह 68 मैचों में 64.65 के औसत से 6973 रन बनाकर कोहली से आगे निकल गए हैं। कोहली के नाम 79 मैचों में 53.14 के औसत से 6749 दर्ज हैं। यही नहीं सबसे ज्यादा टेस्ट शतक के मामले में भी स्मिथ ने कोहली को पछाड़ दिया है। स्मिथ के जहां 26 टेस्ट शतक हैं, वहीं कोहली के नाम 25 शतक हैं। अब देखना होगा कि कोहली, स्मिथ को पछाड़ पाते हैं या नहीं।

1000 रन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में अब तक सिर्फ सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ ने बनाए हैं। कोहली के पास इस क्लब में शामिल होने का मौका है। वह 1000 रन पूरा करने से 242 रन ही पीछे हैं। सचिन 1741 रन के साथ शीर्ष पर मौजूद हैं

भारत: विराट कोहली (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, हनुमा विहारी, रिद्धिमान साहा, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, इशांत शर्मा, मुहम्मद शमी।

दक्षिण अफ्रीका: फाफ डुप्लेसिस (कप्तान), तेंबा बावुमा, थ्युनिस डि ब्रून, क्विंटन डिकॉक, डीन एल्गर, जुबैर हमजा, केशव महाराज, एडेन मार्करैम, सेनुरन मुथुसामी, लुंगी नगिदी, एनरिक नोर्टजे, वर्नोन फिलेंडर, डेन पीट्ड, कैगिसो रबादा और रूडी सेकेंड।

फिट इंडिया अभियान से जुड़ें : रवि शास्त्री

विशाखापत्तनम: भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान और स्वच्छ भारत अभियान से जुड़ने की अपील की है। शास्त्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह लोगों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील कर रहे हैं। शास्त्री ने कहा कि महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर मेरे साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल फिट इंडिया मूवमेंट और स्वच्छ भारत अभियान से जुड़िए। उन्होंने कहा कि मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि आइए, दो अक्टूबर को दो किलोमीटर दौड़िए। शास्त्री इस समय टीम के साथ एसीए–वीडीसीए स्टेडियम में हैं, जहां टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच खेलना है।

अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ● प्रेट्र

रोहित के प्रदर्शन को लेकर उत्सुकता

वीवीएस लक्ष्मण

वेरी-वेरी स्पेशल

नए सत्र की शुरुआत हमेशा से रोमांचक होती है क्योंकि भारत ने पिछले 21 माह में भारतीय सरजमीं पर मात्र तीन टेस्ट खेले हैं। ऐसे में जब भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में उतरेगा तो टीम से अपेक्षा ज्यादा होगी।

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज में पूरे अंक लेकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत शानदार की। यह भारतीय टीम के पास इस लय को बरकरार रखने का बेहतरीन मौका है। टीम के नजरिए से देखें तो लक्ष्य सिर्फ बढ़िया क्रिकेट खेलने पर होगा जिससे अच्छे परिणाम आ सकें। शीर्ष क्रम पर ज्यादा फोकस होगा, जो वेस्टइंडीज में अच्छा नहीं कर पाया था। मयंक अग्रवाल ने अपनी काबिलियत साबित की है, लेकिन वह बड़े स्कोर नहीं बना पा रहे हैं। अगले तीन सप्ताह तक वह इसमें सुधार करना चाहेंगे, लेकिन सबसे ज्यादा उत्सुकता रोहित शर्मा के प्रदर्शन पर होगी जो पहली बार टेस्ट क्रिकेट में ओपनिंग कर रहे हैं।

रोहित एक बहुत ही अनुभवी और परिपक्व खिलाड़ी हैं और उन्होंने सफेद गेंद क्रिकेट में सफलता का स्वाद चखा है। टेस्ट क्रिकेट में अलग मांग होती है, लेकिन उनके लिए जरूरी है कि वह अपने प्राकृतिक खेल से छेड़छाड़ नहीं करें। वह घर में खेली जानी वाली सीरीज में अपने नए अवतार का मूल्य समझेंगे। जहां नई गेंद का सामना करना आसान है और मैं उनसे कुछ बड़ा करने की उम्मीद करता हूं। चेतेश्वर पुजारा को खुद को दोबारा लय में लाना होगा क्योंकि वह और विराट पांच दिवसीय क्रिकेट में भारतीय बल्लेबाजी क्रम के अहम सदस्य हैं। रिद्धिमान साहा चोट से ठीक होकर वापसी कर रहे हैं और इसमें कोई दो राय नहीं कि उन्हें रिषभ पंत की जगह अंतिम-11 में लिया गया। खासतौर पर भारतीय पिचों पर जहां वह ज्यादा अच्छी विकेटकीपिंग कर सकते हैं। मुझे लगता है कि पंत को विजय हजारे खेलने के लिए रिलीज कर देना चाहिए क्योंकि उनके लिए आत्मविश्वास पाने के लिए इससे अच्छा कुछ नहीं होगा। जसप्रीत बुमराह का टीम में नहीं होना भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका है। हालांकि भारत का तेज गेंदबाजी आक्रमण कुछ समय से किसी एक गेंदबाज पर निर्भर नहीं रहा है। इशांत और शमी भारतीय पिचों पर भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। साथ ही मैं रविचंद्रन अश्विन को दोबारा एक्शन में देखना चाहता हूं। मेरी एक चिंता यह है कि वह लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेले हैं और ऐसे में उन्हें विकेट लेने के लिए ज्यादा उत्साहित नहीं होना चाहिए।

बुमराह की कमी खलेगी, लेकिन हमारे पास बैकअप है : सचिन

नई दिल्ली, आइएएनएस : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण नहीं खेल रहे हैं। पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का मानना है कि बुमराह की कमी भारत को जरूर खलेगी, लेकिन टीम के पास बेंच स्ट्रेंथ है।

सचिन ने कहा कि जब बुमराह की बात आती है तो आप निश्चित तौर पर उनकी कमी महसूस करेंगे। उनके जैसे खिलाड़ी को चोट के कारण मजबूरन बाहर जाना पड़ा है, लेकिन मुझे लगता है कि भारतीय टीम के पास उनकी भरपाई करने के लिए जरूरी बेंच स्ट्रेंथ है। भारतीय तेज गेंदबाजी मेरे लिए काफी मजबूत है साथ ही स्पिन भी।

महान बल्लेबाज ने कहा कि तेज गेंदबाजी विभाग में हमारे पास अच्छा बैकअप है जिनके पास अच्छा खासा अनुभव है। हम इस अच्छी स्थिति में हैं कि हमारे पास बेंच पर भी अच्छे विकल्प हैं। हमें बुमराह की कमी खलेगी लेकिन उस स्तर तक नहीं जितनी अन्य देशों में खेलते हुए खलती। जहां तक स्पिन गेंदबाजी की बात आती है तो जो संयोजन हमारे पास है उसने काफी समय तक अच्छा किया है। मुझे लगता है कि हमारे गेंदबाज दक्षिण अफ्रीका पर दवाब बना पाएंगे।

जहीर खान के बाद से टीम में बायें हाथ का कोई अच्छा गेंदबाज नहीं आया है। इस पर सचिन ने कहा कि हां, अगर बायें हाथ का गेंदबाज होता तो हमारे पास विविधता होती, और यह बल्लेबाजों के लिए मुश्किल पैदा करता। बायें हाथ के तेज गेंदबाज शुरुआत में गेंदबाजी कर ऑफ स्पिनर के लिए अच्छे निशान छोड़ता उसी तरह जिस तरह बायें हाथ का स्पिनर दायें हाथ के तेज गेंदबाज द्वारा बनाए गए निशानों का उपयोग करता है इसलिए बायें हाथ के तेज गेंदबाज के होने से हमें विविधता मिलती। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप दर्शकों के लिए काफी अहम है क्योंकि वह हर मैच को देखेंगे। मुझे लगता है कि आखिरी के छह महीने काफी रोमांचक होंगे क्योंकि इस समय कई आंकड़े सामने आएंगे। यह खिलाड़ियों के लिए काफी अहम है।

मुझे लगता है कि खिलाड़ी हर मैच जीतना चाहेंगे। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में अगर कोई टीम पहले दो मैच जीत लेती है तो कई बार होता है कि दर्शक अगला मैच नहीं देखते हैं, लेकिन जहां तक क्रिकेट खिलाड़ियों की बात है तो वह हर मैच जीतना चाहेंगे। मुझे हमेशा से लगता है कि टेस्ट क्रिकेट काफी मुश्किल है। यह दर्शकों को अपनी ओर आने के लिए मजबूर करेगा और उन्हें बेहतरीन गेंदबाज तथा बल्लेबाजी देखने को मिलेगी। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन ने कहा कि अगर अच्छी पिचों पर मैच खेले जाएंगे तो इस टेस्ट चैंपियनशिप के मायने और बढ़ जाएंगे।

नजरिया
- कहा, उम्मीद है कि भारतीय गेंदबाज मेहमान टीम पर दवाब बनाएंगे
- पूर्व भारतीय क्रिकेटर का मानना है टेस्ट चैंपियनशिप से हर मैच अहम होगा
- अगर बायें हाथ का गेंदबाज होता तो विविधता होती, यह बल्लेबाजों के लिए मुश्किल पैदा करता

पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर। फाइल फोटो

पीठ के इलाज के लिए आज ब्रिटेन जाएंगे पांड्या

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट टीम के हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या अपनी पीठ के इलाज के लिए बुधवार को ब्रिटेन रवाना होंगे। पांड्या उसी विशेषज्ञ से अपना इलाज कराएंगे जिसने 2018 और 2019 में उनका इलाज किया था। पांड्या तीसरी बार अपनी पीठ का इलाज कराने ब्रिटेन जा रहे हैं। उन्हें भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेली गई टी-20 सीरीज में पीठ में समस्या हुई थी। इतना तय है कि हार्दिक पांड्या अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टी-20 और टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। इतना ही नहीं अगर बीसीसीआइ अधिकारी की मानें तो वह इस चोट के कारण लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रह सकते हैं।

बोर्ड के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि पांड्या इंग्लैंड के विशेषज्ञ से पीठ के मसले को लेकर चर्चा करेंगे और तय करेंगे कि इसकी सर्जरी होनी है या ठीक होने के लिए दवाइयां काफी हैं। उन्होंने कहा कि विश्व कप के बाद से पांड्या ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और अपनी फिटनेस पर काम किया है। लेकिन, दक्षिण अफ्रीका के साथ खेली गई टी-20 सीरीज में उन्हें पीठ में समस्या हुई थी। वह बुधवार को जा रहे हैं और विशेषज्ञ से बात करेंगे कि सर्जरी की जरूरत है या नहीं। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ पांड्या को समझते हैं क्योंकि वह कई वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं। यहां तक कि जब हम विश्व कप खेल रहे थे तब वह उस डॉक्टर के पास गए थे। आपको इस बात को समझना होगा कि हर खिलाड़ी शीर्ष स्तर पर 100 फीसद फिट नहीं हो सकता। उनको कुछ न कुछ समस्या रहती है। उनकी मदद करने के लिए फिजियो है, लेकिन एक समय के बाद आपको कुछ कदम उठाने पड़ते हैं। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी चोटिल हैं। अपनी चोट ठीक कराने के लिए वह भी ब्रिटेन गए हैं। बुमराह की स्थिति पर उन्होंने कहा कि वह अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं, लेकिन हम किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। इसलिए हमने उन्हें ब्रिटेन भेजा।

फैसला
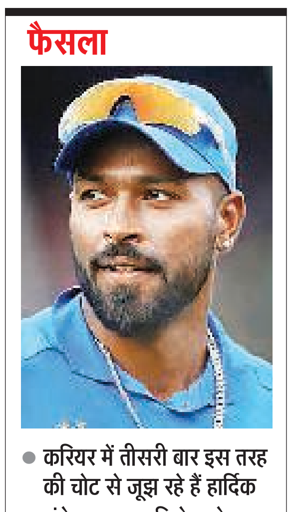
- करियर में तीसरी बार इस तरह की चोट से जूझ रहे हैं हार्दिक
- लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रह सकते हैं पांड्या

कोलकाता में 19 दिसंबर को होगी आइपीएल नीलामी

फ्रेंचाइजियों के पास शेष राशि

चेन्नई सुपरकिंग्स	3.2 करोड़
दिल्ली कैपिटल्स	7.7 करोड़
किंग्स इलेवन पंजाब	3.7 करोड़
कोलकाता नाइटराइडर्स	6.5 करोड़
मुंबई इंडियंस	3.55 करोड़
राजस्थान रॉयल्स	7.15 करोड़
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर	1.8 करोड़
सनराइजर्स हैदराबाद	5.3 करोड़

नई दिल्ली, जेएनएन: आइपीएल के अगले सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी पहली बार कोलकाता में 19 दिसंबर को होगी। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान के सहस्वामित्व वाली कोलकाता नाइटराइडर्स टीम का मेजबान शहर है। अब तक अधिकांश बार खिलाड़ियों की नीलामी बेंगलुरु में ही हुई है। हालांकि 23 अक्टूबर को बीसीसीआइ के चुनाव होने हैं और इसके बाद नीलामी की तारीख और मेजबान शहर में बदलाव किया जा सकता है। खिलाड़ियों की 'ट्रेडिंग विंडो' अभी खुली हुई है जो 14 नवंबर को बंद होगी। इस दौरान टीमें अपने खिलाड़ियों की अदला-बदली करने के अलावा अपने खिलाड़ी को दूसरी टीम को बेच सकती हैं। प्रत्येक फ्रेंचाइजी 2020 सत्र के लिए अपने खिलाड़ियों पर अधिकतम 85 करोड़ रुपये खर्च कर सकती है। दिल्ली कैपिटल्स के पास सबसे अधिक 8.20 करोड़ रुपये की राशि शेष बची है।

बीसीसीआइ चुनाव सीओए ने दोनों राज्य संघों का मामला न्यायमित्र नरसिम्हा के पास भेजा

हरियाणा और तमिलनाडु का मामला न्यायमित्र के पास

अभिषेक त्रिपाठी ● नई दिल्ली

बीसीसीआइ में सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति (सीओए) हरियाणा और तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) के संविधान और अन्य मामलों को लेकर कोई फैसला नहीं कर सकी और अब इन दोनों राज्य संघों के भविष्य पर निर्णय न्यायमित्र पीएस नरसिम्हा करेंगे।

सीओए के सदस्यों ने मंगलवार को बैठक की और सभी ने इन दोनों राज्य संघों पर माथापच्ची की आखिर में इनके मामले को न्यायमित्र के पास भेजने का निर्णय लिया गया। मालूम हो कि इन दोनों राज्य संघों ने लोढ़ा समिति की सिफारिशों को लागू नहीं किया है। इससे पहले सीओए ने (टीएनसीए) को चेतावनी दी थी कि 23 अक्टूबर को होने वाले बीसीसीआइ चुनाव में शामिल होने के लिए उसे अपने संविधान में संशोधन करना होगा। टीएनसीए ने भी बीसीसीआइ के निर्वाचन अधिकारी एन. गोपालस्वामी को मेल लिखकर यह साफ कर दिया था कि सीओए यह निर्धारित नहीं कर सकता कि राज्य संघों के संविधान को उनके आदेश का पालन करना है या नहीं। ईमेल में टीएनसीए के सचिव आरएस रामास्वामी ने निर्वाचन अधिकारी को सुप्रीम कोर्ट के नौ अगस्त और 20 सितंबर 2018 के आदेश का हवाला दिया है जो यह दर्शाता है कि सीओए संघों का भविष्य निर्धारित नहीं कर सकता। टीएनसीए ने कहा कि सीओए के पास यह तय करने का कोई अधिकार नहीं है कि एक राज्य संघ, सुप्रीम कोर्ट द्वारा नौ अगस्त को सुनाए फैसले में शामिल निर्देशों का पालन कर रहा है या नहीं। सीओए के पास कोई अधिकार नहीं है कि वह नौ अगस्त को सुनाए फैसले में शामिल निर्देशों का पालन न करने के कारण राज्य संघों को बीसीसीआइ चुनाव में शामिल न होने दे। इस मामले पर फैसला सुप्रीम कोर्ट करेगा। फैसले में यह बताया गया है कि अगर संघ निर्देशों का पालन नहीं करते हैं तो उसके क्या परिणाम होंगे, लेकिन सीओए इस मामले में कुछ नहीं कर सकता।

टीएनसीए को सुप्रीम कोर्ट ने 20 सितंबर के दिए आदेश से चुनाव कराने की अनुमति दी और संघ द्वारा आयोजित चुनावों की वैधता के संबंध में कोई भी फैसला केवल सुप्रीम कोर्ट ही ले सकता है। टीएनसीए ने निर्वाचन अधिकारी से विनती भी की है कि संघ को बीसीसीआइ चुनाव में भाग लेने से रोका न जाए। सचिव ने कहा कि हमारा अनुरोध है कि सीओए का अनुपालन नहीं करने के कारण टीएनसीए को बीसीसीआइ चुनावों में भाग लेने से न रोका जाए। ऐसा करना सुप्रीम कोर्ट के नौ अगस्त और 20 सितंबर के आदेश की अवमानना होगी।

अशोक गहलोत के बेटे का आरसीए अध्यक्ष बनना तय

नरेन्द्र शर्मा ● जयपुर

राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) की कमान अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत के हाथ में होगी। जोधपुर से लोकसभा चुनाव हारने के बाद अपने लिए राजनीतिक कार्यक्षेत्र तलाश रहे वैभव गहलोत अब प्रदेश में क्रिकेट की राजनीति करेंगे।

अब तक अध्यक्ष पद की दावेदारी कर रहे कांग्रेस के ही वरिष्ठ नेता रामेश्वर डूडी की अध्यक्षता वाले नागौर जिला क्रिकेट संघ को निर्वाचन अधिकारी आरआर रश्मी द्वारा मान्यता नहीं देने के बाद वैभव गहलोत के आरसीए अध्यक्ष बनने का रास्ता साफ हो गया। अब डूडी गुट ने अध्यक्ष पद पर वैभव गहलोत का समर्थन करने के साथ अन्य पदों पर चुनाव लड़ने की बात कही है। वैभव गहलोत ने मंगलवार को अध्यक्ष पद के लिए नामांकन-पत्र दाखिल कर दिया। इससे पहले आरसीए चुनाव के लिए सोमवार रात आठ बजे मतदाता सूची जारी होनी थी, लेकिन चुनाव अधिकारी आरआर रश्मि ने इसे जारी करते-करते रात के दो बजा दिए।

अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद वैभव गहलोत का अध्यक्ष बनना तय हो गया। वहीं ललित मोदी से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े तीनों जिलों नागौर, अलवर और श्रीगंगानगर की संबद्धता बीसीसीआइ की शर्त के अनुसार समाप्त कर दी गई है। बीसीसीआइ ने आरसीए का निलंबन खत्म करने के लिए यह भी शर्त रखी थी कि राजस्थान क्रिकेट में ललित मोदी से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ा कोई भी नहीं रह सकता है। ललित मोदी इस्तीफा देने से पहले तक नागौर जिला संघ के अध्यक्ष थे। इसी तरह अलवर के अध्यक्ष ललित मोदी के बेटे रुचिर मोदी थे।

मुंबई में पाटिल का भी रास्ता साफ

मुंबई: बिजनेसमैन विजय पाटिल का मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) का अध्यक्ष बनना करीब–करीब तय है। पिछली बार भी पाटिल चुनाव लड़े थे लेकिन तब उन्हें एनसीपी प्रमुख शरद पवार से शिकस्त मिली थी। हालांकि बाद में लोढ़ा समिति की वजह से पवार को पद छोड़ना पड़ा था। वहीं इस बार पाटिल का निर्विरोध अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है क्योंकि एजीएम में उनके खिलाफ कोई भी उम्मीदवार खड़ा नहीं हुआ है।

कर्फ्यू में पाकिस्तानी क्रिकेट, गंभीर ने उड़ाया मजाक

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: क्रिकेटर से नेता बने गौतम गंभीर ने ट्विटर पर एक वीडियो साझा किया और कराची में श्रीलंका एवं पाकिस्तान के बीच हुए वनडे मैच के लिए की गई सुरक्षा के इंतजामों पर चुटकी ली। पाकिस्तान के व्यक्ति द्वारा रिकॉर्ड किया गया वीडियो साझा करते हुए गंभीर ने ट्वीट किया कि इतना कश्मीर-कश्मीर किया कि कराची भूल गए। 26 मिनट के वीडियो में कराची के दो व्यक्ति एक कार में बैठे हुए हैं और श्रीलंका के खिलाफ जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए की गई सुरक्षा के इंतजामों का मजाक उड़ा रहे हैं। दो व्यक्ति यह दिखा रहे हैं कि कैसे कर्फ्यू जैसी स्थिति में क्रिकेट खेला जा रहा है। श्रीलंका की टीम को दूसरे वनडे मैच के लिए कराची स्थित नेशनल स्टेडियम ले जाने के दौरान करीब 20 गाड़ियां मौजूद थीं। पाकिस्तान ने मैच को 67 रनों से अपने नाम किया था। बता दें कि सोमवार को खेले गए दूसरे वनडे में एक समय मैदान की फ्लड लाइट भी खराब हो गई थी, जिसकी वजह से काफी देर तक मैच रुका रहा था।

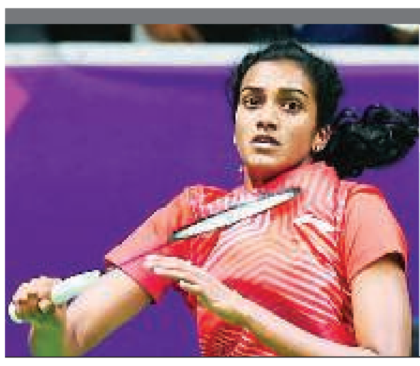

कश्यप शीर्ष-25 में, सिंधू छठे स्थान पर फिसली

नई दिल्ली, आइएएनएस : कॉमनवेल्थ गेम्स के पूर्व चैंपियन पारुपल्ली कश्यप बीडब्ल्यूएफ की ओर से मंगलवार को जारी ताजा विश्व रैंकिंग में शीर्ष-25 में पहुंच गए हैं जबकि विश्व चैंपियन पीवी सिंधू की रैंकिंग गिरकर छठे स्थान की हो गई है। सिंधू चीन ओपन और कोरिया ओपन में जल्द ही बाहर हो गई थी, जिसके कारण उनकी रैंकिंग में गिरावट देखने के मिली है। वहीं, कोरिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले कश्यप पांच स्थानों की छलांग लगाकर 25वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

मुझे अभी भी फुटबॉल पसंद है। जो लोग मुझे पसंद करते हैं, मुझे उनका मनोरंजन करना अच्छा लगता है।
– क्रिस्टियानो रोनाल्डो, पुर्तगाल के फुटबॉलर

दूसरे दौर में पहुंचे नोवाक जोकोविक

टेनिस डायरी ▸ नंबर एक खिलाड़ी ने टोक्यो ओपन में एलेक्सी को 6–4, 6–2 से हराया

चोट से उबरने के बाद पहली बार सिंगल्स में जीते नोवाक

टोक्यो, रायटर : विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविक ने क्वालीफायर एलेक्सी पॉपीरिन को 6-4, 6-2 से हराकर टोक्यो ओपन टेनिस चैंपियनशिप के दूसरे दौर में जगह बनाई।

यूएस ओपन के चौथे दौर में स्टान वावरिंका के खिलाफ चोटिल होकर बाहर होने के बाद जोकोविक पहली बार सिंगल्स मुकाबला खेलने उतरे। उन्होंने सात ऐस और पहली सर्विस पर 84 फीसद अंक बटोरकर साबित किया कि वह अब करीब-करीब पूरी तरह फिट हैं। जोकोविक नंबर एक खिलाड़ी के तौर पर 271वें सप्ताह में प्रवेश कर चुके हैं और सर्वाधिक सप्ताह तक नंबर एक रहने के मामले में वह इवान लेंडल (270) को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरे दौर में जोकोविक का सामना स्थानीय खिलाड़ी गो सोइडा से होगा।

उधर अन्य मुकाबलों में जापान के वाइल्ड कार्ड धारी टारो डेनियल ने दूसरे वरीय क्रोएशिया के बोर्ना कोरिक को 6-4, 4-6, 7-6 से हराकर चौंका दिया जबकि उनके हमवतन यासुतका युचियाना ने फ्रांस के चौथे वरीय बेनोइट पियरे को 6-2, 6-2 से शिकस्त दी। वहीं सातवें वरीय अमेरिका के टेलर फिट्ज को हमवतन रैली ओपेल्का के हाथों 3-6, 4-6 से हार मिली।

सर्जरी के बाद मरे की सर्वश्रेष्ठ जीत

ब जिंग : ब्रिटिश टेनिस स्टार एंडी मरे ने कूल्हे की सर्जरी के बाद वापसी करने के बाद मंगलवार को सर्वश्रेष्ठ जीत दर्ज की। मरे ने चीन ओपन में करीब दो घंटे तक चले पहले दौर के पुरुष सिंगल्स मुकाबले में दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी और यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले माटियो बेरेतिनी को 7-6, 7-6 से हराया। पिछले सप्ताह 32 वर्षीय मरे ने सर्जरी के बाद सिंगल्स में पहली एटीपी जीत दर्ज की थी और वह अपने सर्वश्रेष्ठ दिनों में वापसी करने की जुगत में जुटे हुए हैं। तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन और फिलहाल दुनिया के 503वें नंबर के खिलाड़ी मरे ने दोनों सेट को टाईब्रेकर में अपने नाम किया। जीत के बाद मरे ने कहा कि टेनिस में उनकी वापसी सही दिशा में जा रही है। उधर महिला सिंगल्स में शीर्ष वरीय एश्ले बार्टी और नाओमी ओसाका अंतिम-16 में पहुंच गईं। विश्व नंबर एक बार्टी ने कजाखिस्तान की युलिया पुतिनत्सेवा को 6-4, 6-2 से हराया। वहीं जापान की ओसाका ने जर्मनी की एंड्रिया पेत्कोविक को 6-2, 6-0 से शिकस्त दी।

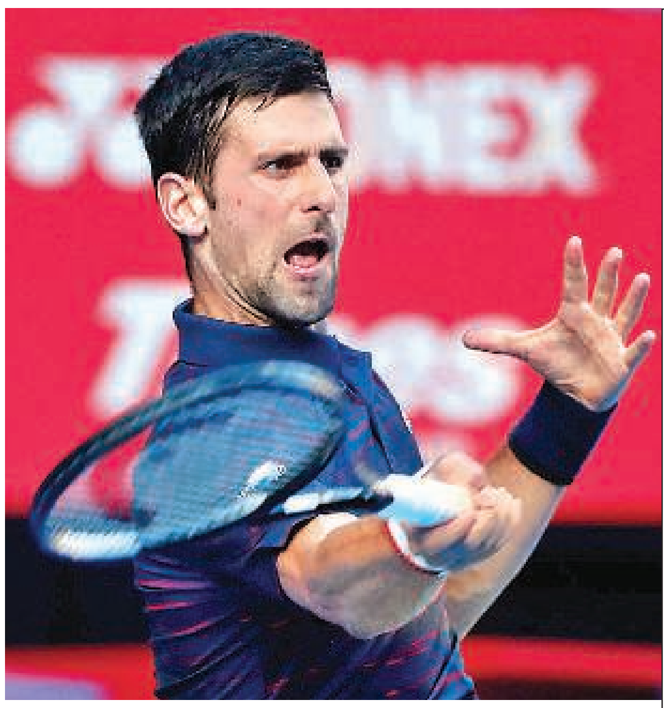

मैच के दौरान शॉट लगाते नोवाक जोकोविक। रायटर

‘बॉल गर्ल’ को ‘हॉट’ कहने पर अंपायर पर प्रतिबंध

प रिस : इटली में पुरुषों के एक टेनिस टूर्नामेंट के दौरान ‘बॉल गर्ल’ से ‘वह हॉट है या नहीं’ पूछने वाले अंपायर को जांच पूरी होने तक प्रतिबंधित कर दिया गया है। इस बात की जानकारी एटीपी ने मंगलवार को दी। अंपायर जियानलुका मोसकारेला ने पिछले सप्ताह इटली के फ्लोरेंस में एटीपी पुरुष टूर्नामेंट के दौरान लड़की से यह बात पूछी। इस अंपायर पर एक खिलाड़ी के प्रति अनुचित व्यवहार करने का भी आरोप है। एक वीडियो सोशल मीडिया पर चल रहा है जिसमें मोसकारेला उस लड़की से कह रहा है, ‘बहुत हॉट हो’। यह घटना पेड्रो सोसा और एनरिको डेल्ला वाल्ले के बीच चैलेंजर टूर मैच के दौरान घटी। इस मैच के दौरान डेल्ला जब कुछ समय के लिए कोर्ट से अनुपस्थित थे तब अंपायर ने सोसा का उत्साहवर्धन भी किया था। एटीपी ने बयान में कहा, ‘हम पिछले सप्ताह फ्लोरेंस में घटी घटना से अवगत हैं। जब इस घटना का पता चला तो मोसकारेला को तुरंत ही टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया और घटना की पूरी जांच शुरू कर दी गई है। इस बीच मोसकारेला को एटीपी के अनुबंधित अधिकारी की सेवाओं से जांच पूरी होने तक अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया गया है।’

आर्सेनल ने युनाइटेड की उम्मीदों पर पानी फेरा

फुटबॉल

मैनचेस्टर, एएफपी : इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में सोमवार देर रात खेले गए मुकाबले में आर्सेनल ने मैनचेस्टर युनाइटेड की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। ओल्ड ट्रैफर्ड में आर्सेनल के पियरे एमरिक आउबामेयांग ने दूसरे हाफ में वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वार) तकनीक की मदद से गोल करके युनाइटेड को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया।

पहले हाफ में खराब खेल दिखाने वाली युनाइटेड की टीम ने स्कॉट मैकटोमिनी (45वें मिनट) द्वारा किए गए शानदार गोल की बदौलत बढ़त हासिल की लेकिन मैनेजर ओले गनर सोल्सकजेर की टीम आउबामेयांग (58वें मिनट) को गोल करने से नहीं रोक पाई। हालांकि आउबामेयांग के गोल को ऑफ साइड करार दिया गया था लेकिन वार की मदद से उस गोल को सही ठहराया गया। युनाइटेड की टीम पिछले 12 मुकाबलों में केवल दो मुकाबले जीत पाई है और इस सत्र में सात मुकाबलों के बाद वह महज नौ अंकों के साथ 10वें पायदान पर है। वह शीर्ष पर काबिज लिवरपूल से 12 अंक पीछे है। वहीं इस ड्रॉ से मिले एक अंक की मदद से आर्सेनल 12 अंकों के साथ चौथे पायदान पर पहुंच गया। कई वर्षों से युनाइटेड और आर्सेनल के बीच मुकाबले को ईपीएल के खास मुकाबलों में गिना जाता रहा है। इन दोनों क्लबों ने 1996 से लेकर 2004 तक लगातार नौ खिताब जीते थे।

बार्सिलोना में पांव जमाने की कोशिश में ग्रीजमैन

बार्सिलोना : एंटोनी ग्रीजमैन ने कहा है कि उन्हें पता था कि स्पेनिश क्लब बार्सिलोना में खुद को स्थापित करना मुश्किल होगा लेकिन यह उनकी सोच से ज्यादा मुश्किल हो रहा है। यूएफा चैंपियंस लीग के ग्रुप-एफ में बोरूसिया डोर्टमंड से गोलरहित ड्रॉ खेलने के बाद अब बुधवार को बार्सिलोना की टीम घरेलू मैदान कैंप नाउ पर इंटर मिलान से भिड़ेगी। इस दौरान ग्रीजमैन खुद को साबित करने की कोशिश करेंगे। वहीं ग्रुप-ई के अपने पहले मुकाबले में शिकस्त खाने वाली मौजूदा चैंपियन लिवरपूल की टीम ऑस्ट्रियन क्लब रेड बुल से भिड़ेगी। अन्य अहम मुकाबलों में चेल्सी की टीम फ्रेंच क्लब लील से भिड़ेगी।

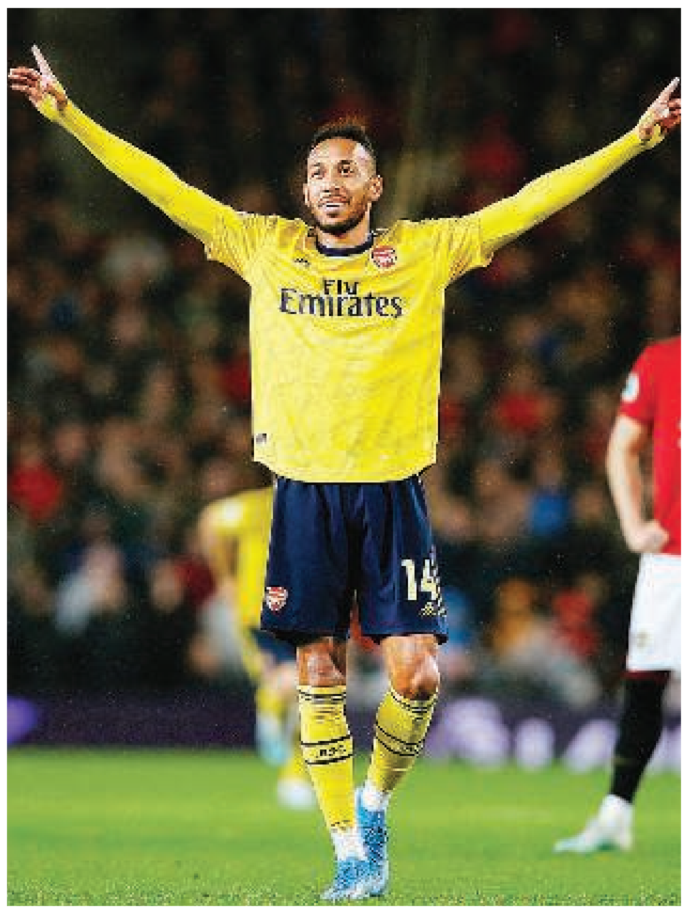

गोल करने के बाद जश्न मनाते आर्सेनल के पियरे एमरिक आउबामेयांग। एएफपी

संगकारा ने एमसीसी के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला

लंदन, एएफपी : श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के अध्यक्ष के रूप में मंगलवार को अपना कार्यभार संभाल लिया। संगकारा एमसीसी के पहले गैर ब्रिटिश अध्यक्ष हैं और वह इस पद पर एक साल के लिए रहेंगे।

संगकारा ने कहा कि एमसीसी अध्यक्ष के प्रतिष्ठित पद पर पहुंचकर मैं रोमांचित हूं और क्रिकेट के शानदार साल के लिए एमसीसी के साथ कड़ी मेहनत करने को लेकर उत्साहित हूं। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज संगकारा लंबे समय से एमसीसी से जुड़े हुए हैं। उन्होंने 2002 में इंग्लैंड का दौरा करने वाली श्रीलंका की टीम की ओर से चेस्टरफील्ड के क्वींस पार्क में एमसीसी के खिलाफ प्रथम श्रेणी मैच में पारी का आगाज किया था। इसके अलावा वह 2005 में सुनामी राहत मैच में एमसीसी की ओर से लॉर्ड्स पर अंतरराष्ट्रीय एकादश के खिलाफ भी खेले थे। एमसीसी के मौजूदा अध्यक्ष एंथनी व्रेफोर्ड ने मई में लॉर्ड्स में एमसीसी की वार्षिक आम बैठक में संगकारा के नामांकन की घोषणा की थी।

आइसीसी ने क्रेग ब्रेथवेट के गेंदबाजी एक्शन को सही बताया

दुबई : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) ने पार्ट-टाइम ऑफ स्पिनर क्रेग ब्रेथवेट के गेंदबाजी एक्शन को सही ठहराया है। पिछले महीने जमैका में भारत के खिलाफ हुए मैच के दौरान ब्रेथवेट के गेंदबाजी एक्शन के खिलाफ रिपोर्ट की गई थी।

बारिश बाधित मैच में चंडीगढ़ ने सिक्किम को चार विकेट से हराया

विजय हजारे ट्रॉफी

जागरण संवाददाता, देहरादून

बायें हाथ के स्पिनर गुरिंदर सिंह की मदद से चंडीगढ़ ने मंगलवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप में बारिश से प्रभावित मैच में सिक्किम को चार विकेट से हराया। बारिश के कारण मैच 21 ओवर का कर दिया गया। गुरिंदर ने चार ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट चटकाए और सिक्किम को चार विकेट पर 111 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। सिक्किम की तरफ से यशपाल सिंह ने सर्वाधिक नाबाद 39 रन बनाए। इसके जवाब में चंडीगढ़ ने छह विकेट पर 115 रन बनाकर जीत दर्ज की। चंडीगढ़ को आखिरी ओवर में छह रन चाहिए थे और गुरिंदर ने चौका जड़कर टीम को जीत दिलाई।

तमिलनाडु की बंगाल पर जीत में चमके कार्तिक

जयपुर, प्रेट्र : कप्तान दिनेश कार्तिक की 62 गेंदों पर आठ चौकों और चार छक्कों की मदद से खेली गई 97 रन की शानदार पारी से तमिलनाडु ने मंगलवार को यहां बंगाल को 74 रन से हराया जो विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप-सी में उसकी लगातार चौथी जीत है। तमिलनाडु पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर 37 ओवर में पांच विकेट पर 123 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था लेकिन बाद में कार्तिक और शाह रुख खान (नाबाद 69) के बीच शतकीय साझेदारी से वह सात विकेट पर 286 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में बंगाल 45.3 ओवर में 212 रन पर आउट हो गया। उसकी तरफ से केवल शाहबाज अहमद (107) ही संघर्ष कर पाए। बंगाल का स्कोर एक समय पांच विकेट पर 21 रन था।

दिल्ली और उत्तर प्रदेश के मैच रद

वडोदरा : दिल्ली और उत्तर प्रदेश के मंगलवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी में एलीट ग्रुप-बी में होने वाले मैच बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके रद हो गए। दिल्ली का मुकाबला विदर्भ से होना था। वहीं, उत्तर प्रदेश बनाम महाराष्ट्र का मुकाबला भी रद कर दिया गया। इस मैच में भी कोई गेंद नहीं फेंकी गई। देहरादून में होने वाले प्लेट ग्रुप में नगालैंड और मेघालय तथा उत्तराखंड और मणिपुर के मैच बारिश के कारण रद कर दिए गए। रद हुए मैचों में प्रत्येक टीम के खाते में दो-दो अंक जोड़ दिए गए।

मुंबई ने सौराष्ट्र को हराकर पहली जीत दर्ज की

बेंगलुरु, प्रेट्र : कप्तान श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव के अर्धशतकों की मदद से गत विजेता मुंबई ने मंगलवार को सौराष्ट्र को पांच विकेट से हराया जो उसकी विजय हजारे ट्रॉफी में पहली जीत है। मुंबई ने एलीट ग्रुप–ए के इस मैच में सौराष्ट्र को नौ विकेट पर 245 रन पर रोकने के बाद अय्यर के 75 और सूर्यकुमार के नाबाद 85 रन की बदौलत दो ओवर पहले ही लक्ष्य हासिल कर दिया।

शुभम रंजने ने नाबाद 45 रन बनाए। इससे पहले सौराष्ट्र के अधिकतर बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। उसकी तरफ से अर्पित वासवदा ने सर्वाधिक 59 रन बनाए जबकि चिराग ने नाबाद 40 रन का योगदान दिया। मुंबई की तरफ से शार्दुल ठाकुर ने 36 रन देकर तीन विकेट लिए। एलीट ग्रुप–ए के दूसरे मैच में हैदराबाद ने कर्नाटक को 21 रन से हराकर चार अंक हासिल किए। संन्यास से वापसी करने वाले अंबाती रायुडू ने नाबाद 87 रन बनाकर हैदराबाद की तरफ से बल्लेबाजी में अहम योगदान दिया जबकि बाद में बायें हाथ के स्पिनर बावनका संदीप ने चार विकेट लिए। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 198 रन बनाए जिसके जवाब में कर्नाटक 177 रन पर आउट हो गया।

विविध

महंगे लैपटॉप खरीद मामले में हिमाचल सरकार को नोटिस

राज्य ब्यूरो, शिमला

इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम के माध्यम से 10 हजार मेधावी बच्चों के लिए की जा रही लैपटॉप खरीद का विवाद हाई कोर्ट पहुंच गया है। पूर्व उपमहाधिवक्ता विनय शर्मा ने कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। मंगलवार को इस पर कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश धर्मचंद चौधरी की पीठ में सुनवाई हुई। इसके बाद कोर्ट ने प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। इसमें 21 नवंबर तक जवाब दायर करना होगा।

याचिका में सचिव आइटी, सचिव शिक्षा, शिक्षा निदेशक उच्चतर, प्रबंध निदेशक इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम को पार्टी बनाया गया है। इसमें कैबिनेट के फैसले को चुनौती दी गई है। कैबिनेट की बैठक में दो कंपनियों को टेंडर आवंटित करने पर मुहर लगाई थी, जबकि शिक्षा मंत्री सरकार से टेंडर रद करने की सिफारिश कर चुके हैं।

याचिका के अनुसार दो में से एक कंपनी ने उत्तर प्रदेश सरकार को भी लैपटॉप दिए हैं। वहां एक लैपटॉप 15 हजार और हिमाचल में यही लैपटॉप 23 हजार का मिलेगा। याचिकाकर्ता ने टेंडर रद करने की गुहार लगाई है। इसमें दिए तथ्यों के अनुसार 9700 लेपटॉप खरीदने का टेंडर एसर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड व एचपी इंडिया सेल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को दिया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह टेंडर लेनोवो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की बिड को नजरअंदाज किया गया। पिछली बार स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों को देने के लिए करीब 17.16 करोड़ रुपये में 10,000 लैपटॉप खरीदे गए थे। जिस कंपनी को टेंडर से बाहर किया, वह कनार्टक में ऐसा ही लैपटॉप 12 हजार में दे चुकी है। याचिकाकर्ता ने महंगे लैपटॉप खरीद पर सवाल उठाए हैं।

दैनिक जागरण ने प्रमुखता से उठाया था मुद्दा

‘दैनिक जागरण’ ने 22 जून से मेधावियों के लिए की जा रही लैपटॉप की महंगी खरीद के मामले को लगातार प्रमुखता से उठाया है। उसी आधार पर शिक्षा विभाग ने इस खरीद के टेंडर को रद कर दिया था। विभाग ने इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम पर सवाल खड़े किए थे।

जोधपुर में प्रिंसिपल के तबादले के खिलाफ सड़क पर उतरीं छात्राएं

संवाद सूत्र, जोधपुर

अपने विद्यालय की प्रिंसिपल के तबादले के समाचार सुन राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरसागर की छात्राएं स्कूल बंद कर सड़क पर उतर गईं। उन्होंने प्रिंसिपल के तबादले का विरोध करते रास्ता जाम कर दिया। कई घंटों तक वे धूप में सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करती रहीं। बाद में अधिकारियों के समझाने और आश्वासन पर उन्होंने रास्ता खोला।

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरसागर की प्रिंसिपल का स्कूल से तबादला कर दिया गया है। मंगलवार को सुबह जब छात्राएं स्कूल पहुंची, तब उन्हें इसके बारे में पता चला। इसके विरोध में और तबादला रद करने की मांग को लेकर छात्राएं स्कूल से बाहर आ गईं और प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्राओं ने सड़क पर जाम लगा दिया। छात्राओं का कहना था कि जब तक प्रिंसिपल का तबादला रद नहीं हो जाता, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। उनका कहना था कि मंजू मेडम ने जिस तरीके से स्कूल की व्यवस्थाओं को संभाला है और उसके बाद विद्यालय ने विकास किया है, वह किसी से छुपा हुआ नहीं है। उन्होंने विद्यालय को प्रगति प्रदान की, लेकिन सरकार ने उनका तबादला कर दिया। इसी का विरोध किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस और शिक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्राओं को समझाया।

प्रिंसिपल के तबादले के विरोध करती छात्रों ने स्कूल का द्वार बंद कर प्रदर्शन किया। जागरण

तीस दिन पहले ऑनलाइन पोर्टल पर करना होगा आवेदन

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

करतारपुर साहिब

- श्रद्धालुओं के लिए गुरमुखी व अंग्रेजी में होगा पोर्टल, कैप्टन ने कहा–तीस दिन की अवधि को घटाया जाए
- सीएम ने केंद्रीय टीम के साथ करतारपुर कॉरिडोर की प्रगति का लिया जायजा

गुरु नानक देवजी के 550वें प्रकाश पर्व पर पाकिस्तान के करतारपुर साहिब गुरुद्वारे में दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को तीस दिन पहले ऑनलाइन पोर्टल पर ही आवेदन करना होगा। पोर्टल गुरमुखी व अंग्रेजी भाषा में होगा। यह जानकारी केंद्रीय टीम ने मंगलवार को करतारपुर कॉरिडोर के काम की समीक्षा के लिए रखी गई बैठक में मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन अप्लाई करने के लिए निश्चित किए गए 30 दिन के समय को घटाने की मांग भी रखी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव एससीएल दास ने बताया कि पाकिस्तान अब तक रोजमर्रा के अधिकतम 5000 श्रद्धालुओं को जाने की इजाजत देने के लिए सहमत हुआ है। विशेष दिनों में इसकी सीमा 10, 000 या इससे अधिक होगी। इससे पहले भारत सरकार के जांच ब्यूरो के कमिश्नर राजीव रंजन वर्मा ने बताया कि ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत जल्द की जाएगी। यह भी बताया कि भारत सरकार ने डेरा बाबा नानक में पुलिस और सुरक्षा के मजबूत बुनियादी ढांचों के निर्माण के लिए 15.78 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

दर्शन के लिए ऐसे करना होगा अप्लाई : श्रद्धालुओं को ऑनलाइन पोर्टल पर एक महीना पहले आवेदन करना होगा। यात्रा का दिन भी बताना होगा। 5000 श्रद्धालुओं से ज्यादा को एक दिन में जाने का मौका नहीं मिलेगा। पांच हजार श्रद्धालुओं की सूची पाकिस्तान को भेजी जाएगी और वह दस दिन पहले बताएंगे कि कितने लोगों के नाम उन्होंने रिजेक्ट कर दिए हैं और कितने लोगों दर्शन के लिए आ सकेंगे। जिन लोगों के नामों को मंजूरी मिल जाएगी, पांच दिन पहले उन्हें सूचित कर दिया जाएगा कि किस तारीख को उन्हें वहां पर जाना है।

ई–परमिट जारी करने की संभावना तलाशने को भी कहा

मीटिंग के दौरान कैप्टन ने टीम को श्रद्धालुओं के लिए ई–परमिट जारी करने की संभावना तलाशने के अलावा डेरा बाबा नानक में पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित करने के लिए भी कहा। पाकिस्तान द्वारा लगाए गए 20 डॉलर की फीस को हटाने की मांग को भी पुन: दोहराया। मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ के रीजनल पासपोर्ट अफसर को कहा कि श्रद्धालुओं को पहल के आधार पर पासपोर्ट सेवाएं मुहैया करवाने के लिए फास्ट ट्रैक और आसान विधि यकीनी बनाई जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार को प्रति व्यक्ति 10 हजार रुपये की भारतीय करंसी की इजाजत देने की मांग की।

शरणार्थी बच्चों को स्कूल से निकालने के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- बच्चों को दाखिला देने के दिल्ली सरकार को निर्देश देने की मांग

पाकिस्तान से शरणार्थी के तौर पर भारत आए एक हिंदू परिवार के तीन बच्चों को स्कूल से निकालने के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने दिल्ली हाई कोर्ट से उसके बच्चों को दाखिला देने के दिल्ली सरकार को निर्देश देने की मांग की है। याचिकाकर्ता की दलील है कि शिक्षा का अधिकार के तहत सभी वर्ग और समुदाय को शिक्षा मिलनी चाहिए, वर्ना इसका मूल उद्देश्य पूरा नहीं हो सकेगा। याचिका पर आगामी नौ अक्टूबर को सुनवाई होगी।

याचिकाकर्ता गुलशेर ने अधिवक्ता अशोक अग्रवाल के माध्यम से याचिका दायर कर कहा कि वह सिर्फ यही चाहता है कि उसके बच्चों को पूरी शिक्षा मिले। याचिका के अनुसार पाकिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ बन रहे माहौल के बीच वह तीनों बच्चों के साथ 14 मई, 2019 को भारत आया था। 5 जुलाई, 2019 को उनके तीन बच्चों संजीना बाई, मूना कुमारी और रवि कुमार का सीनियर सेकेंड्री स्कूल छतरपुर में आठवीं कक्षा में दाखिला हुआ था। उन्होंने वहां पर 8 जुलाई से 14 सितंबर तक पढ़ाई भी की, लेकिन एक दिन शिक्षा निदेशालय के एक परिपत्र का हवाला देकर बच्चों को स्कूल से निकाल दिया गया। इसके तहत हर क्लास में दाखिले के लिए एक उम्र सीमा तय की गई है। निदेशालय के परिपत्र के हिसाब से तीनों बच्चों की उम्र अधिक है। तीनों ने इस संबंध में ऑल इंडिया पैरेंट एसोसिएशन के माध्यम से मुख्यमंत्री से शिकायत की, लेकिन वहां से राहत नहीं मिली। अधिवक्ता अशोक अग्रवाल ने हाई कोर्ट से मांग की कि शिक्षा का अधिकार के तहत तीनों बच्चों को शिक्षा मिलनी चाहिए और शिक्षा हासिल करना बच्चों का मौलिक अधिकार है। उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट से तीनों को दाखिला देने का निर्देश दिया जाने के साथ ही दिल्ली सरकार के उक्त सर्कुलर को रद करने की मांग की है।

फाइल फोटो

सरकारी उपक्रमों के मजदूरों के हितों की रक्षा का आग्रह

जागरण संवाददाता, जयपुर

- राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किसी सरकारी उपक्रम के दिवालिया होने पर बंद होने की स्थिति में उसमें कार्यरत श्रमिकों तथा राज्य सरकार के हितों की रक्षा के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री ने इसके लिए ‘इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड 2016’ में संशोधन करने का आग्रह किया है।

गहलोत ने इस कानून की विसंगतियों की ओर पीएम का ध्यान आकृष्ट करते हुए बताया कि इस कोड के प्रावधान मजदूरों एवं राज्य सरकार के हितों के विपरीत हैं, जबकि इसका उद्देश्य रुग्ण अथवा बंद उद्यमों का पुनःसंचालन करना और राज्य संपदा तथा कार्यरत श्रमिकों के हितों की रक्षा होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस कानून के अनुसार, किसी उपक्रम के बंद होने की स्थिति में नियोजित कर्मचारियों और मजदूरों को केवल 24 महीने की देय राशि के भुगतान का प्रावधान है। इस नाममात्र के भुगतान से जीवनयापन के संकट से जूझने वाले कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त होता है तथा कई बार कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने के हालात बन जाते हैं। पत्र में गहलोत ने कहा कि किसी भी राजकीय उपक्रम में भूमि तथा भवन सहित राज्य सरकार की बहुमूल्य पूंजी लगी होती है, लेकिन इस कानून के तहत उपक्रम के बंद होने पर राज्य सरकार को भुगतान को प्राथमिकता देने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि यह कानून की गंभीर त्रुटि है। उन्होंने पीएम को सुझाव दिया कि वह उपरोक्त बिंदुओं पर गंभीरता से विचार करते हुए इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड, 2016 के प्रावधानों को संशोधित करें और राज्य की संपदा तथा कार्यरत श्रमिकों के हितों का संरक्षण सुनिश्चित करें।

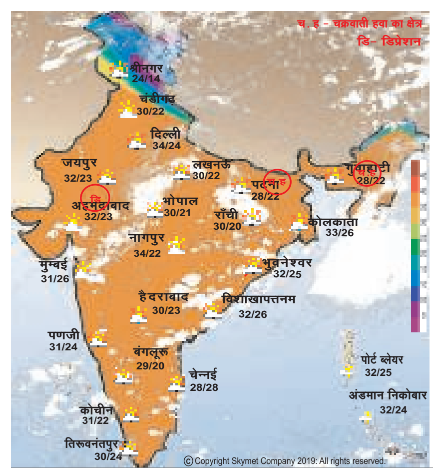

मौसम विशेष

जम्मू-कश्मीर व हिमाचल प्रदेश में दिन का मौसम आरामदायक रहेगा। कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होगी। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली व पश्चिम राजस्थान में मौसम हल्का गर्म रहेगा। कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होगी। राजस्थान के पूर्वी भागों में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	31/26/व	अहमदाबाद	34/24/व
कोलकाता	33/26/व	बड़ौदा	34/25/व
चेन्नई	34/27/व	नागपुर	34/23/व
हैदराबाद	28/22/आंबा	इन्दौर	30/21/आंबा
बंगलूरू	27/19/व	राँची	28/23/व
त्रिवेन्द्रम	30/23/सा	पटना	30/25/व
गुवाहाटी	27/23/आंबा	जमशेदपुर	27/23/व
गंगटोक	16/07/व	पुणे	26/22/व

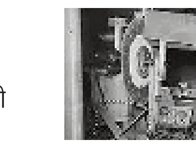

दुनिया के पहले टेलीविजन का सफल टेस्ट किया

1925 में आज ही स्कॉटिश आविष्कारक जॉन लॉगी बेयर्ड ने अपनी लैब में दुनिया के पहले टेलीविजन का सफल टेस्ट किया था और इसी के बाद लोगों को टीवी देखने की सुविधा मिली थी। भारत में टेलीविजन 15 सितंबर, 1959 को आया।

जर्मनी ने ऑपरेशन टायफून की शुरुआत की

द्वितीय विश्व के दौरान 1941 में आज ही जर्मनी की सेना ने ऑपरेशन टायफून के तहत सोवियत संघ की राजधानी मॉस्को पर आक्रमण कर दिया था। हालांकि सोवियत संघ की सेना ने हिटलर के इस हमले को विफल कर दिया था।

देश के 'लाल' थे लाल बहादुर शास्त्री

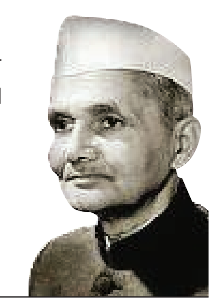

देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 1904 में आज ही उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में हुआ था। असहयोग आंदोलन में हिस्सा लेने के चलते सात साल तक जेल में रहे। 1964 में प्रधानमंत्री बने। उनके शासनकाल में 1965 में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ। उस समय देश में भयंकर सूखा पड़ा और अनाज की कमी हो गई। संकट को टालने के लिए उन्होंने देशवासियों से एक दिन का उपवास रखने की अपील की और कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए जय जवान-जय किसान का नारा दिया। 11 जनवरी, 1966 को ताशकंद में अंतिम सांस ली।

इधर-उधर की

चीनी सरकार ने मुफ्त में बांटे छह लाख टीवी

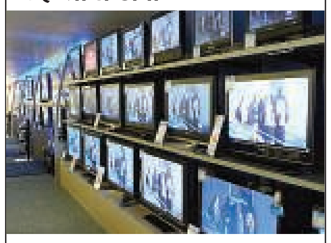

बीजिंग, एजेंसी : आमतौर पर चुनावों में लोगों को लुभाने के लिए सरकारें तरह-तरह के वादे करती हैं, लेकिन चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने चुनाव के लाग-लपेट से दूर हटकर एक अक्टूबर को आयोजित अपने राष्ट्रीय दिवस के मौके पर गरीबों को 32 इंच के छह लाख 20 हजार टीवी सेट मुफ्त में इसलिए बांट दिए ताकि इस दिवस पर आयोजित भव्य समारोह का प्रसारण देखने से कोई चूक न जाए। कम्युनिस्ट पार्टी के तत्कालीन नेता माओत्से तुंग (माओ) ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी कब्जे के अंत के बाद राष्ट्रवादी पार्टी के साथ चार साल के गृहयुद्ध के बाद 1 अक्टूबर, 1949 को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की थी। तब से लेकर आज तक चीन इस दिन को राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाता चला आ रहा है।

व्यायाम के असर पर पानी फेर सकता है आइस बाथ

न्यूयॉर्क टाइम्स से

▸ आइस बाथ लेने से रुक जाता है मांसपेशियों का विकास

▸ ऊतक के विकास के लिए जरूरी प्रोटीन की घट जाती है मात्रा

पेशेवर एथलीटों के ट्रेनिंग रूम में बर्फ से भरा बाथटब होना बेहद आम बात है। फाइल

वाशिंगटन : पेशेवर एथलीटों के ट्रेनिंग रूम और कुछ जिम में बर्फ से भरा बाथटब होना बेहद आम बात है। बहुत से एथलीट कड़े व्यायाम के बाद बर्फ के टुकड़ों वाले पानी में कुछ देर बैठते हैं। इसे आइस बाथ भी कहा जाता है। इसके पीछे धारणा है कि व्यायाम के बाद बर्फीले पानी में नहाने से मांसपेशियों को आराम मिलता है और शरीर जल्दी ही दोबारा व्यायाम के लिए तैयार हो जाता है। हालांकि ताजा अध्ययन में इससे इतर नतीजे पाए गए हैं।

शोधकर्ताओं का कहना है कि इस बात का दावा कोई नहीं कर सकता है कि बर्फीले पानी में बैठना आरामदायक अनुभव है। सच यही है कि ठंडे पानी की बूंदें सुई की तरह चुभती हैं। इसके बाद भी लोग आइस बाथ लेते हैं, क्योंकि उनका मानना है कि इससे कड़े व्यायाम से थकी मांसपेशियों को आराम मिलता है, मांसपेशियों को होने वाला नुकसान कम होता है और मांसपेशियों के विकास में भी मदद मिलती है।

आइस बाथ लेने व ना लेने वालों में नहीं आता कोई फर्क : कुछ युवाओं और एथलीटों पर किए गए अध्ययन में इससे इतर बात सामने आई है। इसमें पाया गया है कि वेट लिफ्टिंग के बाद अगर आइस बाथ लिया जाए, तो इससे व्यायाम का असर कम हो जाता है। इससे मांसपेशियों की मरम्मत की दिशा में तो कोई लाभ नहीं होता है, लेकिन उनका विकास जरूर रुक जाता है। अध्ययन में पाया गया है कि व्यायाम के बाद आप आराम करने का कौन सा रास्ता अपनाते हैं, इससे यह तय होता है कि उस व्यायाम से आपको लाभ कितना होगा। आइस बाथ पर कई अध्ययन हुए हैं और उनसे उस तरह का लाभ सामने नहीं आया है, जैसा दावा किया जाता है। कुछ अध्ययनों के नतीजे बताते हैं कि मांसपेशियों के स्तर पर आइस बाथ लेने और नहीं लेने वालों में कोई फर्क नहीं होता है।

ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने किया शोध : बर्फीला पानी पड़ने से शरीर की मांसपेशियों पर होने वाले असर का पता लगाने के लिए ऑस्ट्रेलिया स्थित डेकीन यूनिवर्सिटी और विक्टोरिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने शोध किया। इसके लिए वेट लिफ्टिंग ना करने वाले 16 स्वस्थ्य युवकों का चयन किया गया। सात हफ्तों तक चले अध्ययन के दौरान उन सभी को हर हफ्ते तीन बार वर्कआउट करना था। वर्कआउट के बाद आधे लोगों ने आइस बाथ लिया जबकि अन्य ने कुछ देर बैठकर अपनी थकान दूर की। अध्ययन के अंत तक दोनों ही समूह के प्रतिभागी स्वस्थ और मजबूत लगे। हालांकि, उनक मांसपेशियों में अंतर पाया गया।

मांसपेशियों में मौजूद बॉयोकेमिकल्स हो जाते हैं असंतुलित : शोधकर्ताओं का कहना है कि मांसपेशिया लंबे फाइबर से निर्मित होती हैं। कसरत के बाद इनका विकास तेजी से होता है। हालांकि, कसरत के बाद तुरंत शरीर पर बर्फीला पानी पड़ने से फाइबर का विकास रुक जाता है। आइस बाथ से मांसपेशियों में मौजूद बॉयोकेमिकल्स का संतुलन बिगड़ जाता है। ऊतक के विकास के लिए जरूरी प्रोटीन की मात्रा घट जाती है जबकि उनके टूटने के लिए जिम्मेदार प्रोटीन की मात्रा बढ़ जाती है। यही वजह है कि मांसपेशी के फाइबर छोटे रह जाते हैं।

सात साल बाद मिस्र को लौटाया सोने का ताबूत

मिस्र की राजधानी काइरो स्थित एक राष्ट्रीय संग्रहालय में मंगलवार को एक प्रदर्शनी में प्टोलेमिक पीरियड (करीब दो हजार वर्ष पूर्व) के एक प्रमुख पादरी नेद्जेमंख के सोने के ताबूत का अवलोकन करते मिस्र के पुरातत्व मामलों के मंत्री खालिद अल-अनानी (दाएं) और काइरो में अमेरिकी दूतावास के अधिकारी थॉमस गोल्डबर्गर (मध्य)। यह ताबूत वर्ष 2011 में मिस्र से चोरी हो गया था। 2017 में न्यूयॉर्क के मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट ने पेरिस के एक आर्ट डीलर से इसे 3 .9 मिलियन डॉलर यानी लगभग 28 करोड़ रुपये में खरीद लिया था। पिछले सप्ताह ही इस ताबूत को अमेरिका ने मिस्र को लौटाया है। इस ताबूत की लंबाई 181 सेंटीमीटर और चौड़ाई 28 सेंटीमीटर है। इस मौके पर खालिद अल-अनानी ने कहा कि इस अद्वितीय, अद्भुत कलाकृति को मिस्र को वापस किया जाना अमेरिका के साथ हमारी एकजुटता को दर्शाता है। एएफपी

चांद पर दिन निकलते ही लैंडर तलाशेगा इसरो

चंद्रयान-2 ▸ अंधेरे की वजह से 'विक्रम' को नहीं मिल रही है ऊर्जा, बैटरी हो गई है खत्म

'सॉफ्ट लैंडिंग' के प्रयास के दौरान लैंडर से टूटा था संपर्क

बेंगलुरु, प्रेट्र : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चांद की सतह पर पड़े लैंडर विक्रम से दोबारा संपर्क स्थापित करने की उम्मीदें नहीं छोड़ी हैं। चांद पर अभी रात है और इसरो को वहां दिन निकलने का इंतजार है। इसरो प्रमुख ने कहा है कि दिन निकलने के बाद लैंडर से फिर संपर्क स्थापित करने की कोशिश की जाएगी। पिछले महीने की सात तारीख को चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग के दौरान लैंडर विक्रम से भू-स्टेशन से संपर्क टूट गया था। लैंडर की चांद पर हार्ड लैंडिंग हुई थी। चांद की सतह पर वह आड़े तिरछे पड़ गया था, जिससे उससे सिंग्नल नहीं मिल पा रहा है।

लैंडर विक्रम को चांद पर एक दिन ही काम करना था। चांद का एक दिन पृथ्वी के 14 दिन के बराबर होता है। विक्रम पर लगे सोलर पैनल को सूरज की रोशनी से ऊर्जा मिलती। लेकिन वहां रात होने के बाद उसकी बैटरी डिस्चार्ज हो गई है। 10 दिन पहले इसरो ने लैंडर से संपर्क स्थापित करने की कोशिशें रोक दी थी।

इसरो के अध्यक्ष के. सिवन ने मंगलवार को यहां कहा कि चांद पर अभी रात है। रात गुजरने के बाद हम विक्रम से संपर्क स्थापित करने की कोशिशें फिर शुरू कर सकते हैं। रात की वजह से विक्रम को ऊर्जा नहीं मिल रही है और उसकी बैटरी खत्म हो गई होगी।

'विक्रम' के क्षतिग्रस्त होने की आशंका: इसरो के एक अधिकारी ने अपना नाम गुप्त रखते हुए कहा कि इतने दिनों बाद लैंडर से दोबारा संपर्क स्थापित करना बहुत मुश्किल है, लेकिन प्रयास करने में हर्ज ही क्या है। यह पूछे जाने पर रात के वक्त चांद पर पड़ने वाली अत्यधिक ठंड से विक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा होगा, अधिकारी ने कहा कि सिर्फ ठंड ही नहीं, लैंडर चांद की सतह पर बहुत तेजी से टकराया था उससे भी उसे भारी नुकसान पहुंचा होगा। उसके अंदर के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए होंगे।

खामियों का पता लगा रही समिति : अधिकारी ने बताया कि इसरो द्वारा गठित विशेषज्ञों की समिति लैंडर के हार्ड लैंडिंग और संपर्क टूटने के कारणों का पता लगा रही है। उम्मीद है एक महीने के भीतर कमेटी अपनी रिपोर्ट दे देगी, उसके बाद आगे की योजना पर काम किया जाएगा।

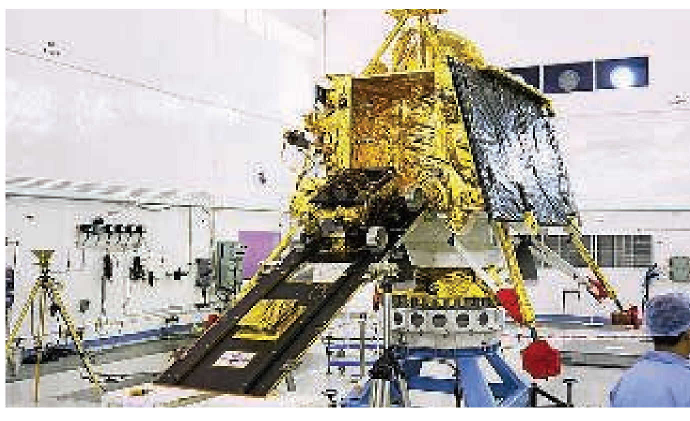

बीती 22 जुलाई को आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से चंद्रयान-2 का प्रक्षेपण किया गया था। तीन सप्ताह तक इस यान ने पृथ्वी की अलग-अलग कक्षाओं का चक्कर लगाया था। फाइल

साढ़े सात साल तक मिलेंगी अहम जानकारियां

भारत का चंद्रयान-2 मिशन बहुत ही जटिल मिशन था। चंद्रयान-2 के तीन हिस्से थे। पहला हिस्सा ऑर्बिटर ठीक तरह से काम कर रहा है। वह चांद की कक्षा में चक्कर लगा रहा है और उम्मीद है साढ़े सात साल तक वह अहम जानकारियां देता रहेगा। विक्रम और उसके अंदर छिपे रोवर प्रज्ञान को वहां एक चंद्र दिवस काम करना था, जो गुजर चुका है।

भारत का दूसरा चंद्र अभियान

यह भारत का दूसरा चंद्र अभियान है। 2008 में भारत ने आर्बिटर मिशन चंद्रयान-1 भेजा था। यान ने करीब 10 महीने चांद की परिक्रमा करते हुए प्रयोगों को अंजाम दिया था। चांद पर पानी की खोज का श्रेय भारत के इसी अभियान को जाता है। चंद्रयान-2 से इस दिशा में भी नए प्रमाण जुटाए जाने की उम्मीद है। चंद्रयान-2 यहां खनिज व अन्य रासायनिक घटकों की उपलब्धता का भी पता लगाएगा।

मंगल जाने वाले नासा के रॉकेट में भगवान वेंकटेश्वर का नाम

तिरुपति, प्रेट्र: जुलाई 2020 में मंगल पर जाने वाले नासा के रॉकेट के रोवर में लगी चिप पर भगवान वेंकटेश्वर का नाम भी है। यह जानकारी राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के पूर्व निदेशक और भगवान वेंकटेश्वर के अनन्य भक्त वी वेंकट रमना रेड्डी ने मंगलवार को दी। रेड्डी ने बताया कि नासा ने 'सेंड योर नेम टू मार्स' अभियान चलाया था। इसके तहत आम लोगों से नाम मांगे गए थे। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी की वेबसाइट पर नाम जमा करने की अंतिम तारीख मंगलवार को समाप्त हो गई।

रेड्डी ने बताया कि उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर का पवित्र नाम भेजा था और इसे स्वीकार कर लिया गया है। इस संबंध में नासा की तरफ से प्रभु के नाम का स्मारिका बोर्डिंग पास भी मिल गया है। इस संबंध में नासा ने कहा है कि रोवर पर लगी चिप में चिपकाए गए 10 लाख नामों में से एक भगवान वेंकटेश्वर का नाम भी होगा। श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय में ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट के पूर्व प्रोफेसर रेड्डी ने कहा, 'मैं भगवान वेंकटेश्वर का अनन्य भक्त हूं। मैं मंगल ग्रह के लिए भगवान वेंकटेश्वर का नाम भेजकर अति प्रसन्न हूं।'

शोध अनुसंधान

स्मार्टफोन पर निर्भरता से डिप्रेशन का खतरा

स्मार्टफोन का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करने वाले लोग सजग हो जाएं। इसकी लत लगने से मानसिक समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि स्मार्टफोन पर निर्भर रहने वाले कम उम्र के युवकों में डिप्रेशन (अवसाद) और अकेलेपन का खतरा हो सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, अध्ययन में स्मार्टफोन पर निर्भरता और डिप्रेशन व अकेलेपन के लक्षणों के बीच जुड़ाव पाया गया है। यह निष्कर्ष 18 से 20 साल की उम्र के 346 प्रतिभागियों पर किए गए एक अध्ययन के आधार पर निकाला गया है। अमेरिका की एरिजोना यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता मैथ्यू लेपियर के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में दूसरी चीजों की अपेक्षा स्मार्टफोन पर निर्भरता के कारण डिप्रेशन और अकेलेपन के लक्षणों में बढ़ोतरी पाई गई। इस अध्ययन में सामान्य मोबाइल फोन की जगह स्मार्टफोन पर लोगों की बढ़ती निर्भरता पर गौर किया गया क्योंकि आज के दौर में स्मार्टफोन की उपयोगिता बढ़ गई है। -आइएएनएस

वजन घटाने से मिल सकती है डायबिटीज से निजात

शोधकर्ताओं का कहना है कि वजन में दस फीसद तक की कमी लाने का नतीजा टाइप-2 डायबिटीज से निजात पाने के रूप में सामने आ सकता है। डायबिटीज मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया है कि गहन जीवनशैली को अपनाए बगैर भी इस बीमारी से उबरा जा सकता है। टाइप-2 डायबिटीज हालांकि सकारात्मक जीवनशैली और दवाओं की मदद से भी नियंत्रित हो सकती है। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, 40 से 69 साल की उम्र वाले उन 687 प्रतिभागियों पर अध्ययन किया गया, जो डायबिटीज से पीड़ित थे। उन्होंने पांच साल बाद पाया कि 257 प्रतिभागी बीमारी से उबर चुके हैं। इन लोगों ने इस अवधि के दौरान अपने वजन को दस फीसद या ज्यादा कम किया था। प्रतिभागियों को निम्न कैलोरी वाला आहार खाने की सलाह दी गई थी। -एएनआइ

ताइवान में 460 फीट लंबा पुल ढहा, 14 घायल

ताइवान के ननफंगाओ में मंगलवार को एक खाड़ी पर बना 460 फीट (140 मीटर) लंबा पुल ढह गया। इस दौरान पुल से गुजर रहा एक तेल टैंकर नीचे जा गिरा और उसमें आग लग गई। पुल की चपेट में आकर नीचे खड़ी मछली पकड़ने वाली नौकाएं भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। हादसे में कम से कम 14 लोग घायल हुए हैं। राहत-बचाव कार्य चलाया जा रहा है। हादसे की वजह का पता नही चल सका है। मामले की जांच की जा रही है। हाल ही में इस इलाके ने तूफान भी झेला है। एएफपी

बोतल री-साइकिल कीजिए और मेट्रो में मुफ्त सफर का आनंद लीजिए

प्लास्टिक प्रदूषण के गंभीर खतरों को भांपते हुए दुनिया के कई देशों ने इससे निपटने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसके बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए इटली की सरकार ने एक विशेष योजना की शुरुआत की है। इसके तहत राजधानी रोम के मेट्रो स्टेशन पर तीन ऐसी मशीनें लगाई गई हैं, जो प्लास्टिक को री-साइकिल करने का काम करती हैं। सरकार इन मशीनों का प्रयोग करने वाले नागरिकों को मेट्रो में मुफ्त सफर की सुविधा भी देती है। जुलाई में शुरू हुई इस योजना के बाद अब तक लगभग 3,50000 बोतलों को री-साइकिल किया जा चुका है। इसी का असर है कि अब लोगों में प्लास्टिक कचरे के प्रति जागरूकता फैल रही है। रायटर

स्क्रीन शॉट

आमिर खान ने मम्मी से आधी रात में बनवाए कबाब

स्वादिष्ट खाना भला किसे पसंद नहीं होता। आम लोगों की तरह फिल्मी सितारे भी खाने के शौकीन होते हैं, लेकिन उन्हें कई बार अपने इस शौक पर नियंत्रण रखना पड़ता है। अपने मन को समझाते हुए किरदार की जरूरत के मुताबिक स्टार्स डायटिंग करते रहते हैं। बात अगर आमिर खान की हो तो वह तो अपने बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के लिए जाने जाते हैं। डायटिंग और जबरदस्त वर्कआउट से वह किरदार के मुताबिक आकार में फिट हो जाते हैं। इन दिनों अपनी फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की तैयारियों में जुटे आमिर भी डायटिंग पर हैं। इस फिल्म के लिए आमिर खान को बीस किलो वजन कम करना है। पिछले पांच महीने से वह वजन कम करने के लिए वेगन डायट कर रहे हैं। इस डायट को उन्होंने एक दिन के लिए तब तोड़ दिया, जब उन्हें कबाब खाने की जबर्दस्त तलब लगी। ऐसे में उन्होंने आधी रात में अपनी मम्मी को जगाया और उनसे कहा कि उन्हें कबाब खाना है। आमिर की मम्मी ने अपने बेटे की बात रखते हुए उनके लिए चिकन कबाब बनाए। फिर दोनों ने रात में बैठकर कबाब खाए और खूब बातें की। आपको बता दें कि फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' वर्ष 1994 में रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्म 'फॉरेस्ट गम्प' की हिंदी रीमेक है। फिल्म में आमिर सरदार की भूमिका में हैं। किरदार के अनुरूप दिखने के लिए वह प्रोटीन से भरपूर डायट ले रहे हैं। इस डायट में उबली या बेक की हुई सब्जियां, साग, टोफू, दाल और अलग तरह के अनाजों से बनी रोटी शामिल है। यह फिल्म अगले वर्ष क्रिसमस पर रिलीज होगी।

समीरा रेड्डी ने बच्ची के साथ की ऊंची चोटी पर चढ़ाई

समीरा रेड्डी ने हाल ही में कमाल कर दिखाया। इस ट्रैवलर एक्टर ने अपनी दो महीने की बेटी नायरा को लेकर कर्नाटक की सबसे ऊंची चोटी की चढ़ाई की है। समीरा मानती हैं कि बच्चे को जन्म देने का मतलब अपने शौक और जुनून के साथ समझौता करना नहीं है और वे अब भी अपने जीवन का पूरा आनंद लेना चाहती हैं। समीरा ने नायरा के साथ कर्नाटक की सबसे ऊंची चोटी 'मुलायनागिरि' शिखर (6300 फीट ऊंची) की चढ़ाई का वीडियो शेयर किया है। वीडियो में समीरा ने अपने अनुभव बताए हैं। समीरा ने बताया कि वह बीच में रुक गई थीं क्योंकि उन्हें सांस लेने में मुश्किल हो रही थी। उन्होंने बताया कि हाल में मम्मी बनी बहुत-सी महिलाओं के मैसेज उनके पास आ रहे हैं जो उनसे ट्रैवल के लिए प्रेरित हो रही हैं। मैं बहुत उत्साहित हूं कि मेरी कहानी का लोगों पर इतना सकारात्मक असर दिख रहा है। बेबी होने के बाद सब कुछ छोड़कर बैठ जाना बहुत आसान है लेकिन मैंने तय कर रखा था कि मैं अपने आपको किसी भी चीज से वंचित नहीं करूंगी। मां के रूप में मैंने अपना फर्ज निभाया। जब भी बेबी को भूख लगी मैंने उसे दूध पिलाया। समीरा के इस ट्रैवल वीडियो से एक तरफ जहां न्यू मॉम्स काफी उत्साहित हैं वहीं कुछ के मन में छोटे-छोटे प्रश्नों को जानने की इच्छा भी है। कुछ यह जानना चाहती हैं कि लोग कहते हैं इतनी ऊंचाई पर बेबी बीमार हो सकता है। सर्दी ज्यादा होती है ऐसे में किस तरह से मैनेज किया जाए? एक यूजर ने यह भी याद दिलाया कि यह बेबी नायरा का पहला एडवेंचर नहीं है, वह इसके पहले अपनी मां के पेट में अंडरवाटर फोटोशूट का भी आनंद ले चुकी है। हालांकि एक यूजर ने बेबी के स्वास्थ्य पर इसके असर को लेकर भी चिंता जताई है। क्या कोई भी डॉक्टर दो महीने की बच्ची को इस तरह के मौसम में ले जाने की सलाह देगा?

पहले 'उरी' को रिजेक्ट करने वाले थे विकी

'उरी - द सर्जिकल स्ट्राइक' विकी कौशल के करियर के लिए बहुत बड़ी हिट साबित हुई। शायद इसी से उनका करियर ग्राफ बहुत ऊपर उठ गया। लेकिन एक समय था जब विकी फिल्म को ना कहने वाले थे। इस बारे में विकी कहते हैं, 'शुरुआत में मैं फिल्म की स्क्रिप्ट को कनेक्ट नहीं कर पा रहा था। लेकिन मेरे पिता, डायरेक्टर शाम कौशल ने स्क्रिप्ट पढ़ी और उन्होंने कहा अगर तुम यह फिल्म छोड़ दोगे तो तुम्हारे जीवन का इससे बड़ा बेवकूफी भरा निर्णय दूसरा नहीं होगा। इसके बाद मैंने फिर ध्यान से स्क्रिप्ट पढ़ी और फिल्म के लिए हां कहा।' 'उरी' ने देश के साथ-साथ विदेश में भी अच्छी कमाई की। विकी की अगली फिल्में 'भूत- पार्ट 1 - द हॉटेड शिप' और 'सरदार ऊधम सिंह' होगी। भूत को भानु प्रताप निर्देशित कर रहे हैं।

एंजेलिना जॉली की आवाज बनेंगी ऐश्वर्या राय बच्चन

पिछले दिनों शाह रुख खान से लेकर रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ, कपिल शर्मा और सान्या मल्होत्रा जैसे सितारों ने अपनी आवाज हॉलीवुड फिल्मों के हिंदी वर्जन में दी है। अब इस फेहरिस्त में ऐश्वर्या राय बच्चन का नाम भी शामिल हो गया है। वर्ष 2014 में रिलीज हुई डिज्नी यूनिवर्स की फिल्म 'मेलफिसेंट -मिस्ट्रेस ऑफ एविल' के सीक्वल के हिंदी संस्करण के लिए ऐश्वर्या राय बच्चन अपनी आवाज देंगी। फिल्म में ऐश्वर्या केंद्रीय किरदार मेलफिसेंट के लिए हिंदी में डायलॉग्स बोलेंगी। यह किरदार हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जॉली ने निभाया है। अच्छाई बनाम बुराई पर आधारित इस फिल्म का पहला पार्ट 2014 में रिलीज हुआ था। उस वक्त एंजेलिना के किरदार, उनके अभिनय, फिल्म के कॉस्ट्यूम्स और संगीत की काफी सराहना हुई थी। भारत में यह फिल्म इस महीने 18 अक्टूबर को हिंदी और अंग्रेजी में रिलीज होगी।

अध्ययन

शोधकर्ताओं के मुताबिक एक शब्द सुनने के बाद उससे संबंधित अन्य संभावित शब्दों का खुद अनुमान लगाने में जुट जाता है हमारा मस्तिष्क

बातों को ऐसे समझता है हमारा मस्तिष्क...

लंदन, प्रेट्र : हम जो कुछ भी बोलते हैं उसे हमारा मस्तिष्क कैसे समझ जाता है? एक नए अध्ययन शोधकर्ताओं ने इसके पीछे के विज्ञान को समझने का दावा किया है। पीएनएएस नामक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि कैसे हमारा मस्तिष्क शब्दों और वाक्यों को सुनकर उनके अर्थ को समझता है और उसके बाद हम उन बातों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हैं। ब्रिटेन की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन के लिए एक विशेष कंप्यूटर के जरिये एक रियल टाइम में प्रतिभागियों के मस्तिष्क की गतिविधि का परीक्षण किया।

अध्ययन के दौरान उन्होंने पाया कि जब भी कोई बात बोली जाती है तो उस वाक्य के शब्द तेजी मस्तिष्क के विभिन्न भागों में प्रवेश करते हैं। एक शब्द सुनने के बाद हमारा मस्तिष्क यह अनुमान लगाने में जुट जाता है कि इसके बाद सामने वाला व्यक्ति उस शब्द से संबंधित किन अन्य शब्दों को बोल सकता है और उसी आधार पर वाक्यों को समझने के बाद उस पर अपनी प्रतिक्रिया देता है। यह प्रक्रिया काफी तेजी से काम करती है और इसी के आधार पर लोग एक-दूसरे से संवाद स्थापित कर पाते हैं।

इस तथ्य की सटीकता का पता करने के लिए शोधकर्ताओं ने एक प्रयोग किया। उन्होंने प्रतिभागियों को एक वाक्य कहा - 'बुजुर्ग ने सेब खाया।' अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि जैसे ही प्रतिभागियों ने 'सेब' शब्द सुना तो उनके मस्तिष्क ने अगले संभावित शब्द का अनुमान बोलने से पहले लगा लिया था।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता और इस अध्ययन के सह-लेखक लोरेन टायलर ने कहा, 'शब्दों के संदर्भ को समझना और उसके बाद उस पर तत्काल प्रतिक्रिया देना एक बहुत जटिल प्रक्रिया है। लेकिन आज हमारे पास ऐसे कंप्यूटर हैं जो इस जटिल प्रक्रिया को आसानी से समझा सकते हैं।' उन्होंने कहा कि हालांकि, हमारे मस्तिष्क की हर गतिविधि को समझना मौजूदा कंप्यूटरों के लिए भी कठिन है क्योंकि मस्तिष्क के भीतर कई जटिल प्रक्रियाएं चलती रहती हैं। लेकिन, कुछ मामलों में कंप्यूटर के जरिये किये गए अध्ययन सार्थक सिद्ध हुए हैं।

यह अध्ययन पीएनएएस नामक जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

कैलकुस-कॉर्टेक्स से प्रभावित होती है ध्यान प्रक्रिया

इससे पहले एक अन्य अध्ययन में शोधकर्ताओं ने एडवांस इमेजिंग और मॉडलिंग तकनीक की मदद से पता लगाया था कि मस्तिष्क का मध्य भाग ध्यान को नियंत्रित करने में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने मस्तिष्क में ऐसे व्हाइट मैटर फाइबर्स का पता लगाया था, जो मस्तिष्क के मध्य भाग सुपीरियर कैलकुस को दिमाग के बाहरी आवरण समेत उसके अन्य हिस्सों से जोड़ते हैं। इस दौरान शोधकर्ताओं ने पाया था कि सुपीरियर कैलकुस ध्यान प्रक्रिया में शामिल सेरेब्रल कॉर्टेक्स के एक हिस्से पैराइएटल कॉर्टेक्स से जुड़ा होता है। वैज्ञानिकों ने कहा था कि सुपीरियर कैलकुस-कॉर्टेक्स की कनेक्टिविटी ध्यान केंद्रित करने और उसके भटकाव को प्रभावित कर सकती है।